

LOK SABHA DEBATES

(NO QUESTION HOUR: PART I - NOT ISSUED)

PART II – PROCEEDINGS OTHER THAN QUESTIONS AND ANSWERS

Monday, July 01, 2024 / Ashadha 10, 1946 (Saka)

<u>C O N T E N T S</u>	<u>P A G E S</u>
OBITUARY REFERENCES	1
CONGRATULATIONS TO MEN'S INDIAN CRICKET TEAM ON WINNING THE T-20 WORLD CUP	2
OBSERVATION RE: OATH OR AFFIRMATION	2
NOMINATION FOR PANEL OF CHAIRPERSONS	3
RULING RE: NOTICES OF ADJOURNMENT MOTION	3
PAPERS LAID ON THE TABLE	3 & 4 - 23
OBSERVATION RE: CONTROLLING OF MIKE SYSTEM	4
ELECTIONS TO COMMITTEES	23 - 25
(i) Committee on Public Accounts	
(ii) Committee on Public Undertakings	
(iii) Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes	
MOTION RE: ELECTION TO COMMITTEE ON WELFARE OF OTHER BACKWARD CLASSES	26 - 28
MATTERS UNDER RULE 377 – LAID	29 - 38
Shri Bidyut Baran Mahato	29
Shri Ganesh Singh	29

Shrimati Smita Uday Wagh	30
Dr. Nishikant Dubey	30
Shrimati Sangeeta Kumari Singh Deo	31
Shrimati Malvika Devi	31
Shri Vishnu Dayal Ram	31
Shri Kanwar Singh Tanwar	32
Dr. Pradeep Kumar Panigrahy	32
Dr. K. Sudhakar	33
Shri Raju Bista	33
Shri K. Sudhakaran	34
Dr. Shashi Tharoor	34
Shri Ve. Vaithilingam	35
Shri Sukhdeo Bhagat	35
Shri Radhakrishna	35
Shri Chhotelal	36
Shri Anand Bhadauria	36
Prof. Sougata Ray	36
Shrimati Pratima Mondal	37
Shri Magunta Sreenivasulu Reddy	37
Dr. Alok Kumar Suman	37
Shri E. T. Mohammed Basheer	38
Shri Hanuman Beniwal	38
Shri Bhartruhari Mahtab	38

MOTION OF THANKS ON THE PRESIDENT’S ADDRESS (Inconclusive)	41 - 70
Shri Anurag Singh Thakur	41 - 63
Kumari Bansuri Swaraj	64 - 69
...	70
ANNOUNCEMENT RE: AMENDMENTS TO MOTION OF THANKS ON THE PRESIDENT’S ADDRESS	71
MOTION OF THANKS ON THE PRESIDENT’S ADDRESS (Contd. – Inconclusive)	72 - 158
Shri Rahul Gandhi	72 - 95
...	96
TEXT OF AMENDMENTS	97 - 111
Sushri Mahua Moitra	112 - 23
Shri Raja A.	124 - 36
Shri Lavu Srikrishna Devarayalu	137 - 42
Shri Rajiv Ranjan Singh alias Lalan Singh	143 - 46
Shri Arvind Ganpat Sawant	147 - 50
Dr. Amol Ramsing Kolhe	151 - 54
Shri Dharambir Singh	155 - 58

**(FOR REST OF THE PROCEEDINGS,
PLEASE SEE THE SUPPLEMENT)**

LOK SABHA DEBATES

PART II –PROCEEDINGS OTHER THAN QUESTIONS AND ANSWERS

Monday, July 1, 2024 / Ashadha 10, 1946 (Saka)

S U P P L E M E N T

<u>CONTENTS</u>		<u>PAGES</u>
XXX	XXX	XXX
	Xxx xxx	xxx xxx
	Xxx xxx	xxx xxx
xxx	xxx	xxx
MOTION OF THANKS ON THE PRESIDENT'S ADDRESS		159 - 270
	Shri Manish Tewari	159 - 62
	Dr. Shrikant Eknath Shinde	163 - 70
	Shrimati Shambhavi	171 - 72
	Shri Abhay Kumar Sinha	173 - 74
	Dr. Gumma Thanuja Rani	175 - 77
	Dr. Sambit Patra	178 - 83
	Shri Amrinder Singh Raja Warring	184 - 88
	Shri E.T. Mohammed Basheer	189 - 91
	Shri Gurmeet Singh Meet Hayer	192 - 94
	Shrimati Joba Majhi	195 - 96
	Dr. Hemant Vishnu Savara	197 - 99
	Shri Mian Altaf Ahmad	200 - 201
	Shri Deepender Singh Hooda	202 - 07
	...	208
	Shri S. Venkatesan	209 - 11
	Shri Ganesh Singh	212 - 16
	Shrimati Pratima Mondal	217 - 19

Shri Krishna Prasad Tenneti	220 - 23
Prof. Varsha Eknath Gaikwad	224 - 27
Shri Konda Vishweshwar Reddy	228 - 32
Shri D.M. Kathir Anand	233 - 36
Shri Balashowry Vallabhaneni	237 - 39
Dr. Rajkumar Sangwan	240 - 41
Shri Imran Masood	242 - 44
Shri Jagdambika Pal	245 - 48
Shri Rajesh Ranjan	249 - 50
Shri N.K. Premachandran	251 - 54
Shri Hanuman Beniwal	255 - 56
Shri Sudama Prasad	257
Dr. Ricky Andrew J. Syngkon	258 - 60
Shri B. Manickam Tagore	261
Shri Sudheer Gupta	262 - 66
Dr. Angomcha Bimol Akoijam	267 - 70

(1100/MK/RCP)

1100 बजे

(माननीय अध्यक्ष पीठासीन हुए)**निधन संबंधी उल्लेख**

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, अत्यंत दुःख के साथ मुझे सभा को अपने एक पूर्व साथी के निधन के बारे में सूचित करना है।

श्री पी.एम. सुब्बा सिक्किम के सिक्किम संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से 7वीं लोक सभा के सदस्य थे। श्री पी.एम. सुब्बा का निधन 86 वर्ष की आयु में 27 जून, 2024 को गंगटोक, सिक्किम में हुआ। माननीय सदस्यगण, दिनांक 19 मई, 2024 को हुई एक दुःखद दुर्घटना में, इस्लामी ईरान गणराज्य के राष्ट्रपति **महामहिम डॉ. सैयद इब्राहिम रईसी** और उनके साथ विदेश मंत्री, डॉ. होसैन अमीर अब्दुल्लाहियान तथा अन्य ईरानी पदाधिकारियों का निधन हो गया।

यह सभा इस दुर्भाग्यपूर्ण हेलीकॉप्टर दुर्घटना में इस्लामी गणराज्य ईरान के राष्ट्रपति महामहिम डॉ. सैयद इब्राहिम रईसी; विदेश मंत्री डॉ. होसैन अमीर-अब्दुल्लाहियान तथा अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों के निधन पर ईरान की सरकार और वहाँ की जनता के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है।

माननीय सदस्यगण, मुझे यह सूचित करना है कि तंजानिया संयुक्त गणराज्य के द्वितीय राष्ट्रपति **महामहिम अजहल अली हसन म्विन्यी** का 29 फरवरी, 2024 को दरएस्सलाम, तंजानिया में निधन हो गया। राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने दो बार भारत की यात्रा की तथा भारत और तंजानिया के मध्य घनिष्ठ संबंध स्थापित करने के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया है।

यह सभा तंजानिया संयुक्त गणराज्य की सरकार और वहाँ की जनता के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है।

माननीय सदस्यगण, मुझे सभा को मलावी गणराज्य के उप-राष्ट्रपति **महामहिम डा. सॉलोस क्लाउस चिलिमा** के निधन के बारे में सूचित करना है। डा. सॉलोस क्लाउस चिलिमा एक अर्थशास्त्री थे, जिन्होंने दो बार मलावी के उप-राष्ट्रपति पद को सुशोभित किया। यह सभा मलावी की सरकार और वहाँ की जनता के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करती है।

माननीय सदस्यगण, 23 जून का दिन आतंकवाद के इतिहास में सबसे काले दिन के रूप में याद किया जाएगा। इस दिन टोरंटो और वैंकूवर से उड़ान भरने वाले एयर इंडिया के दो विमानों को आतंकवादियों द्वारा निशाना बनाया गया था। आयरलैंड में एआई 182 'कनिष्क' में विस्फोट के कारण 329 निर्दोष लोगों ने अपनी जान गंवाई थी, जबकि जापान में ऐसी ही एक और बड़ी तबाही टल गयी। लेकिन, इसमें भी दो अन्य लोगों की मृत्यु हो गई। ये घटनाएं इस बात का स्मरण कराती हैं कि विश्व को आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ के प्रति शून्य सहिष्णुता क्यों बरतनी चाहिए। इसे किसी भी प्रकार से क्षमा नहीं किया जा सकता है, ना ही न्यायोचित ठहराया जा सकता है।

अब यह सभा दिवंगत आत्माओं की स्मृति में कुछ देर मौन रहेगी।

(तत्पश्चात् सदस्यगण थोड़ी देर मौन खड़े रहे।)

माननीय अध्यक्ष : ओम शांति:, शांति:, शांति: ।

(1105/PC/PS)

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम को टी-20 क्रिकेट विश्व कप जीतने पर बधाई

1105 बजे

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मुझे आपके साथ साझा करते हुए अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने 29 जून, 2024 को बारबाडोस, वेस्ट इंडीज़ में टी-20 क्रिकेट विश्व कप जीतने में सफलता प्राप्त की है। इस ऐतिहासिक विजय से पूरे देश में उत्साह और उमंग का संचार हुआ है। इस विजय से हमारे सभी युवाओं तथा सभी खिलाड़ियों को निस्संदेह प्रेरणा मिलेगी।

मैं अपनी ओर से तथा पूरे सदन की ओर से भारतीय क्रिकेट टीम तथा इसके कप्तान श्री रोहित शर्मा जी को बधाई देता हूँ। यह सभा भारतीय क्रिकेट टीम को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देती है।

... (व्यवधान)

शपथ अथवा प्रतिज्ञान के बारे में टिप्पणी

1106 बजे

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, इस पवित्र सदन के सदस्य के रूप में शपथ तथा प्रतिज्ञान करने के उद्देश्य से हमारे संविधान में अनुच्छेद, आर्टिकल 99 एवं संविधान की तीसरी अनुसूची में प्रारूप निर्दिष्ट है, जिसके अनुसार शपथ लेना संसद सदस्यों का संवैधानिक दायित्व है।

हमारे संविधान में शपथ अथवा प्रतिज्ञान की एक सुचिता है, मर्यादा है और गरिमा है। यदि संसद सदस्य अपनी शपथ या प्रतिज्ञान के आरंभ तथा अंत में अधिक शब्दों या वाक्यों की अभिव्यक्ति करते हैं, तो इससे हमारे संविधान की गरिमा और मर्यादा में कमी आती है। संसद सदस्य के रूप में यह हमारा दायित्व है। यह हम सभी के लिए है।

हमारा दायित्व है कि हमारे किसी भी आचरण से इस गरिमा में कमी न हो। इसलिए, मेरा सभी माननीय सदस्यों से आग्रह है कि हम संविधान की तीसरी अनुसूची में निर्दिष्ट प्रारूप के अनुसार, संविधान की मूल भावनाओं के अनुसार शपथ अथवा प्रतिज्ञान करने का संकल्प लें।

यह सदन संकल्प करता है कि प्रत्येक माननीय सदस्य संविधान की तीसरी अनुसूची में निर्दिष्ट प्रारूप के अनुसार शपथ ले। इससे संबंधित विषयों पर गहन विचार, मंथन करते हुए एक संसदीय समिति का भी गठन किया जाएगा, जिसमें मुख्य दलों को शामिल किया जाएगा और यह अपेक्षा की जाएगी कि शपथ अथवा प्रतिज्ञान को हम संविधान की मर्यादाओं के अनुरूप करें तथा भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति न हो।

मेरा सभी माननीय सदस्यों से आग्रह है कि इसका संकल्प लें और भविष्य में इस तरीके की पुनरावृत्ति न हो। यह हम सबके लिए, सदन के लिए चिंता का विषय है और गंभीर विषय है।

... (व्यवधान)

सभापति तालिका के लिए नाम-निर्देशन

1107 बजे

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मुझे सभा को यह सूचित करना है कि लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियम के नियम 9 के अनुसार मैंने निम्नलिखित सदस्यों को सभापति तालिका के सदस्य के रूप में नाम निर्दिष्ट किया है :-

1. श्री जगदम्बिका पाल,
2. श्री पी. सी. मोहन,
3. श्रीमती संध्या राय,
4. श्री दिलीप शङ्कीया,
5. कुमारी सैलजा,
6. श्री राजा ए.,
7. डॉ. काकोली घोष दस्तीदार,
8. श्री कृष्ण प्रसाद टेन्नेटी,
9. श्री अवधेश प्रसाद।

... (व्यवधान)

स्थगन प्रस्ताव की सूचनाओं के बारे में विनिर्णय

1108 बजे

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मुझे कुछ माननीय सदस्यों द्वारा कुछ विषयों पर स्थगन प्रस्ताव की सूचना प्राप्त हुई है। मैंने स्थगन प्रस्ताव की किसी सूचना के लिए अनुमति प्रदान नहीं की है।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, नियम अलाऊ करते हैं, लेकिन अध्यक्ष व्यवस्था दे चुके हैं और अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होता है।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप बैठिए। आप वरिष्ठ वकील हैं।

... (व्यवधान)

सभा पटल पर रखे गए पत्र

1109 बजे

माननीय अध्यक्ष: अब पत्र सभा पटल पर रखे जाएंगे।

आइटम नम्बर – 2, श्री अर्जुन राम मेघवाल जी।

विधि और न्याय मंत्रालय के राज्य मंत्री; तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल) : आदरणीय अध्यक्ष जी, मैं नोटरी अधिनियम, 1952 की धारा 15 की उप-धारा (3) के अंतर्गत नोटरी (संशोधन) नियम, 2024 जो 26 फरवरी, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. सा.का.नि. 132(अ) में प्रकाशित हुए थे, की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) सभा पटल पर रखता हूँ।

(1110/CS/SMN)

OBSERVATION RE: CONTROLLING OF MIKE SYSTEM

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, एक विषय मेरे लिए गम्भीर चिन्ता का विषय है। सदन भी इस पर चिन्ता व्यक्त करे। कई माननीय सदस्य बाहर यह आरोप लगाते हैं कि माननीय अध्यक्ष या पीठासीन अधिकारी या आसन पर बैठे व्यक्ति माइक बन्द कर देते हैं... (व्यवधान) आप वर्षों तक, आपको कई साल हो गए, आपका अनुभव है... (व्यवधान) आप मेरी बात सुनिए... (व्यवधान) आपका अनुभव है। आप मुझसे भी वरिष्ठ हैं। आप पुराने सदन में भी थे, नए सदन में भी हैं। आसन से एक व्यवस्था रहती है कि जिसका नाम पुकारा जाता है, वह अपनी बात कहता है। आसन व्यवस्था दे देता है, दूसरा नाम पुकारा जाता है तो दूसरा व्यक्ति बोलता है। आसन की व्यवस्था के अनुसार माइक का कन्ट्रोल चलता है। माइक का कन्ट्रोल, रिमोट कभी भी आसन पर बैठे हुए व्यक्ति के पास नहीं होता है। आसन पर आप भी बैठते हैं, सभी दल के व्यक्ति बैठते हैं। सभी दलों के सभापति तालिका के सदस्य इसी तरीके से सदन चलाते हैं, चाहे किसी भी दल का सदस्य हो।... (व्यवधान) इस आसन की हमेशा मर्यादा रही है।... (व्यवधान) इसलिए मेरा आग्रह है कि आप कभी भी, सभापति तालिका का कोई भी व्यक्ति आसन पर बैठा हो, आप इस तरीके का आक्षेप नहीं करेंगे तो उचित रहेगा।... (व्यवधान) यह संविधान की मर्यादा के अनुसार रहेगा।... (व्यवधान) माननीय सुरेश जी भी आसन पर बैठते हैं।... (व्यवधान) सुरेश जी ने कभी किसी का माइक... (व्यवधान) क्या माइक आपके हाथ में है?... (व्यवधान) क्या आपके पास माइक का कन्ट्रोल है?... (व्यवधान) क्या कन्ट्रोल है?... (व्यवधान) नहीं है ना, तो आप बोलिए कि कन्ट्रोल नहीं है।... (व्यवधान) सुरेश जी ने कहा है कि माइक का कन्ट्रोल नहीं है।... (व्यवधान) आप सुरेश जी की बात नहीं मानते हैं।... (व्यवधान) नहीं।... (व्यवधान)

आइटम नम्बर 3, श्री पंकज चौधरी जी।

सभा पटल पर रखे गए पत्र - जारी...

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी): महोदय, मैं निम्नलिखित पत्र सभा पटल पर रखता हूँ:-

- (1) बीमा अधिनियम, 1938 की धारा 114 (3) और बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 1999 की धारा 27 के अंतर्गत निम्नलिखित अधिसूचनाओं की एक-एक प्रति :-
 - (एक) भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (बीमाकर्ताओं के लिए कारपोरेट शासन) विनियम, 2024 जो 21 मार्च, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या फा.सं. आईआरडीएआई/आरईजी/7/ 201/2024 में प्रकाशित हुए थे।
 - (दो) भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (ग्रामीण, सामाजिक क्षेत्र और मोटर तृतीय पक्ष दायित्व) विनियम, 2024 जो 21 मार्च, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या फा.सं. आईआरडीएआई/आरईजी/4/198/2024 में प्रकाशित हुए थे।
 - (तीन) भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (बीमा सुगम – बीमा इलेक्ट्रॉनिक बाजार स्थल) विनियम, 2024 जो 21 मार्च, 2024 के भारत के

राजपत्र में अधिसूचना संख्या फा.सं. आईआरडीएआई/आरईजी/5/199/2024 में प्रकाशित हुए थे।

- (चार) अधिसूचना सं. एफ. सं. आईआरडीएआई/एसी/12/206/2024 जो दिनांक 21 मार्च, 2024 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुई थी तथा जिसके द्वारा बीमा सलाहकार समिति के पुनर्गठन को अधिसूचित किया गया है।
- (पांच) अधिसूचना सं. एफ. सं. आईआरडीए/जीईएन इश्योरेंस/टैरिफ/13/207/2024 जो दिनांक 21 मार्च, 2024 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुई थी तथा जिसके द्वारा उक्त अधिनियम की विलोपित धारा 64पग के अंतर्गत पूर्ववर्ती टैरिफ सलाहकार समिति द्वारा अधिसूचित टैरिफ को विअधिसूचित किया गया है।
- (छह) अधिसूचना सं. एफ.सं.आरआईडीएआई/आरआई/3/197/2024 जो दिनांक 20 फरवरी, 2024 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुई थी तथा जिसके द्वारा "वित्तीय वर्ष 2024-2025 का अनिवार्य अध्यर्पण" को अधिसूचित किया गया है।
- (सात) भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (बीमाकर्ताओं के बीमांकक, वित्तीय और निवेश कार्य) विनियम, 2024 जो 22 मार्च, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या फा.सं. आईआरडीएआई/आरईजी/10/204/2024 में प्रकाशित हुए थे।
- (आठ) भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (बीमा उत्पाद) विनियम, 2024 जो 22 मार्च, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या फा.सं. आईआरडीएआई/आरईजी/8/202/2024 में प्रकाशित हुए थे।
- (नौ) भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (विदेशी पुनःबीमाकर्ता शाखाओं और लॉयड्स इंडिया का रजिस्ट्रीकरण और प्रचालन) विनियम, 2024 जो 22 मार्च, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या फा.सं. आईआरडीएआई/आरईजी/9/203/2024 में प्रकाशित हुए थे।
- (दस) भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (बीमाकर्ताओं का रजिस्ट्रीकरण, पूंजी संरचना, शेयरों का अंतरण और समामेलन) विनियम, 2024 जो 22 मार्च, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या फा.सं. आईआरडीएआई/आरईजी/6/200/2024 में प्रकाशित हुए थे।
- (ग्यारह) भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (पॉलिसीधारकों के हितों का संरक्षण, बीमाकर्ताओं के कार्य और समवर्गी मामले) विनियम, 2024 जो 22 मार्च, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या फा.सं. आईआरडीएआई/आरईजी/11/205/2024 में प्रकाशित हुए थे।

- (2) निक्षेप बीमा और ऋण गारंटी निगम, मुम्बई के 31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष के लिए वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रजी संस्करण) तथा लेखापरीक्षित लेखे।
- (3) भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955 की धारा 50 की उप-धारा(4) के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक कर्मचारी पेशन निधि (संशोधन) विनियम, 2024 जो 20 मार्च, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. एचआर/पीएण्डपीएमडी/एसपीएल/ एसपी/2023-24/29 में प्रकाशित हुए थे, की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रजी संस्करण)।
- (4) (एक) राष्ट्रीय आवासन बैंक अधिनियम, 1987 की धारा 42 के अंतर्गत राष्ट्रीय आवासन बैंक के भारत में आवासन की प्रवृत्ति और प्रगति संबंधी प्रतिवेदन 2023 की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रजी संस्करण)।
- (दो) राष्ट्रीय आवासन बैंक के भारत में आवासन की प्रवृत्ति और प्रगति संबंधी प्रतिवेदन 2023 की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रजी संस्करण)।
- (5) भारतीय जीवन बीमा निगम, 1956 की धारा 48 की उप-धारा (3) के अंतर्गत निम्नलिखित अधिसूचनाओं की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रजी संस्करण):-
- (एक) भारतीय जीवन बीमा निगम, श्रेणी – एक अधिकारी (सेवा के निबंधन और शर्तों का संशोधन) संशोधन नियम, 2024 जो दिनांक 30 अप्रैल, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. सा.का.नि.256 (अ) में प्रकाशित हुए थे।
- (दो) भारतीय जीवन बीमा निगम विकास अधिकारी (सेवा के निबंधन और शर्तों का संशोधन) संशोधन नियम, 2024 जो दिनांक 30 अप्रैल, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. सा.का.नि.257 (अ) में प्रकाशित हुए थे।
- (तीन) भारतीय जीवन बीमा निगम, श्रेणी – तीन और चार कर्मचारी (सेवा के निबंधन और शर्तों का संशोधन) संशोधन नियम, 2024 जो दिनांक 30 अप्रैल, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. सा.का.नि.258 (अ) में प्रकाशित हुए थे।
- (चार) भारतीय जीवन बीमा निगम, श्रेणी – तीन अधिकारी (परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए विशेष भत्ता) संशोधन नियम, 2024 जो दिनांक 30 अप्रैल, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. सा.का.नि.259 (अ) में प्रकाशित हुए थे।
- (पांच) भारतीय जीवन बीमा निगम (विशेष क्षेत्र भत्ता) संशोधन नियम, 2024 जो दिनांक 30 अप्रैल, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. सा.का.नि.260 (अ) में प्रकाशित हुए थे।
- (छह) भारतीय जीवन बीमा निगम (बीमांकक क्षमता के संस्थानिक विकास के लिए विशेष क्षेत्र भत्ता) संशोधन नियम, 2024 जो दिनांक 30 अप्रैल, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. सा.का.नि.261 (अ) में प्रकाशित हुए थे।
- (सात) भारतीय जीवन बीमा निगम, श्रेणी – एक अधिकारी (भारतीय बीमा संस्थान की परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए विशेष भत्ता) संशोधन नियम, 2024 जो दिनांक

30 अप्रैल, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. सा.का.नि.262 (अ) में प्रकाशित हुए थे।

- (आठ) भारतीय जीवन बीमा निगम, सूचना प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ (चयन, सेवा के निबंधन और शर्तें और भत्ते का भुगतान) संशोधन नियम, 2024 जो दिनांक 30 अप्रैल, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. सा.का.नि.263 (अ) में प्रकाशित हुए थे।
- (6) भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक अधिनियम, 1989 की धारा 52 की उप-धारा (3) के अंतर्गत निम्नलिखित पत्रों की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण):-
- (एक) भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (कर्मचारियों को उपदान का संदाय) [संशोधन] विनियम, 2003 जो दिनांक 3 जून, 2003 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. एचआरडीडी सं. 101/स्टॉफ जनरल. (2) में प्रकाशित हुए थे।
- (दो) भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (कर्मचारी भविष्य निधि) [संशोधन] विनियम, 2004 जो दिनांक 9 मार्च, 2004 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. एचओ सं. 6684/स्टॉफ जनरल (2) में प्रकाशित हुए थे।
- (तीन) भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (कर्मचारियों को उपदान का संदाय) [संशोधन] विनियम, 2010 जो दिनांक 16 नवंबर, 2010 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. एचआरडीडी सं. 2676/स्टॉफ जनरल. (2) में प्रकाशित हुए थे।
- (चार) भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (कर्मचारी भविष्य निधि) [संशोधन] विनियम, 2011 जो दिनांक 22 दिसंबर, 2011 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. एचआरडीडी सं. 3617/स्टॉफ जनरल (2) में प्रकाशित हुए थे।
- (पांच) भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (कर्मचारी) [संशोधन] विनियम, 2011 जो दिनांक 27 जनवरी, 2012 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. एचआरडीडी सं. 3716/स्टॉफ जनरल (2) में प्रकाशित हुए थे।
- (छह) भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (परिभाषित अंशदायी नई पेशन) विनियम, 2012 जो दिनांक 26 जून, 2013 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. एफ. सं. 4465/एपीवी में प्रकाशित हुए थे।
- (सात) भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सामान्य) [संशोधन] विनियम, 2013 जो दिनांक 8 अगस्त, 2013 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. एफ. सं. 2084/सीएवी में प्रकाशित हुए थे।
- (आठ) भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (कर्मचारिण) [संशोधन] विनियम, 2014 जो दिनांक 17 जुलाई, 2014 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. एफ. सं. एचआरवी सं. 1773/सीएवी में प्रकाशित हुए थे।

- (7) उपर्युक्त (6) में उल्लिखित पत्रों को सभा पटल पर रखने में हुए विलंब के कारण दर्शाने वाला विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (8) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 394 की उप-धारा 1(ख) के अंतर्गत निम्नलिखित पत्रों की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण):-
- (एक) औद्योगिक निवेश विकास बैंक लिमिटेड (इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट बैंक ऑफ इंडिया लिमिटेड (वोलंटरी वाइडिंग अप ऑफ आईआईबीआई टू द इक्विटी शेयरहोल्डर्स ऑफ आईआईबीआई), कोलकाता की 31.03.2024 को समाप्त हुई तिमाही के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा।
- (दो) इंडस्ट्रियल इन्वेस्टमेंट बैंक ऑफ इंडिया लिमिटेड (वोलंटरी वाइडिंग अप ऑफ आईआईबीआई टू द इक्विटी शेयरहोल्डर्स ऑफ आईआईबीआई), कोलकाता का 31.03.2024 को समाप्त हुई तिमाही के लिए परिसमापक का प्रतिवेदन, लेखापरीक्षित लेखे तथा उनपर नियंत्रक-महालेखापरीक्षक की टिप्पणियां।
- (9) पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम, 2013 की धारा 53 के अंतर्गत निम्नलिखित अधिसूचनाओं की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण):-
- (एक) पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण (अभिदाता शिक्षा और संरक्षण निधि) (संशोधन) विनियम, 2023 जो दिनांक 29 जनवरी, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या फा.सं. पीएफआरडीए/04/01/4/0002/2017-वित्त.एलआईटी. में प्रकाशित हुए थे।
- (दो) पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण (राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली न्यास) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2023 जो दिनांक 7 फरवरी, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या पीएफआरडीए/16/02/05/0001/2021-आरईजी-एनपीएसटी में प्रकाशित हुए थे।
- (तीन) पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण (न्यासी बैंक) (संशोधन) विनियम, 2023 जो दिनांक 9 फरवरी, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या पीएफआरडीए/16/04/06/0016/2017-आरईजी-टीबी में प्रकाशित हुए थे।
- (चार) पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण (केंद्रीय रिकार्ड रखरखाव एजेंसी) (संशोधन) विनियम, 2023 जो दिनांक 9 फरवरी, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या पीएफआरडीए/16/01/08/0048/2017-आरईजी-सीआरए में प्रकाशित हुए थे।
- (पांच) पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण (पेंशन निधि) (संशोधन) विनियम, 2023 जो दिनांक 13 फरवरी, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या पीएफआरडीए/16/3/29/0089/2017-आरईजी-पीएफ. में प्रकाशित हुए थे।

- (छह) पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण (विनियम बनाए जाने की प्रक्रिया और समीक्षा) विनियम, 2024 जो दिनांक 26 अप्रैल, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना फाईल संख्या पीएफआरडीए/12/01/0001/2023-लीगल में प्रकाशित हुए थे।
- (सात) पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण (पेंशन निधि) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2023 जो 28 फरवरी, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या पीएफआरडीए/16/3/29/0089/2017-आरईजी-पीएफ. में प्रकाशित हुए थे।
- (आठ) पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण (प्रतिभूतियों का अभिरक्षक) (संशोधन) विनियम, 2023 जो 21 फरवरी, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या पीएफआरडीए/16/12/06/0001/2017-आरईजी-सीयूएसटी. में प्रकाशित हुए थे।
- (नौ) पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण (सेवानिवृत्ति सलाहकार) (संशोधन) विनियम, 2023 जो 21 फरवरी, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या फा.सं. पीएफआरडीए/16/13/0017/2002-आरईजी-आरए. में प्रकाशित हुए थे।
- (दस) पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण (अभिदाता की शिकायत का निवारण) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2023 जो 21 फरवरी, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या पीएफआरडीए/12/आरजीएल/139/1. में प्रकाशित हुए थे।
- (10) सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 159 के अंतर्गत निम्नलिखित अधिसूचनाओं की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण):-
- (एक) का.आ.720(अ) जो 15 फरवरी, 2024 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था तथा जिसके द्वारा दिनांक 3 अगस्त, 2001 की अधिसूचना सं. का.आ.748(अ) में कतिपय संशोधन किए गए हैं, तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (दो) दिनांक 15 फरवरी, 2024 की अधिसूचना सं. 13 / 2024 – सीमा शुल्क (एन. टी.) जिसके द्वारा आयातित और निर्यात माल के लिए विदेशी मुद्रा को भारतीय मुद्रा में और भारतीय मुद्रा को विदेशी मुद्रा में परिवर्तित करने की संशोधित दरों को अधिसूचित किया गया है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (तीन) का.आ.968(अ) जो 29 फरवरी, 2024 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था तथा जिसके द्वारा दिनांक 3 अगस्त, 2001 की अधिसूचना सं. का.आ.748(अ) में कतिपय संशोधन किए गए हैं, तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।

- (चार) का.आ.1117(अ) जो 6 मार्च , 2024 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था तथा जिनके द्वारा दिनांक 3 अगस्त, 2001 की अधिसूचना सं. का.आ.748(अ) में कतिपय संशोधन किए गए हैं, तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापना
- (पांच) दिनांक 7 मार्च, 2024 की अधिसूचना सं. 18 / 2024 – सीमा शुल्क (एन. टी.) जिसके द्वारा आयातित और निर्यात माल के लिए विदेशी मुद्रा को भारतीय मुद्रा में और भारतीय मुद्रा को विदेशी मुद्रा में परिवर्तित करने की संशोधित दरों को अधिसूचित किया गया है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापना
- (छह) का.आ.1367(अ) जो 15 मार्च, 2024 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था तथा जिसके द्वारा दिनांक 3 अगस्त, 2001 की अधिसूचना सं. का.आ.748(अ) में कतिपय संशोधन किए गए हैं, तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापना
- (सात) दिनांक 26 मार्च , 2024 की अधिसूचना सं. 24 / 2024 – सीमा शुल्क (एन. टी.) जिसके द्वारा आयातित और निर्यात माल के लिए विदेशी मुद्रा को भारतीय मुद्रा में और भारतीय मुद्रा को विदेशी मुद्रा में परिवर्तित करने की संशोधित दरों को अधिसूचित किया गया है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापना
- (आठ) का.आ.1583(अ) जो 28 मार्च , 2024 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था तथा जिसके द्वारा दिनांक 3 अगस्त, 2001 की अधिसूचना सं. का.आ.748(अ) में कतिपय संशोधन किए गए हैं, तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापना
- (नौ) दिनांक 4 अप्रैल, 2024 की अधिसूचना सं. 27 / 2024 – सीमा शुल्क (एन. टी.) जिसके द्वारा आयातित और निर्यात माल के लिए विदेशी मुद्रा को भारतीय मुद्रा में और भारतीय मुद्रा को विदेशी मुद्रा में परिवर्तित करने की संशोधित दरों को अधिसूचित किया गया है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापना
- (दस) का.आ.1655(अ) जो 9 अप्रैल, 2024 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था तथा जिसके द्वारा दिनांक 3 अगस्त, 2001 की अधिसूचना सं. का.आ.748(अ) में कतिपय संशोधन किए गए हैं, तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापना
- (ग्यारह) का.आ.1717(अ) जो 15 अप्रैल , 2024 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था तथा जिसके द्वारा दिनांक 3 अगस्त, 2001 की अधिसूचना सं. का.आ.748(अ) में कतिपय संशोधन किए गए हैं, तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापना
- (बारह) दिनांक 18 अप्रैल, 2024 की अधिसूचना सं. 30 / 2024 – सीमा शुल्क (एन. टी.) जिसके द्वारा आयातित और निर्यात माल के लिए विदेशी मुद्रा को भारतीय

मुद्रा में और भारतीय मुद्रा को विदेशी मुद्रा में परिवर्तित करने की संशोधित दरों को अधिसूचित किया गया है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।

- (तेरह) का.आ.1876(अ) जो 30 अप्रैल, 2024 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था तथा जिसके द्वारा दिनांक 3 अगस्त, 2001 की अधिसूचना सं. का.आ.748(अ) में कतिपय संशोधन किए गए हैं, तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (चौदह) दिनांक 2 मई, 2024 की अधिसूचना सं. 34 / 2024 – सीमा शुल्क (एन. टी.) जिसके द्वारा आयातित और निर्यात माल के लिए विदेशी मुद्रा को भारतीय मुद्रा में और भारतीय मुद्रा को विदेशी मुद्रा में परिवर्तित करने की संशोधित दरों को अधिसूचित किया गया है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (पंद्रह) का.आ.1995(अ) जो 15 मई, 2024 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था तथा जिसके द्वारा दिनांक 3 अगस्त, 2001 की अधिसूचना सं. का.आ.748(अ) में कतिपय संशोधन किए गए हैं, तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (सोलह) दिनांक 16 मई, 2024 की अधिसूचना सं. 36 / 2024 – सीमा शुल्क (एन. टी.) जिसके द्वारा आयातित और निर्यात माल के लिए विदेशी मुद्रा को भारतीय मुद्रा में और भारतीय मुद्रा को विदेशी मुद्रा में परिवर्तित करने की संशोधित दरों को अधिसूचित किया गया है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (सत्रह) का.आ.2070(अ) जो 21 मई, 2024 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था तथा जिसके द्वारा दिनांक 3 अगस्त, 2001 की अधिसूचना सं. का.आ.748(अ) में कतिपय संशोधन किए गए हैं, तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (अठारह) का.आ.2162(अ) जो 31 मई, 2024 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था तथा जिसके द्वारा दिनांक 3 अगस्त, 2001 की अधिसूचना सं. का.आ.748(अ) में कतिपय संशोधन किए गए हैं, तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (उन्नीस) दिनांक 6 जून, 2024 की अधिसूचना सं. 40/2024 – सीमा शुल्क (एन. टी.) जिसके द्वारा आयातित और निर्यात माल के लिए विदेशी मुद्रा को भारतीय मुद्रा में और भारतीय मुद्रा को विदेशी मुद्रा में परिवर्तित करने की संशोधित दरों को अधिसूचित किया गया है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (बीस) का.आ.2330(अ) जो 14 जून, 2024 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था तथा जिसके द्वारा दिनांक 3 अगस्त, 2001 की अधिसूचना सं. का.आ.748(अ) में कतिपय संशोधन किए गए हैं, तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।

- (इक्कीस) दिनांक 20 जून , 2024 की अधिसूचना सं. 45 / 2024 – सीमा शुल्क (एन. टी.) जिसके द्वारा आयातित और निर्यात माल के लिए विदेशी मुद्रा को भारतीय मुद्रा में और भारतीय मुद्रा को विदेशी मुद्रा में परिवर्तित करने की संशोधित दरों को अधिसूचित किया गया है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (बाईस) सा.का.नि.173(अ) जो 11 मार्च, 2024 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनके द्वारा 1 अप्रैल, 2023 की अधिसूचना सं. सा.का.नि.261(अ) में कतिपय संशोधन किए गए हैं, तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (तेईस) सा.का.नि.268(अ) जो 30 अप्रैल, 2024 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनके द्वारा 20 अक्टूबर, 2023 की अधिसूचना सं. सा.का.नि.792(अ) में कतिपय संशोधन किए गए हैं, तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (चौबीस) दिनांक 1 फरवरी, 2024 की अधिसूचना सं. 10 / 2024 – सीमा शुल्क (एन. टी.) जिसके द्वारा आयातित और निर्यात माल के लिए विदेशी मुद्रा को भारतीय मुद्रा में और भारतीय मुद्रा को विदेशी मुद्रा में परिवर्तित करने की संशोधित दरों को अधिसूचित किया गया है तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (पच्चीस) का.आ.396(अ) जो दिनांक 31 जनवरी, 2024 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुआ था तथा जिसके द्वारा दिनांक 3 अगस्त, 2001 की अधिसूचना सं. का.आ. 748(अ) में कतिपय संशोधन किए गए हैं तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (11) विदेशी मुद्रा प्रबंध अधिनियम, 1999 की धारा 48 के अंतर्गत निम्नलिखित अधिसूचनाओं की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण):-
- (एक) विदेशी मुद्रा प्रबंध (व्युत्पन्न संविदाओं के लिए मार्जिन) (पहला संशोधन) विनियम, 2024 जो दिनांक 6 मई, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. एफईएमए.399(1)2024-आरबी. में प्रकाशित हुए थे।
- (दो) विदेशी मुद्रा प्रबंध (गैर-ऋण लिखत) (दूसरा संशोधन) नियम, 2024 जो दिनांक 14 मार्च, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. का.आ.1361(अ) में प्रकाशित हुए थे।
- (तीन) विदेशी मुद्रा प्रबंध (गैर-ऋण लिखत) (तीसरा संशोधन) नियम, 2024 जो दिनांक 16 अप्रैल, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. का.आ.1772(अ) में प्रकाशित हुए थे।
- (12) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 की धारा 31 के अंतर्गत निम्नलिखित अधिसूचनाओं की एक-एक प्रति (हिन्दी और अंग्रेजी संस्करण):-
- (एक) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (भू-संपदा निवेश न्यास) (संशोधन) विनियम, 2024 जो दिनांक 8 मार्च, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या सेबी/एलएडी-एनआरओ/जीएन/2024/166 में प्रकाशित हुए थे।

- (दो) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (वैकल्पिक निवेश निधियां) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2024 जो दिनांक 25 अप्रैल, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या सेबी/एलएडी-एनआरओ/जीएन/2024/168 में प्रकाशित हुए थे।
- (तीन) अधिसूचना संख्या सेबी/एलएडी-एनआरओ/जीएन/2024/175 जो दिनांक 10 मई, 2024 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुई थी तथा जिसके द्वारा सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (वैकल्पिक निवेश निधियां) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2023 के विनियम 3 के उप-विनियम (तीन) में संशोधनों के प्रवृत्त होने को नियत किया गया है।
- (चार) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) (संशोधन) विनियम, 2024 जो दिनांक 17 मई, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या सेबी/एलएडी-एनआरओ/जीएन/2024/177 में प्रकाशित हुए थे।
- (पांच) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (पूंजी निर्गम और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) (संशोधन) विनियम, 2024 जो दिनांक 17 मई, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या सेबी/एलएडी-एनआरओ/जीएन/2024/178 में प्रकाशित हुए थे।
- (छह) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (अवसंरचना निवेश न्यास) (संशोधन) विनियम, 2024 जो दिनांक 27 मई, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या सेबी/एलएडी-एनआरओ/जीएन/2024/182 में प्रकाशित हुए थे।
- (सात) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (कर्मचारियों की सेवा) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2024 जो दिनांक 6 मई, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या सेबी/एलएडी-एनआरओ/जीएन/2024/172 में प्रकाशित हुए थे।
- (आठ) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक) (संशोधन) विनियम, 2024 जो दिनांक 3 जून, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या सेबी/एलएडी-एनआरओ/जीएन/2024/183 में प्रकाशित हुए थे।
- (13) आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 296 के अंतर्गत निम्नलिखित अधिसूचनाओं (हिन्दी और अंग्रेजी संस्करण) की एक-एक प्रति: -
- (एक) आयकर (चौथा संशोधन) नियम, 2024 जो दिनांक 5 मार्च, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या सा.का.नि.155(अ) में प्रकाशित हुए थे तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापन।
- (दो) सा.का.नि.223(अ) जो 19 मार्च, 2024 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनके द्वारा दिनांक 5 मार्च, 2024 की अधिसूचना सं. सा.का.नि.155(अ)

में कतिपय संशोधन किए गए हैं।

- (तीन) का.आ.2103(अ) जो दिनांक 24 मई, 2024 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुए थे तथा जिनके द्वारा वित्त वर्ष 2024-25 के लिए लागत मुद्रास्फीति सूचकांक को अधिसूचित किया गया है।
- (चार) आयकर (छठा संशोधन) नियम, 2024 जो दिनांक 4 जून, 2024 के भारत के राजपत्र में अधिसूचना संख्या सा.का.नि.309(अ) में प्रकाशित हुए थे तथा एक व्याख्यात्मक ज्ञापना
- (14) ऋण वसूली और दिवाला अधिनियम, 1993 की धारा 36 की उप-धारा (3) के अंतर्गत निम्नलिखित अधिसूचनाओं की एक-एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण):-
- (एक) अधिसूचना संख्या का.आ.4312(अ), जो 6 सितम्बर, 2018 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुई थीं तथा जिसके द्वारा ऋण वसूली अधिकरणों (डीआरटी) के आर्थिक क्षेत्राधिकार में परिवर्तन को अधिसूचित किया गया है।
- (दो) अधिसूचना संख्या का.आ.2478(अ), जो 11 जुलाई, 2019 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुई थीं तथा जिनके द्वारा ऋण वसूली अधिकरणों (डीआरटी) के आर्थिक क्षेत्राधिकार में परिवर्तन को अधिसूचित किया गया है।
- (तीन) अधिसूचना संख्या का.आ.1796(अ), जो 25 अप्रैल, 2024 के भारत के राजपत्र में प्रकाशित हुई थीं तथा जिनके द्वारा ऋण वसूली अधिकरणों (डीआरटी) के आर्थिक क्षेत्राधिकार में परिवर्तन को अधिसूचित किया गया है।
- (15) उपर्युक्त (14) में उल्लिखित पत्रों को सभा पटल पर रखने में हुए विलंब के कारण दर्शाने वाला विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

.....

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT; AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (DR. CHANDRA SEKHAR PEMMASANI): Sir, I beg to lay on the Table a copy of the Notification No. S.O.2352(E) (Hindi and English versions) published in Gazette of India dated 18th June, 2024 appointing the 18th day of June, 2024 as the date on which the Post Office Act, 2023, shall come into force, under Section 14 of Post Office Act, 2023.

....

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EDUCATION; AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF DEVELOPMENT OF NORTH EASTERN REGION (SHRI SUKANTA MAJUMDAR): Sir, I beg to lay on the Table:-

- (1) A copy each of the following Notifications (Hindi and English versions) under Section 33 of the Auroville Foundation Act, 1988:-

- (i) The Auroville Foundation (Admission and Termination of Persons in the Register of Residents) Regulations, 2023 published in Notification No. F.No. AF/1-4/2023. in Gazette of India dated 4th January, 2024.
 - (ii) The Auroville Foundation (Framework for Selection of Working Committee) Regulations, 2024 published in Notification No. F.No. AF/1-4/2023. in Gazette of India dated 12th January, 2024.
- (2)
 - (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Auroville Foundation, Villupuram, for the year 2022-2023, alongwith Audited Accounts.
 - (ii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the Auroville Foundation, Villupuram, for the year 2022-2023.
- (3) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (2) above.
- (4)
 - (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the National Institute of Technology, Durgapur, for the year 2022-2023, alongwith audited accounts.
 - (ii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the National Institute of Technology, Durgapur, for the year 2022-2023.
- (5) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (4) above.
- (6)
 - (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the National Institute of Technology, Nagaland, for the year 2022-2023, alongwith audited accounts.
 - (ii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the National Institute of Technology, Nagaland, for the year 2022-2023.
- (7) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (6) above.
- (8)
 - (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the National Institute of Technology, Meghalaya, for the year 2022-2023, alongwith audited accounts.

- (ii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the National Institute of Technology, Meghalaya, for the year 2022-2023.
- (9) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (8) above.
- (10)
 - (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the National Institute of Technology, Goa, for the year 2022-2023, alongwith audited accounts.
 - (ii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the National Institute of Technology, Goa, for the year 2022-2023.
- (11) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (10) above.
- (12)
 - (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the National Institute of Technology, Mizoram, for the year 2022-2023, alongwith audited accounts.
 - (ii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the National Institute of Technology, Mizoram, for the year 2022-2023.
- (13) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (12) above.
- (14)
 - (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the National Institute of Technology, Agartala, for the year 2022-2023, alongwith audited accounts.
 - (ii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the National Institute of Technology, Agartala, for the year 2022-2023.
- (15) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (14) above.
- (16) A copy of the Indian Institute of Management Ahmedabad Regulations, 2024 (Hindi and English versions) published in Notification No. F.No. IIMA/CAO/OFF/2024/011. in Gazette of India dated 18th June, 2024 under Section 35 of the Indian Institute of Management Act, 2017.
- (17)
 - (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the National Council for Promotion of Sindhi Language, New Delhi, for the year 2022-2023.

- (ii) A copy of the Annual Accounts (Hindi and English versions) of the National Council for Promotion of Sindhi Language, New Delhi, for the year 2022-2023, together with Audit Report thereon.
 - (iii) Statement regarding Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the National Council for Promotion of Sindhi Language, New Delhi, for the year 2022-2023.
- (18) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (17) above.
- (19)
 - (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Management, Indore, for the year 2022-2023, alongwith audited accounts.
 - (ii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the Indian Institute of Management, Indore, for the year 2022-2023.
- (20) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (19) above.
- (21)
 - (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Management, Jammu, for the year 2022-2023, alongwith audited accounts.
 - (ii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the Indian Institute of Management, Jammu, for the year 2022-2023.
- (22) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (21) above.
- (23)
 - (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Management, Sirmaur, for the year 2022-2023, alongwith audited accounts.
 - (ii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the Indian Institute of Management, Sirmaur, for the year 2022-2023.
- (24) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (23) above.

- (25) (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Management, Bodh Gaya, for the year 2022-2023, alongwith audited accounts.
- (ii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the Indian Institute of Management, Bodh Gaya, for the year 2022-2023.
- (26) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (25) above.
- (27) (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Management, Kashipur, for the year 2022-2023, alongwith audited accounts.
- (ii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the Indian Institute of Management, Kashipur, for the year 2022-2023.
- (28) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (27) above.
- (29) (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Management, Ahmedabad, for the year 2022-2023, alongwith audited accounts.
- (ii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the Indian Institute of Management, Ahmedabad, for the year 2022-2023.
- (30) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (29) above.
- (31) (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Management, Rohtak, for the year 2022-2023, alongwith audited accounts.
- (ii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the Indian Institute of Management, Rohtak, for the year 2022-2023.
- (32) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (31) above.
- (33) (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Management, Ranchi, for the year 2022-2023, alongwith audited accounts.

- (ii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the Indian Institute of Management, Ranchi, for the year 2022-2023.
- (34) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (33) above.
- (35)
 - (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Management, Kozhikode, for the year 2022-2023, alongwith audited accounts.
 - (ii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the Indian Institute of Management, Kozhikode, for the year 2022-2023.
- (36) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (35) above.
- (37)
 - (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Management, Nagpur, for the year 2022-2023, alongwith audited accounts.
 - (ii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the Indian Institute of Management, Nagpur, for the year 2022-2023.
- (38) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (37) above.
- (39)
 - (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Information Technology, Sonapat, for the year 2022-2023, alongwith Audited Accounts.
 - (ii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the Indian Institute of Information Technology, Sonapat, for the year 2022-2023.
- (40) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (39) above.
- (41)
 - (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Information Technology, Bhopal, for the year 2022-2023, alongwith Audited Accounts.
 - (ii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the Indian Institute of Information Technology, Bhopal, for the year 2022-2023.
- (42) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (41) above.

- (43) (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Information Technology, Agartala, for the year 2022-2023, alongwith Audited Accounts.
- (ii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the Indian Institute of Information Technology, Agartala, for the year 2022-2023.
- (44) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (43) above.
- (45) (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Information Technology, Senapati, Manipur, for the year 2022-2023.
- (ii) A copy of the Annual Accounts (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Information Technology, Senapati, Manipur, for the year 2022-2023, together with Audit Report thereon.
- (iii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the Indian Institute of Information Technology, Senapati, Manipur, for the year 2022-2023.
- (46) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (45) above.
- (47) (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Information Technology, Lucknow, for the year 2022-2023, alongwith Audited Accounts.
- (ii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the Indian Institute of Information Technology, Lucknow, for the year 2022-2023.
- (48) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (47) above.
- (49) (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Information Technology, Ranchi, for the year 2022-2023, alongwith Audited Accounts.
- (ii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the Indian Institute of Information Technology, Ranchi, for the year 2022-2023.
- (50) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (49) above.

- (51) (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Information Technology, Raichur, for the year 2022-2023.
- (ii) A copy of the Annual Accounts (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Information Technology, Raichur, for the year 2022-2023, together with Audit Report thereon.
- (iii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the Indian Institute of Information Technology, Raichur, for the year 2022-2023.
- (52) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (51) above.
- (53) (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Central Institute of Classical Tamil, Chennai, for the year 2022-2023, alongwith audited accounts.
- (ii) Statement regarding Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the Central Institute of Classical Tamil, Chennai, for the year 2022-2023.
- (54) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (53) above.
- (55) (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Science Education and Research, Kolkata, for the year 2022-2023.
- (ii) A copy of the Annual Accounts (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Science Education and Research, Kolkata, for the year 2022-2023, together with Audit Report thereon.
- (iii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the Indian Institute of Science Education and Research, Kolkata, for the year 2022-2023.
- (56) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (55) above.
- (57) (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Information Technology, Design and Manufacturing, Kancheepuram, for the year 2022-2023.
- (ii) A copy of the Annual Accounts (Hindi and English versions) of the Indian Institute of Information Technology, Design and Manufacturing, Kancheepuram, for the year 2022-2023, together with Audit Report thereon.

- (iii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the Indian Institute of Information Technology, Design and Manufacturing, Kancheepuram, for the year 2022-2023.
- (58) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (57) above.
- (59) (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Central Institute of Hindi, Agra, for the year 2022-2023.
- (ii) A copy of the Annual Accounts (Hindi and English versions) of the Central Institute of Hindi, Agra, for the year 2022-2023, together with Audit Report thereon.
- (iii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the Central Institute of Hindi, Agra, for the year 2022-2023.
- (60) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (59) above.
- (61) (i) A copy of the Annual Report (Hindi and English versions) of the Avinashilingam Institute for Home Science and Higher Education for Women, Coimbatore, for the year 2021-2022.
- (ii) A copy of the Annual Accounts (Hindi and English versions) of the Avinashilingam Institute for Home Science and Higher Education for Women, Coimbatore, for the year 2021-2022, together with Audit Report thereon.
- (iii) A copy of the Review (Hindi and English versions) by the Government of the working of the Avinashilingam Institute for Home Science and Higher Education for Women, Coimbatore, for the year 2021-2022.
- (62) Statement (Hindi and English versions) showing reasons for delay in laying the papers mentioned at (61) above.

.....

विधि और न्याय मंत्रालय के राज्य मंत्री; तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल) : महोदय, श्री कीर्ति वर्धन सिंह जी की ओर से, मैं निम्नलिखित पत्र सभा पटल पर रखता हूँ :-

- (1) (एक) राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण, चेन्नई के वर्ष 2022-2023 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा लेखापरीक्षित लेखे।
- (दो) राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण, चेन्नई के वर्ष 2022-2023 के कार्यकरण की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

- (2) उपर्युक्त (1) में उल्लिखित पत्रों को सभा पटल पर रखने में हुए विलंब के कारण दर्शाने वाला विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

.....

जल शक्ति मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ. राज भूषण चौधरी) : महोदय, मैं निम्नलिखित पत्र सभा पटल पर रखता हूँ:-

- (1) (एक) राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की के वर्ष 2022-2023 के वार्षिक प्रतिवेदन की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण) तथा लेखापरीक्षित लेखे।
- (दो) राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की के वर्ष 2022-2023 के कार्यक्रम की सरकार द्वारा समीक्षा की एक प्रति (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।
- (2) उपर्युक्त (1) में उल्लिखित पत्रों को सभा पटल पर रखने में हुए विलंब के कारण दर्शाने वाला विवरण (हिन्दी तथा अंग्रेजी संस्करण)।

.....

ELECTIONS TO COMMITTEES

(i) Committee on Public Accounts

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS; AND MINISTER OF MINORITY AFFAIRS (SHRI KIREN RIJJU): I beg to move the following:-

“That this House do recommend to Rajya Sabha that Rajya Sabha do agree to nominate seven members from Rajya Sabha for being associated with the Committee on Public Accounts of the House for the term ending on the 30th April, 2025 and do communicate to this House the names of the members so nominated by Rajya Sabha.”

माननीय अध्यक्ष : प्रश्न यह है:

“कि यह सभा राज्य सभा से सिफारिश करती है कि राज्य सभा 30 अप्रैल, 2025 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए सभा की लोक लेखा समिति के साथ सहयोजित करने के लिए राज्य सभा से सात सदस्य नामनिर्दिष्ट करने पर सहमत हो और राज्य सभा द्वारा इस प्रकार नामनिर्दिष्ट सदस्यों के नाम इस सभा को सूचित करे।”

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

.....

(ii) Committee on Public Undertakings

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS; AND MINISTER OF MINORITY AFFAIRS (SHRI KIREN RIJIJU): I beg to move the following:-

“That the members of this House do proceed to elect, in the manner required by sub-rule(1) of the Rule 312B of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha, fifteen members from amongst themselves to serve as members of the Committee on Public Undertakings for the term ending on the 30th April, 2025.”

माननीय अध्यक्ष : प्रश्न यह है:

“कि इस सभा के सदस्य लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियम के नियम 312ख के उपनियम (1) द्वारा अपेक्षित रीति से, 30 अप्रैल, 2025 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति के सदस्यों के रूप में कार्य करने के लिए अपने में से पन्द्रह सदस्य निर्वाचित करें।”

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

.....

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS; AND MINISTER OF MINORITY AFFAIRS (SHRI KIREN RIJIJU): I beg to move the following:-

“That this House do recommend to Rajya Sabha that Rajya Sabha do agree to nominate seven members from Rajya Sabha for being associated with the Committee on Public Undertakings of the House for the term ending on the 30th April, 2025 and do communicate to this House the names of the members so nominated by Rajya Sabha.”

(1115/SM/IND)

माननीय अध्यक्ष : प्रश्न यह है:

“कि यह सभा राज्य सभा से सिफारिश करती है कि राज्य सभा 30 अप्रैल, 2025 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए सभा की सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति के साथ सहयोजित करने के लिए राज्य सभा से सात सदस्य नामनिर्दिष्ट करने पर सहमत हो और राज्य सभा द्वारा इस प्रकार नामनिर्दिष्ट सदस्यों के नाम इस सभा को सूचित करे।”

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

.....

**(iii) Committee on Welfare of Scheduled Castes
and Scheduled Tribes**

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS; AND MINISTER OF MINORITY AFFAIRS (SHRI KIREN RIJIJU): Sir, I beg to move the following:

“That the members of this House do proceed to elect, in the manner required by sub-rule (1) of the Rule 331B of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha, twenty members from amongst themselves to serve as members of the Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes for the term ending on the 30th April, 2025.”

माननीय अध्यक्ष : प्रश्न यह है:

“कि इस सभा के सदस्य लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियम के नियम 331ख के उपनियम (1) द्वारा अपेक्षित रीति से, 30 अप्रैल, 2025 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के कल्याण संबंधी समिति के सदस्यों के रूप में कार्य करने के लिए अपने में से बीस सदस्य निर्वाचित करें।”

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

.....

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS; AND MINISTER OF MINORITY AFFAIRS (SHRI KIREN RIJIJU): Sir, I beg to move the following:

“That this House do recommend to Rajya Sabha that Rajya Sabha do agree to nominate ten members from Rajya Sabha for being associated with the Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes of the House for the term ending on the 30th April, 2025 and do communicate to this House the names of the members so nominated by Rajya Sabha.”

माननीय अध्यक्ष : प्रश्न यह है:

“कि यह सभा राज्य सभा से सिफारिश करती है कि राज्य सभा 30 अप्रैल, 2025 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए सभा की अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के कल्याण संबंधी समिति के साथ सहयोजित करने के लिए राज्य सभा से दस सदस्य नामनिर्दिष्ट करने पर सहमत हो और राज्य सभा द्वारा इस प्रकार नामनिर्दिष्ट सदस्यों के नाम इस सभा को सूचित करे।”

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

.....

MOTION RE: ELECTION TO COMMITTEE ON WELFARE OF OTHER BACKWARD CLASSES

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS; AND MINISTER OF MINORITY AFFAIRS (SHRI KIREN RIJIJU): Sir, I beg to move:

- “(1) (a) That a Committee of both the Houses, to be called the Committee on Welfare of Other Backward Classes (OBCs) be constituted, consisting of thirty members, twenty from Lok Sabha and ten from Rajya Sabha, to be elected in accordance with the system of proportional representation by means of the single transferable vote;
- (b) That a Minister shall not be eligible for election as a Member of the Committee and that if a Member after her/his election to the Committee is appointed a Minister, she/he shall cease to be a Member thereof from the date of such appointment;
- (c) That the Chairperson of the Committee shall be appointed by the Speaker from amongst the Members of the Committee;
- (2) That the functions of the Committee shall be:-
- (i) To consider the reports submitted by the National Commission for Backward Classes under Article 338B of the Constitution and to report to both the Houses as to the measures that should be taken by the Union Government in respect of matters within the purview of the Union Government including the Administrations of the Union Territories;
- (ii) To report to both the Houses on the action taken by the Union Government and the Administrations of the Union Territories on the measures proposed by the Committee; (iii) To examine the measures taken by the Union Government to secure due representation of the Other Backward Classes, particularly the Most Backward Classes, in services and posts under its control (including appointments in the public sector undertakings, statutory and semi-Government Bodies

and in the Union Territories) having regard to the provisions of the Constitution;

(iv) To report to both the Houses on the working of the welfare programmes for the Other Backward Classes in the Union Territories;

(v) To consider generally and to report to both the Houses on all matters concerning the welfare of the Other Backward Classes which fall within the purview of Union Government including the Administrations of Union Territories; and

(vi) To examine such matters as may be deemed fit by the Committee or are specifically referred to it by the House or the Speaker.

(3) That the members of the Committee shall hold office for a period of one year from the date of the first meeting of the Committee which shall be reconstituted thereafter for one year at a time according to the procedure described in para (1) above;

(4) That in order to constitute a sitting of the Committee, the quorum shall be ten;

(5) That in all other respects the Rules of Procedure of this House relating to Parliamentary Committees shall apply with such variations and modifications as the Speaker may make; and

(6) That this House do recommend to the Rajya Sabha that the Rajya Sabha do join in the Committee and communicate to this House the names of Members elected from amongst the Members of the Rajya Sabha to the Committee as mentioned above.”

माननीय अध्यक्ष : प्रश्न यह है:

“(1) (क) कि दोनों सभाओं की एक समिति, जिसे अन्य पिछड़े वर्गों के कल्याण संबंधी समिति कहा जाएगा, गठित की जाए, जिसमें तीस सदस्य, लोक सभा से बीस और राज्य सभा से दस सदस्य, एकल संक्रमणीय मत द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व की व्यवस्था के अनुसार निर्वाचित होंगे;

(ख) कि कोई मंत्री समिति के सदस्य के रूप में निर्वाचन के लिए अर्ह नहीं होगा और कि कोई सदस्य समिति में अपने निर्वाचन के पश्चात मंत्री नियुक्त हो जाए, तो वह ऐसी नियुक्ति की तिथि से समिति का सदस्य नहीं रहेगा;

- (ग) कि समिति का सभापति अध्यक्ष द्वारा समिति के सदस्यों में से नियुक्त किया जाएगा;
- (2) कि समिति के कृत्य इस प्रकार होंगे:-
- (एक) संविधान के अनुच्छेद 338ख के अंतर्गत राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा पेश किये गये प्रतिवेदनों पर विचार करना और संघ सरकार, जिसमें संघ राज्यक्षेत्रों के प्रशासन भी शामिल हैं, के क्षेत्राधिकार के अंदर आने वाले मामलों के बारे में संघ सरकार द्वारा किये जाने वाले उपायों को दोनों सभाओं को प्रतिवेदित करना;
- (दो) समिति द्वारा प्रस्तावित उपायों पर संघ सरकार और संघ राज्यक्षेत्रों के प्रशासनों द्वारा की गई कार्यवाही को दोनों सभाओं को प्रतिवेदित करना;
- (तीन) अन्य पिछड़ा वर्गों, विशेष रूप से अत्यधिक पिछड़ा वर्गों, का विधिवत् प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिये संविधान के उपबन्धों को दृष्टि में रखते हुए संघ सरकार के नियंत्रणाधीन सेवाओं तथा पदों में (जिनमें सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों, सांविधिक और अर्द्ध-सरकारी निकायों तथा संघ राज्यक्षेत्रों में नियुक्तियां भी शामिल हैं) संघ सरकार द्वारा किये गये उपायों की जांच करना;
- (चार) संघ राज्यक्षेत्रों में अन्य पिछड़े वर्गों के लिए कल्याण संबंधी कार्यक्रमों के कार्यकरण के बारे में दोनों सभाओं को प्रतिवेदित करना;
- (पांच) अन्य पिछड़े वर्गों के कल्याण से संबंधित उन सभी मामलों, जो संघ सरकार, जिसमें संघ राज्यक्षेत्रों के प्रशासन भी शामिल हैं, के क्षेत्राधिकार के अंदर आते हैं, पर सामान्य रूप से विचार करना और दोनों सभाओं को प्रतिवेदित करना; और
- (छह) ऐसे अन्य मामलों की जांच करना जो समिति उचित समझे या जो सभा अथवा अध्यक्ष द्वारा उसे विशेष रूप से निर्दिष्ट किये जायें।
- (3) कि समिति के सदस्य समिति की पहली बैठक की तारीख से एक वर्ष की अवधि तक पदधारण करेंगे जिसे तत्पश्चात उपर्युक्त पैरा (1) में वर्णित प्रकिया के अनुसार एक वर्ष के लिए पुनर्गठित किया जाएगा;
- (4) कि समिति की बैठक आयोजित करने के लिए गणपूर्ति दस होगी;
- (5) कि अन्य सभी मामलों में संसदीय समितियों के संबंध में इस सभा के प्रकिया नियम ऐसी भिन्नताओं और आशोधनों के साथ लागू होंगे, जो अध्यक्ष द्वारा किए जाएं; और
- (6) कि यह सभा राज्य सभा को यह सिफारिश करे कि राज्य सभा समिति में शामिल हो और इस सभा को यथाउपरोक्त समिति में राज्य सभा के सदस्यों में से चुने गए सदस्यों के नाम सूचित करे।”

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ।

.....

(1120/RV/RP)

नियम 377 के अधीन मामले – सभा पटल पर रखे गए

1120 बजे

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, नियम 377 के अधीन मामलों को सभा पटल पर रखा जाए जिन सदस्यों को आज नियम 377 के अधीन मामलों को उठाने की अनुमति दी गयी है और वे उसे सभा पटल पर रखने को इच्छुक हैं, वे उसे निर्धारित प्रारूप में सभा पटल पर रख सकते हैं।

Re: Reopening of HCL-ICC Moubhandar Smelter Plant

श्री बिद्युत बरन महतो (जमशेदपुर) : मेरे संसदीय क्षेत्र जमशेदपुर के अंतर्गत घाटशिला प्रखण्ड में हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड की इकाई इंडियन कॉपर कॉम्प्लेक्स (आईसीसी) स्थित है। एचसीएल-आईसीसी की मऊभण्डार में स्मेल्टर प्लांट स्थित है जो दिसंबर-2019 से बंद है। प्लांट के बंद होने का प्रतिकूल प्रभाव क्षेत्र पर भी पड़ रहा है और हजारों अस्थायी मजदूर भी बेरोजगार बैठे हैं। आदिवासी बहुल एरिया में एचसीएल-आईसीसी की मऊभण्डार प्लांट ही रोजगार का एकमात्र विकल्प है। अतः आपके माध्यम से मेरा माननीय मंत्री जी से अनुरोध है की एचसीएल-आईसीसी की मऊभण्डार प्लांट को अविलंब चालू कराया जाए जिससे अस्थायी मजदूरों को रोजगार मिल सके तथा स्थायी कर्मचारियों की भी चिंता समाप्त हो सके।

(इति)

Re: Rejuvenation of Satna and Tamas Rivers

श्री गणेश सिंह (सतना) : देश के अंदर भारत सरकार ने कई नदियों को प्रदूषण मुक्त कराने एवं उनके संरक्षण हेतु कार्यक्रम चलाये हैं। नमामि गंगे अभियान के तहत उसकी सहायक नदियों के संरक्षण हेतु विगत कई वर्षों से अनेक परियोजनाओं को पूरा भी किया गया है। गुजरात में साबरमती नदी के संरक्षण हेतु जो कार्य किया गया है, उसकी चर्चा देश भर में हो रही है। मेरे लोक सभा क्षेत्र सतना के मुख्यालय के समीप से सतना नदी एवं टमस नदी प्रवाहित होती है, दोनो नदियां चकदही गांव में मिलती है, यह क्षेत्र सतना शहर के बॉर्डर में है, दोनो नदियां अत्यंत प्रदूषित हैं, ये टमस नदी आगे जाकर गंगा नदी में मिलती है। मेरी सरकार से मांग है कि सतना एवं टमस नदी जो सतना शहर के बार्डर में है, उनके संरक्षण हेतु एक विशेष परियोजना की स्वीकृति दी जाय।

(इति)

Re: Inclusion of Tapi Lower Project in Pradhan Mantri Krishi Sinchayee Yojana (PMKSY)

श्रीमती स्मिता उदय वाघ (जलगांव) : महोदय, महाराष्ट्र का जलगांव जिला विगत कई दशकों से सूखे की मार झेल रहा है। इस क्षेत्र की पानी की कमी की समस्या के स्थायी समाधान हेतु लगभग 25 वर्ष पूर्व लोअर तापी परियोजना का निर्माण किया गया था। इस परियोजना के बन जाने के बाद इससे 32,328 हेक्टेयर क्षेत्र की सिंचाई होने के साथ ही साथ जलगांव के 71 गांवों को पेयजल भी उपलब्ध होगा। परियोजना को सभी तरह की क्लीयरेंसेज मिल चुके हैं। केन्द्रीय जल आयोग ने परियोजना की समीक्षा की है तथा परियोजना की पुनरीक्षित लागत 2888.88 करोड़ लागत को स्वीकार किया है। महाराष्ट्र सरकार के पास धन की कमी के कारण इस परियोजना पर काम की गति काफी धीमी है। 31 मार्च 2024 की स्थिति के अनुसार इस परियोजना पर विगत 25 सालों में केवल 45 प्रतिशत काम ही हो पाया है। जलगांव का 84.54 प्रतिशत क्षेत्र सूखाग्रस्त होने के कारण यह परियोजना प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अधीन कार्यान्वित किए जाने हेतु पूरी तरह योग्य है। इस परियोजना पर अब तक 799 करोड़ रूपए खर्च हो चुके हैं। पैसों की कमी के कारण महाराष्ट्र सरकार ने भी अपने 21 जून, 2024 के पत्र द्वारा केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय से इस परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई परियोजना में शामिल कर इसे कार्यान्वित किए जाने का अनुरोध किया है।

इस सम्मानित सदन के माध्यम से मेरा सरकार से अनुरोध है कि लोअर तापी परियोजना को प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत अनुमोदन किया जाए तथा इस के लिए आवश्यक फंड शीघ्रातिशीघ्र जारी किए जाएं ताकि इस परियोजना पर समयबद्ध ढंग से निर्माण कार्य किया जा सके तथा इस क्षेत्र की सिंचाई व पेयजल की समस्या का स्थायी समाधान हो सके। (इति)

Re: Inclusion of Khetauri, Ghatwar and others as Scheduled Tribes

DR. NISHIKANT DUBEY (GODDA): It is thus that I want to place a piece of great historical record – a book titled: “The Little World of an Indian District Officer”, Written by R. Carstairs and published by Macmillan & Co., London in 1912. In this book there is a detailed, historical record of the fact that the Santhal Parganas was created and named in 1855, and thus was the youngest of the Bengal districts. The writer provides a wonderful account and description of the Ghatwals (guardians of the passes) and the Khetowrie (Khetauri) and how at the time of the Permanent settlement in 1790, every part of the territory was occupied. These details that at the time of the Permanent Settlement there was NOT a single Santhal in the whole of this area. “Bhunyas, Khetowries, Hindoos, Mahomedans, Highlanders – yes, but Santhals, no”.

It is a fact that when these findings were recorded and when the book in question was published, the Scheduled Castes and Tribes did not exist in the context of what it means administratively today. Thus, the aborigines of the region are the ones who are deprived of their rightful status and claim to be recognized as Scheduled Tribes.

(ends)

Re: Setting up of a new textile mill in Bolangir, Odisha

SHRIMATI SANGEETA KUMARI SINGH DEO (BOLANGIR): Textiles of Odisha are known all over the world. Its Sambalpur textile is cotton fabric primarily known for its unique production technique—Ikat or Ikkat i.e., 'tie and dye technique'—which is locally known as Bandha Kalaa. Though it is known by the name of Sambalpur district, there are also weavers' communities in the rural areas of Bolangir, Sonapur and other districts of Western Odisha who are involved in the production of this beautiful textile and have helped to keep alive the tradition for generations. I request the Hon'ble Minister of Textiles to set up a new Textile Mill in Bolangir which would not only contribute significantly to the local economy but also create employment and livelihood opportunities for the cotton farmers and weavers in the region. (ends)

Re: Setting up of a Paika Regiment in Indian Army

SHRIMATI MALVIKA DEVI (KALAHANDI): I would like to request the Hon'ble Minister of Defence to consider establishment of a Paika regiment because the first rebellion against the British was started in Odisha in 1817 by the Paikas of Odisha under the esteemed leadership of Buxi Jagabandhu Bidyadhara ji and as we don't have any regiment representing the State of Odisha. (ends)

Re: Need to review the Forest Act, 1980

श्री विष्णु दयाल राम (पलामू): झारखंड राज्य का 33% भू-भाग वनों से अच्छादित है। फलस्वरूप विकास कार्यों के लिए भूमि की उपलब्धता नगण्य है। अधिकांश भूमि 1930 के सर्वे के अनुसार जंगल या झाड़ी के रूप में चिन्हित हैं। 100 वर्ष पूर्व के सर्वे के आधार पर वह भूमि आज भी जंगल-झाड़ से अच्छादित है परन्तु उक्त जमीन पर वर्तमान में एक भी पेड़ नहीं है। विकास की योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए वैसी भूमि के लिए भी Forest Clearance की सारी प्रक्रिया अपनायी होती है। दो वर्ष पूर्व केन्द्र सरकार के ऊर्जा मंत्रालय ने पलामू एवं गढ़वा जिला में 20-20 मेगावाट का सोलर पार्क बनाने की स्वीकृति प्रदान की थी और उसके लिए 100-100 एकड़ भूमि की आवश्यकता थी परन्तु जिला प्रशासन ने जिस भूमि को चिन्हित किया वह जंगल-झाड़ वाली भूमि निकल गयी। परिणामस्वरूप सोलर पार्क बनाने की योजना अधर में लटकी हुई है। केन्द्र सरकार वन अधिनियम 1980 के प्रावधानों में परिवर्तन कर ऐसी जमीन जिसकी प्रकृति बदल गयी है उसे जंगल झाड़ की परिधि से बाहर निकालें और राज्य सरकार को यह Advisory निर्गत करें कि वही Forest Clearance की सारी प्रक्रिया पूरी कर 100-100 एकड़ दोनों जिलों में उपलब्ध करायें ताकि वहाँ पर Solar Park स्थापित हो सकें। (इति)

Re: Need to modify the design of under pass being constructed on Ganga Expressway

श्री कंवर सिंह तंवर (अमरोहा): उत्तर प्रदेश की गढ़ विधानसभा मेरे संसदीय क्षेत्र अमरोहा के अंतर्गत आती है जिसमें गंगा एक्सप्रेस वे का निर्माण कार्य चल रहा है और इसके अंतर्गत लोटी में 20 से अधिक गांवों को मतनोरा कनिया संपर्क मार्ग से जोड़ने वाले अंडरपास का काम भी चल रहा है। हालाँकि, महोदय, इस अंडरपास के आकार को लेकर किसानों का आंदोलन चल रहा है क्योंकि उनके गन्ने, पशु चारा और भूसे से भरे ट्रैक्टर ट्रॉली इस अंडरपास से नहीं गुजरेंगे उनके उपयोग के लिए यह उपयुक्त नहीं है। इसकी ऊंचाई और चौड़ाई उनके इस्तेमाल के लिए उपयुक्त नहीं है और महोदय, गंगा एक्सप्रेस वे शुरू होने के बाद उन्हें अपने खेतों से गाँव या कारखानों तक सड़क पार करने के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ेगा। किसान आंदोलन पर बैठे हैं और इस अंडरपास की ऊंचाई और चौड़ाई बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। इसलिए मेरा माननीय केंद्रीय मंत्री से अनुरोध है कि कृपया इस अंडरपास के चल रहे काम को तत्काल रोकें और इसकी ड्राइंग को संशोधित करें जो गढ़ विधानसभा के इस बिंदु पर 20 से अधिक गाँवों के किसानों के उपयोग को पूरा कर सके। (इति)

Re: Issue of distress migration in Odisha

DR. PRADEEP KUMAR PANIGRAHY (BERHAMPUR): Migration has become a global issue right now. Looking issue at National Level and State Level, Odisha is suffering worst in this issue. Though our State is rich in mining, mineral resources including human resources but Odisha suffers more in distress and forced migration to other states, intra district and to other parts of world. Hon'ble Prime Minister on May 6 visited to Berhampur and expressed deep concern of large-scale migration being a rich resourceful State. The issue concerning migration should be addressed through new friendly migration policy addressing (i) Issues of lack of database at source State and destination point; (ii) Reason for migration; (iii) Right labour and constitutional provision; (iv) Improvement of their legal, social, working condition; (v) Constitution of Migration Commission; (vi) Establishment of migration felicitation centre; (vii) Constitution of migration monitoring Cell; (viii) Legal aid and awareness programme; (ix) International Cooperation for safe migration to Health and Education Services; (x) Health and education services; (xi) Disaster Resilience programme; (xii) Agriculture Sports and innovation programme; (xiii) Promotion of Small and medium enterprises; and (xiv) Community based programme. (ends)

Re: Establishment of flower board in Chikkaballapur

DR. K. SUDHAKAR (CHIKKABALLAPUR): Flowers hold a significant place in the cultural fabric of India. They play a central role in our daily rituals, from morning temple ceremonies to grand festivals. Floriculture, an ancient agricultural practice in India, holds immense potential for providing profitable self-employment opportunities to small and marginalized farmers. However, we have not fully tapped into the possibilities of floriculture in our country. In the year 2022-23, India's total export of floriculture amounted to Rs. 707.81 Crore USD 88.38 Million, with a substantial portion originating from Karnataka. Recognizing the transformative power of this sector and its ability to uplift the lives of thousands of farmers, I humbly urge upon the Indian Government to establish a Flower Board to promote flower cultivation. Given the availability of land and the promising prospects of flower farming in my constituency, Chikkaballapur, I kindly request the Government to consider establishing the headquarters of this board in my constituency. Furthermore, I earnestly appeal to the Government to extend support for floriculture farming not only in Chikkaballapur but also across the entire state of Karnataka.

(ends)

Re: Need to declare floods caused by river Teesta as a National Disaster

SHRI RAJU BISTA (DARJEELING): In October 2023, massive floods on River Teesta severely impacted nearly 500 families, causing loss of homes, agricultural land, livelihoods, claiming 12 lives in Darjeeling and Kalimpong. Despite this, the State Government has refused to recognize it as a "disaster" because of which, people have been deprived of PMNRF and SDRF support. Now Teesta is flooding again, the river-bed has risen by over 20 feet. In fact, our region contributes the highest amount of revenue per capita to the State. Revenue from Teesta's hydro-dams alone exceeds Rs 750 crore annually, totaling over Rs 750 crore in the past decade. This is why, people have been demanding a Separate State of Gorkhaland. People feel that they are discriminated. I request Central Government to declare Teesta Floods as a National Disaster and provide Central Support to the people, not only in Sikkim but also in Darjeeling and Kalimpong.

(ends)

**Re: Handover of administrative control of Cannanore cantonment to Kannur
Municipal Corporation**

SHRI K. SUDHAKARAN (KANNUR): Residents of Cannanore Cantonment are grappling with severe challenges stemming from the prolonged delay in transferring control to the Kannur Municipal Corporation. This delay has created a bottleneck in crucial administrative processes, including the approval of building permits, issuance of NOCs, and provision of ownership certificates. These delays significantly disrupt daily life and essential services within the Cantonment. It is imperative that the government expedites the resolution of pending cases to alleviate the burden on residents. Ensuring the efficient operation of daily functions within the Cantonment is essential to mitigate further hardships. A clear and definitive timeline for the complete handover of administrative control should be promptly established. This timeline must prioritize the swift completion of the transfer process to minimize any adverse impact on the lives of residents. The well-being and livelihoods of Cannanore Cantonment's residents should remain paramount throughout this transition. Swift action and effective governance are necessary to uphold the rights and quality of life of those affected by these administrative delays.

(ends)

Re: Need to take steps to check coastal erosion in Kerala

DR. SHASHI THAROOR (THIRUVANANTHAPURAM): I wish to draw the kind attention of Hon'ble Minister of Fisheries, Animal Husbandry, and Dairying towards the continuing menace of coastal erosion in Kerala and the urgent need to protect the coast through new and upgraded protective structures. Every year, the monsoon amplifies the fury of the sea, devastating coastal areas in my constituency of Thiruvananthapuram, consuming the beachfront and destroying homes. The suffering fisherfolk communities are economically and socially disadvantaged, and their sustenance and livelihood are threatened. There is a desperate lack of seawalls to protect the coast, especially between Pozhiyoor and Poovar, as well as along the Valiyathura Pier and the Valiyathura-Cheriyathura stretch. The few existing man-made barriers are inadequate or crumbling, exacerbated by the dearth of fishing harbours. Despite the Union Government's promise to enact mitigating measures through the Central Institute of Coastal Engineering of Fishery and Pradhan Mantri Matsya Sampada Yojana, coastal erosion has continued unabated. I urge upon the Government to build immediately a comprehensive network of seawalls, groyne and fishing harbours to alleviate the anguish of the coastal communities and combat coastal erosion. Your expeditious action is vital for the future of the coastal fishing communities and for safeguarding the further loss of Indian Territory.

(ends)

Re: Need to increase the number of seats for admission in KV Schools

SHRI VE. VAITHILINGAM (PUDUCHERRY): I came to know that decreasing the seats of admission in the K.V. School from 40 seats to 36 seats will affect the poor people in the countrywide and it will also affect the S.C. and S.T. Students. So, I request the Hon'ble Minister of Education to increase the intake of school at the entry level to support poor family students. (ends)

Re: Need to include the 'Sarna Dharma' code in the census column

श्री सुखदेव भगत (लोहरदगा): भारत में 12 करोड़ आदिवासी निवास करते हैं। संविधान में धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्वतंत्रता मौलिक अधिकार के तहत प्रदान की गई है। आदिवासी प्रकृति पूजक होते हैं। जिनकी अपनी धार्मिक आस्था एवं परम्पराएं हैं। विडम्बना तो यह है की एक तरफ जंगली (बाघ, शेर) की गणना होती है किंतु आदिवासियों की धार्मिक पहचान नहीं प्रदान की गई है, जो आदिवासियों के लिए भावनात्मक एवं संवेदनशील है। अतएव सरकार आदिवासियों की धार्मिक पहचान "सरना धर्म" कोड जनगणना कॉलम में प्रदान करे। (इति)

Re: Establishment of railway division in Kalaburagi, Karnataka

SHRI RADHAKRISHNA (KALABURAGI): I rise today to highlight a crucial and long-pending demand of the people of Kalaburagi and Kalyana Karnataka which is the establishment of a Railway Division in Kalaburagi. My constituency, Kalaburagi, a part of Kalyan Karnataka, has been granted special status under Article 371(J) of the Constitution to ensure equitable allocation of funds to accelerate the region's development in terms of education, employment, social indicators and infrastructure. The establishment of the Kalaburagi Railway Division is one of the most important aspects to realize the region's potential. The railway division was announced over a decade ago in the Interim Budget of 2014-15, with Rs 5 crores allocated for this purpose. Additionally, the Karnataka Government too has provided the necessary land free of cost. Despite these efforts, there has been an unacceptable delay in commissioning the Railway Division in Kalaburagi, depriving the people of Kalyan Karnataka an opportunity to accelerate their economic development. This delay clearly indicates that the welfare and development of the people of Kalyan Karnataka has not been a priority for the BJP Government for a decade.

Therefore, I urgently demand that the sanctioning of the long-pending establishment of the Railway Division in Kalaburagi be fast tracked and implemented immediately. (ends)

Re: Installation of mobile towers in Robertsganj Parliamentary Constituency

श्री छोटेला (राबर्ट्सगंज): मेरे संसदीय क्षेत्र रॉबर्ट्सगंज सोनभद्र के अंतर्गत निम्नलिखित गांवों में मोबाइल टावर की समस्या है:-

1. ब्लाक:- कोन, ग्राम सभा बारह मोरी, चकरिया, पिंडारी, बसुवारी इत्यादि गांवा
2. ब्लाक:- नगवां, ग्राम सभा खोईईला, महुली, चरगड़ा, मरपा, देवहार, दरेव, नोडिहा, कोदयी, बरवारी नगवां, सुअरसोत दरमा, डूमरकोन इत्यादि गांवा
3. ब्लाक:- चोपन, ग्राम सभा, जुगैल, बहत्तरटोला, कुलडोमरी, सत्तरटोला पनारी लगभग 50 टोला इत्यादि गांवा

अतः महोदय आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करता हूं कि उपरोक्त गांव में असंख्य निवासियों एवं विद्यार्थियों तथा विभिन्न पंचायत भवनों में मोबाइल नेटवर्क की समस्या है। नेटवर्क की समस्या को दूर करने के लिए मोबाइल टावर लगाया जाए। (इति)

Re: Need to provide financial assistance to the families affected by stray animals in Dhaurahra Parliamentary Constituency

श्री आनंद भदौरिया (धौरहरा): मैं अपने लोक सभा क्षेत्र में आवारा पशुओं, सांडों से हो रही जनहानि तथा फसलों की हानि की तरफ आपका ध्यान आकृष्ट करना चाहता हूं। महोदय, आवारा पशुओं की समस्या इस समय किसानों के लिए सबसे ज्वलंत मुद्दा है, आए दिन बड़े पैमाने पर इसकी वजह से किसान तथा आम जनों की मौत हो रही है। साथ ही साथ किसानों की फसलें चौपट हो रही है तथा किसानों को रात दिन अपने खेतों की रखवाली करनी पड़ रही है। इसकी रोकथाम के लिए बनाई गई गौशालाएं भ्रष्टाचार के अड्डे बन गई हैं जहां आवारा पशु रखरखाव के अभाव में बिना मौत मर रहे हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में बहराइच की जनसभा में यूपी की जनता को विश्वास दिलाया था कि 10 मार्च 2022 के बाद आवारा पशुओं की समस्या का स्थाई समाधान करेंगे। मैं माननीय मंत्री जी को माननीय प्रधानमंत्री जी का आश्वासन याद दिलाते हुए मांग करता हूं कि आवारा पशुओं की समस्या का स्थाई रूप से हल निकालकर उससे हुई जनहानि के आश्रित परिवारों को 10 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने हुए कानून बनाने का कष्ट करें। (इति)

Re: Suburban Railway System in Kolkata

PROF. SOUGATA RAY (DUM DUM): Suburban Railway system in the Kolkata city is in a horrible state. The suburban trains are overcrowded and the coaches are in a bad shape. No major efforts have been made by Indian Railway to improve the suburban rail where human passengers are carried like cattle in local trains. A number of Metro lines around Kolkata were announced by the then Minister of Railways to supplement the suburban rail system. They include Garia-Dum Dum Airport, Airport-Barasat, Joka-Esplanade, Dum Dum-Barrackpore. None of these projects had been completed and there has been almost no progress in the lines to Barasat and Barrackpore from Dum Dum. I urge upon the Hon'ble Minister of Railways to allot more money for these projects and complete the metro lines around Kolkata at an early date. (ends)

Re: Stoppage of trains at Malta halt station on Sealdah Canning Station

SHRIMATI PRATIMA MONDAL (JAYNAGAR): I would like to request the Hon'ble Minister of Railways to increase at least 2 up trains halt in the morning and 2 down trains halt in the evening at Malta halt station on Sealdah-Canning Line. (ends)

Re: Completion of projects on NH-16 in Ongole Parliamentary Constituency

SHRI MAGUNTA SREENIVASULU REDDY (ONGOLE): First of all, I want to thank the Hon'ble PM and Hon'ble Minister of Road Transport and Highways that NHAI in their guidance has selected 3.60 km long strip (KM 1274 to KM 1277.6) of Chilakaluripet to Nellore section between Kalikivaya and Singarayakonda on NH-16 (in my parliamentary constituency for construction of Emergency Landing Facility. The contract for development of this Emergency Landing Facility was signed between NHAI and Contractor on 26.12.2019 Major civil works were completed on 20.12.2021. On 28th July 2021, a joint inspection was done by NHAI and Indian Air force Team and made an observation that Minor bends and curves in the ELF are required to be corrected. The PD NHAI-Nellore explored the possibilities for strengthening of minor bends and curves after the joint site visit by the representatives of NHAI, Indian Air force, contractors and consultants. The detailed cost estimates for rectification of minor bends and curves of Rs 20.60 crores and for Land acquisition cost for approximately Rs. 6 crore was forwarded to NHAI for approval from RO Vijayawada on 25.01.2023, so far this has not been approved and pending with NHAI. Even though the Hon'ble Minister had instructed the Member NHAI for the completion of this project, it is getting delayed. I request the Hon'ble Minister for Road Transport and Highways for instructing the NHAI for approving these estimates on priority basis as this ELF has its strategic advantage and this ELF project can be completed soon in National Interest.

(ends)

Re: Regular services of train numbers 05305 and 05306

डॉ. आलोक कुमार सुमन (गोपालगंज): ग्रीष्मकाल विशेष रेलगाड़ी संख्या 05305 जो छपरा जंक्शन से आनंदविहार टर्मिनल के लिए मंगलवार एवं शुक्रवार को चलती है तथा रेलगाड़ी संख्या 05306 जो आनंद विहार जंक्शन से छपरा जंक्शन के लिए बुधवार और शनिवार को चलती है, के बारे में उल्लेख करना चाहता हूँ जो मेरे संसदीय क्षेत्र गोपालगंज के लोगों के लिए और दूसरे अन्य जिलों देवरिया, कुशीनगर एवं सीवान के लोगों के लिए आवाजाही का बहुत ही महत्वपूर्ण साधन बन गई है। इन रेलगाड़ियों के माध्यम से यहाँ की जनता को बड़े शहरों में जाने के लिए सरकार के द्वारा एक सराहनीय साधन मिल गया है। इन रेलगाड़ियों के चलने से न केवल सैंकड़ों रेल यात्रियों को फायदा है बल्कि कृषि एवं किसान की भी प्रगति हो रही है। इन रेलगाड़ियों से रेल यात्री बड़े शहरों में इलाज के लिए जाते हैं तथा थावे जंक्शन के समीप स्थित मां दुर्गा के मंदिर सहित अन्य तीर्थ स्थलों के दर्शन भी करते हैं। थावे जंक्शन से वाणिज्यिक सुविधाओं के साथ-साथ भारतीय रेल को पर्याप्त राजस्व भी प्राप्त होता है। मैं माननीय रेल मंत्री जी से आग्रह करता हूँ कि इन ग्रीष्मकाल विशेष रेलगाड़ियों अर्थात् रेलगाड़ी सं 05305 छपरा से आनंद विहार और रेलगाड़ी सं 05306 आनंद विहार से छपरा को नियमित रूप से चलाया जाए और इसमें पैंट्री कार की भी सुविधा भी प्रदान की जाए। (इति)

Re: Need to appoint an independent commission to re-write school textbooks

SHRI E. T. MOHAMMED BASHEER (PONNANI): Our textbooks are shaping the very profile and destiny of our nation. It develops Human Resources, broadmindedness and harmony. But there is widespread complaint that textbooks are made instruments for political purpose. There is every reason to believe that institutions like NCERT UGC and ICHR are being controlled. Instead of appointing the prominent academicians and apt persons to lead these Institutions are filled with political nominees. The urgent need of the hour is to correct the bad elements induced in the school textbooks in India. I urge upon the Government to appoint an independent commission to rewrite the textbooks and suggest recommendations to correct the textbooks on war footing level.

(ends)

Re: Need to review the Agnipath Scheme

श्री हनुमान बेनीवाल (नागौर): भारतीय सेना में अग्निपथ योजना के माध्यम से अग्निवीरो की संविदा भर्ती करने की शुरु की गई योजना को युवाओं के हित में बंद करने की मांग की तरफ प्रधानमंत्री जी की ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। अग्निपथ योजना के माध्यम से सेना में संविदा भर्ती का निर्णय किस भी दृष्टि से सही नहीं है। यह निर्णय न तो सेना में जाने के इच्छुक युवाओं के हित में है और न ही सेना के लिए सही है। केंद्र के इस फैसले के विरोध में देश भर के युवा आक्रोशित हैं, क्योंकि अग्निपथ के माध्यम से ली जाने वाली भर्ती में सेवा के चार वर्षों के बाद युवाओं के भविष्य पर भी सवालिया निशान हैं और इस योजना के तहत भर्ती होने वालों को न तो कोई रैंक मिलेगी, न ही कोई प्रमोशन मिलेगा और न ही कोई पेंशन मिलेगी और चार वर्षों के बाद किसी को रिटायर करके सरकार भेजेगी तो उसका आगे का भविष्य कैसे सुनिश्चित होगा यह चिंता का विषय है, देश की रक्षार्थ शहीद हुए अग्निवीरो को वो सम्मान नहीं मिला जो एक शहीद को मिलना चाहिए था, इसलिए अग्निपथ के स्थान पर पूर्व की भांति नियमित भर्ती हेतु सेना भर्ती रैलिया बहाल की जाये।

(इति)

Re: Construction of Barrages across river Mahanadi

SHRI BHARTRUHARI MAHTAB (CUTTACK): There is a need to construct Barrages across river Mahanadi on the downstream of Hirakud Dam. As there is acute shortage of water on both the sides of the Mahanadi River it has become essential to harness the excess rain water that flows down to Bay of Bengal. With the construction of number of barrages new reservoirs may be created on the river bed which would recharge the ground water and the water could be utilized for Drinking water project other than providing irrigation during Rabi crop.

Government of Odisha has lined up number of such projects both downstream of Hirakud Dam upto Munduli Barrage and below. I would urge upon the Government to extend full support both technically and financially for these projects on an urgent basis.

(ends)

सभा के कार्य के बारे में

1120 बजे

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, सदन में अब राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को चर्चा के लिए रखा जाएगा। इसे आरम्भ करने के पहले इस चर्चा के लिए समय का निर्धारण करना है।

यदि सदन सहमत हो, तो इस पर चर्चा के लिए 16 घंटे का समय निर्धारित कर दें।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : इसके लिए आज ही देर रात तक बैठना पड़ेगा।

... (व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री; तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्री (श्री किरें रिजिजू) : सर, जैसा कि आपने कहा, मुझे अच्छा लगा कि हमारे ऑपोजीशन के सभी प्रमुख दल चर्चा के लिए तैयार हैं। हम लोगों ने पहले दिन भी यह अपील की थी।

सर, आपने इसके लिए जो समय प्रपोज किया है, सरकार की तरफ से हम इससे बिल्कुल सहमत हैं। मैं यह अनुरोध करूंगा, क्योंकि हमारा पूरा एक दिन, पहला दिन, नष्ट हो चुका है, तो आज के दिन को और कल के दिन को, जितना हो सके, हम लोग उसका उपयोग करें। अगर सदन को देर रात तक भी चलाना हो तो यह ठीक है।

सर, आपने पहले भी सारे नए मेम्बर्स को बोलने का पर्याप्त मौका दिया है। इस बार भी कई नए मेम्बर्स चुन कर आए हैं। काँग्रेस पार्टी से भी बहुत नए मेम्बर्स आए हैं, अन्य दलों से भी आए हैं, हमारी पार्टी से भी आए हैं, तो सभी लोग बोलना चाहेंगे... (व्यवधान)

सर, मेरी सिर्फ इतनी ही रिक्वेस्ट है कि चूंकि नए मेम्बर्स को बोलने के लिए हमारे पास यह एक अच्छा मौका है, तो इस पर देर रात तक चर्चा करने को भी हम तैयार हैं।

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, सरकार ने भी अपनी भावनाओं को व्यक्त किया है कि सदन में सार्थक चर्चा और संवाद हो, अच्छी डिबेट हो, मर्यादित तरीके से डिबेट हो। डिबेट और चर्चा देर रात्रि तक चले और देश ने माननीय सदस्यों को चुन कर भेजा है तो इससे देश में एक सकारात्मक संदेश जाए कि संसद में माननीय सदस्य हमारे विषयों पर चर्चा और संवाद करते हैं।

एक माननीय सदस्य : सर, रिप्लाइ कब है?

माननीय अध्यक्ष : कल है। आज देर रात तक बैठकर चर्चा कीजिए।

माननीय राहुल गांधी जी, आप खड़े हुए थे, तो क्या आप कुछ बोलना चाहते हैं?

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : स्पीकर सर, धन्यवाद।

हम चाहते थे कि 'नीट' पर एक दिन का डिस्कशन हो। यह काफी जरूरी मामला है। दो करोड़ युवाओं को नुकसान हुआ है। पिछले सात सालों में 70 बार पेपर्स लीक हुए हैं। हम चाहते थे कि अगर आप इस पर मौका दे सकें तो एक दिन इस पर चर्चा हो।

माननीय अध्यक्ष : राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान आप विषय रखें। हमने पहले ही व्यवस्था दे रखी है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के मध्य न ही शून्य काल होगा और न ही किसी स्थगन प्रस्ताव को लिया जाएगा।

... (व्यवधान)

SHRI K. C. VENUGOPAL (ALAPPUZHA): Sir, there is no precedence. ... (Interruptions)

माननीय अध्यक्ष : वेणुगोपाल जी, जो प्रिसिडेंस अध्यक्ष बनाते हैं, वही प्रिसिडेंस होते हैं।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सभापति जी भी बता देंगे कि यही प्रिसिडेंस होते हैं।

... (व्यवधान)

SHRI MANISH TEWARI (CHANDIGARH): But, Sir, rules allow for an Adjournment Motion. ... (Interruptions)

माननीय अध्यक्ष : वकील साहब, रूल के बाद भी अध्यक्ष के निर्देश होते हैं।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपके नेता लोग आपको बोलने नहीं दे रहे हैं।

... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : सर, पार्लियामेंट से देश को मैसेज जाता है। हम स्टूडेंट्स को मैसेज देना चाहते हैं कि जो 'नीट' का इश्यू है, वह पार्लियामेंट के लिए जरूरी है। इसलिए यह मैसेज देने के लिए हम चाहते थे कि पार्लियामेंट में एक दिन इस पर चर्चा करें।

माननीय अध्यक्ष : आप नोटिस दे दें, मैं इसे देखता हूँ।

... (व्यवधान)

SHRI K. C. VENUGOPAL (ALAPPUZHA): Sir, at least, allow LoP to conclude. ... (Interruptions)

माननीय अध्यक्ष : उन्होंने विषय को कनक्लूड कर दिया है।

(1125/GG/NKL)

रक्षा मंत्री (श्री राज नाथ सिंह): अध्यक्ष महोदय, यह पूरा सदन इस बात से अवगत है कि संसद की कार्यवाही कुछ रूल्स और प्रोसिजर्स के आधार पर चलती है। रूल्स और प्रोसिजर्स के अतिरिक्त संसद के कुछ हेल्दी ट्रेडिंशंस हैं, जिनके आधार पर भी कार्यवाही चलती है। मैं मानता हूँ कि ये हेल्दी ट्रेडिंशंस हमारी संसद की एक सबसे बड़ी ताकत है। जब कभी राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर चर्चा होती है, तो आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ है, क्योंकि अपने लंबे संसदीय जीवन में जो मैंने देखा है, उसके आधार पर मैं कह सकता हूँ कि अन्य किसी विषय पर उस समय चर्चा हुई हो। इसलिए मैं अपने सभी सम्मानित विपक्ष के सदस्यों से भी आग्रह करना चाहता हूँ कि आप जिस विषय पर चर्चा करना चाहते हैं, उस पर चर्चा करें, लेकिन एक बार राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर जो धन्यवाद प्रस्ताव है, उसको संसद में पारित करने के बाद ही करें। यह मेरा सभी से विनम्र अनुरोध है। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव।

श्री अनुराग ठाकुर जी।

... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : सर, मैं राजनाथ सिंह जी की बात से सहमत हूँ, तो ऐसा करते हैं कि प्रेसिडेंट एड्रेस पर धन्यवाद प्रस्ताव पारित होने के बाद एक दिन 'नीट' पर चर्चा के लिए दे देते हैं। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप नोटिस देना, मैं निर्णय करूंगा। राजनाथ सिंह जी का तो सुझाव हो सकता है, लेकिन निर्णय मैं करूंगा या बीएसी निर्णय करेगी।

श्री अनुराग ठाकुर जी।

... (व्यवधान)

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव

1127 बजे

माननीय अध्यक्ष : राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव।

श्री अनुराग ठाकुर जी।

... (व्यवधान)

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर) : अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूँ:

“कि राष्ट्रपति की सेवा में निम्नलिखित शब्दों में एक समावेदन प्रस्तुत किया जाए –
‘कि इस सत्र में समवेत लोक सभा के सदस्य राष्ट्रपति के उस अभिभाषण के लिए, जो उन्होंने 27 जून, 2024 को एक साथ समवेत संसद की दोनों सभाओं के समक्ष देने की कृपा की है, उनके अत्यंत आभारी हैं।’”

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे इस विषय पर बोलने का अवसर दिया। ... (व्यवधान) मैं खुद को सौभाग्यशाली समझता हूँ कि इस 18वीं लोक सभा में माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर सर्वप्रथम मुझे अपने विचार व्यक्त करने के लिए मेरी पार्टी ने और माननीय प्रधान मंत्री जी ने मुझे अवसर दिया है। मैं हृदय की गहराइयों से माननीय प्रधान मंत्री जी का बहुत-बहुत आभार प्रकट करता हूँ, धन्यवाद करता हूँ।

माननीय अध्यक्ष महोदय, आप एक बार फिर निर्वाचित हो कर हमारे सदन के स्पीकर बने हैं। ... (व्यवधान) मैं आपको पूरे सदन की ओर से बहुत-बहुत बधाई और आपके इस कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं देता हूँ। ... (व्यवधान) बड़ी संख्या में नए सदस्य 18वीं लोक सभा में चुन कर आए हैं। ... (व्यवधान) बहुत सारे पुराने सदस्य भी चुन कर आए हैं। ... (व्यवधान) नए और पुराने दोनों सदस्यों को भी ढेरों शुभकामनाएं और बहुत-बहुत बधाई देना चाहता हूँ। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, वर्ष 2024 का यह चुनाव नीति, नीयत, निष्ठा और निर्णयों पर विश्वास का चुनाव है और जनता ने इस पर मुहर लगाई है, फिर एक बार मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनाई है। ... (व्यवधान)

1129 बजे

(इस समय श्री राहुल गांधी, श्रीमती सुप्रिया सुले और कुछ अन्य माननीय सदस्य सभा से बाहर चले गए।)

अध्यक्ष जी, देश का यह चुनाव ऐतिहासिक जनादेश, हमारे यशस्वी प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के पिछले 10 वर्षों के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के महाअनुष्ठान पर मुहर है। देश को ज़रूरत थी, एक स्थिर और निरंतर सरकार की और देश ने एक स्थिर, निरंतर और प्रभावी सरकार को फिर से चुना है तथा मोदी जी को फिर से देश का प्रधान मंत्री चुना है। यह जनादेश विकसित भारत की संकल्प की सिद्धि के लिए है। यह जनादेश मोदी जी के नेतृत्व में तीसरे कार्यकाल में भारत को विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए है। यह जनादेश विपक्ष के भय, भ्रम और भ्रष्टाचारी राजनीति पर तमाचा है।

(1130/MY/VR)

यह जनादेश मोदी जी द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक न्याय पर समाज की मुहर है। यह जनादेश देश को तोड़ने की नहीं, बल्कि जोड़ने की राजनीति चलेगी, इस पर मुहर है। यह जनादेश संविधान विरोधियों को लगातार तीसरी बार विपक्ष में बैठाने के लिए जनादेश है। यह जनादेश भारत की सेना, सरहद और सनातन की सुरक्षा का है। यह जनादेश यह भी बताता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता हैं। मैं ही नहीं, अब तो दुनिया भर के अनेक देशों ने अपने देश का सर्वोच्च सम्मान किसी को दिया है तो हमारे प्रधानमंत्री और देश के लोकप्रिय नेता मोदी जी को दिया है। मोदी जी एक ऐसे नेता हैं, जिनको यू.एस. कांग्रेस में एक बार नहीं, बल्कि दो-दो बार अपनी बात रखने का अवसर मिला है।

माननीय अध्यक्ष जी, ऐसी अनेक बातें हैं। ऐसे ही कोई मोदी नहीं बन जाता है, इसके लिए तपना पड़ता है, खपना पड़ता है, जीवन व्यतीत करना पड़ता है। मोदी जी ने तो अपने जीवन का हर क्षण, हर पल देश के लिए जिया है, माँ भारती के लिए जिया है। मैं इसलिए भी कहना चाहता हूँ कि हम सब को ज्ञात है कि वर्ष 2001 में जब वह गुजरात के मुख्यमंत्री बने तो तब से लेकर अब तक 23 वर्षों में एक दिन की भी छुट्टी अपने लिए नहीं ली। उन्होंने अपना जीवन जनता के लिए समर्पित किया है। इससे बड़ी बात क्या होगी कि अगर किसी के जीवन में दुख का क्षण आता है, जब अपनी माँ से बिछड़ता है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी की माता का स्वर्गवास हुआ था, तब भी उन्होंने उनकी चिता को अग्नि देने के बाद मात्र दो घंटों के अंदर ही देश के लिए काम करना शुरू कर दिया। इससे बड़ा समर्पण भाव क्या हो सकता है!

माननीय अध्यक्ष जी, मोदी जी के दिल में जो गरीब और जरूरतमंद के लिए पीड़ा है, हमने वह कोविड के समय देखा है। उनकी नीतियों, कार्यक्रमों और सबमें नजर आता है कि वे गरीब के लिए कितने चिंतित रहते हैं। मैं आपके माध्यम से सदन को याद करवाना चाहता हूँ। अगर आप वर्ष 2014 में देखें, मोदी जी जब सांसद बने, देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली, उसके बाद संसद आए तो पहला शीश कहीं पर झुकाया तो संसद की पहली सीढ़ी पर झुकाया। दुनिया के इस महान लोकतंत्र, मदन ऑफ डेमोक्रेसी को नमन करते हुए अंदर आए और अंदर आकर भी अगर शीश कहीं झुकाया

तो बाबा साहब अंबेडकर के संविधान पर शीश झुकाया। उन्होंने कहा कि मेरी सरकार सबका साथ, सबका विकास करेगी। मेरी सरकार गरीब, वंचित, शोषित और पीड़ित की होगी। पिछले 10 वर्षों में आपने देखा कि सारी योजनाएं उस दिशा में चलीं और जो पुराने नारे देते थे – गरीबी हटाओ, गरीबी हटाओ, इनके नारे ही रह गए, लेकिन मोदी जी की सरकार में 25 करोड़ गरीब गरीबी रेखा से बाहर निकल कर आए। मल्टीडाइमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स का यह बड़ा आंकड़ा देखने को मिलता है।

महोदय, मैं आपसे कहना चाह रहा था कि जो कोविड के समय हुआ, पिछले 100 वर्षों में दुनिया ने सबसे बड़ी त्रासदी तब देखी, भारत ने भी संकट को झेला और मैं भी उस समय सरकार का हिस्सा था। मुझे आज भी याद है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जो पहली बात कही, उन्होंने कहा कि देश के गरीब की थाली खाली नहीं रहनी चाहिए, उसका पेट खाली नहीं रहना चाहिए। उसके लिए अन्न की व्यवस्था करनी है तो प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना लेकर आए और यदि 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में अनाज दिया तो मोदी सरकार ने दिया है। आज उसे देश के कोने-कोने तक पहुंचाया है। उस समय दुनिया भर में जो डिलीवरी मैकेनिज्म था, वह रुक गया था, लेकिन उसके बावजूद हमने देश के हर कोने तक अनाज पहुंचाया। वह बात अलग है कि कुछ राज्यों में अपनी मुहर लगाकर लोगों ने वह सब काम किया।

महोदय, मैं एक और बात कहना चाहता हूँ। कोविड के समय बहुत जरूरी था। प्रधानमंत्री जी ने कहा कि जान भी, जहान भी और जान बचाने के लिए हर संभव प्रयास किये। जो पहले हमारे देश में होता था कि 40-40 साल दुनिया भर से वैक्सीन आती थी। इम्पोर्ट करने में पुरानी सरकारें लगती रहती थीं। आत्मनिर्भर भारत- यह केवल सोच ही नहीं, यह केवल संकल्प ही नहीं, बल्कि उसको सच करके दिखाया। भारत ने अपनी दो-दो वैक्सीन को बनाया और 220 करोड़ वैक्सीन मुफ्त में लगायी। आज इस सदन में कुछ लोग ऐसे भी बैठे हैं, जो भारत की बनी वैक्सीन पर ही प्रश्न चिह्न खड़ा करते थे और कहते थे कि वैक्सीन मत लगाओ, यह हो जाएगा, वह हो जाएगा। अरे, भारत के लोगों ने वैक्सीन तो लगायी ही, दुनिया के 157 देशों को दवाई और वैक्सीन देने का काम 'वैक्सीन मैत्री' में किया है तो हमारे भारत ने किया है।

महोदय, मैं विकसित भारत पर जरूर कुछ कहना चाहूंगा, क्योंकि यह जनादेश वर्ष 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने के लिए है। इस यात्रा में हम चाहेंगे कि विपक्ष का पूरा सहयोग मिले। हम अपने देश को विकसित राष्ट्र बनाएं। अगर आज मैं स्पोर्ट्स, स्पेस और साइंस, स्टार्ट-अप्स की बात करू तो हर क्षेत्र में भारत के नए कीर्तिमान दिखते हैं।

(1135/CP/SAN)

आज नये भारत की बुलन्द तस्वीर इसमें दिखती है, जो आंकड़े मैं देने वाला हूँ।

माननीय अध्यक्ष जी, हमें विरासत में क्या मिला था? जब वर्ष 2014 में हम आए तो India was one of the 'Fragile Five' economies of the world and today, India is the fifth largest economy of the world. आप लड़खड़ाती, चरमराती अर्थव्यवस्था छोड़कर गए थे। आज दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था भारत है। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था भारत है और अगले पांच वर्षों के अन्दर दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था मेरे भारत की होगी।

यह ऐसे ही नहीं हो गया। अगर मैं कहूँ कि इनके समय इकोनामी फेल्योर्स थे, पॉलिसी पैरालिसिस थी, स्कैम्स थे, क्रोनी कैपिटलिज्म था, यह सब आपके समय था। एक के बाद दूसरे घोटाले होते थे। आज अगर मैं आंकड़े देकर बताऊँ, पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार पर भ्रष्टाचार का एक रुपये का कोई आरोप भी नहीं लगा पाया। अगर किसी ने ईमानदार सरकार दी है तो नरेन्द्र मोदी जी ने दी है।

जीडीपी ग्रोथ रेट 4.6 प्रतिशत थी। अगर मैं पिछले साल के क्वार्टर 3 की बात करूँ तो वह 8.4 प्रतिशत है। आज दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश भारत है। ... (व्यवधान) सीएजीआर इनफ्लेशन की बात करूँ तो आपके समय 8.7 प्रतिशत था, आज वह कम होकर 4.8 प्रतिशत रह गया है। इनके समय एफडीआई 36 बिलियन डॉलर थी, हमारे समय 72 बिलियन डॉलर, दो गुनी है। इनके समय एक्सपोर्ट 466 बिलियन डॉलर था, आज वह 770 बिलियन डॉलर है। हमारा विदेशी मुद्रा भंडार 320 बिलियन डॉलर से बढ़कर 10 सालों में 650 बिलियन डॉलर हो गया है। हमने देश के खजाने को दो गुना भरने का काम किया है। करेंट एकाउंट डेफिसिट जो 5.1 प्रतिशत था, वह कम होकर 2 प्रतिशत रह गया है।

हम देखें कि गरीब और जरूरतमंद के जीवन में क्या बदलाव आया है? हमारी पार्टी का विचार ही अन्त्योदय पर है। पंक्ति के अंत में खड़े व्यक्ति के जीवन में सुधार कैसे लाया जाए, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी की सोच को आगे बढ़ाकर जमीन पर लागू करने का काम नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने किया। पहले देश में गरीब, जरूरतमंद के पास शौचालय नहीं था, पक्का मकान नहीं था, बिजली का कनेक्शन नहीं था, स्वास्थ्य की सुविधाएं नहीं थीं। माननीय अध्यक्ष जी, 10 सालों में क्या बदलाव आया, पिछले 10 सालों में 4 करोड़ पक्के मकान बनाकर गरीब और जरूरतमंदों को दिए तो नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने दिए। मैं एक बात और कहना चाहता हूँ कि हमने 12 करोड़ शौचालय बनाकर दिए। पहले मात्र 3 करोड़ घरों में नल से जल आता था। हमने 11 करोड़ और नए घरों को नल से जल देने का काम जल जीवन मिशन में किया है। हमने लगभग हर घर तक बिजली पहुंचा दी है, हर गांव तक तो बिजली पहुंचा ही दी है, हजारों गांवों को विद्युतीकरण करने का काम किया है। जल जीवन मिशन के अलावा स्वच्छता अभियान के अंतर्गत, जिसे हम 'वाश' कहते हैं - वाटर सैनिटेशन और हाईजीन, इस क्षेत्र में बहुत काम किया है, जो सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल के साथ जुड़ा है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में गरीब को लगता था कि वह अपना इलाज कहां कराए, उसके पास पर्याप्त धन नहीं होता था। 'आयुष्मान भारत' योजना नरेन्द्र मोदी जी की सरकार लेकर आई और 60 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपये का इलाज बिल्कुल मुफ्त में देने का कार्य किया तो मोदी सरकार ने किया। अब 70 वर्ष से ज्यादा की उम्र वालों को 5 लाख रुपये का इलाज बिल्कुल मुफ्त में मिलेगा, जिसे एनडीए की सरकार ने देना शुरू कर दिया है।

माननीय अध्यक्ष जी, एक नहीं अनेक ऐसे उदाहरण हैं, जिनसे गरीब के जीवन में बहुत बड़ा बदलाव आया। जब मैं कहता हूँ कि 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए, तो यह उन लोगों के लिए संदेश है, जिन्होंने 60 साल राज किया, गरीब को और गरीब किया। लेकिन, हमने 10 सालों में वह करके दिखाया, क्योंकि गरीब मां के बेटे को आज देश के प्रधान सेवक के रूप में काम करने का

अवसर मिला, तो उन्होंने उनको गरीबी रेखा से बाहर निकालने का काम किया। जब गरीब गरीबी रेखा से बाहर निकलता है तो उसकी क्रय शक्ति और बढ़ती है, खरीदने की शक्ति बढ़ती है। उससे डिमांड जेनरेट होती है, प्रोडक्शन को और बल मिलता है और कारखानों में रोजगार-स्वरोजगार के अवसर मिलते हैं, हमारी अर्थव्यवस्था को और बल मिलता है।

हमारे देश में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और ईज ऑफ लिविंग के क्षेत्र में कैसे बदलाव हुआ? जन विश्वास एक्ट की मैं बात करूँ तो हमने 183 प्रोविजन्स को डीक्रिमनलाइज किया है, 42 सेंट्रल एक्ट्स में बदलाव करके व्यापारी को, आम जनमानस को काम करने में जो जेल जाने का डर होता था, उसे खत्म किया है।

(1140/NK/SNT)

1140 hours

(Shri Jagdambika Pal in the Chair)

मैं इज ऑफ डूइंग बिजनेस के बारे में कहना चाहता हूँ, 63 हजार के लगभग देश में कम्पलायेंसेज होती थी, 39 हजार कम्पलायेंसेज के बर्डन को खत्म कर दिया है। आगे निरंतर प्रयास जारी है कि हम इसमें सुधार करेंगे और जनता को काम करने का अवसर मिलेगा। कन्सट्रक्शन परमिट में हमारा रैंक 184वां था, आज 27वां है, बिजली प्राप्त करने में 137वां स्थान था, आज 22वां है। माइनोरिटी इन्वेटर्स प्रोटेक्शन में 13वां स्थान था, आज 25वां है। ये सारे कदम हमने उस दिशा में उठाए हैं। देश के युवाओं में नरेन्द्र मोदी जी का विश्वास का आंकड़ा आपके सामने रखना चाहता हूँ जो बदलाव दिखाता है। हमारे देश में मात्र साढ़े तीन सौ स्टार्ट-अप थे। हम दुनिया में कहीं खड़े नहीं थे, आज साढ़े तीन सौ से बढ़कर एक लाख से ज्यादा स्टार्ट-अप हो गए हैं।

माननीय सभापति जी, इसके साथ-साथ भारत में दुनिया का तीसरा बड़ा स्टार्ट-अप का इको सिस्टम बन गया है। हमारे यहां पहले मात्र तीन-चार यूनिकॉर्न थीं, आज लगभग 107 से ज्यादा यूनिकॉर्न बन गई हैं। एक यूनिकॉर्न का मतलब साढ़े आठ हजार करोड़ रुपये से ज्यादा उसकी वर्थ है। आज हमने स्पेस सेक्टर भी खोल दिया है, 160 से ज्यादा स्पेस सेक्टर में स्टार्ट-अप हैं। एग्रीकल्चर के क्षेत्र में सात हजार से ज्यादा स्टार्ट-अप हैं। लेकिन इस सबके लिए पैसा कहां से मिलता, बैंकिंग क्षेत्र को पिछली सरकार ऐसा छोड़ कर गई थी, ऐसा लगता था कि देश के सारे बैंक बंद ही हो जाएंगे, चरमरा जाएंगे। बारह बैंक में से ग्यारह बैंकों की स्थिति घाटे वाली थी, अधिकतर पीसीए फ्रेमवर्क में थे, लेकिन फोर आर स्ट्रेटजी ने देश में बदलाव किया, रिफार्म लाकर, रिजॉल्यूशन रिकवरी लाकर, रिकगनिशन रिकैपिटलाइजेशन, इसकी वजह से आज क्या बदलाव हुआ है। आप कल्पना कीजिए, हमारे यहां पब्लिक सेक्टर बैंक का 36 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा आता था जो आज बढ़कर 1 लाख 41 हजार करोड़ रुपये हो गया। जो एनपीए था, वह 15 प्रतिशत से कम होकर मात्र 3 प्रतिशत रह गया, अब यह और कम होने वाला है। हमारे बैंक और मजबूत होने वाले हैं। बैंकों की मार्केट कैपिटलाइजेशन जो 4 लाख 50 हजार

करोड़ रुपये थी, वह बढ़कर 17 लाख करोड़ रुपये हो गई है, लगभग 4 गुना ज्यादा हो गई। इनके समय फोन बैंकिंग चलती थी, फोन होता था और बैंक वाले पैसा दे देते थे और वह पैसा लेकर विदेश भाग जाते थे। हम एनडीए में कमी लाये हैं, स्ट्रेट असेट्स में भी कमी लाये हैं। वर्ष 2014 में एजुकेशन लोन इंटरैस्ट 14.25 प्रतिशत था, जो अब कम होकर 9 प्रतिशत रह गया है। होम लोन 10.15 प्रतिशत पर मिलता था, लेकिन आज 8.40 प्रतिशत पर मिलता है। ऑटो लोन 10.95 प्रतिशत था, आज 8.75 प्रतिशत रह गया है। पर्सनल लोन 14.25 प्रतिशत पर था, आज 11.5 प्रतिशत है। ये सारी चीजें हुईं, लेकिन फॉर्मूलाइजेशन ऑफ इंडियन इकोनॉमी किस आधार पर हुई है? इसके लिए डिजिटाइजेशन, इजी क्रेडिट और फार्मूलाइजिंग एम्प्लॉयमेंट का बहुत बड़ा रोल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जन धन, आधार, मोबाइल-जैम ट्रिनिटी ने बहुत बड़ी भूमिका निभायी है। हर व्यक्ति के पास आधार है, बैंक खाता है, मोबाइल का कनेक्शन है, दुनिया का सबसे सस्ता इंटरनेट कनेक्शन और डाटा प्लॉन कहीं है तो भारत में है। यही नहीं, जैम पोर्टल पर छोटे से छोटा व्यापारी भी अपना सामान बेच सकता है।

मात्र पांच-छह वर्षों में कुछ हजार करोड़ रुपये से लेकर कई लाख करोड़ रुपये तक की खरीद जेम पोर्टल पर पूरी पारदर्शिता के साथ होती है, टेक्नोलॉजी के माध्यम से यह भी हुई। किसानों के लिए ई-नाम की सुविधा दी, टोल नाका के लिए फास्ट टैग बनाया, पहले 743 सेंकड टोल नाका पार करने में लगता था जो आज 47 सेंकड में टेक्नोलॉजी के माध्यम से होता है, यहां टेक्नोलॉजी का उपयोग हुआ है। जहां तक इजी क्रेडिट की बात करता हूं, मुद्रा योजना एक ऐसी योजना है जिसमें लगभग 43 लाख करोड़ मुद्रा लोन दिए गए और लगभग 34 लाख करोड़ रुपये देश के लोगों को मोदी जी की गारंटी पर मिला, उन लोगों ने अपने कामकाज की शुरूआत की है। आपके समय में बैंक खाता भी खोलना मुश्किल हो जाता था, दो लोगों को साथ लेकर जाना पड़ता था, आज 50 करोड़ से ज्यादा बैंक खाता लोगों के घर जाकर खुलवा दिए, यह सरकार आपके घर-द्वार, मोदी सरकार ने करके दिखाया है।

(1145/SK/AK)

माननीय सभापति जी, यही नहीं, एससी, एसटीज और वूमैन, तीनों के लिए 'स्टैंड अप इंडिया' योजना मोदी सरकार लाई, जिससे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिलाओं को एन्टरप्रायोनर बनने की सुविधा मिली। 'पीएम स्वनिधि' योजना में लगभग 70 लाख स्ट्रीट वैंडर्स को, रेहड़ी-पटरी वालों को बगैर किसी गारंटी के पैसा मिला। अगर उनको अपना व्यापार करने का अवसर मिला तो नरेन्द्र मोदी जी की एनडीए सरकार में मिला।

माननीय सभापति जी, कहना आसान होता है, कोविड के समय जो मदद मिली, 10 हजार रुपये से शुरू की गई थी। जिन लोगों ने समय पर पैसा वापस किया, डिजिटल पेमेंट से वापस किया, उनका इंटरैस्ट भी माफ हो गया। दस हजार रुपये के बजाय बीस हजार रुपये और

बीस हजार से पचास हजार रुपये तक मिले। इससे उनका व्यापार भी बढ़ा और इनमें से कई लखपति भी बन गए। अब तो हम ग्रामीण क्षेत्र में भी स्वनिधि योजना लाने वाले हैं और इसे ग्रामीण क्षेत्र के रेहड़ी-पटरी वालों को इसका लाभ मिलेगा।

हम नए लेबर लॉज लाए और इसके कारण फायदा मिला। ई-श्रम को हमने फार्मलाइज किया, कई लोग इन्फार्मल सैक्टर में काम करते थे, अब लगभग 30 करोड़ ई-श्रम कार्ड बन चुके हैं। ईपीएफओ में नई रजिस्ट्रेशनस लगभग 7 करोड़ 40 लाख हैं जो वर्ष 2018 से वर्ष 2024 तक हुईं, इससे पता चलता है कि देश में रोजगार की संभावनाएं बढ़ी हैं। डिजिटल इंडिया में अगर मैं ओटीटी प्लेटफॉर्म, कोविन एप, आरोग्य सेतु, ई-नाम से लेकर जेम पोर्टल, डिजिटल ओपीडी सर्विसिस या डिजिटल कोर्ट्स की बात कहूं तो आज हर क्षेत्र में डिजिटाइजेशन से बहुत फर्क पड़ा है। एक पूर्व वित्त मंत्री हैं, उन्होंने बड़ा मजाक उड़ाया था, उन्होंने कहा था - प्रधान मंत्री जी बताइए कि गांव में किसे इंटरनेट की सुविधा मिलेगी? क्या कोई साढ़े सात रुपये में टमाटर या आलू खरीद पाएगा? क्या इससे पैसों का लेनदेन हो पाएगा? मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूं कि जो लोग सोचते थे कि संभव नहीं हो पाएगा, उस असंभव को संभव हमारी सरकार ने करके दिखाया है। आज 'भीम' यूपीआई से दुनिया में सबसे ज्यादा डिजिटल पेमेंट्स होती हैं। 46 वेबसाइट डिजिटल पेमेंट्स अगर कहीं होती है तो भारत में होती हैं। इससे रेहड़ी वाला भी पेमेंट करता है, चाय वाला भी पेमेंट करता है और पटरी वाला भी पेमेंट करता है। बड़े से बड़े व्यापारी से लेकर छोटे से छोटा व्यापारी भी पेमेंट करता है। 100 बिलियन से ज्यादा ट्रांजेक्शन्स होती हैं और 13 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा लेनदेन होता है।

माननीय सभापति जी, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि ये भारत को जहां रोकना चाहते थे, वहां भारत रुकने वाला नहीं है। अब मैं कैपिटल एक्सपेंडिचर की बात कहता हूं, यह दो साल पहले 7.5 लाख करोड़ रुपये था और पिछले साल 10 लाख करोड़ रुपये था, अब 11,11,111 करोड़ रुपये कैपिटल एक्सपेंडिचर है जो कि आज तक के इतिहास में सबसे ज्यादा है। मैं कुछ आंकड़े आपके सामने रखना चाहता हूं और आशा करता हूं कि सदन को इससे लाभ मिलेगा। वर्ष 2014 में 70 एयरपोर्ट्स थे अब 150 एयरपोर्ट्स हैं। वर्ष 2014 में 206 रूट थे और अब 609 रूट हैं। हम दुनिया की तीसरी बड़ी डोमेस्टिक एविशन मार्केट हैं। वर्ष 2014 में 96,000 किलोमीटर नेशनल हाईवेज थे अब डेढ़ लाख किलोमीटर नेशनल हाईवेज हैं। वर्ष 2014 में 3 लाख 20 हजार किलोमीटर ग्रामीण सड़कें थीं, आज लगभग 7 लाख किलोमीटर से ज्यादा ग्रामीण सड़कें हैं। वर्ष 2014 में 16 आईआईटीज थे, अब 23 आईआईटीज हैं। वर्ष 2014 में 13 आईआईएम थे अब 21 आईआईएम हैं। वर्ष 2014 में सात एम्स थे, अब 23 एम्स हैं। वर्ष 2014 में 9 ट्रिपल आईटी थीं, अब 25 ट्रिपल आईटी हैं। यही नहीं, उस समय 387 मेडिकल कॉलेज थे, अब 706 मेडिकल कॉलेज हैं। तब 723 यूनिवर्सिटीज थीं अब 1017 यूनिवर्सिटीज हैं। तब 50,000 सीटें एमबीबीएस की थीं, अब एक लाख एक हजार

से ज्यादा सीटें एमबीबीएस की हैं। ... (व्यवधान) तब लगभग 31,000 पोस्ट ग्रेजुएशन की सीटें थीं अब लगभग 65,000 सीटें हैं। ... (व्यवधान) उस समय और अब के समय में बहुत अंतर है। ... (व्यवधान)

1149 बजे (माननीय अध्यक्ष पीठासीन हुए)

उस समय 350 स्टार्टअप थे, अब 1 लाख स्टार्टअप हैं। उस समय चार यूनिकान थे, अब 107 यूनिकान हैं। तब बैंकों का प्राफिट 36,000 करोड़ रुपये थे अब 1 लाख 41 हजार करोड़ रुपये है। तब एनपीए 15 परसेंट था, अब तीन परसेंट है। तब बैंकों का मार्केट कैप 4 लाख करोड़ रुपये था आज 17 लाख करोड़ रुपये है। अब कैपिटल एक्सपेंडिचर कई गुना ज्यादा बढ़ गया है।

(1150/KDS/UB)

मरीन एक्सपोर्ट की बात करूं, तो उस समय 5 बिलियन डॉलर था, आज 8.9 बिलियन डॉलर हो गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स का एक्सपोर्ट 6 बिलियन डॉलर था, जो आज चार गुना ज्यादा, यानी 24 बिलियन डॉलर हो गया है। ट्वाय एक्सपोर्ट उस समय 98 मिलियन था, आज 326 मिलियन यानी 3 गुना से ज्यादा हो गया है। फॉरेस्ट रिजर्व 320 बिलियन डॉलर से बढ़कर 650 बिलियन डॉलर हो गया। एक्सपोर्ट 470 बिलियन डॉलर से बढ़कर 770 बिलियन डॉलर हो गया। हमारा ग्रॉस टैक्स कलेक्शन रेवेन्यू मात्र 11 लाख करोड़ था, जो आज 33 लाख करोड़ हो गया है। लोगों ने ईमानदारी के साथ टैक्स जमा कराना शुरू कर दिया। उस समय दो मेगा फूड पार्क थे, आज 200 मेगा फूड पार्क हैं। आपके समय 2 करोड़ आवास बने, हमारे समय में 4 करोड़ आवास बने। आपके समय तक 70 सालों में 3 करोड़ घरों में नल से जल था, आज 14 करोड़ घरों में नल से जल है। आपके समय हम मोबाइल फोन के सेकेंड लार्जेस्ट इम्पोर्टर थे, आज हम सेकेंड लार्जेस्ट मैन्युफैक्चरर बन गए हैं।

भाइयों और बहनों, मैं इतना ही कहना चाहता हूं कि उस समय हमारी जीडीपी 1.8 ट्रिलियन थी, आज 3.8 ट्रिलियन पार कर गई है। ऐसे अनेक उदाहरण मैं आपको बताना चाहता हूं। मेरे पास बहुत सारे अन्य आंकड़े हैं, जो थोड़ी देर बाद सुना दूंगा। मैं इतना जरूर कहूंगा कि आज जहां एक ओर सड़कें बन रही हैं, रेलवे बन रहे हैं, हवाई पट्टियां बन रही हैं, वहीं बुलेट ट्रेन से लेकर वंदे भारत, जो आपके समय एक नहीं थी, आज लगभग 100 वंदे भारत ट्रेनें अलग-अलग रूटों पर देश में चल रही हैं। ... (व्यवधान)

साथियों, नैचुरल गैस पाइप लाइन आज 23 हजार किलोमीटर से ज्यादा बिछ गई है। 12 हजार किलोमीटर से ज्यादा भारतमाला परियोजना में प्रोजेक्ट्स बन गए हैं। आपके समय 12 किलोमीटर नैशनल हाईवे एक दिन में बनता था, जबकि आज हम एक दिन में 30 किलोमीटर नैशनल हाईवे बनाते हैं। आपके समय ग्रामीण सड़कें 30 किलोमीटर एक दिन में बनती थीं, जबकि आज 91 किलोमीटर एक दिन में बनती हैं। क्या कम्पैरिजन किया जाए? अगर आपकी रफ्तार से देश आगे बढ़ता, तो आज वहीं का वहीं खड़ा रहता। आपने 10 साल सरकार चलाई,

लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था 11वें नंबर पर ही खड़ी रही, जबकि हमने 5वें नंबर पर पहुंचाने का काम किया। हमने कॉरपोरेट टैक्स रेट को कम करके 15 प्रतिशत किया। यही नहीं, कोविड के समय जब लोगों को अपना व्यापार करने के लिए पैसा चाहिए था, तो इंकम टैक्स का रिफंड रिकॉर्ड समय में जनता को वापस करने का निर्णय प्रधान मंत्री मोदी जी ने किया। आपके समय में डेढ़-डेढ़ साल तक रिफंड नहीं आता था, अब रिकॉर्ड समय के भीतर आता है। यही नहीं, हमने बैंकों से लगभग 4 लाख करोड़ रुपये इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम के माध्यम से दिया। ... (व्यवधान) साथ ही 20 परसेंट एडिशनल वर्किंग कैपिटल मारन जी, आप जैसी कई कंपनियों को दिया, तो भारत सरकार ने बगैर किसी गारंटी के दिया, जो किसी सरकार ने नहीं दिया था। यही नहीं, पीएलआई स्कीम में 8 लाख करोड़ रुपये के इंफ्रामेंटल शेयर्स देखने को मिलते हैं। हमारी सरकार में विकास तो हुआ ही, विकास भी और विरासत भी हमारी सरकार की पहचान है। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : एक मिनट, माननीय सदस्यगण, आप बैठे-बैठे कमेंट्स न करें। सीनियर लीडर मारन जी की तो बैठे-बैठे कमेंट्स करने की आदत पड़ गई है। राष्ट्रपति जी का अभिभाषण हो, तो भी कमेंट करते हैं। नो, यह गलत है।

... (व्यवधान)

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर) : धन्यवाद अध्यक्ष जी, चूंकि मैंने विकास और विरासत की बात की, तो दयानिधि मारन जी का चिल्लाना सही था, क्योंकि इनके नेता वहां बैठे-बैठे कहते हैं कि सनातन धर्म बीमारी की तरह है, इसको जड़ से मिटाना है। इनके नेताओं ने वहां पर कहा है। आपको शर्म आनी चाहिए और इसके लिए देश से माफी मांगनी चाहिए। अगर ये चाहते हैं कि मेरा भाषण इस दिशा में जाए, तो मुझे कहने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन इन्होंने जो शब्द कहे और सनातन धर्म को नीचा दिखाने का प्रयास किया और सनातन धर्म को आपने एक एचआईवी के साथ जोड़ने का काम किया। ... (व्यवधान) इनकी पार्टी के नेताओं ने जो कहा, वह मंजूर नहीं है। मुगल आए, आकर चले गए, अंग्रेज आए, आकर चले गए, लेकिन सनातन था, सनातन है और सनातन रहेगा। ... (व्यवधान)

(1155/MK/SRG)

माननीय अध्यक्ष : उन्होंने क्या बोला? सनातन रहेगा, यही बोला न? क्या आपको सनातन रहने पर आपत्ति है?

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर) : अध्यक्ष महोदय, हम सबके जीवन में और हमारी पूर्व की पीढ़ियों के जीवन में 500 साल तक जो समय नहीं आया, हम सौभाग्यशाली हैं कि हम कोविड से भी बच गए और जो 500 साल में किसी को अवसर नहीं मिला, वह हमारी आँखों के सामने भव्य और दिव्य राम मंदिर का निर्माण भी हुआ। ... (व्यवधान)

अध्यक्ष जी, मुझे इसी बात की पीड़ा है। ये सनातन धर्म को कुचलने की बात करते हैं, जड़ से मिटाने की बात करते हैं। राम मंदिर के प्रसारण पर रोक भी किसी सरकार ने लगाई तो किस सरकार ने लगाई? क्यों रोक लगाई थी? हमें सुप्रीम कोर्ट से निर्णय लेना पड़ा। क्यों राम का विरोध करते हैं? ... (व्यवधान) कुछ जैसे बैठे हैं, जिन्होंने राम भक्तों पर गोलियां चलाईं, कुछ वे हैं, जिन्होंने राम मंदिर को टेंट में रखा और कुछ वे हैं, जिन्होंने राम मंदिर के प्रसारण पर रोक लगाई। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, जब मैं बात करता हूँ 'विकास भी, विरासत की भी' तो हमने यही नहीं, हमने सोमनाथ धाम बनाया, काशी विश्वनाथ धाम बनाया, दिव्य और भव्य केदारनाथ धाम बनाया, महाकाल लोक धाम बनाया और दिव्य और भव्य राम मंदिर भी बनाया है। ... (व्यवधान) हमने बौद्ध सर्किट भी बनाया। करतारपुर कॉरिडोर, करतारपुर का लांघा भी खुलवाया, जो कोई नहीं करवा पाया। पंडित नेहरू की गलती थी, जिन्होंने आजादी के समय, पार्टिशन के समय हमारा करतारपुर का गुरुद्वारा भी उस तरफ छोड़ दिया। लोग दूरबीन लगाकर दर्शन करते थे। नरेंद्र मोदी जी की सरकार में हमारी सरकार ने करतारपुर कॉरिडोर खुलवाया और हेमकुंट साहिब में रोपवे बनाने का भी काम हमारी सरकार कर रही है। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, हमने 550वां प्रकाश उत्सव गुरुनानक देव जी का मनाया, 400वां प्रकाश उत्सव गुरु तेग बहादुर जी का और 350वां प्रकाश उत्सव गुरु गोविन्द सिंह जी का हमारी सरकार ने मनाया है। ... (व्यवधान) यही नहीं अगर साहिबजादों की शहादत पर पूरे देश ने वीर बाल दिवस के रूप में मनाया तो वह भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में मनाया गया। आपके समय तो ब्लू स्टार ऑपरेशन हुआ था। हरमंदिर साहिब में क्या-क्या हुआ? वर्ष 1984 के दंगे, वर्ष 1984 के दंगे को देश भुला नहीं है। सिखों का कत्लेआम कांग्रेस की सरकार के समय ही हुआ था।... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, भारतीय जनता पार्टी को पंजाब में समर्थन मिला है। पंजाब की जनता ने हमारा वोट शेयर तीन गुना ज्यादा बढ़ाया है। ... (व्यवधान) मैं इन लोगों से ज्यादा अपेक्षा रखता भी नहीं। इन्होंने इस चुनाव में भय और भ्रम की राजनीति की है। यहां तक कि इन्होंने वे लोग जो प्रधानमंत्री जी के बारे में कहते थे कि 'बोटी-बोटी नोच लेंगे', इन्होंने उनको भी टिकट देकर सांसद बनाने का काम किया।... (व्यवधान) मैं पूछता हूँ साहब, क्या कहा? किसको टिकट दिया? टुकड़े-टुकड़े की सोच वाले, टुकड़े-टुकड़े गैंग वालों को कांग्रेस में शामिल किया गया और फिर उनको टिकट देने का भी काम किया। ... (व्यवधान) जो अफजल गुरु की फांसी माफ कराने की बात करते हैं, उनको भी दिया। ... (व्यवधान)

(1200/SJN/RCP)

जो भारत का नामो-निशान मिटाने की बात करते हैं, मेरा सवाल यह है कि उनको कांग्रेस पार्टी ने टिकट क्यों दिया? मैं इस सभा पटल से यह सवाल पूछता हूँ कि ऐसी कौन-सी मजबूरी थी कि राहुल गांधी जी को प्रतिबंधित...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, सभा पटल से नहीं, बल्कि सभा पटल के माध्यम से सवाल पूछिए।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, इसमें करेक्शन कर लें कि सभा पटल से नहीं, बल्कि सभा पटल के माध्यम से सवाल पूछिए।

... (व्यवधान)

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर) : अध्यक्ष जी, मैं क्षमा चाहता हूँ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : उन्होंने करेक्ट कर लिया है।

... (व्यवधान)

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर) : अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से दोबारा यही बात कहना चाहूँगा। मैं आपका संरक्षण चाहता हूँ। अगर मेरी बात में सत्य न हो, तो कोई भी खड़ा होकर मुझे टोक सकता है...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप क्यों ऐसा कह रहे हैं कि आपको कोई टोक सकता है? क्या आपको अधिकार दिया गया है? कोई नहीं टोकेगा, सबको अपनी बात कहने का मौका मिलेगा।

... (व्यवधान)

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर) : अध्यक्ष जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। अगर ऐसे ही आपका संरक्षण मिलता रहेगा, तो धन्यवाद प्रस्ताव पर अच्छी चर्चा हो जाएगी।

अध्यक्ष जी, सवाल यह खड़ा होता है कि हम जिस सदन में बैठे हैं, यह घटना पुराने सदन की है। क्या देश का कोई भी व्यक्ति संसद पर हमला होते हुए देखना चाहेगा? क्या आपमें से ऐसा कोई चाहेगा? जो उस हमले में शामिल थे, क्या उनको कड़ी से कड़ी सजा नहीं मिलनी चाहिए या मिलनी चाहिए? अगर देश के न्यायालय ने उनको कड़ी से कड़ी सजा दी, फांसी की सजा दी, तो उनको बचाने के लिए जो सड़कों पर उतरे, आप उनका समर्थन कर रहे हैं या नहीं कर रहे हैं?...(व्यवधान) आप उनको बचाने के लिए सड़कों पर उतर गए।

अरे, भारत की 140 करोड़ की आबादी में से कोई और नहीं मिला? इनकी क्या मजबूरी थी? आपने जहां से चुनाव लड़ा, वहां से किसी और को नहीं, बल्कि पीएफआई और मुस्लिम लीग जैसी संस्थाओं का समर्थन लेकर भी कुछ लोग यहां चुनकर आए हैं। देश जवाब मांगता है कि ऐसी कौन-सी मजबूरी थी?...(व्यवधान) अरे, इनका इतिहास ऐसा ही रहा है...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, चुनाव के समय बहुत सारी बातें हुई थीं। महामहिम राष्ट्रपति महोदया जी ने भी संविधान का उल्लेख किया है। मैं वहां पर भी आऊंगा, लेकिन मैं उससे पहले कुछ और कहना चाहता हूँ। इनका दर्द सामने नज़र आ रहा है...(व्यवधान) जो तीन बार प्रयास करने के बाद

भी 100 तक के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाए, 99 पर ही रुक गए, वे तो यही कहते हैं कि “दिल के अरमां आंसुओं में बह गए, इतनी नौटंकियों के बाद भी 99 पर ही अटक कर रह गए”...(व्यवधान) “दिल के अरमां आंसुओं में बह गए, तीसरी बार भी विपक्ष में आकर बैठक गए”

माननीय अध्यक्ष जी, they were in the nervous nineties. ... (*Interruptions*) नर्वस नाइन्टीज़ में आकर इनके हाथ-पैर फूलने शुरू हो गए। मैं एक और बात कहना चाहता हूँ। एक बात तो अच्छी हुई है कि माननीय राहुल गांधी जी नेता प्रतिपक्ष बने हैं। मैं अपनी ओर से राहुल गांधी जी को नेता प्रतिपक्ष बनने पर बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ। राहुल गांधी जी का नेता प्रतिपक्ष बनना इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि पिछले दो दशकों में वह पावर विदाउट रिस्पांसिबिलिटी एंजॉय कर रहे थे। ये मजा लेते थे... (व्यवधान) अब इनको पावर के साथ-साथ रिस्पांसिबिलिटी भी लेनी पड़ेगी। इसलिए जो मोदी जी के लिए कहते हैं कि मोदी जी की तीसरी टर्म अग्निपरीक्षा है, यह तीसरी टर्म मोदी जी की अग्निपरीक्षा नहीं है, ये अग्निपरीक्षा विपक्ष की है, विपक्ष के नेता की है। क्या वह विपक्ष को एकजुट रख पाएंगे?... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, जिनको लोक सभा बंक करने की आदत थी, उनकी 50 प्रतिशत से कम हाजिरी थी, क्या वे सारा दिन लोक सभा में बैठ पाएंगे?... (व्यवधान) अच्छा नहीं हैं, ओ-हो, वे आज भी नहीं हैं। क्या वे लोक सभा में बैठ पाएंगे? देर शाम तक बैठना पड़ेगा। जिस तरह माननीय प्रधानमंत्री जी इस पार्लियामेंट हाउस में बैठते हैं, अब अनुपस्थित जमींदारी नहीं चलेगी। Absentee landlordism would not work. ... (*Interruptions*)

(1205/SPS/PS)

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): Hon. Speaker, Sir, there is a Point of Order. ... (*Interruptions*)

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर) : माननीय अध्यक्ष जी, एक ओर देश ने देखा है कि कैसे हमारे वैज्ञानिकों की मेहनत के कारण, जिसे दुनिया का कोई देश नहीं कर पाया, उस चन्द्रयान मिशन की सफलता को करके दिखाया है। चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर तिरंगे का मान-सम्मान बढ़ाने वाला देश हमारा भारत दुनिया का पहला देश बना है।... (व्यवधान)

SEVERAL HON. MEMBERS: There is a Point of Order. ... (*Interruptions*)

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर) : माननीय अध्यक्ष जी, एक ओर चन्द्रयान मिशन की सफलता, आदित्य एल-1 सोलर की सफलता तो क्या दूसरी ओर राहुलयाण फिर एक बार फेल हो गया है? कांग्रेस और इनका इको सिस्टम कुतर्कों के सहारे राहुलयाण को सफल करने की बात करता है। ... (व्यवधान) मैं पूछता हूँ कि ये चार जून से दिखाने में लगे हैं कि 99 का आंकड़ा 240 से ज्यादा बढ़ा होता है। क्या 99 का आंकड़ा 240 से ज्यादा बढ़ा होता है? कांग्रेस की इस बार 99 सीटें आई हैं। अब एक सीट को छोड़कर 98 रह गई हैं।... (व्यवधान) अपने आप में इन्होंने तीसरी बार विपक्ष में रहने का रिकॉर्ड बनाया है, लेकिन इनका घमण्ड, अहंकार और तानाशाही सोच आज भी बरकरार है। यह मानसिकता है। जब कांग्रेस का पार्टी मोड खत्म हो जाए तो इस पर आत्मनिर्भर और मंथन जरूर करना चाहिए। मैं देश के सामने एक आंकड़ा रखना चाहता हूँ।... (व्यवधान)

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): Hon. Speaker, Sir, there is a Point of Order.

माननीय अध्यक्ष : प्लीज, अपनी-अपनी सीट्स पर बैठिए।

... (व्यवधान)

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): Sir, there is a Point of Order under Rule 352 – Rules to be observed while speaking. A member while speaking shall not refer to any matter of fact on which a judicial decision is pending; make personal reference by way of making...

HON. SPEAKER: Rule 352. Okay.

... (Interruptions)

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): Hon. Speaker, Sir, please expunge. ... (Interruptions)

माननीय अध्यक्ष : क्या आप लोग रूल 352 के अनुसार बोलेंगे? सदन में आप सब तय कर लीजिए कि रूल 352 के तहत बोलेंगे तो मैं सदन रूल 352 के तहत चला दूंगा।

... (व्यवधान)

श्री गौरव गोगोई (जोरहाट) : सर, आप नाराज मत हों।... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं नाराज नहीं हो रहा हूँ। मैं नाराज नहीं होता हूँ। मुझे माननीय सदस्य रूल बता रहे हैं, रूल की किताब बता रहे हैं तो मैं भी चाहता हूँ कि रूल की किताब से चलें।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : क्या रूल 352 के अनुसार सदन चलेगा? अगर आप चलाना चाहते हैं तो बताइए?

... (व्यवधान)

श्री बी. मणिकम टैगोर (विरुधुनगर) : सर, बात तो सुनिए वह कुछ बोलना चाहते हैं। ... (व्यवधान)

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): I have raised a Point of Order ... (Interruptions)

श्री बी. मणिकम टैगोर (विरुधुनगर) : सर, माइक बंद हो जाता है। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : नीट का विषय भी अदालत में चल रहा था, तो फिर आप उसे क्यों उठा रहे थे?

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : नहीं, यह गलत है।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, क्या नीट का विषय सुप्रीम कोर्ट में नहीं चल रहा है? आप उसे क्यों उठा रहे थे?

... (व्यवधान)

श्री अनुराग सिंह ठाकुर : माननीय अध्यक्ष जी, मैं कह रहा था कि ये प्रयास कर रहे थे कि 99 सीटें 240 सीटों से ज्यादा होती हैं। इनका आंकड़ा इनको मुबारक हो, लेकिन मैं एक बात देश के सामने और आपके माध्यम से सदन को जरूर बताना चाहता हूँ कि कांग्रेस मात्र 328 सीटों पर चुनाव लड़ी थी, जबकि ये हमारे ऊपर प्रश्नचिन्ह खड़ा करते हैं। ... (व्यवधान) जब राष्ट्रपति के अभिभाषण में आया कि स्थिर और स्पष्ट बहुमत मिला है तो इन्होंने बहुत हल्ला किया। मैं पूछता हूँ कि जब वर्ष 2004 में आपकी सरकार बनी, वर्ष 2009 में आपकी सरकार बनी तो क्या आपको 240 सीटें भी मिल पाई थीं? आप उनके आस-पास भी नहीं थे। आपको 145 सीटें मिली थीं। मुझे जितना मजबूर करोगे, कांग्रेस की उतनी परतें खुलती जाएंगी।

माननीय अध्यक्ष जी, ये मात्र 60 परसेंट सीटों पर लड़े थे। देश का सबसे पुराना राजनीतिक दल मात्र 60 परसेंट 328 सीटों पर चुनाव लड़ा था और उनमें से भी 70 परसेंट सीटों पर कांग्रेस हार गई, जनता ने इनको नकार दिया है। इन 328 सीटों में से 229 सीटों पर कांग्रेस की हार हुई है और जनता ने आपको नकार दिया है।

(1210/MM/SMN)

जनता ने आपको नकार दिया है। एक तो लड़े ही 60 परसेंट सीटों पर और उसके बाद भी 70 परसेंट सीटों पर हार गए। यही नहीं सर, जब कोई पार्टी अपना स्टैंडर्ड इतना लो सेट कर लेती है और बिलो-एवरेज परफोर्मेंस आती है तो उसको वह भी ओवरवैल्मिंग लगता है। लेकिन, मैं अपने कांग्रेस के मित्रों से कहना चाहता हूँ कि आप कुछ भी पालो, लेकिन गलतफहमी मत पालो। अगर आपको यह चार्ट देखना है तो मैं इस चार्ट को सभा पटल पर रख सकता हूँ। कांग्रेस की कितनी सीटें कब-कब आयीं? यह चार्ट बहुत कुछ दिखाता है। इस चार्ट में यह दिखता है कि यूपीए की जब पहली सरकार थी तो कांग्रेस की मात्र 145 सीटें आयी थीं। उस समय भारतीय जनता पार्टी की 138 सीटें आयी थीं। सात सीटों का फर्क था। आप में और हमारे में सिर्फ सात सीट का अंतर था और सरकार आपने बनायी। हमने तो कुछ नहीं कहा। आपने पांच साल सरकार चलायी। आपका उस समय का वोट शेयर मात्र 26.53 प्रतिशत था। वर्ष 2009 में यूपीए की सरकार फिर आयी। आपकी 206 सीटें आयीं। आपके लिए वह स्थिर सरकार थी। आपके लिए वह कांग्रेस की सरकार थी, स्थिर सरकार थी। लेकिन, नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने 282 सीटें जीतीं। वर्ष 2014 में पूर्ण बहुमत की सरकार अगर किसी ने बनायी तो भारतीय जनता पार्टी, एनडीए ने सरकार बनायी। वर्ष 2019 में 303 सीटें भारतीय जनता पार्टी ने जीतीं और हमारा वोट शेयर भी पहले से ज्यादा बढ़ा।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं कहना चाहता हूँ कि वर्ष 2014 में 31 परसेंट वोट शेयर भारतीय जनता पार्टी का था और 37.36 परसेंट वोट शेयर वर्ष 2019 में था। कांग्रेस का वोट शेयर मात्र 19.39 परसेंट था। इस बार भी हमारा वोट शेयर 36.56 प्रतिशत है और 240 सीटें जीतकर गठबंधन को पूर्ण और स्पष्ट बहुमत मिला है। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, इनको इतनी तो शर्म आनी चाहिए, इतनी तो शर्म आनी चाहिए कि इन्होंने वर्ष 2014 में 44 सीटें, वर्ष 2019 में 52 सीटें और इस बार 98 या 99 जो गिनना है, गिन लें। ये तीन बार की सीटें जोड़कर भी 240 से कम हैं। ये हमारे सामने कहीं खड़े नहीं होते हैं।... (व्यवधान)

क्या आपका और सुनना रहता है? क्या आपको और सुनना है? मैं सदन को और बताना चाहता हूँ कि जितनी पूरे विपक्ष की सीटें हैं, उससे ज्यादा अकेली भारतीय जनता पार्टी की सीटें हैं... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, जब ये भारतीय जनता पार्टी का या मोदी जी का मुकाबला दो चुनावों में नहीं कर पाए तो क्या बनाया? एक ऐसा गठबंधन बनाया जो जेल वाले और बेल वाले ने मिलकर बनाया। कुछ जेल में थे, कुछ बेल पर थे। कुछ यहां पर भी बेल वाले हैं... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, इतना ही नहीं, इनकी पूर्व की सरकारों में कितने ही घोटाले हुए। 2जी घोटाला, कॉमनवैलथ गेम्स घोटाला, कोयला घोटाला, अंतरिक्ष घोटाला, देवास घोटाला, सबमरीन घोटाला और घोटाले पर घोटाला हुआ... (व्यवधान) अगुस्टा वेस्टलैंड घोटाला हो, नेशनल हेराल्ड घोटाला हो... (व्यवधान) घोटालों की कोई कमी नहीं छोड़ी... (व्यवधान) इन्होंने अपने सहयोगी भी चुने तो शराब घोटाले वाले चुने, जमीन घोटाले वाले चुने, रिवर फ्रंट घोटाले वाले चुने... (व्यवधान) और तो और, वे सब चुने जो जेल में थे या बेल पर थे ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, इनकी एक पार्टी तो ऐसी है, जिसका शिक्षक भर्ती घोटाला हो, पोंजी स्कीम का घोटाला हो, चिट फंड घोटाला हो, वह भी साथ में ही है। जहां पेंटिंग भी तीन-तीन करोड़ रुपये में बिक जाती है... (व्यवधान) एक ऐसा नेता है जो अपने आपको दुनिया का सबसे ईमानदार नेता बताता था... (व्यवधान) वह इतना ईमानदार नेता निकला कि वह आज जेल में है... (व्यवधान)

(1215/YSH/SM)

माननीय अध्यक्ष जी, हमने वर्क फॉर होम तो सुना था, लेकिन इन लोगों ने हमें वर्क फॉर जेल देखने का अवसर भी दिया कि जेल से सरकार कैसे चलती है... (व्यवधान) अपने आप को सबसे ईमानदार बताने वाला आज कट्टर बेईमान कोई है तो वह आज जेल में है और जो जेल से निकलकर आए थे जैसे लंच ब्रेक लेकर चुनाव प्रचार करने के लिए आए थे, वे बैंक टू तिहाड़ चले गए हैं... (व्यवधान) खैर, इनके गठबंधन की दुर्गति देखकर मुझे एक गीत याद आता है :- “सोचता हूँ कि वे कितने मासूम थे, क्या से क्या हो गए देखते-देखते, वे जो कहते थे गठबंधन करेंगे न कभी, बच्चों की कसम भी खा गए भूलकर देखते-देखते”

गठबंधन भी किया तो एक राज्य में किया और दूसरे राज्य में नहीं किया। आज दिल्ली में, जहां पर मैं खड़ा हूँ, आप वहीं की हालत देख लीजिए। चोर-चोर मौसेरा भाई, सबने मिलकर गठबंधन की गुहार लगाई, लेकिन दिल्ली की जनता ने खाता भी नहीं खुलने दिया। उन्होंने सातों की सातों सीटों पर कमल का फूल खिलाने का काम किया है।

माननीय अध्यक्ष जी, दिल्ली में यह कैसी सरकार है, जिसका शिक्षा मंत्री (शराब मंत्री) जेल में है, जिसका जल मंत्री जेल में है, जिसका कानून मंत्री फर्जी एम.ए., एल.एल.बी. की डिग्री लिए हुए हैं और वह भी जेल में है, उसको इस्तीफा भी देना पड़ा है... (व्यवधान) आपकी नहीं, मैं दिल्ली की बात कर रहा हूँ आपकी बात मैं बाद में करूंगा... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, मुझे लगता था कि जिस तरह से तमिलनाडु में 60 के लगभग लोगों की मौत नकली शराब के कारण हुई है तो आपको तो खड़े होकर बोलना भी नहीं चाहिए... (व्यवधान) मैं समझ सकता हूँ कि जो बार-बार खड़े हो रहे हैं, 2जी घोटाले के समय किस-किस पर आरोप लगे थे मैं नहीं चाहता कि मैं उनका नाम यहां पर लूँ... (व्यवधान) जब इनको लगा कि घोटाले वालों का सारा गठबंधन इकट्ठा करने के बाद भी, भ्रष्टाचारियों का कुनबा इकट्ठा करने के बाद भी हमें टक्कर नहीं दे पाएंगे तो भय, भ्रम और अफवाहें फैलाने की राजनीति की गई। इस चुनाव में क्या-क्या नहीं हुआ? राष्ट्रपति जी के अभिभाषण में जिस ओर इशारा आता था, चाहे टेक्नोलॉजी का दुरुपयोग हो, चाहे अफवाहें फैलाने की बात हो, ये आज के नहीं, बल्कि इनके बार-बार के प्रयास हैं और विदेशी ताकतों का हाथ भी इस चुनाव में देखा गया है। ये ईवीएम पर भी आरोप लगाते गए और बाकी बूथ कैचरिंग की बात पर तो मैं अभी बाद में आऊँगा।

माननीय अध्यक्ष जी, दुख इस बात का है कि इनके कुछ नेताओं ने हम हिन्दुस्तान के लोगों पर नस्लभेदी टिप्पणियां की हैं। सैम पित्रोदा के जहरीले बोल, जो किसी के अंकल, फ्रैंड, फिलोसोफर और गाइड हैं... (व्यवधान) सैम पित्रोदा के बयान के बारे में मैं राहुल गांधी जी से पूछना चाहता हूँ कि क्या सैम पित्रोदा का यह बयान और कांग्रेस की सोच एक है? अगर ऐसा नहीं है तो कौन सी मजबूरी है कि अंकल सैम को पार्टी में लेना वापस जरूरी था? मैं केवल कांग्रेस से ही नहीं, बल्कि राहुल गांधी जी, जो नेता प्रतिपक्ष हैं, उनसे भी पूछना चाहता हूँ उनको जिम्मेदारी लेनी पड़ेगी। राहुल गांधी जी को जिम्मेदारी लेनी पड़ेगी, क्या वे सैम पित्रोदा के बयान से सहमत हैं या नहीं हैं? यह नस्लभेदी टिप्पणी भारत के लोगों को स्वीकार नहीं है। मैं दक्षिण भारत, उत्तर भारत, पूर्व भारत और पश्चिम भारत के लोगों से कहना चाहता हूँ कि नस्लभेदी टिप्पणी हमें स्वीकार नहीं है। यह भारत के लोगों का अपमान है। इसे हम कभी स्वीकार नहीं करेंगे।

मैं विपक्ष के नेताओं से पूछना चाहता हूँ, चाहे अखिलेश जी हैं, दयानिधि मारन जी हैं, राजा जी हैं, सुप्रिया जी हैं, सुदीप दा हैं और बाकी सब लोग हैं, क्या आप सैम पित्रोदा के बयान से और कांग्रेस की सोच से सहमत हैं? ये यहीं पर ही नहीं रुके, इनके वे साथी भी चुनकर आए, जिन्होंने इस पवित्र स्थल पर जय ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) का नारा लगाया है।

(1220/RAJ/RP)

यह ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) का नारा मंजूर नहीं है... (व्यवधान)

अध्यक्ष जी, क्या यही दिन देखना था। अरे! जो मां भारती के लिए न बोल सकें, 'भारत माता की जय' करने में जिनके मुंह में दही जम जाता हो, ओंठ सिल जाते हों, वे ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) के नारे लगाएंगे? क्या हम उस दिशा में बढ़ रहे हैं, कभी ये लोग जय पाकिस्तान, जय चीन भी बोलेंगे? अध्यक्ष जी, यह दुर्भाग्य है।

मैं एक और बात कहना चाहता हूँ कि ये संविधान को बार-बार हाथ में लहरा कर क्या करना चाहते हैं? अगर नेता प्रतिपक्ष अपने-आपको संविधान के रक्षक कहते हैं तो मैं चुनौती देता हूँ कि वे

सदन में आएँ और आश्वासन दें कि इमरजेंसी जैसी गलती कांग्रेस वापस कभी नहीं करेगी, आपको देश को कहना पड़ेगा। मैं कहता हूँ कि जब इमरजेंसी पर प्रस्ताव आया, तो क्या आप उस प्रस्ताव पर सहमत हैं और जो उसमें शामिल होंगे, उनका समर्थन करेंगे? यही नहीं आपको देश से माफी भी मांगनी चाहिए।

1221 बजे

(श्री दिलीप शङ्कीया पीठासीन हुए)

सभापति महोदय, Samvidhan is being tossed around like the word 'secularism' was, devaluating and demeaning it, that too by a party which has forever been acting against the ethos of both the words. इन्होंने पहले कभी धर्म निरपेक्ष शब्द का और कभी संविधान का दुरुपयोग ही किया है और वह भी अपने लिए किया है। सच्चाई यह है कि जिन्होंने देश को संविधान दिया, वे बाबा साहेब अम्बेडकर को अपमानित, प्रताड़ित, पीड़ित और पॉलिटिक्स से बाहर करने का काम किया, तो वह आप लोगों ने ही किया था...(व्यवधान) गौरव जी, आपको दर्द होगा...(व्यवधान) गौरव जी, कांग्रेस को दर्द होगा, क्योंकि आप लोगों ने ही बाबा साहेब अम्बेडकर के खिलाफ जो रचा, वह देश जानता है...(व्यवधान) इतिहास गवाह है...(व्यवधान) दूसरी ओर प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने जब शपथ ली तो उसके बाद संविधान के आगे माथा टेका, तब भी और इस बार भी संविधान को नमन किया एवं संविधान के अनुसार देश चलाने की बात की...(व्यवधान)

मैं एक बात और कहना चाहता हूँ कि बाबा साहेब अम्बेडकर के नाम पर पंचतीर्थ किसी ने बनाया, तो भारतीय जनता पार्टी, एनडीए की सरकार ने वह बनाया है। बाबा साहेब अम्बेडकर की जन्मस्थली, शिक्षास्थली, चैत्य भूमि, शिक्षा भूमि और महापरिनिर्वाण भूमि, पांचों स्थानों पर – नागपुर, मऊ, मुंबई, दिल्ली और लंदन में जमीन लेकर वहां पर म्यूजियम, स्मारक एवं उनको मान-सम्मान देने का काम किया है। नरेन्द्र मोदी की सरकार ने पंचतीर्थ बनाया है।

मैं सबसे एक और बात पूछना चाहता हूँ कि संविधान में कितने पन्ने होते हैं?... (व्यवधान) ऐसे मोटा करके मत बताओ, पेज कितने होते हैं?... (व्यवधान) आप वह रोज लेकर घूमते थे, कभी उसे खोल कर पढ़ें तो सही। ... (व्यवधान) आप संविधान नहीं पढ़ते हैं, लहराते फिरते हैं।... (व्यवधान) आप जेब से निकालो और देखो।... (व्यवधान) उसे जेब से निकालो।... (व्यवधान) आप नकल ही मार लो।... (व्यवधान) आप बताओ कि संविधान में कितने पन्ने होते हैं।... (व्यवधान) अरे! बड़ा संविधान-संविधान करते थे।... (व्यवधान) पहले संविधान बनाने वाले को अपमानित और प्रताड़ित करते हैं।... (व्यवधान) अब संविधान दिखाते हैं, लेकिन पढ़ते नहीं हैं।... (व्यवधान) संविधान को किसी ने कुचला?... (व्यवधान)

माननीय सभापति जी, अगर संविधान को किसी ने तार-तार किया था, संविधान को किसी ने कुचलने का काम किया था, तो वह भी आपने इमरजेंसी लगा कर किया था। आपको देश माफ नहीं करेगा।... (व्यवधान) भाईसाइब, संविधान में 251 पन्ने होते हैं, खोल कर देख लीजिए।... (व्यवधान)

माननीय सभापति जी, एक कहावत है।... (व्यवधान) दादा आपको क्यों दर्द हो रहा है? उन्होंने इमरेजेंसी लगाई थी। आप ऐसे ही उड़ता तीर ले रहे हैं। ... (व्यवधान) सभापति जी, मैं कांग्रेस की बात कर रहा हूँ। तृणमूल कांग्रेस बीच में आ गई है।... (व्यवधान) अब सच्चाई तो यह है कि जो कभी कांग्रेस के नेता सदन थे, सच्चे तृणमूल कांग्रेस वाले कांग्रेस के लिए आज बोलते हैं, कांग्रेस अपने नेता सदन अधीर रंजन चौधरी के लिए खड़ी नहीं हुई। वहाँ एक सभा करने भी इनके नेता नहीं गए और ममता जी के आगे बेचारे को... (व्यवधान) कांग्रेस अपने नेता के साथ खड़ी नहीं हो पाई। ऐसी कौन-सी मजबूरी थी कि कांग्रेस को बंगाल में घुटने टेकना जरूरी था?... (व्यवधान)

(1225/KN/NKL)

मारन जी को दर्द हो रहा है। मैं कांग्रेस के बारे में इतना ही कहूँगा। यह तो संविधान की बात आपके मुँह से ऐसी लगती है कि सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली। अगर मैं कांग्रेसीकरण करने की बात करूँ, जैसा ये हर योजना का करते हैं, अगर इसको मैं कांग्रेसीकरण करके कहूँ तो सौ संशोधन करके कांग्रेस संविधान बचाने को चली।

माननीय सभापति जी, जिस पार्टी की बुनियाद ही संविधान की हत्या से और इसके खून से बनी हो, वह पार्टी आज संविधान बचाने की बात करे तो गले नहीं उतरती है। यह तो वही बात हो गई कि अपने घर में नकली फूल रखने वाले बगीचों का शौक होने की बात कर रहे हैं। आप पर यह बिल्कुल जाता है। मैं आपको याद करवाना चाहता हूँ, आपके माध्यम से सदन को बताना चाहता हूँ। केन्द्र में कांग्रेस की सरकारों ने आज तक धारा 356 का कितना दुरुपयोग किया है। इसका दुरुपयोग करते हुए 93 बार राज्यों में विपक्ष की चुनी हुई सरकारों को बर्खास्त करने का काम अगर किसी ने किया तो कांग्रेस ने किया। इनका अहंकार और तानाशाही इतनी थी कि 'Indira is India and India is Indira' इस तरह के नारे लगाते थे। इंदिरा गांधी, जिन्होंने देश पर आपातकाल थोपा था, उन्होंने भी 50 बार धारा 356 का दुरुपयोग करके सरकारों को बर्खास्त किया था।

1226 बजे

(माननीय अध्यक्ष पीठासीन हुए)

इंडी गठबंधन की कैसी विडम्बना है कि इस गठबंधन में शामिल वामपंथी दल, जिनकी पहली बार सरकार को अगर किसी ने बर्खास्त किया तो उस समय की कांग्रेस सरकार ने किया था। आज कम्युनिस्ट पार्टी उनका समर्थन करने की बात करती है। डीएमके जो इस गठबंधन का हिस्सा है, आपकी सरकार को भी अगर उस समय किसी ने बर्खास्त किया था तो कांग्रेस ने ही किया था। इंदिरा जी ने तो उसका 12 बार से ज्यादा दुरुपयोग किया था। ... (व्यवधान) कांग्रेस तो इसकी मूल भावना के साथ खिलवाड़ करती रही। मैं आपको कहना चाहता हूँ कि नेहरू जी ने तो संविधान की आत्मा को ही खत्म कर दिया था। देश के संविधान बनने के 15 महीने के अंदर ही संविधान पर सबसे पहला प्रहार नेहरू जी ने किया था। आर्टिकल 19 जो इस देश के नागरिकों को विचार और अभिव्यक्ति की ... (व्यवधान) अरे भाई, सुनना पड़ेगा। माननीय अध्यक्ष जी, अगर सच नहीं है तो ये खड़े होकर बोले कि नेहरू जी ने नहीं किया। अगर देश के संविधान की आत्मा को खत्म करने का काम किया तो नेहरू जी ने किया था। मैं डंके की चोट पर कहता हूँ। आर्टिकल 19 – इस देश के नागरिकों को विचार और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार देता है। इन्होंने उस आर्टिकल पर ही अंकुश लगाने का

प्रयास किया। यह मामला था- ऑर्गेनाइजर और क्रॉसरोड्स पत्रिकाओं का। नेहरू जी की आलोचना हुई। उसमें सिर्फ इतना लिखा था कि पाकिस्तान में पीड़ित हिन्दुओं की आवाज उठाई थी। पाकिस्तान में पीड़ित हिन्दुओं के दर्द की आवाज को उठाने के लिए नेहरू जी को तो ऑर्गेनाइजर का धन्यवाद करना चाहिए था, लेकिन उन्होंने उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का काम किया। उन्होंने पहला संशोधन जून महीने में किया। इंदिरा जी पंडित नेहरू से और आगे निकल गईं। 1975 में तो संविधान की हत्या ही कर दी। इमर्जेंसी देश ने देखी। वह काला अध्याय देश भूलेगा नहीं। ... (व्यवधान) 21 महीनों के आपातकाल में 5 संविधान संशोधन हुए। अपने हिसाब से मिनी संविधान तैयार करने का ... (व्यवधान) अध्यक्ष जी, मैं पांच मिनट में अपनी बात खत्म कर रहा हूँ। मिनी संविधान तैयार करने का काम कांग्रेस ने किया। 42वें संशोधन में 40 अनुच्छेदों को ही बदल दिया गया। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य जब बोले तो टिप्पणी नहीं करें और इसका पांच साल पालन करना है।

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर) : सर, एक नहीं अनेक ऐसे संशोधन किए गए। उच्च न्यायालय से छीना - पीएम पर नियुक्ति के व्यक्ति के चुनाव की जांच का अधिकार, न्यायापालिका से आपात की न्यायिक समीक्षा का अधिकार छीन लिया गया था। अनुच्छेद 368 के तहत 40 अनुच्छेदों को बदल दिया गया था। 42वें संशोधन को तो मिनी संविधान कहा गया। यह किसी और ने नहीं, बल्कि कांग्रेस ने संविधान के साथ खिलवाड़ किया था, जिसके लिए आपको देश से माफी मांगनी चाहिए। यही नहीं, हमारे समय में मात्र 8 संविधान संशोधन हुए। मैं कहना चाहता हूँ। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : जब आपको मौका मिले, तब आप बोल लीजिएगा।

श्री अनुराग सिंह ठाकुर (हमीरपुर) : मैं आपको यह कहना चाहता हूँ कि जनसंघ के अधिकतर नेता देश के संविधान को बचाने के लिए और इमर्जेंसी के खिलाफ जेल गए थे। इमर्जेंसी के खिलाफ हमारे नेताओं ने आवाज उठाई थी।

(1230/VB/VR)

माननीय स्टालिन जी, जो तमिलनाडु के मुख्यमंत्री हैं, वे भी उस समय जेल में थे। आज तो 'सपा' वाले कांग्रेस के साथ बैठ गये, मुलायम सिंह जी भी उस समय जेल में थे। आज तो आरजेडी वाले इनके साथ बैठ गये, लालू जी भी उस समय जेल में थे। आपकी ऐसी कौन-सी मजबूरी है कि एमरजेंसी थोपने वालों के साथ गठबंधन जरूरी है? अब आप लोकतंत्र बचाने की बात करते हैं।

यही नहीं, मीसा जी, बहन मीसा जी यहाँ पर हैं? इनका तो जन्म ही 'मीसा' एक्ट के दौरान हुआ। देश में 'मीसा' थोपा गया, तब इनका जन्म हुआ था।... (व्यवधान) न जाने कितने लोगों की जानें ली गईं। हर पार्टी के कार्यकर्ताओं को मौत के घाट उतार दिया गया।... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, यही नहीं, इन्होंने अनेक ऐसी..... (व्यवधान) मैं अटल जी की दो पंक्तियाँ कहना चाहता हूँ। जब एक साल एमरजेंसी का पूरा हुआ था, तो उन्होंने कहा था:

“झुलसाता जेठ मास,
शरद चाँदनी उदास,
सिसकी भरते सावन का,

अंतर्घट रीत गया,
एक बरस बीत गया।

सीखचों में सिमटा जग,
किंतु विकल प्राण विहग,
धरती से अम्बर तक,
गूँज मुक्ति गीत गया,
एक बरस बीत गया।”

ये बातें हमारे नेताओं ने कही थीं।

आप ईवीएम पर प्रश्नचिह्न खड़ा करते थे। आप कहते थे कि ईवीएम यह हो जाएगा, वह हो जाएगा। अब मैं विपक्ष के इन सभी सांसदों से पूछना चाहता हूँ- क्या ईवीएम ठीक थी या नहीं थी? ... (व्यवधान) ईवीएम ठीक थी या नहीं थी? ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, इस बार चुनाव में, जम्मू-कश्मीर में पहले से 30 परसेंट ज्यादा वोट पड़े। जम्मू-कश्मीर में यह लोकतंत्र की जीत हुई है क्योंकि वहाँ पर अलगाववाद और आतंकवाद पर नकेल कसी गई। जो नेहरू जी की गलती थी, धारा 370 देकर और पाक ऑक्युपाइड कश्मीर बनाकर कांग्रेस ने गलतियाँ कीं। उसमें सुधार किया गया और धारा 370 को खत्म किया गया, तो वह मोदी जी की सरकार ने किया।

आज वहाँ पर रिकॉर्ड टूरिस्ट्स आ रहे हैं, वहाँ रिकॉर्ड वोटिंग हो रही है, वहाँ रिकॉर्ड निवेश आ रहा है। अब तो अमरनाथ यात्रा भी शुरू हो गई है। जय अमरनाथ, जय भोलेनाथ।

माननीय अध्यक्ष जी, देश के लिए आर्थिक शक्ति और सैन्य शक्ति बहुत जरूरी है। हमारी सरकार बनते ही सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण करना मोदी जी की सरकार ने शुरू कर दिया। मैं कहना चाहता हूँ कि आपके समय में, आपने भारत को दुनिया में हथियारों का सबसे बड़ा इम्पोर्टर बना दिया था। आपके समय वर्ष 2014 में, एक हजार करोड़ रुपए से कम इक्सपोर्ट होता था। माननीय रक्षा मंत्री जी यहाँ पर बैठे हैं, आज 21 हजार करोड़ रुपए का एक्सपोर्ट होता है, जो लगभग 21 गुना ज्यादा है।... (व्यवधान) उस समय चीन बड़ा इम्पोर्टर होता था। आज वह मैन्यूफैक्चरर बन गया है।... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, हमने ब्रह्मोस मिसाइल, सुपरसोनिक मिसाइल आदि फिलीपीन्स और अन्य देशों को बेचने का काम किया और उनको उपलब्ध कराने का भी काम किया है।... (व्यवधान) आज एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का रक्षा उत्पादन हम खुद कर रहे हैं। हमने रशिया से एस-400 लिया, चिनुक हेलिकॉप्टर से लेकर राफेल जेट लिये। भारत के अन्दर हम ब्रह्मोस मिसाइल बना रहे हैं, तेजस एयरक्राफ्ट लड़ाकू विमान बना रहे हैं। आईएनएस विक्रांत भी किसी ने बनाया, तो वह भारत ने खुद बनाया है।

हमने अपने ऑर्डनेंस फैक्ट्रीज का निगमीकरण किया है। हमने देश की सुरक्षा को प्राथमिकता में रखा है। डिफेंस मैनुफैक्चरिंग में आत्मनिर्भरता को बल दिया है। हमने आर्म्ड फोर्स को आधुनिक बनाया है। आपने तो हमारी सेना को न लड़ाकू विमान दिए, न हथियार दिये, न गोला-बारूद दिए और न ही बुलेटप्रूफ जैकेट दिया। आपने 10 साल में कुछ नहीं दिया। हमारी सरकार ने 'मेक इन इंडिया' के तहत उनको बुलेटप्रूफ जैकेट देने का काम किया।

माननीय अध्यक्ष जी, अगर मैं आंतरिक सुरक्षा की बात करूँ, आज देखा जाए तो नॉर्थ-ईस्ट में 11 पीस एकोर्ड हुए। इसका इतिहास रचा गया, तो वह हमारी सरकार ने किया। यही नहीं, इनसर्जेंसी इंसीडेंट्स में 76 परसेंट की कमी आई है और हमारी सिक्युरिटी फोर्स की कैजुअल्टी में 90 परसेंट की कमी आई है। सिविलियन डेथ्स में 97 परसेंट की कमी आई है। हमने अलग-अलग बहुत सारे जगहों से 'अफस्पा' को भी हटा दिया है।

यही नहीं, हमने सीएए लाकर, जिनको वर्षों से नागरिकता नहीं मिली थी, हमारी सरकार ने उनको सीएए के तहत नागरिकता देने का काम भी किया है।

(1235/PC/SAN)

आप की सरकारों में अंग्रेजों की मानसिकता दिखती थी। ... (व्यवधान) दंड देने वाले कानून थे। ... (व्यवधान) हमने न्याय देने वाला कानून आज भारत को दिया है। ... (व्यवधान) अब नाबालिग से बलात्कार करने वाले को फांसी की सजा होगी। ... (व्यवधान) देश के खिलाफ शस्त्र उठाने वाले को, विद्रोह करने वाले को जेल होगी। ... (व्यवधान) कानून में अब 'राजद्रोह' शब्द की जगह 'देशद्रोह' शब्द होगा। ... (व्यवधान) देश के खिलाफ बोलना गुनाह होगा। ... (व्यवधान) व्यक्ति विशेष के खिलाफ बोलने पर जेल नहीं होगी। ... (व्यवधान) आपकी पार्टी और आपकी सरकारें तो, कोई बोलता, तो उसको गिरफ्तार करने के लिए भेज देते हैं। ... (व्यवधान)

बम धमाके, गैस अटैक करने वाले आतंकवादी जेल जाएंगे। ... (व्यवधान) मॉब-लिंगिंग करने वालों को भी अब फांसी की सजा होगी और बालिग से रेप करने वालों को भी सजा होगी। आतंकवादियों के लिए देश से बाहर जाने के सारे रास्ते बंद कर दिए जाएंगे। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, लास्ट लाइन बोलकर मैं अपनी बात खत्म कर रहा हूँ। ... (व्यवधान) मैं इतना ही कहूँगा कि आज मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार लगातार देश को आगे बढ़ा रही है, आप चाहे जितना मर्जी विरोध कर लें। ... (व्यवधान) आपने देखा होगा कि हमने 'ऑपरेशन गंगा' चलाया। दुनिया भर के देशों में कहीं भी आपदा आई हो, यदि कोई फर्स्ट-रिस्पॉन्डर बना है, तो मदद मांगने वाले से हटकर आज भारत मददगार देश बना है। ... (व्यवधान) हम कोरोना के समय करोड़ों भारतीयों को ऑपरेशन चलाकर वापस लाए। ... (व्यवधान) यूक्रेन से 23,000 भारतीयों को 'ऑपरेशन गंगा' चलाकर देश में सुरक्षित लाई, तो वह मोदी सरकार लाई। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आखिर में किसान पर बोलकर अपनी बात को खत्म कर रहा हूँ। ... (व्यवधान) ये कहते थे कि एमएसपी बंद हो जाएगा। ... (व्यवधान) एमएसपी बंद नहीं हुआ। ... (व्यवधान) 5.5 लाख करोड़ रुपए की खरीद आपके दस साल में हुई थी, हमने 18 लाख 40 हजार करोड़ रुपए की खरीद दस सालों में की है। ... (व्यवधान) आपके समय 27,662 करोड़ रुपए का बजट था, हमारे समय 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपए का बजट है। ... (व्यवधान) आपके समय प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना में कुछ नहीं मिलता था। ... (व्यवधान) हमने 1 लाख 60 हजार करोड़ रुपए का प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना में मुआवजा दिया है। ... (व्यवधान) आपके समय वर्ष 2013-14 में 7 लाख 30 हजार करोड़ रुपए किसानों को बैंकों से मिले। ... (व्यवधान) हमने 21 लाख करोड़ रुपए बैंकों से दिए हैं। ... (व्यवधान) आपके समय छः हजार करोड़ रुपए सिंचाई योजना पर खर्च हुए, हमने 15 हजार करोड़ रुपए खर्च किए हैं। ... (व्यवधान) आपके समय गेहूं की खरीद 2 लाख 40 हजार करोड़ रुपए की हुई, हमने 12 लाख 40 हजार करोड़ रुपए की खरीद की है। आपने गेहूं की खरीद 2 लाख 80 हजार करोड़ रुपए की की, हमने 5.5 लाख करोड़ रुपए की की। ... (व्यवधान) आपने दलहन की खरीद 1,966 करोड़ रुपए की की, हमने 85 हजार करोड़ रुपए की खरीद दलहन की की है। ... (व्यवधान) दलहन और तिलहन में भी भारत को हमने आत्मनिर्भर बनाया है। ... (व्यवधान)

भाइयों और बहनों, मैं यदि अंत में खेलों की बात नहीं करूंगा, तो मेरी बात पूरी नहीं होगी। ... (व्यवधान) भारत ने पुरुषों का टी-20 वर्ल्ड कप 13 वर्षों के बाद जीता है, अब भारत ने वर्ल्ड कप भी जीता है। ... (व्यवधान) अरे, भारत की जीत के लिए ताली बजा दो। ... (व्यवधान) भारत के खिलाड़ियों के लिए ताली बजा दो। ... (व्यवधान)

अध्यक्ष जी, इनके हाथ भारत की जीत के लिए नहीं चलते हैं। ... (व्यवधान) ये तब भी सवाल खड़ा करते थे। ... (व्यवधान) अब हमारा देश वर्ष 2036 में होने वाले ओलंपिक्स का आयोजन करने की तैयारी कर रहा है। ... (व्यवधान) हम उस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। ... (व्यवधान) ओलंपिक में भारत ने सात मेडल्स जीते, जो आज तक के सबसे ज्यादा हैं। ... (व्यवधान) कॉमनवेल्थ गेम्स में 61 मैडल्स जीते हैं। ... (व्यवधान) यही नहीं, भारत ने एक के बाद एक लगातार मैडल्स जीतने का कीर्तिमान स्थापित किया। ... (व्यवधान)

हमने ट्राइबल्स के लिए रिकॉर्ड 700 से ज्यादा एकलव्य स्कूल्स खोलने का काम किया। ... (व्यवधान) महिला सशक्तीकरण पर हमारी सरकार ने काम किया। ... (व्यवधान) आपके समय में कभी भी महिलाओं को न्याय नहीं मिला। ... (व्यवधान) 33 प्रतिशत आरक्षण नारी शक्ति वंदन बिल पास करके दिया, तो मोदी सरकार ने दिया। ... (व्यवधान)

अंत में मैं सिर्फ इतना ही कहूंगा –

दामन है दागदार, फिर भी इठलाकर चलते हो,
जमानत पर है परिवार, फिर भी सिर उठाकर चलते हो, बूझो कौन?

अध्यक्ष जी,

इनका रिश्ता झूठ से कुछ यूँ गहराता चला गया,

जब भी इनका मुँह खुला, अफवाह फैलाता चला गया।

अध्यक्ष जी, ये अफवाह फैलाते रहे और हम दुनिया को अपनी उपलब्धियाँ बताते गए और देश की जनता ने मोदी जी के ईमानदार, दमदार नेतृत्व पर मोहर लगाई है और फिर से एनडीए सरकार बनाई है। ... (व्यवधान)

(1240/CS/SNT)

महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन को विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि जिस तरह की परफॉरमेंस पहले दो टर्म्स में मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए सरकार की रही, इस बार उससे आगे बढ़कर हमारी परफॉरमेंस रहेगी। यह विकास का रथ रूकेगा नहीं... (व्यवधान) हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेंगे... (व्यवधान) हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेंगे... (व्यवधान) हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनेंगे। अन्तिम लाइन कहकर मैं अपनी बात समाप्त करूँगा। मैं यही कहूँगा कि थोड़ा मुस्कुराइए, विपक्ष वालों थोड़ा मुस्कुराइए, आप नए भारत में हैं और इस नए भारत की बुलन्द तस्वीर मैंने थोड़ी आपके सामने रखने का प्रयास किया है। राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर जहाँ मैं एक ओर उनका धन्यवाद करता हूँ, समर्थन करता हूँ। आप सबने मेरी बात सुनी, मुझे पार्टी की तरफ से सबसे पहले अपनी बात रखने का अवसर दिया, इसके लिए आपको धन्यवाद देता हूँ।

अध्यक्ष जी, आपको एक बार फिर अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई देता हूँ, आप सभी को चुनकर आने पर बधाई और आप सबके माध्यम से माननीय मोदी जी को बधाई देता हूँ और यही कहूँगा कि ले चलिए भारत को बुलन्दियों की ओर, बनाइए विकसित भारत, हम आपके साथ हैं। आप भी आइए, जुड़िए। आप भी आइए... (व्यवधान)

अध्यक्ष जी, मैंने तो हाथ जोड़ दिए हैं... (व्यवधान) अध्यक्ष जी, मैंने तो हाथ जोड़ दिए हैं कि इस विकसित भारत की यात्रा में विपक्ष भी जुड़ जाए। यह मेरी, तेरी लड़ाई नहीं है, यह मेरे भारत की लड़ाई है, इकट्ठे मिलकर लड़ेंगे। इसमें मेरा, तेरा नहीं, इसमें बाँटने वाला कुछ नहीं, विचारधारा का कुछ नहीं, यह मेरे देश के लिए है। हम अपने देश को अगले 25 सालों में विकसित भारत बनाएंगे, विकसित भारत बनाएंगे, विकसित भारत बनाएंगे। बहुत-बहुत धन्यवाद।

(इति)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, यह प्रयास करें कि जब कोई माननीय सदस्य बोले तो टोका-टाकी न करें।

सुश्री बाँसुरी स्वराज।

1242 बजे

कुमारी बाँसुरी स्वराज (नई दिल्ली) : महोदय, मैं माननीय अनुराग ठाकुर जी प्रस्तुत राष्ट्रपति अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करने के लिए आपके समक्ष उपस्थित हुई हूँ।

महोदय, मैं आपको और अपनी पार्टी को धन्यवाद देती हूँ कि इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर मुझे अपना मत रखने का अवसर मिला है।

महोदय, यह राष्ट्रपति अभिभाषण ऐतिहासिक है... (व्यवधान) यह अभिभाषण ऐतिहासिक है... (व्यवधान) यह ऐतिहासिक इसलिए है, क्योंकि इसमें एक दशक के मोदी सरकार के अद्वितीय कार्यों का चित्रण ही नहीं, बल्कि आने वाले स्वर्णिम काल यानी विकसित भारत के संकल्प का उदघोष भी है। मोदी जी की जनकल्याणकारी योजनाओं का असर और उनके विकसित भारत के विजन पर जो जनता का अगाध विश्वास था, उसी के कारण एनडीए को तीसरी बार जनता ने पूर्ण बहुमत का जनादेश दिया है।

महामहिम राष्ट्रपति जी ने अपने अभिभाषण के पैराग्राफ 3 में जो कहा है, आपके माध्यम से पूरे के पूरे सदन के समक्ष मैं उसे पुनः दोहराना चाहूँगी।

“2024 का चुनाव नीति, नीयत, निष्ठा और निर्णयों पर विश्वास का चुनाव रहा है। मजबूत और निर्णायक सरकार में विश्वास, सुशासन, स्थिरता और निरंतरता में विश्वास, ईमानदारी और कड़ी मेहनत में विश्वास, सुरक्षा और समृद्धि में विश्वास, सरकार की गारंटी और डिलीवरी पर विश्वास, विकसित भारत के संकल्प में विश्वास, मेरी सरकार ने 10 वर्षों में सेवा और सुशासन का जो मिशन चलाया है, यह उस पर मुहर है।”

महोदय, एक दशक में यह पहली बार ऐसी सरकार भारत में आयी है, जिसकी कथनी और करनी में अन्तर नहीं है। जो कहा, वो किया। धारा 370 हटाई। जो कहा, वो किया। भव्य राम मन्दिर का निर्माण किया। जो कहा, वो किया।

(1245/IND/AK)

हमारी सरकार सीएए कानून लेकर आई। जो कहा, वो किया। ‘वन रैंक वन पेंशन’ स्कीम लेकर आए। जो कहा, वो किया। मेक इन इंडिया की नींव रखी। जो कहा, वो किया। पिछले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने भारत की अर्थव्यवस्था को इतना सशक्त कर दिया है कि हम 11वीं अर्थव्यवस्था की जगह 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था मात्र एक दशक में वैश्विक पटल पर बने।

अध्यक्ष जी, मैं बताना चाहती हूँ कि यह सब असाधारण परिस्थितियों में हुआ। पूरा विश्व कोविड-19 की महामारी से जूझ रहा था। अभी भी विश्व के कई देश हैं, जो युद्ध की अग्नि में झुलस रहे हैं, लेकिन भारत मोदी जी के नेतृत्व में वैश्विक पटल पर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के पथ पर अग्रसर है। हमारे माननीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प के चार मुख्य स्तम्भ हैं। पहला स्तम्भ युवा शक्ति, दूसरा स्तम्भ नारी शक्ति, तीसरा स्तम्भ किसान कल्याण और चौथा स्तम्भ गरीब कल्याण

है। यदि आप युवा शक्ति की बात करते हैं, तो किसी भी प्रकार का अवसर यदि आप भारत की युवा शक्ति के समक्ष प्रस्तुत करते हैं, तो उस अवसर का लाभ लेने के लिए युवा शक्ति चूकती नहीं है। शिक्षा के पर्याप्त अवसर मिलें, इसके लिए मोदी सरकार ने एक दशक में 7 नए आईआईटीज, 16 नए ट्रिपल आईटीज, 7 नए आईआईएम्स, 15 एम्स अस्पताल, 315 मेडिकल कॉलेजेज और 390 नये विश्वविद्यालय स्थापित किए हैं। स्टैंड अप इंडिया और स्टार्ट अप इंडिया की अगर हम बात करें तो इन दो योजनाओं के कारण देश का युवा जॉब सीकर की जगह जॉब क्रिएटर बना है। इस जॉब क्रिएशन से वैल्थ क्रिएशन की तरफ वह अग्रसर है। माननीय अनुराग ठाकुर जी ने भी सदन के समक्ष रखा कि आज भारत स्टार्ट अप ईको सिस्टम में विश्व की थर्ड लार्जेस्ट ईको सिस्टम है।

अध्यक्ष जी, मुद्रा योजना में स्वरोजगार के लिए 46 करोड़ युवाओं ने 26 लाख करोड़ रुपये का ऋण आसानी से लिया है। आज देश में 1 लाख 81 हजार स्टार्ट अप कंपनियां हैं, जिनमें से 100 से अधिक यूनिकॉर्न्स हैं। पिछले दस वर्षों में भारत ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के इंडेक्स पर 147वीं पोजिशन से 63वीं पोजिशन पर पहुंचा है और पिछले 24 वर्षों में यानी वर्ष 2000 से 2024 में ही भारत में कुल 990.97 बिलियन डॉलर्स का एफडीआई आया है। जिसमें से 67 परसेंट यानी 667.41 बिलियन डॉलर्स मात्र पिछले एक दशक में एनडीए की सरकार में आया है। Today, in the world Bharat has become a leader of manufacturing. चाहे इलेक्ट्रॉनिक्स हो, चाहे ऑटोमोबिल हो, चाहे रक्षा उपकरण हो, भारत एक अग्रणी निर्माता के रूप में एक वैश्विक पटल पर उभर रहा है और इस नयी दुनिया में micro-chips are the 'new oil'. सेमीकंडक्टर और चिप मेन्युफेक्चरिंग की दुनिया में भारत कहीं पीछे न छूट जाए, इसके लिए मोदी सरकार सवा लाख करोड़ रुपये का इंफ्रास्ट्रक्चर पहले ही उद्घाटित कर चुकी है। असम में 27 हजार करोड़ रुपये का सेमीकंडक्टर का प्लांट भी बन रहा है। वह दिन दूर नहीं, जब चिप मेन्युफेक्चरिंग और सेमीकंडक्टर्स की दुनिया में Bharat will be a global leader. प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत में बहुत ही ट्रांसफोर्मेटिव प्रोग्राम्स आए हैं, जैसे डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया। इनके कारण भारत के युवाओं की आंत्रप्रिन्योर स्पिरिट को बहुत ज्यादा प्रोत्साहन मिला है। अब हम विकसित भारत के दूसरे स्तंभ पर आते हैं यानी नारी शक्ति।

अध्यक्ष जी, हम सब ने सुना है कि चूल्हे की रोटी का स्वाद बड़ा गजब है लेकिन उस चूल्हे की रोटी के स्वाद के चक्कर में मेरे देश की मातृ शक्ति के फेफड़े झुलस जाते हैं। पहले महिलाएं जाती हैं और लकड़ी बीनती हैं। गठरी सिर पर लाद कर लकड़ी लाती हैं और चूल्हा सुलगाने में बीस से पच्चीस मिनट लगते हैं, लेकिन नरेन्द्र मोदी जी ने दस करोड़ से ज्यादा उज्ज्वला गैस कनेक्शन्स देकर मातृ शक्ति को धुएं की जिंदगी से निजात दी है।

(1250/RV/UB)

हमारे देश में एक-एक को बचत की आदत हमारी मातृ शक्ति ने सिखाई है। आप सबको याद होगा, वह नानी जो रामायण के पन्नों में पैसे छिपाती थी, वह दादी जो चीनी के जार में पैसे

छिपाती थी। उन चोरी के पैसे से कुल्फी-फलूदा खाने की मिठास ही अलग है, लेकिन कितने अचम्भे की बात है कि जिस मातृ शक्ति ने देश को बचत करना सिखाया, उनके पास बैंक अकाउंट्स ही नहीं थे। नरेन्द्र मोदी जी ने प्रधान मंत्री जन-धन योजना के तहत देश की मातृ शक्ति को फॉर्मल बैंकिंग सेक्टर का हिस्सा बनाया।

अध्यक्ष जी, प्रधान मंत्री जन-धन योजना में 50 करोड़ से अधिक बैंक के खाते खुले, जिसमें से 56 प्रतिशत खाते महिलाओं के थे।

हमारे यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने यह भी सुनिश्चित किया कि महिलाओं के स्वरोजगार के लिए उनके पास आर्थिक सपोर्ट यानी फाइनेंशियल सपोर्ट की उपलब्धता हो। प्रधान मंत्री मुद्रा योजना के तहत जो कुल ऋण सैंक्शन हुए हैं, उनमें से 69 प्रतिशत महिलाओं के लिए सैंक्शन हुए हैं। इसी तरह, स्टैण्ड-अप इंडिया के तहत 84 प्रतिशत ऋण महिलाओं के लिए सैंक्शन हुए हैं।

एनडीए सरकार ने सेल्फ हेल्प ग्रुप मूवमेंट के माध्यम से जो एक करोड़ लखपति दीदी का टारगेट रखा था, उस लक्ष्य की प्राप्ति तो पहले ही हो गयी है, इसलिए मोदी सरकार ने अब इसको बढ़ा कर 3 करोड़ महिलाओं को लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है।

अध्यक्ष जी, महिलाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रधान मंत्री जी लाए हैं - 'नमो ड्रोन दीदी'। मेरे देश की बहन-बेटियां अब ड्रोन पायलट बनेंगी। इससे किसी कार्य में न केवल आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल होगा, बल्कि आप देखिए कि इससे समाज की सोच में भी अन्तर पड़ेगा। It is not only going to leverage technology for modernisation of agrarian economy of India but also ensure a tectonic shift in the psychology of the society. 'नमो ड्रोन दीदी' विकसित भारत के दो पहलुओं को छूती है – कृषि कल्याण और महिला शक्ति। लेकिन, महिलाओं का वास्तविक सशक्तीकरण तब होता है, जब वे नीति निर्माण में हिस्सा बनती हैं।

अध्यक्ष जी, यहां पर कई माननीय सदस्य हैं। यहां पर आदरणीय हरसिमरत कौर जी बैठी हैं। वे तो स्वयं इस बात की साक्षी हैं कि सोलहवीं लोक सभा में तब की माननीय विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के अनुमोदन के वक्त 33 प्रतिशत महिला आरक्षण की एक इच्छा प्रकट की थी, ताकि महिलाओं का राजनैतिक सशक्तीकरण हो सके।

अध्यक्ष जी, यह कहते हुए मेरा मन प्रफुल्लित हो उठा है कि प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी और उनकी सरकार ने सत्रहवीं लोक सभा में ही इस स्वप्न को हकीकत में तब्दील कर दिया।

अध्यक्ष जी, अठारहवीं लोक सभा में सुषमा स्वराज की दी हुई ये आँखें नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लागू होते इस सदन में देखेंगी और इस एतिहासिक पल की साक्षी बनेंगी।

विकसित भारत का अगला स्तम्भ है – किसान कल्याण। एनडीए सरकार के लिए अन्नदाता देवतुल्य हैं और इसलिए एनडीए सरकार ने इन देवतुल्य किसानों के लिए 3,20,000

करोड़ रुपये पी.एम. किसान सम्मान निधि के तहत पहले ही वितरित कर दिए हैं। नई सरकार जैसे ही आई, पहला सबसे बड़ा निर्णय हमारे यशस्वी प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 9.26 करोड़ किसानों को 20,000 करोड़ रुपये ट्रांसफर करने का लिया। एनडीए सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए एमएसपी में रिकॉर्ड बढ़ोतरी की। ऑर्गेनिक फार्मिंग, कोल्ड स्टोरेज, कृषि आधारित उद्योग, डेयरी और मत्स्यपालन आधारित उद्योगों को भी प्रोत्साहित किया गया।

(1255/GG/SRG)

ग्रामीण सड़क योजना के तहत तीन लाख 20 हजार किलोमीटर से ज्यादा सड़कें बनाई गई हैं। विकसित भारत का चौथा और सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है गरीब कल्याण। अध्यक्ष जी, प्रधान मंत्री गरीब कल्याण योजना विश्व में सबसे बड़ी सामाजिक कल्याण योजना साबित हुई है। इसमें 81 करोड़ से ज्यादा लोगों को मुफ्त खाद्यान्न की सामग्री यानि मुफ्त राशन दे कर मोदी जी ने खाद्य और पोषण की सुरक्षा सुनिश्चित की है।

अध्यक्ष जी, जब हम देश की अर्थव्यवस्था की गाथा गाते हैं, तो वह रेहड़ी-पटरी वालों के बिना अधूरी है। नरेंद्र मोदी जी ने पीएम-स्वनिधि के तहत 70 लाख से ज्यादा रेहड़ी-पटरी वालों, यानि स्ट्रीट वेंडर्स को 11,000 करोड़ रुपये का ऋण बिना गारंटी के मुहैया करवाया है। अध्यक्ष जी, जिनकी गारंटी कोई नहीं लेता, उनकी गारंटी लेते हैं नरेंद्र मोदी।

अध्यक्ष जी, हर व्यक्ति का एक स्वप्न होता है कि अपनी एक पक्की छत हो। पीएम-आवास योजना के तहत एनडीए की सरकार ने इस ख्वाब को हकीकत में बदला है। चार करोड़ से ज्यादा पक्के मकान इस देश के गरीबों को दिए गए हैं और अब पीएम-आवास योजना के तहत तीन करोड़ और पक्के मकान बनाने का संकल्प लिया गया है।

आयुष्मान भारत योजना के तहत 55 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों को मुफ्त इलाज मिला है। लेकिन आने वाला भविष्य बहुत ही स्वर्णिम है। अध्यक्ष जी, हर युवा की जिंदगी में एक वक्त आता है, जब उम्र के उस पड़ाव में आपके माँ-बाप आपके बच्चे बन जाते हैं और आप अपने माँ-बाप के माता-पिता बन जाते हैं। हर युवा को माँ-बाप के इलाज की हर वक्त चिंता रहती है। आयुष्मान भारत योजना में 70 वर्ष के हर वरिष्ठ नागरिक को और ट्रांसजेंडर कम्युनिटी को भी इसमें लाभार्थियों की श्रेणी में अब एनडीए की सरकार लाई है। यह कितनी राहत की बात है। इस देश का युवा भी राहत की सांस ले सकता है कि पांच लाख रुपये सालाना माँ-बाप के हेल्थ के प्रति सरकार मुहैया करवाने वाली है।

अध्यक्ष जी, पीएम-सूर्य घर एक ऐसी फ्यूचरिस्टिक योजना है, जहां पर आपके घरों की छतों पर सोलर पैनल्स लगा कर भगवान सूर्य नारायण की ऊर्जा के माध्यम से मुफ्त बिजली बनाई जाएगी। अध्यक्ष जी, मुफ्त बिजली से भी बेहतर है कि वह जो बची हुई बिजली है, एक्सेस बिजली आप ग्रिड पर बेच कर आय का एक नया सोर्स भी होगा। मोदी सरकार अलग है।

अध्यक्ष जी, मोदी सरकार केवल नीति निर्माण ही नहीं करती है। केवल योजनाएं ही नहीं बनाती है, उन योजनाओं का लाभ जन-जन तक ही नहीं पहुंचाती है, लेकिन वह लाभ सुनिश्चित हो, लास्ट माइल डिलिवरी हो, उसके लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा भी निकालती है।

अध्यक्ष जी, मोदी की गारंटी की गाड़ी आपके दरवाजे आती है, जनता के दरवाजे आती है, सभी सरकारी योजनाएं, एक ही छत के नीचे हैं। आपको आधार कार्ड बनवाना है, काउंटर वहीं है। पीएम-स्वनिधि चाहिए, काउंटर वहीं हैं। आपको उज्ज्वला गैस कनेक्शन चाहिए, काउंटर वहीं है। गुड गवर्नेंस के साथ-साथ एक्सेसिबिलिटी टू दैट गुड गवर्नेंस मोदी सरकार सुनिश्चित करती है। एक अच्छी सरकार जो आए आपके द्वारा

अध्यक्ष जी, सरकारें आईं और सरकारें गईं। गरीबी हटाओ-गरीबी हटाओ, केवल एक चुनावी जुमला बन कर रह गया था, लेकिन यशस्वी प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी ने सुनिश्चित किया और 25 करोड़ लोगों को मल्टी डायमेंशनल गरीबी की रेखा से बाहर निकाला।

आज का दिन एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है।

(1300/MY/RCP)

अध्यक्ष जी, आज का दिन एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिन है। मैं स्वयं एक वकील हूं और खुद अपने व्यक्तिगत अनुभव से कहती हूं कि आज का दिन यानी एक जुलाई हम वकीलों के फ्रेटरनिटी में उत्साह का माहौल लाने वाली है, क्योंकि एक जुलाई से भारत में भारतीय न्याय संहिता लागू हो रही है। पहले के कानून ब्रिटिश राज की गुलामी की बेड़ियाँ थीं, जो हमारी न्याय प्रणाली को जकड़े हुए थीं। पहली बार भारत में एक ऐसी दंड प्रणाली आ रही है, जिसका ध्येय न्याय होगा।

अध्यक्ष जी, जब कोई ऐसा कानून विलायती हुकूमत बनाती है, तो उसका उद्देश्य न्याय नहीं होता, उसका उद्देश्य दमन होता है, क्योंकि वह चाहती है कि उसकी हुकूमत बरकरार रहे। पहली बार देश में भारतीय दंड प्रणाली आएगी, जिसका ध्येय न्याय होगा और न्याय को प्राथमिकता देगी। हमारे यहां कहते हैं कि "Justice delayed is justice denied". यह वह क्रिमिनल सिस्टम होगा, जो भारत के क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम में तेजी लाएगी। कम्युनिटी पेनाल्टी पहली बार भारत में इंट्रोड्यूस हो रही है। इसका मतलब है - at the heart of these laws is not only deterrence of law and punishment, but also a sense of reformation. इन सभी transformative, futuristic, pathbreaking के कारण ही भारत में एनडीए की सरकार को तीसरी बार पूरा बहुमत दिया है।

अध्यक्ष जी, विपक्षी गठबंधन ऐसा प्रदर्शित करता है, जैसे कि नारायणी सेना इनके पाले में खड़ी है। मैं इतना जरूर कहूंगी कि कृष्ण तो कर्म के कायल हैं, इसलिए उनका आशीर्वाद तो नरेन्द्र मोदी जैसे कर्मयोगी पर पुनः बरसा है। विपक्ष चाहे यह दिखाने का प्रयास करे कि स्वयं अक्षौहिणी सेना उनके पास है।

अध्यक्ष जी, बहुत चौंकाने वाली बात है कि वह विपक्ष जिसने आपातकाल लगाने का अधर्म किया, वह विपक्ष जिसने भारत के संविधान का गला घोटने का अधर्म किया, जिसने इस देश के

लोकतंत्र की हत्या करने का अधर्म किया, वह विपक्ष जिसके गठबंधन के सदस्य आज भी दिल्ली में एक कंस्टीट्यूशनल क्राइसिस क्रिएट करते हैं, क्योंकि वह अपनी जिद पर अड़े हुए हैं कि वह अपनी सरकार जेल से चलाएंगे, क्योंकि वह सत्ता के मोह में मदमस्त है और दिल्ली उनके इस मोह से त्रस्त है।

अध्यक्ष जी, यह बड़ी अजीब बात है कि दिल्ली आज पानी के लिए तरस रही थी और जब एक बारिश हो गई तो पानी से त्रस्त हो गई। ऐसा लगता है कि विपक्षी गठबंधन या आम आदमी पार्टी में कम्पिटेंस एवं टैलेंट का एक आपातकाल और अकाल पड़ा हुआ है। इसीलिए, माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी मुख्यमंत्री की सीट को जकड़ कर बैठे हैं। मैं पूछना चाहती हूँ कि ऐसा विपक्ष जो पॉलिसी पैरालिसिस का अधर्म करता है, जो लैक ऑफ गवर्नेंस का अधर्म करता है, वह धर्म की बात करके इस सदन में कैसे आड़े आ सकता है, जब यह सदन इमरजेंसी का खंडन करते हुए इमरजेंसी का रेजुलेशन पास करना चाहता है।

अध्यक्ष जी, मुझे एक प्रसंग याद आता है। महाभारत में युधिष्ठिर को जब अकर्मण्यता ग्रसित कर दी तो वह पितामह भीष्म के पास गए। पितामह भीष्म ने युधिष्ठिर जी को सुशासन के कई सूत्र दिए, लेकिन एक मूल मंत्र भी दिया। वह मूल मंत्र था – ‘यतो धर्मः ततो कृष्णः यतः कृष्णः ततो जयः’ जहां धर्म है, वहां कृष्ण है, जहां कृष्ण है, वहां विजय है।

अध्यक्ष जी, धर्म तो नरेन्द्र मोदी जी के ही पाले में खड़ा है। लोकतंत्र में मतदाता देव तुल्य होता है। छह दशक में तीसरी बार, लोकतंत्र में भारत के देव तुल्य मतदाता ने विजयश्री का आशीर्वाद एनडीए की सरकार को नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में दिया है। कुछ दिन पहले मैंने टीवी पर देखा कि विपक्ष के एक बहुत ही बड़े नेता मीडिया के बंधुओं से अयोध्या धाम से जीते हुए अपने जन प्रतिनिधि का परिचय करवा रहे थे।

(1305/CP/PS)

उन्होंने कहा, “ये हैं अयोध्या के राजा।”

अध्यक्ष जी, यह विपक्ष की राजसी मानसिकता को परिलक्षित करता है। हम तो सत्ता पक्ष में होकर भी सेवा परमो धर्मः वाले हैं, राष्ट्र सर्वोपरि वाले हैं। हमारे तो यशस्वी प्रधान मंत्री भी अपने आपको देश का प्रधान सेवक कहते हैं। हमारे तो राजा राम हैं, धर्म हमारा काम है, जपते हम मां भारती का नाम हैं, इसीलिए तो नरेन्द्र मोदी के सामने फेल बाकी सारे तमाम हैं। रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के वर्क एथिक के साथ ‘सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास’, इस मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए विकसित भारत के संकल्प को सिद्धि तक एनडीए की यह सरकार लेकर जाएगी, मुझे यह पूर्ण विश्वास है। मैं साथ में यह आशा भी करती हूँ कि यह सदन एकजुट होकर उस संकल्प को सिद्धि तक ले जाने में मदद अवश्य करेगा।

अध्यक्ष जी आपने मुझे समय दिया और अपनी बात कहने का अवसर दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं पुनः इस धन्यवाद प्रस्ताव का अनुमोदन करती हूँ।

(इति)

माननीय अध्यक्ष : प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ :

“कि राष्ट्रपति की सेवा में निम्नलिखित शब्दों में एक समावेदन प्रस्तुत किया जाए:-

‘कि इस सत्र में समवेत लोक सभा के सदस्य राष्ट्रपति के उस अभिभाषण के लिए, जो उन्होंने 27 जून, 2024 को एक साथ समवेत संसद की दोनों सभाओं के समक्ष देने की कृपा की है, उनके अत्यंत आभारी हैं।”

माननीय अध्यक्ष : सभा की कार्यवाही दो बजकर दस मिनट तक के लिए स्थगित की जाती है।

1306 बजे

तत्पश्चात् लोक सभा चौदह बजकर दस मिनट तक के लिए स्थगित हुई।

(1410/SMN/NK)

1410 hours

(Hon. Speaker *in the Chair*)

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव में संशोधनों के बारे में घोषणा

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर जिन माननीय सदस्यों के संशोधन परिचालित किए गए हैं, यदि वे अपने संशोधनों को प्रस्तुत करने के इच्छुक हैं तो पन्द्रह मिनट के भीतर सभा पटल पर अपनी पर्चियां भेज सकते हैं, जिनमें उक्त संशोधन की क्रम संख्या दर्शायी गई हो, जिन्हें वे प्रस्तुत करना चाहते हैं। केवल उन संशोधनों को ही प्रस्तुत किया समझा जाएगा, जिनके संबंध में पर्चियां विनिर्दिष्ट समय के भीतर सभा पटल पर प्राप्त होंगी। इस प्रकार प्रस्तुत किए गए संशोधनों की क्रम संख्या को दर्शाने वाली सूची कुछ समय पश्चात् सूचना पट्ट पर लगा दी जाएगी। यदि सूची में कोई विषंगति पाते हैं तो कृपया इसे तत्काल सभा पटल पर अपने सभा पटल के अधिकारियों के ध्यान में लाएं।

माननीय अध्यक्ष: श्री राहुल गांधी जी।

1413 hours

SHRI RAHUL GANDHI (RAEBARELI): Thank you hon. Speaker for the opportunity. ... (*Interruptions*) जय संविधान, जय संविधान। हमने इसकी रक्षा की है। देश ने मिलकर संविधान की रक्षा की है। यह अच्छा लग रहा है कि हर दो-तीन मिनट में बीजेपी के लोग संविधान, संविधान कह रहे हैं। ... (व्यवधान) Speaker Sir, for the last ten years, there has been a systematic attack on the Constitution, on the idea of India and on anybody who opposed ... (*Interruptions*) They are just warming up right now. अभी वार्म-अप हो रहा है। ... (व्यवधान) There was a systematic full-scale assault on the idea of India, on the Constitution and also on millions and millions of people who resisted the ideas being proposed by the BJP and who resisted the attack on the Constitution.

(1415/SM/SK)

Many of us were attacked personally. In fact, some of our leaders are still in jail. One of our leaders has recently been released, but another one is still in jail. Not only the Opposition but anybody who resisted the idea of concentration of power, of concentration of wealth, of aggression on poor, of aggression on Dalits, minorities and Tribals was crushed violently. People were put in jail. People were threatened and I, myself, was attacked. ... (*Interruptions*)

श्री गौरव गोगोई (जोरहाट): महोदय, संसद टीवी का नया फॉर्मेट देखा है। पहले हमने देखा नहीं है। ... (व्यवधान)

SHRI RAHUL GANDHI (RAEBARELI): I, myself, was attacked by order of the Government of India, by order obviously of the Prime Minister of India. There were twenty plus cases and two years jail sentence against me. My house was taken away. No problem! There had been 24x7 attack and abuse on us in the Media relentlessly in every single day and the most enjoyable and beautiful part of it was 55-hours' interrogation by ED, which I really enjoyed. At the end of interrogation, the officer switched off his camera and asked me, "Rahul ji, you have been sitting here for 55 hours. आप पत्थर जैसे हो, आप हिलते क्यों नहीं हो?" उसने मुझसे सवाल पूछा। जब ऐसा आक्रमण होता है, When there is an attack like this on you, you obviously need refuge, you need a

place or you need ideas to defend you. So, I want to start my speech today by telling my friends in BJP and RSS about the ideas which we used and the entire Opposition used to defend the idea of India. From where do these ideas come from and how did they give all of us who opposed this regime the strength to fearlessly take any onslaught which was placed before us? So, I would like to start by showing an image of our refuge. ... (*Interruptions*)

सर, क्या शिवजी की फोटो नहीं दिखा सकते? ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: एक मिनट, माननीय सदस्या... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली): क्या शिवजी की फोटो दिखाना मना है? ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: प्लीज़, एक मिनट, माननीय सदस्या

... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली): अगर मना है तो मैं रख देता हूँ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आपने सवाल उठाया। आपके माननीय सदस्यगण नियम 353 बता रहे थे, नियम 352 बता रहे थे।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आपने कहा कि इस नियम प्रक्रिया से सदन चलना चाहिए। नियम प्रक्रिया में कोई भी प्लेकार्ड, किसी भी चिह्न को सदन में नहीं दिखाया जा सकता है।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आपने कहा नियम से हो।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: ऐसा नहीं है।

... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली): सर, क्या इस हाउस में शिवजी की फोटो दिखाना मना है? आप बस यह बता दीजिए कि मना है या नहीं? ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, किसी भी चित्र को दिखाने का नियम नहीं है।

... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली): फिर शिवजी का चित्र इस हाउस में दिखाना मना है। ... (व्यवधान) यहां पर दूसरी चीजों के चित्र दिखाए जा सकते हैं, मगर शिवजी का चित्र नहीं दिखाया जा सकता। अगर मैं कह रहा हूँ कि हमें इनसे प्रोटेक्शन मिली और मैं समझाना चाह रहा हूँ कि कैसे प्रोटेक्शन मिली, आप मुझे चित्र नहीं दिखाने दे रहे हैं। इसके बाद मेरे पास और चित्र हैं। मैं सब दिखाना चाहता था... (व्यवधान)

स्पीकर सर, यह चित्र पूरे हिंदुस्तान के दिल में है। पूरा हिंदुस्तान इस चित्र को जानता है, समझता है। Everybody knows about this image.

(1420/RP/KDS)

Speaker, Sir, why I got this image? It is because there are certain ideas in this image that we defend, that the Opposition defends. The first idea in this image, that we defend, is the idea of confronting our fear and of never being scared. That idea is being represented in this image which you are not allowing me to show. The idea behind a snake, that is placed right near the neck of Shivji, is that never be scared of anything that you face. In fact, Shivji places death one inch from his neck and that is the spirit with which we fought when we were in the Opposition. From this idea of resisting..... (*Interruptions*) We are still in the Opposition. I know that and I am happy and proud to be in the Opposition because for us, more than power, there is truth. For you, there is only power. That is the only place you want to be. ... (*Interruptions*) For us, there is truth and this is the symbol of truth. So, when Shivji places the snake near his neck, what he is saying is: "I will accept the truth and I will not back down from the truth." That is what we have said.

After that, a new idea emerges. Of course, I cannot show Shivji's picture but all of you know it. Behind the left shoulder of Shivji there is trishool. Now, I would like you to understand that there is a reason that this trishool, a weapon, has been placed behind his left shoulder. The trishool is not a symbol of violence, it is a symbol of non-violence and that is why it is placed in a place where Shiva cannot reach with his right hand. If it was a symbol of violence, it would have been held in his right hand like this but it is a symbol of non-violence and that is why it is placed behind his left shoulder. When we fought BJP, we were non-violent. When we defended the truth, there was not an ounce of violence in us.

Now, there is a third idea and a very powerful idea that emerges from the idea of truth, courage, and non-violence. Of course, it is a symbol that many of you hate but that idea is the *abhayamudra*, the symbol of the Congress Party which, as you can see, is also shown in this image. ...

(*Interruptions*) Jai Mahadev. Rajnath ji looks very surprised. ...
 (*Interruptions*) What that *abhayamudra* shows? It is the next step of the evolution of the idea of facing the truth, fearlessness, and *satya* and *ahimsa* as Mahatma Gandhi ji used to say. The *abhayamudra* is the idea that is not good enough to just keep this internal. It is not good enough to not be scared, it is not good enough to use non-violence, it is also important that you make others not scared and make them fearless and non-violent. In a sense, the *abhayamudra* is a projection from Shivji to the rest of the world about these two ideas. Of course, these two ideas were used by us, all of us, when we fought the Britishers and they were put forth by Mahatma Gandhi. The Prime Minister, of course, has a direct connection with God. He speaks directly to God. ... (*Interruptions*) Yes, the Parmatma speaks to Modi ji's aatma directly, unlike with all humans. We are all biological....
 (*Interruptions*) We are born and we die but the Prime Minister is a non-biological being. The Prime Minister said that Gandhi is dead and Gandhi was revived by a movie.... (*Interruptions*)

(1425/NKL/MK)

Can you understand the ignorance that Gandhi is dead and a movie revived the Father of the Nation! ... (*Interruptions*) No, no, Gandhi is not dead; Gandhi is alive.

Now, there is another very interesting thing I noticed. ... (*Interruptions*) There is another thing I noticed. ... (*Interruptions*) It is not just one religion that talks about courage. In fact, all our religions talk about courage. So, here is the religion of Islam. ... (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: आप सदन के नेता प्रतिपक्ष हैं। सदन आपसे अपेक्षा करता है।

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : सर, ठीक है। मैं नहीं दिखाऊंगा, लेकिन कैसे करूं, क्योंकि मैं जो समझाना चाहता हूं, वह मैं नहीं समझा पा रहा हूं। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप सभी यहां पर समझदार हैं। सभी लोग चुनकर आते हैं। जनता ने सबको चुनकर भेजा है।

... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : सर, बात नहीं बन रही है, मजा नहीं आ रहा है। कांग्रेस पार्टी ने शिव जी की फोटो दिखा दी तो ये गुस्सा हो गया। आप देखिए। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज माननीय सदस्य।

... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : सर, ये चाहते हैं कि सिर्फ ये दिखा पाएं ... (व्यवधान) इस्लाम में जो कहा गया है, वह मैं पढ़ता हूं।

माननीय अध्यक्ष : आप चेयर को एड्रेस कीजिए।

... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : सॉरी सर। इस्लाम धर्म के कुरान में लिखा हुआ है – The Prophet (Peace be upon Him) said:

“He (God) said: *‘Have no fear! I am with you, hearing and seeing.’*”

इसका मतलब इस्लाम में भी कहा गया है कि डरना नहीं है। जब इस्लाम में दुआ मांगी जाती है, तो दोनों हाथ से, दाएं हाथ से अभय मुद्रा दिखाई देती है। उसके बाद गुरुनानक जी की ओर चलते हैं। ... (व्यवधान) *‘वाहे गुरु जी का खालसा वाहे गुरु जी की फतेह’*, जिस धर्म पर आप हर रोज आक्रमण करते हैं, गुरुनानक जी जो ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज माननीय सदस्य। हम इनको पूजते हैं। आप इस तरह से इनको टेबल पर मत रखिए। यह तरीका ठीक नहीं है।

... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : सर, मैं कहां रखूं? मैं यहां रख देता हूं। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप यहां मत रखिए।

... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : सर, गुरुनानक जी के चित्र में भी अभय मुद्रा दिखाई देगी। गुरुनानक जी भी कहते हैं कि ‘डरो मत, डराओ मत’। पंजाब से गुरुनानक जी मक्का तक गये, थाईलैंड तक गये, अफगानिस्तान गये और श्रीलंका गये। उन्होंने किसी से हिंसा नहीं की। उन्होंने अहिंसा की बात की, सत्य की बात की और किसी को उन्होंने अपनी जिन्दगी में नहीं डराया। उसके बाद आप जीसस क्राइस्ट की इमेज देखिए, उसमें भी आपको अभय मुद्रा दिखाई देगी। जीसस क्राइस्ट की इमेज में भी अभय मुद्रा है, ‘डरो मत, डराओ मत’। जीसस क्राइस्ट ने कहा है कि अगर आपको कोई थप्पड़ मारता है तो आप दूसरा गाल दिखा दो। उसके बाद बुद्ध भगवान की इमेज में भी अभय मुद्रा है, ‘डरो मत, डराओ मत’, ‘अहिंसा’। अंत में महावीर, ‘डरो मत, डराओ मत’, अभय मुद्रा। मतलब हिन्दुस्तान के इतिहास में तीन फाउंडेशन आइडियाज हैं।

(1430/SJN/VR)

एक दिन मोदी जी ने अपने भाषण में कहा कि हिन्दुस्तान ने किसी पर आक्रमण नहीं किया। उसका कारण है, क्योंकि यह देश अहिंसा का देश है, यह देश डर का देश नहीं है। हमारे

सारे के सारे महापुरुषों ने अहिंसा की बात की, डर मिटाने की बात की, डरो मत, डराओ मत।... (व्यवधान) दूसरी तरफ शिव जी कहते हैं कि डरो मत, डराओ मत, अभय मुद्रा दिखाते हैं, अहिंसा की बात करते हैं, त्रिशूल को जमीन में गाड़ देते हैं ... (*Expunged as ordered by the Chair*) ... (व्यवधान) ... (*Expunged as ordered by the Chair*) ... (व्यवधान) हिन्दू धर्म में साफ लिखा है कि सत्य के साथ खड़े होना चाहिए, सत्य से पीछे नहीं हटना चाहिए, सत्य से नहीं डरना चाहिए, अहिंसा हमारा प्रतीक है, अभय मुद्रा।... (व्यवधान) ... (*Expunged as ordered by the Chair*) ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप नेता प्रतिपक्ष हैं, किसी की भावना को ठेस न पहुंचे, चर्चा के दौरान उसका ध्यान रखना चाहिए।

... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : महोदय, मुझे बोलने दीजिए।... (व्यवधान)

प्रधानमंत्री (श्री नरेन्द्र मोदी) : महोदय, यह विषय बहुत गंभीर है। पूरे हिन्दू समाज को हिंसक कहना, ये गंभीर विषय है।... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : ... (*Expunged as ordered by the Chair*) ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : भूपेन्द्र यादव जी, क्या आप कुछ बोलना चाहते हैं?

... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : महोदय, यहां पर ये सब हिन्दू हैं।... (व्यवधान)

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री (श्री भूपेन्द्र यादव) : माननीय अध्यक्ष जी, आज प्रतिपक्ष के नेता पहली बार इस सदन को संबोधित कर रहे हैं। मैं नियम 349 और 352 के संबंध में आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। सबसे पहले तो प्रतिपक्ष के नेता को बोलने का तरीका आना चाहिए।... (व्यवधान)

नियम 349 (12) है, वह स्पष्ट रूप से कहता है कि “shall not sit or stand with back towards the Chair.” वह लगातार आपकी तरफ पीठ करके खड़े हैं। यह नियमों के खिलाफ है, जो इनको शोभा नहीं देता है।... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप मुझे एड्रेस करके बोलिए।

... (व्यवधान)

(1435/SPS/SAN)

श्री भूपेन्द्र यादव : अध्यक्ष महोदय, रूल 352 (2) यह कहता है कि :-

“make personal reference by way of making an allegation imputing a motive to or questioning the *bona fides* ”

इन्होंने पूरे पक्ष के सदस्यों पर ही नहीं, बल्कि इससे बाहर जाकर पूरे हिन्दू समाज के ऊपर ऐलिगेशन लगाया है, इनके बोनाफाइड गलत है, इनके खड़े होने का तरीका गलत है। इन्होंने सदस्यों पर तो लगाया ही है। ... (व्यवधान)

गृह मंत्री; तथा सहकारिता मंत्री (श्री अमित शाह) : माननीय अध्यक्ष जी, शोर-शराबा करके इतने बड़े वाक्या को छिपाया नहीं जा सकता है। विपक्ष के नेताजी ने कैटेगरीकली कहा है कि जो अपने आपको हिन्दू कहते हैं, वे ... (*Expunged as ordered by the Chair*) करते हैं। ... (व्यवधान) मैं फिर से रिपीट करना चाहता हूँ। उनका वाक्य था कि "जो अपने आपको हिन्दू कहते हैं, वे ... (*Expunged as ordered by the Chair*) की बात करते हैं, ... (*Expunged as ordered by the Chair*) करते हैं" ... (व्यवधान)

मान्यवर, इस देश में शायद इनको मालूम नहीं है कि करोड़ों लोग अपने आपको को गर्व से हिन्दू कहते हैं। क्या वे सभी लोग हिंसा की बात करते हैं, हिंसा करते हैं? हिंसा की भावना को किसी धर्म के साथ जोड़ना, उन्होंने इस सदन में ऐसा कहा और संवैधानिक पद पर बैठे हुए व्यक्ति ने कहा तो मैं मानता हूँ कि उनको इसकी माफी मांगनी चाहिए। ... (व्यवधान) मैं उनको एक गुजारिश भी करना चाहता हूँ कि इस्लाम में अभय मुद्रा पर वह एक बार इस्लाम के विद्वानों का मत ले लें, गुरु नानक साहब की अभय मुद्रा पर एसजीपीसी का मत ले लें। अभय की बात इनको करने का कोई अधिकार नहीं है। आपातकाल में इन्होंने पूरे देश को भयभीत किया है और लाखों लोगों को जेल में डाला है। अगर वैचारिक आतंक कभी था तो आपातकाल के वक्त था। ... (व्यवधान)

मान्यवर, दिल्ली में दिन-दहाड़े हजारों सिख भाइयों का कत्ले आम उनके शासन में हुआ। आज वह अभय की बात कर रहे हैं। मेरा आपसे आग्रह है कि श्री राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष का पहला भाषण होने के बावजूद उनको इसकी माफी मांगनी चाहिए। उनको न केवल सदन, बल्कि पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। ... (व्यवधान)

(1440/MM/SNT)

डॉ. निशिकान्त दुबे (गोड्डा) : स्पीकर सर, ये संविधान की बात कर रहे हैं। ... (व्यवधान) इसी संविधान का आर्टिकल 25 कहता है कि किसी भी धर्म के ऊपर कोई भी व्यक्ति किसी को हिंसावादी करार नहीं दे सकता है। ... (व्यवधान) इन्होंने हिन्दू को हिंसावादी कहा है। ... (व्यवधान) इन्होंने संविधान का अपमान किया है। ... (व्यवधान) इन्होंने संविधान की ... (*Expunged as ordered by the Chair*) दुहाई दी है। ... (व्यवधान) इनको माफी मांगनी चाहिए। ... (व्यवधान) यह संविधान का आर्टिकल 25 है। ... (व्यवधान) सर, इनको माफी मांगनी चाहिए। ... (व्यवधान) सर, यह देश संविधान से चलता है। ... (व्यवधान) यह पार्लियामेंट संविधान से चलती है। ... (व्यवधान) इनको माफी मांगनी चाहिए। ... (व्यवधान) ये संविधान से ऊपर नहीं हैं। ... (व्यवधान) कांग्रेस पार्टी संविधान से ऊपर नहीं है। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, इस सदन की एक गरिमा रही है। हमें संवाद और चर्चा करते समय इस सदन की गरिमा का ध्यान रखना चाहिए। ऐसी कोई भी आपत्तिजनक बात जो पूरे समाज के बारे में हो, कम से कम प्रतिपक्ष के नेता को, बोलते समय ध्यान में रखना चाहिए। मैं इसको सीरियस तरीके से देखूंगा।

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : अगर आप हिन्दू धर्म के जो महापुरुष हैं। महापुरुष को छोड़िए, अगर आप शिव जी को देखें... (व्यवधान) सर, यह क्या हो रहा है? ... (व्यवधान) अगर आप शिव जी को देखें तो उनकी इमेज से आपको पता लगता है कि हिन्दू डर नहीं फैला सकता, हिन्दू हिंसा नहीं फैला सकता, हिन्दू नफरत नहीं फैला सकता और ... (*Expunged as ordered by the Chair*) ... (व्यवधान) स्पीकर सर, इन्होंने कहां-कहां तक डर फैला दिया है... (व्यवधान) सर, कहां-कहां तक इन लोगों ने डर फैला दिया। मैं आपको अयोध्या से शुरू करता हूं... (व्यवधान) अयोध्या ने आपको मैसेज भेजा... (व्यवधान)

श्री अमित शाह : सर, मेरा व्यवस्था का सवाल है... (व्यवधान) इस सदन के नियमों की पुस्तिका से क्या कुछ सदस्यों को मुक्ति दे दी गयी है... (व्यवधान) आपके गाइडेंस के बाद भी बार-बार तस्वीर दिखाना, पूरी बीजेपी को, 'हिंसा कर रही है', ऐसा कहना... (व्यवधान) खड़े होकर, एक-दूसरे से हाथ मिलाना... (व्यवधान) क्या सारे नियम इन पर लागू नहीं होते हैं? ... (व्यवधान) अगर नियम मालूम नहीं है तो ट्यूशन रख लीजिए... (व्यवधान) लेकिन, सदन इस तरह से नहीं चल सकता है... (व्यवधान) मेरा आपसे आग्रह है कि यह सदन ऑर्डर में रहना चाहिए... (व्यवधान) नियमों के अनुसार चलना चाहिए... (व्यवधान) यह हम सभी सदस्यों की आपसे विनती है... (व्यवधान)

(1445/YSH/AK)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्यगण, मैं आप सभी से अपेक्षा करता हूँ कि सब नियम-प्रक्रिया से चलें।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, नो। आपने नियम बताया था।

... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : सर, माइक ऑन कीजिए... (व्यवधान) सर, मेरा सवाल है कि इस माइक का कंट्रोल किसके हाथ में है?... (व्यवधान) यह बीच में ऑफ हो जाता है।

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, प्लीज बैठिए। कई बार यह विषय उठ चुका है। माननीय सदस्य, आप प्रतिपक्ष के नेता हैं। आप सदन के बाहर भी यह बात कहते हैं कि माइक बंद कर दिया जाता है। मैंने कई बार आग्रहपूर्वक कहा है कि आसन पर इस तरह का आरोप नहीं लगाना चाहिए।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : नो, प्लीज बात सुनिए। आसन पर सभी दलों के सदस्य बैठते हैं और सभी दलों के सदस्य सभापति तालिका में भी हैं। सब जानते हैं कि एक व्यवस्था होती है कि जिस भी माननीय सदस्य को बोलने के लिए आग्रह किया जाता है, उस माननीय सदस्य के द्वारा बोला जाता है और जिसको आग्रह नहीं किया जाता है, उसका माइक चालू नहीं होता है। आप बोलने के लिए खड़े हैं तो आपका माइक कभी बंद नहीं हुआ। आसन पर जो भी विराजमान हैं, अगर वे आपका नाम नहीं पुकारते हैं, तब माइक चालू नहीं होता है। यह व्यवस्था हमेशा इस सदन की रही है। पुराने में भी यही व्यवस्था थी और नए में भी यही व्यवस्था है। आसन पर बैठे व्यक्ति पर कभी भी माइक का कंट्रोल नहीं होता है।

दूसरा, आप प्रतिपक्ष के नेता हैं और आपसे यह अपेक्षा की जाती है कि आप लोक सभा की प्रक्रिया का और संचालन नियमों का पालन करें। संविधान में जो व्यवस्थाएं दे रखी हैं, उनका पालन करें और सदन में बोलते समय किसी भी धर्म के ऊपर ऐसा आक्षेप न करें, जिससे पूरे देश के अंदर एक इश्यू बन जाए। यह आपसे अपेक्षा की जाती है।

... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : स्पीकर सर, मैं आपकी बिल्कुल रिस्पेक्ट करता हूँ मगर सच्चाई यह है कि मेरे भाषण के बीच में माइक ऑफ हो जाता है। मैं क्या करूँ? माइक ऑफ हो जाता है। आपने देखा कि मैंने अयोध्या शब्द यूज किया और माइक ऑफ हो गया... (व्यवधान) अयोध्या ने, राम भगवान की जन्मभूमि ने बी.जे.पी. को मैसेज दिया है और ये आपके सामने वह मैसेज बैठे हुए हैं। कल हमने कॉफी पी तो मैंने इनसे पूछा कि बताइए यह क्या हुआ? बी.जे.पी. ने राम मंदिर का इन्ऑगुरेशन किया... (व्यवधान) नाम बोलने की कोई जरूरत नहीं है। मैं भाषण दे रहा हूँ, आप नहीं दे रहे हैं। जो भी बोलना है, वह मुझे बोलना है। मुझे नाम लेने की कोई जरूरत नहीं है। मुझे जो बोलना है, वह मैं बोलूंगा... (व्यवधान) अयोध्या ने मैसेज दिया और मैंने इनसे पूछा कि यह क्या हुआ? मैंने इनसे पूछा कि आपको कब पता लगा कि आप अयोध्या में जीत रहे हैं? इन्होंने कहा कि पहले दिन से मुझे पता था। यह सही बात है।

मैंने कहा कि यह क्यों हुआ? उन्होंने कहा कि राहुल जी अयोध्या में एयरपोर्ट बना। अयोध्या की जनता से जमीन छीनी गई और आज तक उन्हें मुआवजा नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में जो भी छोटे-छोटे दुकानदार थे, जो भी छोटी-छोटी बिल्डिंग्स थीं, उन सभी को तोड़कर गिरा दिया गया और उन लोगों को सड़क पर कर दिया गया।

(1450/RAJ/UB)

इन्होंने यह भी कहा कि अयोध्या के इन्ऑगुरेशन में अयोध्या की जनता को बहुत दुःख हुआ, क्योंकि इन्ऑगुरेशन में ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया) थे, मगर अयोध्या का कोई नहीं था... (व्यवधान) यह कारण था कि अयोध्या की जनता में, उनके दिल में नरेन्द्र मोदी जी ने भय, उनकी जमीन ले ली, उनके घर गिरा दिए और

फिर अयोध्या के गरीब लोगों, किसानों और मजदूरों को मंदिर के इनोगुरेशन तक में नहीं जाने दिया। मंदिर का इनोगुरेशन छोड़ो, उसके बाहर भी नहीं जाने दिया...(व्यवधान) इसीलिए अयोध्या की जनता ने सही मैसेज भेजा। इन्होंने मुझे एक और बात कही। इन्होंने कहा कि दो बार नरेन्द्र मोदी जी ने टेस्ट किया - क्या मैं अयोध्या से लड़ जाऊं और सर्वेयर्स ने कहा कि अयोध्या से मत लड़ जाना...(व्यवधान) अयोध्या की जनता हरा देगी। इसीलिए प्रधान मंत्री जी वाराणसी गए और वहां बच कर निकलो...(व्यवधान) अयोध्या की जनता को डराया, पूरे देश को डरा दिया। मैं आपको बताता हूं मैं आज सुबह आया। राजनाथ सिंह जी ने मुस्कुरा कर मुझे नमस्ते किया और ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) सच्चाई है...(व्यवधान) अरे भाई! अयोध्या की जनता को छोड़ो, ये बीजेपी वालों को डराते हैं...(व्यवधान) सर क्या है? ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय प्रतिपक्ष के नेता, आप सदन के वरिष्ठ नेता हैं। मेरा आपसे आग्रह है कि राष्ट्रपति अभिभाषण पर डिबेट हो रही है, तो राष्ट्रपति अभिभाषण की गरिमा रखें।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपसे सभी यह अपेक्षा रखते हैं कि आप राष्ट्रपति अभिभाषण पर बोलें, नीतियों पर बोलें, कार्यक्रमों पर बोलें। आप व्यक्तिगत रूप से, नहीं।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : क्या आप यह उचित मानते हैं? यह उचित है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अगर आपकी पार्टी इसी को उचित मानती है, तो मुझे कुछ नहीं कहना है।

...(व्यवधान)

प्रधानमंत्री (श्री नरेन्द्र मोदी) : माननीय अध्यक्ष जी, लोकतंत्र और संविधान ने मुझे सिखाया है...(व्यवधान) कि मुझे विपक्ष के नेता को गंभीरता से लेना चाहिए...(व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : स्पीकर सर, आपने कहा कि डिबेट प्रेसिडेंट एड्रेस पर होनी चाहिए। यह जो मैंने किया है, अनुराग ठाकुर जी ने अयोध्या की बात की थी।...(व्यवधान) अनुराग ठाकुर जी ने सनातन धर्म पर आक्रमण की बात की थी। इसीलिए मैंने यह किया है। मैं दिखाना चाहता हूं कि अयोध्या में क्या हुआ और अयोध्या की सच्चाई क्या थी? उन्होंने प्रेसिडेंट एड्रेस के डिबेट में उन्होंने बात उठाई थी, मैंने बात बंद की।...(व्यवधान)

(1455/KN/SRG)

इन्होंने डर फैलाया। अपोजिशन का रिस्पोंस, एक साथ मिलकर भारत जोड़ा यात्रा – सारा का सारा अपोजिशन, पूरा देश एक साथ मिलकर कन्याकुमारी से कश्मीर तक चला। आपने जो डर फैलाया, उसके बारे में यात्रा में बहुत कुछ सुनने को मिला। मुझे अभी तक याद है। सुबह सात-आठ बजे की बात थी। हम यात्रा में चल रहे थे। एक महिला आती है, हमारे साथ चलती है, मेरा हाथ पकड़ती है। वह घबराई हुई सी थी तो मैंने पूछा कि क्या हुआ? वह मुझे कहती है कि मुझे मार रहा है। ... (व्यवधान) मैंने पूछा- कौन मार रहा है? ... (व्यवधान) मैंने पूछा कि कौन मार रहा है? वह कहती है कि मेरा पति मार रहा है। मैंने कहा- क्यों? वह कहती है कि मैं सुबह का खाना नहीं दे पाई। मैंने कहा- क्यों? उसने कहा कि मैं खरीद नहीं पाई, क्योंकि महंगाई है।... (व्यवधान) महंगाई है, खरीद नहीं पाई, खाना नहीं पका पाई, इसलिए मुझे मार पिट रही है। मैंने कहा कि बहन मैं क्या करूं? आपकी कैसे मदद करूं? वह कहती है कि आप कुछ मत कीजिए। ... (व्यवधान) आप कुछ मत कीजिए। आप सिर्फ यह बात याद रखिए कि महंगाई के कारण हिन्दुस्तान में हजारों महिलाओं को सुबह पीटा जा रहा है। यह उसके शब्द है, मेरे शब्द नहीं है। गैस सिलेंडर, महंगाई... (व्यवधान) आपने गरीबों को, महिलाओं को डराने का काम किया। शिवजी कहते हैं कि डरो मत, डराओ मत। आपने हिन्दुस्तान की महिलाओं को महंगाई से हर रोज डराया है। मैं कुछ दिन पहले पंजाब में अग्निवीर के परिवार से मिला।... (व्यवधान) अग्निवीर के परिवार से मिला। उसका छोटा सा घर था।... (व्यवधान)

स्पीकर सर, छोटे से घर का अग्निवीर शहीद हुआ, लैंडमाइन ब्लास्ट में शहीद हुआ। मैं उसे शहीद कह रहा हूं, मगर हिन्दुस्तान की सरकार उसे शहीद नहीं कहती। नरेन्द्र मोदी जी उसे शहीद नहीं कहते हैं। नरेन्द्र मोदी जी उसे अग्निवीर कहते हैं। उस घर को पेंशन नहीं मिलेगी। उस घर को कंपनसेशन नहीं मिलेगा, शहीद का दर्जा नहीं मिलेगा। वह बेचारे बैठे हुए थे। तीन बहनें थीं, वे एक साथ बैठी हुई थीं, रो रही थीं। आम जवान को पेंशन मिलेगी। जरूर दुःख होगा, हिन्दुस्तान की सरकार आम जवान की मदद करेगी, मगर अग्निवीर को जवान नहीं कहा जा सकता।

अग्निवीर ... (*Expunged as ordered by the Chair*) आप उससे कहते हो, आप उसको छः महीने की ट्रेनिंग देते हो ... (व्यवधान) आप छः महीने की ट्रेनिंग देते हो, दूसरी तरफ चाइना के जवान को 5 साल की ट्रेनिंग मिलती है। राइफल देकर उसके सामने खड़ा कर देते हो। उसके दिल में भय पैदा करते हो। एक जवान और दूसरे जवान के बीच में फूट डालते हो कि एक को पेंशन मिलेगी, एक को शहीद का दर्जा मिलेगा, लेकिन दूसरे को नहीं मिलेगा।... (व्यवधान)

(1500/VB/RCP)

फिर अपने आप को देशभक्त कहते हैं... (व्यवधान) ये कैसे देशभक्त हैं? ... (व्यवधान) फिल्म स्टार जैसी फोटो थी उस लड़के की... (व्यवधान) फिल्म स्टार जैसी बॉलीवुड के स्टार जैसी उसकी फोटो थी... (व्यवधान) मैं सोच रहा था, ... (व्यवधान) इस युवा ने जान दी... (व्यवधान)

श्री राज नाथ सिंह: अध्यक्ष महोदय, मैं नेता प्रतिपक्ष से यह अनुरोध करना चाहूँगा कि वे गलत बयानी करके सदन को गुमराह करने की कोशिश न करें... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : नहीं सर। यह गलत नहीं है सरा... (व्यवधान) यह गलत नहीं है सरा... (व्यवधान)

श्री राज नाथ सिंह : मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि युद्ध के दौरान अथवा सीमाओं की सुरक्षा के दौरान हमारा कोई अग्निवीर का जवान शहीद होता है, तो एक करोड़ रुपए की धनराशि उसके परिवार को सहायता के रूप में मुहैया करायी जाती है।... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, इस प्रकार की गलत बयानी से सदन को गुमराह करने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : स्पीकर सर, राज नाथ सिंह जी की एक राय है, मेरी एक राय है और सच्चाई अग्निवीरों को मालूम है।... (व्यवधान) हमें बोलने की जरूरत नहीं है। अग्निवीर को किस चीज का सामना करना पड़ता है, शहीद का दर्जा मिलता है या नहीं मिलता है, उसे कम्पेनसेशन मिलता है या नहीं मिलता है, पेंशन मिलती है या नहीं मिलती है, यह उसको मालूम है।... (व्यवधान)

श्री अमित शाह : मान्यवर, पॉइंट ऑफ ऑर्डर है।... (व्यवधान) अब सदन के सामने दो स्टेटमेंट्स हुए। एक हुआ विपक्ष के नेता का और दूसरा हुआ रक्षा मंत्री माननीय श्री राज नाथ सिंह जी का।... (व्यवधान) ये कहते हैं कि एक करोड़ रुपये नहीं मिलता है। श्री राज नाथ सिंह जी ने अधिकृत रूप से कहा कि मारे जाने वाले अग्निवीर को, जो शहीद होता है, उसको एक करोड़ रुपये मिलता है। मान्यवर, उनको फैक्चुअल पोजिशन सदन में रखनी चाहिए। यह सदन झूठ बोलने की जगह नहीं है।... (व्यवधान) यहाँ सच बोलना चाहिए।... (व्यवधान) अगर ये नहीं रखते हैं, ... (व्यवधान) ये अपने स्टेटमेंट का सत्यापन नहीं करते हैं, तो उनको सदन से, देश से और अग्निवीरों से माफी माँगनी चाहिए।... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : मैंने अग्निवीर की सच्चाई फ्लोर ऑफ द हाउस पर रखी है और राज नाथ सिंह जी ने भी कहा है। जो रियलिटी है, वह हिन्दुस्तान की सेना को मालूम है। वह अग्निवीरों को मालूम है। उनके कहने से या मेरे कहने से कोई फर्क नहीं पड़ता है।... (व्यवधान) सच्चाई तो उनको मालूम है।... (व्यवधान) उनको मालूम है सच कौन बोल रहा है।... (व्यवधान) डरो मत, डरो मता।... (व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री; तथा अल्पसंख्यक कार्य मंत्री (श्री किरेन रिजिजू) : स्पीकर सर, मेरा एक छोटा-सा अनुरोध है। चूंकि यह विषय गंभीर है। अभी माननीय गृह मंत्री जी ने जो बातें रखी हैं कि दो स्टेटमेंट्स हुए। रक्षा मंत्री जी ने सदन में जो स्टेटमेंट रखा और विपक्ष के नेता माननीय राहुल गांधी जी ने जो स्टेटमेंट रखा है, इसमें इन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री के बोलने से क्या फर्क पड़ता है। लीडर ऑफ अपॉजिशन इतना हल्का-फुल्का स्टेटमेंट कैसे दे सकते हैं? ... (व्यवधान) इसलिए इन्होंने जो बात रखी है, उसकी पुष्टि करनी चाहिए।... (व्यवधान) हम लोग भी नियम के मुताबिक अपनी बात रखेंगे।... (व्यवधान)

SHRI KODIKUNNIL SURESH (MAVELIKKARA): Sir, we need some more time as the Ministers are continuously intervening. ... (*Interruptions*)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : स्पीकर सर, देश की सेना जानती है, पूरा देश जानता है ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।)... (व्यवधान) जैसे नोटबंदी की गई, वैसे ही आरबिट्रेरी तरीके से... (व्यवधान)

(1505/PC/PS)

श्री राज नाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं नेता प्रतिपक्ष से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करना चाहता हूँ कि कृपया वे सदन को गुमराह करने की कोशिश न करें। ... (व्यवधान) अग्निवीर योजना के संबंध में बहुत सारे लोगों से, 158 ऑर्गनाइजेशन के साथ सीधा संवाद स्थापित हुआ है, उनके सुझाव लिए हैं, तब यह अग्निवीर योजना लाई गई है। ... (व्यवधान) बहुत सोच-समझकर यह योजना लाई गई है। ... (व्यवधान)

मैं यह भी स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि इस प्रकार की योजनाएं दुनिया के कई देशों में हैं। ... (व्यवधान) यूएस में है, यूके में है, वहां पर किसी को किसी प्रकार की आपत्ति नहीं है। ... (व्यवधान)

बिना अग्निवीर योजना के बारे में समझे, बिना उस संबंध में पूरी जानकारी हासिल किए, इस तरीके से सदन को गुमराह करना, इसे कदापि उचित नहीं ठहराया जा सकता। ... (व्यवधान)

मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि इसे सदन की कार्यवाही से बाहर निकाला जाना चाहिए। ... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : देखिए, सिंपल सी बात है। ... (व्यवधान)

स्पीकर सर, इनको अग्निवीर अच्छा लगता है, आप उसको रखिए। ... (व्यवधान) हम उसको बदल देंगे, हटा देंगे। ... (व्यवधान) यह सिंपल सी बात है। ... (व्यवधान) हमारी सरकार आएगी, तो हम अग्निवीर को हटा देंगे। ... (व्यवधान) क्योंकि हम सोचते हैं कि अग्निवीर सेना के खिलाफ है, जवानों के खिलाफ है और देशभक्तों के खिलाफ स्कीम है। ... (व्यवधान) हम इस स्कीम को नहीं चाहते हैं। ... (व्यवधान)

पहली बार हिंदुस्तान की हिस्ट्री में जनता से स्टेट्स छीने गए हैं। ... (व्यवधान) जम्मू कश्मीर, लद्दाख से आपने पहली बार स्टेट छीना है। ... (व्यवधान) मणिपुर को आपने सिविल-वॉर में डुबा दिया है। ... (व्यवधान) मणिपुर को आपने और आपकी योजनाओं ने, आपकी पॉलिटिक्स ने जला दिया है। ... (व्यवधान) आज तक हिंदुस्तान के प्रधान मंत्री मणिपुर नहीं गए हैं। ... (व्यवधान)

ऐसा लगता है कि मणिपुर हिंदुस्तान का प्रदेश ही नहीं है। ... (व्यवधान) प्रधान मंत्री के लिए मणिपुर स्टेट ही नहीं है। ... (व्यवधान) मणिपुर में सिविल-वॉर हो ही नहीं रही है और एक बार बयान दिया, हमने मतलब प्रेशर लगाया, हम गए, हमने प्रधान मंत्री जी से कहा कि एक मैसेज दे दीजिए, मणिपुर चले जाइए, वहां की जनता की रक्षा कीजिए, लेकिन वे नहीं गए। ... (व्यवधान)

मैं वहां गया, कुकी और मैतेई, दोनों से मिला। ... (व्यवधान) नहीं, आज तक आंसर नहीं मिला, आंसर मिल नहीं सकता। ... (व्यवधान) मणिपुर इनके लिए हिंदुस्तान का प्रदेश ही नहीं है। ... (व्यवधान) मणिपुर है ही नहीं। ... (व्यवधान) मणिपुर है ही नहीं, न होम मिनिस्टर के लिए, न प्रधान मंत्री के लिए, मणिपुर है ही नहीं, वह एग्जिस्ट ही नहीं करता। ... (व्यवधान) न प्रधान मंत्री जाएंगे, न कुछ बोलेंगे, जैसे वहां कुछ नहीं हुआ। ... (व्यवधान)

मैं वहां रिलीफ कैम्प में गया। ... (व्यवधान) एक औरत रोते हुए, कांपते हुए मुझसे कहती है कि मैंने अपनी आंखों के सामने ... (व्यवधान) हां, मैं औरतों की बात कर सकता हूँ। ... (व्यवधान) मैं कर सकता हूँ। ... (व्यवधान) आप अपने संगठन में महिलाओं को नहीं डालते हैं, मगर मैं औरतों की बात कर सकता हूँ। ... (व्यवधान) वह मुझसे कहती है कि मेरी आंखों के सामने मेरे बच्चे को गोली मारी गई। ... (व्यवधान) मैं भागना नहीं चाहती थी, मैं मरना चाहती थी, उसके साथ मरना चाहती थी। ... (व्यवधान) मुझे घसीटकर वहां से ले गए और फिर मुझे अपने बच्चे की फोटो दिखाती है। ... (व्यवधान) ऐसे कांपते हुए फोटो दिखाती है। ... (व्यवधान)

यह आपकी योजनाओं का नतीजा है। ... (व्यवधान) आपको ... (*Expunged as ordered by the Chair*) आनी चाहिए। ... (व्यवधान) एक दिन प्रधान मंत्री आठ बजे कहते हैं, पता नहीं भगवान के साथ फाइन-ट्यूनिंग हो गई। ... (व्यवधान) सर, सर ने यह बोला है, प्रधान मंत्री ने यह बोला है। ... (व्यवधान) यह मैं नहीं बोल रहा हूँ।

(1510/CS/SMN)

प्रधानमंत्री जी ने बोला है कि मेरा भगवान के साथ डायरेक्ट कनेक्शन है।... (व्यवधान) यह मैंने नहीं बोला है।... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय राहुल गाँधी जी, एक मिनट रुकिए। माननीय सदस्य, एक मिनट रुकिए।

... (व्यवधान)

श्री रवि शंकर प्रसाद (पटना साहिब) : महोदय, यह आस्था का विषय है।... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : रवि शंकर जी, कृपया एक मिनट रुकिए।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप वरिष्ठ नेता हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी, सदन के नेता होते हैं। हम सबको माननीय प्रधानमंत्री जी का सम्मान करना चाहिए। सदन में हमेशा उच्च कोटि की परम्परा, मर्यादा रही है।

... (व्यवधान)

श्री गौरव गोगोई (जोरहाट) : ये नेहरू जी के बारे में क्या बोलते हैं?... (व्यवधान) इंदिरा जी के बारे में क्या-क्या कहा गया है?... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : गौरव बैठो।... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आपकी बहुत पुरानी पार्टी है।

... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : स्पीकर सर, मैं रेस्पेक्ट कर रहा हूँ। ये प्रधानमंत्री जी के शब्द हैं, मेरे शब्द नहीं हैं। यह प्रधानमंत्री जी ने कहा है, पब्लिक में, मीडिया से कहा है कि मैं बायोलॉजिकल नहीं हूँ, मेरा डायरेक्ट कनेक्शन भगवान के साथ है। यह मैं नहीं बोल रहा हूँ, यह प्रधानमंत्री मोदी जी ने बोला है।... (व्यवधान) पता नहीं, उस टाइम, 8 बजे भगवान का मैसेज आया होगा।... (व्यवधान)

एक माननीय सदस्य : श्री राम का मैसेज आया था।... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : हाँ वही, ... (व्यवधान) मगर फिर श्री राम ने आपको दूसरा मैसेज अयोध्या में दे दिया।... (व्यवधान)

भगवान का मैसेज आया होगा कि मोदी जी नोटबंदी कर दीजिए। इन्होंने नोटबंदी कर दी। डायरेक्ट ऊपर से मैसेज आया, ऑर्डर आया, खटाक और अलग-अलग ऑर्डर आते हैं, ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) वाला ऑर्डर आता है, बम्बई एयरपोर्ट ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) को, ऊपर से ऑर्डर आता है खटाक, खटाखट, खटाखट, खटाखट ऑर्डर आते हैं। नोटबंदी कर दी। स्मॉल और मीडियम बिजनेसेज जो हैं, जो हिन्दुस्तान के रोजगार की रीड की हड्डी हैं, बैकबोन हैं, उन्हें उड़ा दिया। उन्हें उड़ा दिया, खत्म कर दिया। आज नतीजा यह है कि ये जो भी करना चाहें करें, हिन्दुस्तान के युवाओं को रोजगार नहीं मिल सकता। जॉब क्रिएशन, बैकबोन इज ब्रोकन, फिनिश, खत्मा नोटबंदी की, गलत जीएसटी लागू किया। उड़ा दिया। अब मैं सोचता हूँ, पहले मैं सोचता था कि पता नहीं यह कैसे हुआ, अब मैं समझता हूँ कि यह ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) जैसे लोगों के लिए किया गया है।... (व्यवधान) यह रास्ता साफ करने का तरीका था।... (व्यवधान) यह रास्ता साफ करने का तरीका था। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट उनके पीछे पड़ा रहता है। जीएसटी, डीमोनेटाइजेशन, 24 घंटे उनको तंग करते हैं, उनके कैश फ्लो को रिस्ट्रिक्ट करने की कोशिश करते हैं, कैश फ्लो को क्रश करने की कोशिश करते हैं कि वे परे हट जाएं और अरबपति उनकी जगह ले लें। आप किसी भी छोटे व्यापारी से पूछ लो, आप किसी भी स्मॉल एंड मीडियम बिजनेस ओनर से पूछ लो, वह आपको इस बारे में बता देगा। मैं गुजरात में गया। टेक्सटाइल ओनर्स के साथ मेरी बात हुई। मैंने उनसे पूछा कि नोटबंदी क्यों हुई, जीएसटी क्यों हुआ, उन्होंने साफ बोला कि अरबपतियों की मदद करने के लिए जीएसटी और नोटबंदी की गई है। नरेन्द्र मोदी अरबपतियों के लिए काम करते हैं। सीधी सी बात है।... (व्यवधान) मैं जाता रहता हूँ और आपको गुजरात में हराएंगे इस बारा।... (व्यवधान) आप लिखकर ले लो।... (व्यवधान) आप लिखकर ले लो, आपको अपोजिशन, इंडिया गठबंधन गुजरात में हराने जा रहा है।... (व्यवधान)

(1515/IND/SM)

किसानों को डराने के लिए लैंड एक्विजिशन बिल, जिसे हम उनकी जमीन की रक्षा करने के लिए, उन्हें सही कम्पेंसेशन देने के लिए लाए थे, उसे आपने खत्म करने की कोशिश की लेकिन कर नहीं पाए तो कई स्टेट्स में खत्म कर दिया। हर राज्य में आपने उसे खत्म कर दिया। यदि आप नहीं जानते हैं तो चैक कर लो।... (व्यवधान) हर भाजपा स्टेट में आपने उसे खत्म कर दिया है।... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप किताब लेकर क्यों खड़े हैं? आप क्या बोलना चाहते हैं?

डॉ. निशिकान्त दुबे (गोड्डा) : महोदय, स्पीकर का डायरेक्शन यह कहता है कि कोई भी सदस्य अपनी बात कहना चाहता है, जैसे अग्निवीर के बारे में कहा या राज्य के बारे में कोई बात कही है, तो उसे ऑर्थेंटिकेट करना पड़ेगा या माफी मांगनी पड़ेगी। महोदय, यह डायरेक्शन 115(1) और 115(2) है।... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : अध्यक्ष जी, हमने किसानों के लिए, हमने किसानों को सही मुआवजा दिलाने के लिए जो लैंड एक्विजिशन बिल तैयार किया था, उसे आपने रद्द किया।... (व्यवधान) ऑर्थेंटिकेट कर देंगे।... (व्यवधान) उसके बाद किसानों को डराने के लिए, याद रखिए शिवजी कहते हैं कि डरो मत, डराओ मत। किसानों को डराने के लिए आप तीन नए कानून लाए। प्रधान मंत्री ने उनसे कहा कि ये आपके फायदे के कानून हैं। सच्चाई थी कि वह अदानी जी, अम्बानी जी के फायदे के कानून

थो हिंदुस्तान के सारे के सारे किसान खड़े हो जाते हैं। आज तक वह सड़क ब्लॉक है। अगर आप वहां जाएंगे, तो देखेंगे कि वह सड़क, जिस पर किसान आए थे, वह सड़क आज तक बंद पड़ी हुई है। हरियाणा में दो जगह किसान खड़े हो गए कि यह हमारे हित में नहीं है। आप हमसे हमारी मेहनत का फल छीनना चाहते हो। हम इस बात को एक्सेप्ट नहीं करेंगे। आप हमसे बात नहीं करते हैं... (व्यवधान) आप गले नहीं लगते हैं और आप उन्हें आतंकवादी कहते हो... (व्यवधान) आप कहते हैं कि ये सब आतंकवादी हैं... (व्यवधान) यह झूठ नहीं है, यह सच है... (व्यवधान)

श्री अमित शाह : मान्यवर, मैं समझ रहा हूँ कि विपक्ष के नेता के नाते ये पहली बार बोल रहे हैं, मगर पुस्तक के नियमों के बाहर वह नहीं जा सकते हैं... (व्यवधान) यह स्टेटमेंट कह रहे हैं कि हम कहते हैं कि किसान आतंकवादी हैं। यह कैसे सदन में चल सकता है। आप एक तरफा नियमों के ऊपर जाकर उन्हें रियायत दे रहे हैं... (व्यवधान) आप हमें संरक्षित कीजिए। ऐसे नहीं चलता है... (व्यवधान)

(1520/RV/RP)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : 700 किसान शहीद हुए। हमने इस हाउस में कहा कि किसानों के लिए मौन होना चाहिए। आपने मौन नहीं होने दिया। आपने कहा कि ये किसान नहीं हैं। आपके मुताबिक वे किसान नहीं थे, वे आतंकवादी थे... (व्यवधान)

देखिए, आपकी एलाई सिर हिला रही हैं। वे भी सहमत हैं। कौर जी सहमत हैं, देखिए। हमारी जरूरत नहीं है। वे सहमत हैं... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, मेरा यह आग्रह है कि आप अपना भाषण समाप्त कीजिए, नहीं तो आपकी पार्टी के लिए जो समय है, वह नहीं बचेगा।

... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : स्पीकर सर, किसानों ने क्या मांगा? किसानों ने सिर्फ यह कहा कि अगर अरबपतियों के 16 लाख करोड़ रुपये के कर्ज माफ हो सकते हैं, तो हमारा भी थोड़ा-सा कर दीजिए... (व्यवधान) किसान ने यह कहा कि अगर हर प्रोडक्ट के लिए सही प्राइस मिलती है तो हमें भी एमएसपी दे दीजिए। आप लोगों ने कहा कि किसान का कर्ज माफ नहीं होगा और एमएसपी नहीं मिलेगी... (व्यवधान)

कृषि और किसान कल्याण मंत्री; तथा ग्रामीण विकास मंत्री (श्री शिवराज सिंह चौहान) : माननीय अध्यक्ष महोदय, ये गलतबयानी कर रहे हैं... (व्यवधान) एमएसपी सरकार दे रही है और यह मोदी जी की सरकार है... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, उत्पादन की लागत पर कम से कम 50 प्रतिशत जोड़कर एमएसपी दी जा रही है... (व्यवधान) अगर यह नहीं दी जा रही है तो ये सत्यापित करें... (व्यवधान) ये गलतबयानी कर रहे हैं... (व्यवधान) ये सदन को गुमराह कर रहे हैं... (व्यवधान) आज भी एमएसपी पर खरीद जारी है... (व्यवधान) अभी-अभी 14 खरीफ फसलों के एमएसपी के रेट्स हमने तय किए... (व्यवधान) ये बताएं जब इनकी सरकार थी, तब एमएसपी कितनी मिलती थी? ... (व्यवधान) उस समय कितनी खरीद होती थी? ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, आज भी एमएसपी पर खरीद जारी है... (व्यवधान) ये गलतबयानी कर रहे हैं... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदय, ये यह सत्यापित करें कि एमएसपी पर खरीद नहीं हो रही है... (व्यवधान) यह गलतबयानी की जा रही है... (व्यवधान)

SHRI RAHUL GANDHI (RAEBARELI): I am talking about legal guarantee. ... (Interruptions)

Speaker, Sir, it is about MSP with legal guarantees.... (Interruptions) The issue is of MSP with legal guarantee not just MSP. MSP is being given but kisans want MSP with legal guarantee which you are not ready to give them. ... (Interruptions)

किसानों के मन में आपने डर डाला, भय डाला। महिलाओं में महंगाई, गैस सिलिंडर; सेना में अग्निवीर, हर व्यक्ति के लिए आप लोगों ने भय का कोई न कोई पैकेज दिया, गिफ्ट दिया, तोहफा दिया... (व्यवधान)

अब हम स्टूडेंट्स की बात करते हैं। आप जो दो हजार साल पहले की बात करते हैं तो थोड़ी-सी भविष्य की भी बात कर देते हैं, इंडिया के फ्यूचर की बात कर देते हैं।

रोजगार तो आपने खत्म कर दिए। नोटबंदी, जीएसटी लागू किया। जो स्मॉल एण्ड मिडियम बिजनेसेज थे, उनको आपने खत्म कर दिया।

युवाओं को आर्मी में ऑपोर्च्युनिटी मिलती थी। उनके लिए आपने 'अग्निवीर' दे दिया। वह खत्म कर दिया, रास्ता ब्लॉक कर दिया। पब्लिक सेक्टर को आप प्राइवेटाइज करते हैं। वह रास्ता बंद कर दिया और अब एक नया फैशन निकला है – 'नीटा' प्रोफेशनल एग्जाम्स को आपने कॉमर्शियल एग्जाम्स में बदल दिया... (व्यवधान)

(1525/NKL/GG)

NEET is not a professional exam; NEET is a commercial exam. ... (Interruptions) नीट में एक स्टूडेंट टॉपर हो सकता है, एक्सलेंट स्टूडेंट हो सकता है, लेकिन अगर उसके पास पैसा नहीं है तो वह मैडिकल कॉलेज में नहीं जा सकता है। सिंपल सी बात है। ... (व्यवधान) नीट का पासिंग मार्क 20-22 पसेंट है। वह पूरा का पूरा एग्जाम अमीर बच्चों के लिए बनाया गया है। ... (व्यवधान) ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) ये जो कमर्शियल एग्जाम्स आपने बना रखे हैं, सात सालों में 70 बार पेपर्स लीक हुए हैं। ... (व्यवधान) प्रेसिडेंट्स एड्रेस में न नीट की बात होगी, न अग्निवीर की बात होगी। ... (व्यवधान) ये बातें नहीं होंगी। ... (व्यवधान)

स्पीकर सर, हमने कहा कि एक दिन का डिस्कशन अलाऊ कर दीजिए। हम आपके साथ खड़े हो कर इसको रिजॉल्व करना चाहते हैं। यह इंस्टिट्यूशनल फेल्योर है। हम मदद करना चाहते हैं, इसको रिजॉल्व करना चाहते हैं। लेकिन सरकार कहती है कि नहीं, इस पर डिस्कशन नहीं होगा। भविष्य का डिस्कशन हो ही नहीं सकता है। यह तो हालत है। जहां भी ये देखते हैं, ये सोचते हैं कि भय कैसे पैदा करें। ये माइनोरिटीज को डराते हैं। ... (व्यवधान) कांग्रेस आपसे नहीं डरती है। आप कांग्रेस से डरते हैं। ... (व्यवधान) ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) और माइनोरिटीज ने क्या किया? वे हर स्फेयर में हिंदुस्तान को रिप्रेजेंट करते हैं, नाम रोशन करते हैं। वे पत्थर की तरह हिंदुस्तान के साथ, एक साथ खड़े हैं और देशभक्त हैं। आपने सारे के सारे माइनोरिटीज

पर आक्रमण किया, उनके खिलाफ हिंसा और नफरत फैलाई ... (व्यवधान) शिव जी कहते हैं ... (व्यवधान) सर, वह देखिए आपने कैमरे से मेरा चेहरा हटा दिया ... (व्यवधान) सर, देखिए वापस आ गया ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, एक मिनट।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, आप नेता प्रतिपक्ष हैं और मैं आपसे यह अपेक्षा करता हूँ कि सदन की गरिमा बनी रहे, मर्यादा बनी रहे और नियमों का पालन हो। आप खुद शिव जी को भगवान मानते हैं और उनको बार-बार इस तरीके से यहां पर चित्रित करना उचित नज़र नहीं आता है, ऐसा मुझे लगता है।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : एक मिनट। आप रूल्स की किताब पढ़ोगे?

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : रूल्स में है कि आप सदन में किसी भी चित्र को नहीं दिखा सकते हैं, आप किसी का नाम नहीं ले सकते हैं।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप नियम-प्रक्रियाओं से नहीं बोल रहे हैं।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सदन की मर्यादा नियम-प्रक्रियाओं से चलती है, जो आपने बनाए हैं, हम सबने बनाये हैं।

... (व्यवधान)

(1530/MY/VR)

SHRI RAHUL GANDHI (RAEBARELI): Speaker, Sir, this is not right.

....(Interruptions)

श्री भूपेन्द्र यादव: माननीय स्पीकर महोदय, मैं आपका ध्यान रूल 356 की तरफ आकृष्ट करना चाहता हूँ। अगर कोई सदस्य स्पीकर साहब के ध्यान में लाने के बाद इर्रैलिवेंट और लगातार किसी विषय को बार-बार दोहराता है तो आपके पास यह अधिकार है कि आप उस सदस्य को निर्देशित करके रोक सकते हैं। आप अपने अधिकार का प्रयोग कीजिए... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : सच्चाई को रोका नहीं जा सकता है।

माननीय अध्यक्ष: हैबी ईडन, आप रूल्स के बारे में बोलिए।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अच्छा, इनको रूल्स पर चलने दीजिए।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: क्या यह रूल 349 में नहीं है? चलिए, आप बताइए।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आप सुनाइए।

... (व्यवधान)

SHRI HIBI EDEN (ERNAKULAM): Sir, I want to draw your attention towards Rule 349 (ii) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha. It says:-

“Whilst the House is sitting, a member shall not interrupt any member while speaking by disorderly expression or noises or in any other disorderly manner;”....(Interruptions)

माननीय अध्यक्ष: पहले आप रूल नंबर बोलिए।

... (व्यवधान)

SHRI HIBI EDEN (ERNAKULAM): This is under Rule 349 (ii).(Interruptions)

Sir, the hon. Minister is continuously disturbing the House and intervening.(Interruptions)

Sir, Rule 349 (viii) says:-

“Whilst the House is sitting, a member shall maintain silence when not speaking in the House.”

Sir, Rules 349 (ii) and 349 (viii) are very clear.(Interruptions)

माननीय अध्यक्ष: आपने 349 के बारे में बताया। इस पर आ जाते हैं। सभा में झंडे, प्रतीक या कोई भी प्रदर्शित वस्तु प्रदर्शित नहीं करेंगे।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय प्रतिपक्ष के नेता, अब आपके सदस्य रूल की पालना कर लें, अच्छा है।

... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली) : नीट सहित सब जगह आपने भय फैलाया... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: इनके सदस्य ने जो नियम बताया, उसकी पालना करने के लिए मैं कह रहा हूँ।

... (व्यवधान)

SHRI KALYAN BANERJEE (SRERAMPUR): Sir, when an hon. Member is speaking in the House, under which Rule the hon. Minister can interfere?(Interruptions) Is it a Question Hour?(Interruptions)

माननीय अध्यक्ष: आप महान अधिवक्ता हैं। आप बैठिए।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आसन पर बैठे सभापति या अध्यक्ष माननीय सदस्य को अलाऊ कर सकते हैं। यह क्या नियम में नहीं है?

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: नो, वह कर सकता है। आप रूल्स पर मत चलिए।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: क्या यह नियम में नहीं लिखा है कि एलओपी बोले तो आप बीच में नहीं बोल सकते हैं?

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: अध्यक्ष जी आसन की व्यवस्था दे सकते हैं।

... (व्यवधान)

PROF. SOUGATA RAY (DUM DUM): Sir, you have allowed three Ministers to interfere.(Interruptions) I want to make a very short reference to Rule 362, which says:-

“A member while speaking shall not make personal reference by way of making an allegation imputing a motive to or questioning the bona fides of any other member of the House...”

Sir, has Rahul Gandhi made reference to any other Member?(Interruptions) Or has he used utter treasonable, seditious or defamatory words?(Interruptions) Is mentioning the name of Shiva defamatory?(Interruptions)

सर, आप सुनिए। ये लोग नहीं समझते हैं, may be because of their inadequate knowledge of English.(Interruptions) He did not make any personal reference.(Interruptions)

(1535/SAN/CP)

Raj Nath Singh ji made a point on ‘Agniveer’. There is a method to correct any wrong statement made in the House. Please read Direction 115(1) of *Directions by the Speaker*. It says:

“A member wishing to point out any mistake or inaccuracy in a statement made by a Minister or any other member shall, before referring to the matter in the House, write to the Speaker pointing out the particulars of the mistake or inaccuracy and seek the permission of the speaker to raise the matter in the House.”

Has Mr. Raj Nath Singh written to you? ... (Interruptions) No, he has not written. ... (Interruptions)

SHRI RAJ NATH SINGH: I sought the permission. ... (Interruptions)

प्रो. सौगत राय (दम दम) : सर, श्री शिवराज सिंह चौहान इतने दिनों बाद लोक सभा में आए, खड़े होकर बोलने लगे। ... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, अभी आप सुनिए।

... (व्यवधान)

प्रो. सौगत राय (दम दम) : यह मजाक की जगह है क्या?... (व्यवधान) He has not given a notice. He cannot point out a mistake. On MSP, he made a statement. What right does he have, without referring, ... (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : आपने नियम 352 का हवाला दिया। नियम 352 के अन्दर स्पष्ट रूप से लिखा है, कोई भी ऐसे तथ्य कभी भी नहीं बोले जाएंगे, जो इस सदन के सदस्य नहीं हैं। मैं अपेक्षा करूंगा कि प्रतिपक्ष के नेता इन नियम प्रक्रियाओं की पालना करेंगे।

दूसरा विषय, जो माननीय सदस्य ने कहा है, 102 के अंदर ही सदन में सभापति या अध्यक्ष किसी भी माननीय सदस्य को बोलने की इजाजत दे सकता है। यह नियम-प्रक्रिया के तहत है।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं अपनी परमीशन से किसी को भी एलाऊ कर सकता हूं। मेरी बिना परमीशन के कोई नहीं बोला है।

... (*Interruptions*)

SHRI RAHUL GANDHI (RAEBARELI): Mr. Speaker, Sir, on NEET, the students spend years and years preparing for their exam. Their family supports them financially and emotionally, and the truth about the NEET is that today students do not believe in the exam because they are convinced that the exam is designed for rich people and not for meritorious people.

I have met a number of NEET students. Every single one of them tells me that the exam is designed to create a quota for rich people and to create a passage for them into the system, and is designed not to help the poor students. Now, ऐसा भी बहुत बार होता है, महीनों पढ़ाई करते हैं, यह पता नहीं कि एग्जाम लीक होगा या नहीं होगा, अगर पास भी हो गए, तो पैसा कहां से आएगा? उधर भी इन लोगों ने भय डालने का काम किया, तो जहां भी देखते हैं, ये भय डालते हैं। सेना में, युवाओं में, किसानों में, मजदूरों में, महिलाओं में और डिसेबल्ड में भी। मैं यह भी कह सकता हूं कि सिर्फ बाकी हिंदुस्तान में ही नहीं, मगर उनकी पार्टी में भी भय है। आपकी पार्टी में डर है, भय है। यह सच्चाई है। अब आप चिल्ला नहीं रहे हैं। अब आप शांत हैं, बिल्कुल शांत हैं।... (व्यवधान) सच्चाई बोल दी, चिल्ला नहीं रहे, चुपा... (व्यवधान) प्रॉब्लम क्या है, आप चिल्ला भी नहीं सकते हैं। ... (व्यवधान) मैं बोल रहा हूं, समझा रहा हूं। ... (व्यवधान) लोकतंत्र में पार्टी में डेमोक्रेसी होनी चाहिए। इन पार्टियों में कोई भी आकर कुछ भी कह देता है। ग्रुप ऑफ 22, 23, 24, 25 सब, जो बोलना होता है, बोल देते हैं, मगर आपकी पार्टी में भय है। सत्यमेव जयते, न डरो, न डराओ।

(1540/SNT/NK)

Sir, when I became LoP I realised something that I had not realised before and it is also on the lines of the principles of Shiva. The idea was that after becoming LoP, all my personal dreams, my personal aspirations, and my personal fears have to be put aside. I am actually two people. I am not one person. I am a Constitutional person and my job is to be the Leader of the Opposition, to represent all these parties equally. In fact, I do not just represent

the Congress Party. I represent every single party here. I have to treat every single party with love and affection. So, when Hemant Soren ji is in jail or Kejriwal ji is in jail, it should disturb me; it should hurt me. When you unleash your agencies on these political people, it is our job to defend them because there is a Constitutional person and an individual. What Shiv ji is saying is that when you are a Constitutional person, the individual should die. The individual's aspirations, the individual's dreams should die and you should become the voice of the people, meaning that you should have no fantasies, no dreams, nothing. The perfect public representative is one who is actually dead. That is what Shiv ji is saying.

Speaker Sir, there are two structures now. One is me as an individual and one is me as the Leader of the Opposition. I, as an individual, might have my likes and dislikes. I might have my views but I, as the Leader of the Opposition, have to suppress them, have to reduce them and say, now I am the voice of the Opposition. That is the idea of the democratic system. The people have given me a responsibility and that responsibility should overcome my personal likes, dislikes, and aspirations.

Now, Speaker Sir, why I am saying this is because – forgive me for saying this – when you were being put in that Chair, I walked with you to the Chair. I shook hands with the Prime Minister and I shook hands with you. Then I walked to your Chair. You are the final arbiter of the Lok Sabha. You are the final word here. What you say fundamentally defines Indian democracy. Sometimes, you do not allow us to speak. Sometimes, you allow us to speak. Sometimes, you allow them to speak. Sometimes, you do not allow us to speak. All these things define Indian democracy.

Speaker Sir, there are actually two people sitting in that Chair. There is the Speaker of the Lok Sabha, the Speaker of the Indian Union, and there is Mr. Om Birla. When Modiji went and shook your hand and I went to shake your hand, I noticed something. When I shook your hand, you stood straight and shook my hand. When Modiji shook your hand, you bowed down and shook his hand. ... (*Interruptions*)

श्री अमित शाह : अध्यक्ष महोदय, यह आसन के सामने आरोप है। यह चेयर के सामने आरोप कर रहे हैं। ... (व्यवधान)

(1545/SK/AK)

माननीय अध्यक्ष: माननीय प्रतिपक्ष के नेता, माननीय प्रधान मंत्री सदन के नेता हैं। मुझे मेरी संस्कृति और संस्कार व्यक्तिगत जीवन, सार्वजनिक जीवन में और इस आसन के लिए कहते हैं कि जो हमसे बड़े हैं उनको झुककर नमस्कार करो। मुझे यही सिखाया है। बराबर वालों से बराबर का व्यवहार करो, मुझे यही सिखाया है।

... (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: हां, मैं इस बात को आसन से कह रहा हूँ कि मेरी संस्कृति और संस्कार यही हैं कि बड़ों का झुककर और आवश्यक हो तो पैर छूकर सम्मान करो, जो बराबर और उम्र से छोटे हैं, उनसे बराबर का व्यवहार करो। यही हमारी संस्कृति और संस्कार हैं। मैं इस संस्कृति और संस्कार का पालन करता हूँ।

... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली): स्पीकर सर, मैं आपकी बात को एक्सेप्ट करता हूँ... (व्यवधान) मैं आपकी बात की रिस्पेक्ट करता हूँ, मगर मैं आपको कहना चाहता हूँ कि इस हाउस में कोई स्पीकर से बड़ा नहीं होता है। ... (व्यवधान) स्पीकर सबसे बड़ा है। हम सबको स्पीकर के सामने झुकना चाहिए। ... (व्यवधान) मैं आपके सामने झुकूंगा और सारा का सारा अपोजिशन आपके सामने झुकेगा। ... (व्यवधान) यह लोकतंत्र है। आप इस हाउस के लीडर हैं। ... (व्यवधान) आपको किसी के सामने नहीं झुकना चाहिए।... (व्यवधान) आप कस्टोडियन हैं। ... (व्यवधान)

एक माननीय सदस्य: सदन के नेता प्रधान मंत्री हैं। ... (व्यवधान)

श्री राहुल गांधी (रायबरेली): अंत में Speaker is the 'अध्यक्ष' and he is the last word. ... (Interruptions)

Speaker is the last word in the Lok Sabha and in that spirit, as Members of the Lok Sabha, we are subservient to the Speaker. ... (Interruptions) I believe that. ... (Interruptions) Now, there might be people in this room, who think they are not, but I am. ... (Interruptions) I think that the entire Opposition believes that they are subservient to you, Sir. ... (Interruptions) We will listen to what you say and we will bow in front of you. ... (Interruptions) But the only thing that I would request you, Speaker Sir, is that it is important that there is fairness in this House. Now, I gave a speech and it was interrupted throughout. ... (Interruptions) Now, all this time is going to be taken away from my colleagues and I think that is unfair. ... (Interruptions)

Finally, I would like to say that the principles that allowed us to fight are in our traditions -- truth, courage and non-violence; and they are all in our religions. And, what you have come to represent today is untruth, a complete lack of courage and violence. My recommendation to you, if you take it, is that

this country has a Government and you are the Government. And you are -- whether we like it or not -- the Government of India. ... (*Interruptions*)

THE MINISTER OF COMMERCE AND INDUSTRY (SHRI PIYUSH GOYAL): It is elected by the people. ... (*Interruptions*)

SHRI RAHUL GANDHI (RAEBARELI): Yes, it is elected by the people, and I agree to that. But I would say to you that as individual Members and as the Cabinet, you do not spread fear or hatred in this country; that you listen to the farmers of this country; and that you listen to the students of this country. When the Opposition says that let us have a debate for one day, have it as it is not going to harm anybody. ... (*Interruptions*) They are going to love you for it. ... (*Interruptions*) The students of India are going to say that we love the Government because they allowed us to speak for one day. So, do not spread hatred; do not spread violence; and do not be fearful. This applies even to the BJP Members here or even to the Cabinet Members. Do not be fearful. You have a Constitutional position.

(1550/UB/KDS)

You are individuals and you also have a constitutional provision. Shri Rajnath Singh is an individual and he is the Defence Minister of India. That is the way this country has to be run. We are the Opposition. Do not take us as your enemies. We are not your enemies. We are sincerely here to make your work easier as long as you follow the basic principles that are there. These principles are Shiv ji's principles. You can say '*Har Har Mahadev*'. What I have explained here today is the concept of Indian leadership in all religions – respect, affection, *ahimsa* and always standing up for the truth. I am more than happy and all of us are also more than happy to discuss anything you want without being nasty and aggressive. We are ready to discuss anything you want. Please let us work together to take this country forward. You are the Government. We have to accept that. You have got 240 seats. I congratulate you on that. At least, accept it. You are not happy. Okay! I would say that we both want to work for this country, work with the spirit of bravery, work without violence, and work without hatred.

(ends)

गृह मंत्री; तथा सहकारिता मंत्री (श्री अमित शाह) : मान्यवर, मैं लोक सभा अध्यक्ष के निर्देश की पुस्तिका के 10वें संस्करण का 115वां बिंदु आपके सामने उल्लिखित करना चाहता हूँ। इसके 'क' से 'घ' तक पढ़ें, तो यह बहुत स्पष्ट है कि कोई भी मंत्री या सदस्य भाषण देते वक्त तथ्यात्मक चीजें रखता है और सदन का कोई और सदस्य इसको ऑब्जेक्ट या चैलेंज करता है, तो आसन इसको सत्यापित करने का निर्देश दे सकता है।

मान्यवर, विपक्ष के नेता ने भाषण में कई चीजें ऐसी रखीं, जो तथ्यात्मक नहीं हैं और सत्य नहीं हैं। समय-समय पर यहां से ट्रेजरी बेंच में सत्यापन की मांग की गई है। ... (व्यवधान) हम सभी की ओर से मेरा आपसे निवेदन है कि इनकी स्पीच और ट्रेजरी बेंच से लिए गए सारे ऑब्जेक्शन को ध्यान में रखकर नेता प्रतिपक्ष को अपने भाषण में बिना तथ्य की और बिना सत्य की जो बातें रखी गई हैं, उनका सत्यापन करने के लिए आपका निर्देश मिले और हमें संरक्षण मिले।

माननीय अध्यक्ष : इसका सत्यापन करेंगे।

TEXT OF AMENDMENTS

SHRI N. K. PREMACHANDRAN (KOLLAM): I beg to move:

1. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about the loss of credibility of the National Testing Agency and steps taken for investigating the matter and establishing an effective system for conducting tests including National Eligibility cum Entrance Test (NEET)."
2. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about the increasing rate of unemployment and bringing forward a legislation for right to employment."
3. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about the crisis in cashew sector and framing a comprehensive scheme for revival of cashew industry and welfare of cashew workers."
4. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about the rise in prices of essential commodities and petroleum products and providing special subsidy for essential commodities and reduction of taxes on these commodities."
5. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about the difficulties faced by Employees Provident Fund (EPF) pensioners and also increase the minimum monthly pension to Rs.5000/- per month with option for higher pension."
6. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about issues concerning farmers and to provide special scheme to improve the agricultural sector including providing subsidy for seeds, fertilizers and enacting legislation for minimum price."
7. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about the problems faced by Employees State Insurance Corporation

(ESIC) beneficiaries and need for increasing the ceiling limit for availing ESI benefit to Rs. 50000/- and special ESI scheme for cashew workers."

8. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about a special health package for women and children to ensure their proper treatment."
9. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about the delay in filling up the existing vacancies and conducting special drive for recruitment in all the pending vacancies in Central Government and public sector."
10. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about providing special package for eradication of poverty in a time bound manner."

PROF. SOUGATA RAY (DUM DUM): I beg to move:

11. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention about the leakage of National Eligibility Cum Entrance Test (NEET) question paper and alleged irregularities in conducting various examinations by National Testing Agency (NTA)".
12. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention about the alledged continuing violence in Manipur and failure of the Government to control the violence in the hill state".
13. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention about any concrete steps to control price rise, especially of essential items in the country".
14. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention about establishing a permanent
mechanism for control of price of petroleum products and a special scheme for reduction of petroleum prices".

15. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
“but regret that there is no mention about welfare schemes for farmers and to prevent them from committing suicides”.
16. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
“but regret that there is no mention about the need for generation of employment for youths”.
17. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
“but regret that there is no mention about the need to release Central funds due to the State of West Bengal”.
18. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
“but regret that there is no mention about the steps to control the alleged misuse of central agencies like Enforcement Directorate (ED) and Central Bureau of Investigation (CBI)”.
19. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
“but regret that there is no mention about the steps to counter the alleged intrusion of Chinese Army in Indian territory”.
20. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
“but regret that there is no mention in the address about the need to provide special package for the debt-ridden State of West Bengal”.

श्री लालजी वर्मा (अम्बेडकर नगर) : मैं प्रस्ताव करता हूँ:-

37. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में केन्द्र सरकार में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षित लंबित पदों को भरे जाने की आवश्यकता के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"
38. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में जाति जनगणना किए जाने के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"
39. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में सभी कृषि उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य घोषित किए जाने की आवश्यकता के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"

SHRI CHANDRA SHEKHAR (NAGINA): I beg to move:

49. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
“but regret that there is no mention in the Address about the need

to fill up vacant posts meant for SCs, STs and OBCs in Public and Private Sector undertakings, Railways, Universities, Colleges and Educational institutions (both in teaching and non-teaching cadre) and formulation of new scheme to reduce unemployment among these Communities."

50. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about the need to provide reservation for the persons belonging to the SCs, STs, and OBCs in private sector."
51. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about the need to increase the wages and taking welfare measures for ASHA workers, Anganwadi workers and Bhojan Mata."
52. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about setting up of Kendriya Vidyalayas, Navodaya Vidyalayas, Sainik Schools, Military Schools in Nagina, Uttar Pradesh."
53. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about setting up of a new All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) in Nagina, Uttar Pradesh and upgrading the existing primary health centre in rural areas."
54. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about steps to be taken up for safety, security, rehabilitation and payment of compensation to the victims of atrocities particularly against SCs and STs."
55. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about setting up of Central Universities, Women Colleges, Engineering Colleges, Agricultural Colleges and Medical Colleges and other professional colleges and educational institutions including ITIs in Nagina, Uttar Pradesh."

56. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about setting up sports complexes and sports colleges in Nagina, Uttar Pradesh."
57. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about development of Ganga river bank in Ramganga, Bijnor for development of Nagina and Bijnor and adjoining areas."
58. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about construction of new Houses for the persons who have been left out from PM Awas Yojna particularly SCs, STs, EWS, homeless persons residing on pavements in villages, sub-urban areas and also providing them toilets with water facilities."

श्री राजेश रंजन (पूर्णिया) : मैं प्रस्ताव करता हूँ:-

79. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में बिहार जैसे पिछड़े राज्य को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"
80. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में बिहार जैसे पिछड़े राज्य को विशेष आर्थिक पैकेज देने के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"
81. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में बिहार के सहरसा और पूर्णिया जिलों में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की स्थापना के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"
82. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में बिहार के पूर्णिया से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 52, 60, 65, 77 और 90 के निर्माण और रखरखाव कार्य में तेजी लाने के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"
83. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में बिहार के पूर्णिया जिले में विमानपत्तन के निर्माण के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"
84. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में बिहार के पूर्णिया रेलवे स्टेशन पर रेलवे द्वारा वाशिंग पिट का निर्माण करने और पूर्णिया से हैदराबाद, यशवंतपुर, मुंबई, कोलकाता, रांची,

टाटानगर, पुरी और भुवनेश्वर के लिए मुंगेर गंगा ब्रिज से होते हुए नई मेल/एक्सप्रेस/वंदे भारत/पैसेंजर ट्रेनें शुरू करने के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"

85. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में बिहार के पूर्णिया को स्मार्ट सिटी बनाने के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"
86. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में बिहार के पूर्णिया में मेट्रो ट्रेन शुरू करने के लिए पटरियां बिछाने के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"
87. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में कोशी और सीमांचल के समग्र विकास के लिए विशेष आर्थिक पैकेज देने के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"
88. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में बिहार के पूर्णिया रेलवे जंक्शन के पास गुलाबबाग स्थित एशिया की सबसे बड़ी मंडी के नवीनीकरण के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"

श्री नरेश चंद्र उत्तम पटेल (फतेहपुर) : मैं प्रस्ताव करता हूँ:-

98. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी प्रदान करने के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"
99. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में अन्य पिछड़ा वर्गों और अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण की बैकलॉग रक्तियों को भरने के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"
100. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में प्रशिक्षित बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार या बेरोजगारी भत्ता दिए जाने के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"
101. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में हाल ही में पारित संविधान (106वां संशोधन) अधिनियम, 2023 के कार्यान्वयन की तिथि के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"

SHRI BENNY BEHANAN (CHALAKUDY): I beg to move:

110. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about providing a special package for minimum support price of agricultural products."

111. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about Sabarimala Railway Project."
112. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about establishing an All India Institute of Medical Sciences (AIIMS) in Kerala."
113. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about increasing prices of essential commodities."
114. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about the serious problems associated with National Eligibility and Entrance Test (NEET)."
115. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about the existential crisis faced by the farmers in our country."
116. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about unemployment in India."

श्री सुखदेव भगत (लोहरदगा) : मैं प्रस्ताव करता हूँ:-

117. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में देश के अन्य सभी समुदायों की तरह आदिवासियों की धार्मिक पहचान स्थापित करने के लिए "सरना धार्मिक संहिता" को मान्यता देने के लिए की गई पहल के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"
118. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में देश में सभी जाति समुहों के समग्र विकास के लिए जातिगत जनगणना कराए जाने के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"

SHRI GAURAV GOGOI (JORHAT): I beg to move:

121. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about the plight of people in Manipur due to 14-month-long alleged ethnic violence and the effective steps taken for conflict resolution."
122. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the irregularities in the NEET-UG examination and cancellation of UGC-NET examination which have eroded trust in India's public examinations and need to overhaul the system and act strongly against perpetrators of paper leak to restore faith in the process."

123. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about the Agnipath scheme and its implications on India's youth and India's defence preparedness."
124. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about the need to conduct a nationwide caste census to provide comprehensive comparative data for making policy decisions aimed at achieving social justice and equality for all."
125. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about the climate change and consequential prolonged heatwave conditions sweeping large parts of the country that has disrupted lives with recorded deaths and large number of people suffering from suspected heatstroke."
126. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about the devastating fire at the Rajkot gaming arcade that claimed the lives of a large number of people."
127. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about the need to reduce dependence on imports especially from China to ensure that national interests and safety are prioritised above all."
128. That at the end of the motion, the following be added, namely:-
"but regret that there is no mention in the Address about the need for safe rescue and return of Indian nationals from war-torn places like Ukraine."
129. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the reports of the recent collapse of the under-construction bridge in East Champaran and Araria districts in Bihar and initiatives taken for robust planning and monitoring of the process to avoid such catastrophic and preventable disasters."

SHRI K.C. VENUGOPAL (ALAPPUZHA): I beg to move:

150. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the recent specific instances of paper leaks in major examinations, which have jeopardized the future aspirations of a number of students who have dedicated significant time and effort to prepare for those examinations."

151. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the steps taken to punish the persons involved in the paper leak cases and the details of investigation conducted to prevent such incidents in the future."

152. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the repeated train accidents including the Odisha train accident that have endangered the lives of a large number of passengers who rely on our railways for safe and reliable transportation."

153. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the need to increase the number and frequency of passenger trains keeping in view the overcrowding in such trains and the need to ensure adequate capacity and passenger safety on train services."

154. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the rough sea conditions and receding sea-level in the coastal areas of Kerala, particularly Alappuzha, impacting poor fishermen and marginalized communities necessitating immediate coastal infrastructure reinforcement and community support measures."

155. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the recent instances of Bird flu that have spread to approximately 24 locations in

Alappuzha district in Kerala and neighbouring districts as confirmed by the National Institute of High Security Animal Diseases, Bhopal, after analyzing samples which tested positive for avian influenza (H5N1).

156. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the concerns of coastal residents regarding Coastal Regulation Zone notifications, advocating for the exclusion of residential areas inhabited by marginalized communities which is crucial to address issues related to traditional fishing practices and the construction of houses."

157. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the high rate of Food inflation in India year-on-year which is showing no signs of abatement despite early onset of monsoon and forecast of above normal rainfall.

158. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the severe heat wave across the country since May resulting in a number of fatalities.

159. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about recent terror attacks in Kashmir necessitating heightened vigilance and immediate measures to safeguard civilian lives and restore peace in the region."

SHRI MANISH TEWARI (CHANDIGARH): I beg to move:

160. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the situation on the Line of Actual Control where China has caused severe transgressions leading to alleged unlawful occupation of Indian territory which needs to be vacated at the earliest. "

161. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about recent terror attacks in Jammu that have been sponsored from across the border which deserve the severest condemnation."

162. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the three new Criminal Acts which have been implemented in haste and the need to stop the implementation of the three new Criminal Acts forthwith."

SHRI SHAFI PARAMBIL (VADAKARA): I beg to move:

165. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the alarming level of unemployment in the country which was highlighted by the recent report of the International Labour Organisation."

166. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the existential crisis faced by the farmers as farming has become unsustainable due to lack of policy support from the Government and market pressure."

167. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the serious problems associated with NEET examination and alleged nexus between coaching mafia and vested interests associated with the conduct of examination."

168. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the alleged conflict ridden situation in Manipur and the lack of peace and brotherhood among various communities in the State."

169. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the livelihood problems of millions of workers in the country as majority of them still lack minimum wages, social security coverage and access to healthcare and education."

170. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about lack of employment opportunities for educated youth as the recruitment in Government institutions as well as public sector units have declined significantly."

171. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the alleged deconstruction and rewriting of history through syllabus modifications

and reform in education that has allegedly eroded the credibility, legitimacy and secular credentials of our educational system."

172. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the alleged arbitrary implementation of the Citizenship Amendment Act.

SHRI VARUN CHAUDHRY(AMBALA): I beg to move:

173. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the filling up of vacant posts in Government Sector, Public Undertakings, Railways and Universities, Colleges and educational institutions (both in teaching and non-teaching cadre) including seats meant for SCs, STs and OBCs and formulation of new schemes to reduce unemployment."

174. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about providing reservation for the persons belonging to the SCs and OBCs in private sector."

175. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about fulfilling the promise of doubling farmers income by the Government."

176. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about scrapping of Agnipath Scheme."

177. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about to raise the fund limit from 5 crore rupees to 15 crore rupees under Members of Parliament Local Area Development Scheme (MPLADS)."

SHRI ABHAY KUMAR SINHA (AURANGABAD): I beg to move:

178. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about constituting National Youth Commission for the guidance of youth of the nation".

179. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about according special status to the State of Bihar".

180. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about making special provisions for stopping the depleting groundwater and conserving it."

श्री आनंद भदौरिया (धौरहरा) : मैं प्रस्ताव करता हूँ:-

187. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में किसानों को सभी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"
188. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में अग्निवीर योजना को बंद करने के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"
189. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में सरकारी अधिकारियों के लिए पुरानी पेंशन प्रणाली को बहाल करने के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"
190. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में धौरहरा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत शेरों और तेंदुओं के कारण होने वाले जानमाल के नुकसान को रोकने के लिए तत्काल उपाय किए जाने के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"
191. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में नेपाल से बहने वाली और धौरहरा और हरगांव विधानसभा क्षेत्रों से गुजरने वाली शारदा और घाघरा नदियों में बाढ़ के कारण हुए कटाव से तबाही को रोकने के लिए किए जाने वाले उपायों के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"
192. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में मेरे संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत मोहम्मदी विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की स्थापना के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"
193. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में धौरहरा संसदीय क्षेत्र के हरगांव विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक विश्वविद्यालय की स्थापना के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"
194. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-
"किंतु खेद है कि अभिभाषण में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे और बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे को जोड़ने वाले सीतापुर-लखीमपुर के बरास्ते कुदरैल गांव (इटावा) से नेपाल के पलिया सीमा क्षेत्र तक एक नए एक्सप्रेसवे का निर्माण के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"
195. कि प्रस्ताव के अंत में निम्नलिखित जोड़ा जाए, अर्थात:-

"किंतु खेद है कि अभिभाषण में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक के मामलों की जांच के बाद की जाने वाली कार्रवाई के बारे में कोई उल्लेख नहीं है।"

SHRI HIBI EDEN (ERNAKULAM) : I beg to move:

231. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about any Government policy to reduce the increasing income and wealth disparity in the nation."

232. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about any legislation for giving guaranteed minimum support price for agricultural produce."

233. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the need to start a special program to reduce the rising Non-Performing Assets (NPAs) of banks and financial institutions and strengthening of banking sector."

SHRI KODIKUNNIL SURESH (MAVELIKKARA): I beg to move:

244. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the widespread irregularities associated with National Eligibility cum Entrance Test (NEET) and the students being forced to endure hardships after years of preparation."

245. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the need to take steps to prevent attacks on Dalits, Christians, Muslims and other minority groups."

246. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the need to increase wages of agricultural labourers and income of farmers."

247. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about granting reservation in private sector to the underprivileged."

248. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the need to prevent widespread recurring attacks against Christian churches and

places of worship and believers in various parts of the country including Manipur, Madhya Pradesh, Uttar Pradesh, Haryana, Karnataka and Assam."

249. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the demands by states to increase the share in GST and also extend period of allocation of GST compensation cess from current deadline so that losses in revenue due to implementation of GST and loss of income due to economic stagnation from pandemic and policies of government may be addressed."

250. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the need to develop the railway stations located in Mavelikkara Lok Sabha Constituency including Chengannoor, Changanasseri, Mavelikkara, Munroturuttu, Ezhukone, Kuri, Thakazhi, Edathua, Cheriyanad, Sasthamkotta, and Avaneeshwaram."

251. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the need for building rail over bridges and foot over bridges and mini over bridges in various locations in Kerala including Karyara-Mannamkuzhi wherein traffic congestion and mishaps occur frequently."

252. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the need to start a Vande Bharat train service from Kollam to other major metro cities to enhance connectivity."

253. That at the end of the motion, the following be added, namely:-

"but regret that there is no mention in the Address about the need to take mitigation measures, support schemes, for addressing the problem of agricultural loss and crop damage due to water logging and recurring floods in upper and lower Kuttanad region in Kerala and also for lack of distribution of compensation to paddy growers and other farmers to recover losses from recurring floods and water logging."

1553 hours

SUSHRI MAHUA MOITRA (KRISHNANAGAR): Hon. Speaker, Sir, and my esteemed colleagues in the 18th Lok Sabha, I stand here on behalf of my Party. ... (*Interruptions*) Hon. Prime Minister, I would really request you, since you have been here for the better half of one hour. सर, यह भी सुनते हुए जाइए, डरिए मता ... (व्यवधान) आप दो बार आए। You came to my area twice during the campaign. सर, आज तो सुनते जाइए। Never mind! It is my bad luck. ... (*Interruptions*)

Hon. Speaker, Sir, and my esteemed colleagues in this newly constituted 18th Lok Sabha, I stand here on behalf of my Party, the All India Trinamool Congress. ... (*Interruptions*) कोई बात नहीं, वह मेरे एलओपी हैं। वह ऑलरेडी मुझे सुन चुके हैं। ... (व्यवधान)
(1555/SRG/MK)

Hon. Speaker, Sir, and my esteemed colleagues in this newly constituted 18th Lok Sabha, I stand here on behalf of my Party, the All India Trinamool Congress, to speak on the Motion of Thanks on the hon. President's Address. ... (*Interruptions*).

माननीय अध्यक्ष : प्लीज हाउस ऑर्डर में आने दीजिए।

... (व्यवधान)

SUSHRI MAHUA MOITRA (KRISHNANAGAR): The last time I stood here, I was not allowed to speak. ... (*Interruptions*). I was not allowed to speak. ... (*Interruptions*). But the Ruling Party has paid a very heavy price for throttling the voice of one MP. ... (*Interruptions*). मुझे बैठाने के चक्कर में जनता ने आपके 63 सदस्यों को परमानेंटली बैठा दिया। You have gone down from 303 to 240 seats. In my maiden speech in the Lok Sabha in June 2019, I spoke on the seven signs of fascism that were taking over this country.

1556 hours

(Shri Jagdambika Pal *in the Chair*)

Five years to the date, on 27th June, 2024 this House saw the unprecedented scene of the Marshals welcoming the hon. President of India with the Sengol in their hand. The Sengol is a symbol of the supreme authority of a monarch. It has no place in the temple of a Constitutional democracy. But it is understandable why this happened because the BJP has still not understood that their 303 brute majority, their *rajtantra* has been reduced to a 240-seat minority by the *loktantra*.

They are still living in the world of the Sengol! This sudden changed reality, this new reality, is yet to sync in for the Treasury Benches, and especially for the speech writers of the hon. President's Address.

In the speech that the hon. President read out, she said, the people of India has elected a stable Government with a clear majority. Please do not embarrass the office of the President by using poorly edited cut and paste versions of old speeches. This is not a stable Government. It depends on multiple allies with a history of U-turns. It has not got a simple majority.

The BJP is 32 short of 272. It is going to be a very hard landing for the Treasury Benches as was obvious today. There are 234 warriors this time, firmly united, and we have walked through fire to walk through these doors. So, you will not be able to shut us up this time the way you did last time.

There are numerous statements in the hon. President's Address that defy even a tenuous link to truth and to reality. Like in my 2019 maiden speech when I spoke on seven signs, today I

have picked out six themes from the hon. President's Address and I will analyse how each of them is an exercise in fallacy and an exercise in untruth. The Address covers many issues, but I have chosen six themes. The first theme is the North-East.

The hon. President's Address says that the Government has increased allocation for the North-East by four times, and has worked for increased and lasting peace in the area. Now, I have one question. Why is the word 'Manipur' nowhere in the Speech? Why do we refer to the generic North-East? ... (*Interruptions*)

During the Lok Sabha campaigns, the BJP, the Ruling Party and the hon. Prime Minister mentioned many words beginning with the letter 'M' – *Musalman, Mullah, Madrassa, Mughal, Mutton, Machhli, Mujra, Mangalsutra*, but not once did they mention Manipur. ... (*Interruptions*). We do not need to act East.

The Government says that we want to Act East. We do not need you to Act East. Look East, walk East, and the most important point is, embrace East.

I stand here for my brothers and sisters of Manipur, and I quote the revolutionary poet Pablo Neruda. He says, "One morning the bonfires leapt out of the Earth devouring human beings - and from then on the fire, from then on blood, come, see the blood on the streets. Come see the blood on the streets." Please go to Manipur. See the blood on the streets.

(1600/RCP/SJN)

The second theme in the President's Address is women's empowerment. The speech says that women in our country had been demanding greater representation in Lok Sabha and Vidhan Sabhas and today, they stand empowered by the enactment of Nari Shakti Vandan Adhiniyam. This is a complete untruth. Firstly, you conveniently delayed reservation for women in Parliament because you actually fear women. You fear *nari shakti*. You want their support but you certainly do not want us here. The 17th Lok Sabha had 78 women, that is 14.3 per cent. The 18th Lok Sabha, this Lok Sabha, has only 74 women, four women less than last time, that is only 13.6 per cent. The Ruling Party, BJP had called a Special Session to bring in the Women's Reservation Bill. They have got a shameful number of 30 women MPs out of 240, that is only 12.5 per cent. It is only Mamata Banerjee's Trinamool Congress that in 2019 had 37 per cent women MPs, and even this time it has got 38 per cent women MPs.

The President's Address talks of a comprehensive campaign by the Government to enrich and make three crore women *Lakhpati Didis*. All that we have seen so far is a far more comprehensive campaign to make one *arabpati dada*. I am sure, I do not need to take his name in this House. I am sure, we all know who we are talking about.

The third theme is Kashmir. The Address mentions that after decades of shutdowns and strikes, the Kashmir Valley has voted in an atmosphere of stability and security. But if abrogating Article 370 was such a good idea, why did the Ruling Party, the BJP not even dare to put up candidates in the three Valley seats of Anantnag, Baramulla and Srinagar? If Article 370 was such a big deal and you were going to campaign on the basis of Article 370, you did not even dare to fight the seats. The Kashmir Valley has voted in MPs who were against your 2019 decision. You downgraded Ladakh into a Union Territory. You told them that it was a temporary move. Today, five years later, the Ladakhis are still waiting. They have not got back their statehood. You have not given them a legislature. You have not included them in the Sixth Schedule.

You have not fulfilled their demand of two separate seats of Leh and Kargil. As a result, in the current Lok Sabha, the Ladakhis have relegated you to third position in the Lok Sabha. You lost it.

The fourth theme in the hon. President's Address is the Election Commission of India. The speech expresses gratitude to the ECI for conducting the largest election in the world. With all humility, with no intent to denigrate the office of what used to be the august constitutional body of this land, let us as Members of the Opposition put on record that we won in spite of the EC not because of it. The Commissioners chosen by a Government-dominated panel, in wilful disobedience of the Supreme Court, turned a deaf year to the most egregious violations of the Model Code of Conduct by the Ruling Party, by the hon. Prime Minister with his hate-filled speeches and his divisive religion-based rage rhetoric. This country has been ashamed and disgusted by the language used against minorities during this campaign.

This election will go down in history where an eager and compliant Election Commission turned a blind eye and a deaf ear against the excesses of the Ruling Party when the MCC was in effect. Opposition leaders were arrested. Party accounts were frozen. The ED and CBI even came into our election offices with impunity. Ultimately the voters took charge and they said, बहुत हो गया; enough is enough.

The fifth theme is -- here I have to commend the speech writers for having a very dark, almost macabre sense of humour – the Indian Railways, aviation, and infrastructure. The Address says that work on the Ahmedabad-Mumbai bullet train is going on at a fast pace and Indian Railways is doing feasibility studies for bullet train corridors in the North, in the South and in the East of India.

I would like to ask a question to the Government, through you, hon. Chairperson. Is this a cruel joke? You are sanctioning Rs.1,08,000 crore for one single Mumbai-Ahmedabad bullet train. A basic high-speed rail network costs Rs.200 crore per kilometre. The Indian Railways is touting the Kavach, anti-collision system – it is an automatic train protection

system – as the cheapest in the world. It says the cost is Rs.50 lakh per kilometre. The total rail tracks in India are roughly about 1,26,000 kilometres. So, covering all of India with Kavach is going to cost Rs.63,000 crore.

(1605/PS/SPS)

All of India's KAVACH costs Rs. 63,000 crore and one single Ahmedabad-Mumbai bullet train costs Rs. 1,08,000 crore. Please look at their numbers.

Last June, in Balasore, three trains collided and 296 people died. The Ministry said that KAVACH was not operational on that route. Last week, Kanchenjunga Express collided with a goods train in New Jalpaiguri and ten people died. Again, the Ministry said that KAVACH is not operational on the route. *The Economic Times* had a survey which said that with the current level of funding, it will take fifty years for all of India to be covered under KAVACH. And you are telling us about bullet trains. Please do not start shouting about what it was during Nehru's time. We do not know and we do not care. False equivalences cannot take the place of real body bags.

The Address mentions about how India is apparently the third largest domestic aviation hub of the world. In truth, India's airports have become domestic hazard hubs -- first in Jabalpur; then in Delhi; and then in Rajkot - - newly-constructed airports' canopies falling down killing people. The newly-constructed Ram Path in Ayodhya has had three cave-ins in the last week. The Pragati Maidan tunnel is flooded. The Atal Setu has developed cracks. The Ram Temple's roof is leaking. This is exactly what happens when infrastructure is poorly planned and rushed in order for photo opportunities by the supreme leaders.

The sixth theme is competitive cooperative federalism. Hon. Chairperson, Sir, the last decade saw the most brutal Government-sponsored throttling of cooperative federalism that this country has ever seen. I speak for my own State of West Bengal. The Centre has withheld Rs. 7000 crore in MGNREGA funds and seventeen lakh households have

been deprived for work already done. It has held back Rs. 8200 crore under the rural housing scheme over eleven lakh houses, sanctioned but not paid. Another Rs. 1000 crore has been held back in pension and PMGSY. It is a total of Rs. 16,000 crore. When we went to meet the Rural Development Minister, we were dragged out by the Delhi Police and bundled into prison vans.

Last week, as a delegation, we went to meet with Ms. Atishi of the AAP, who was on a hunger strike. Look at what is happening to the AAP Government in Delhi today. The Aam Aadmi Party is in power in Delhi. There was a 1994 Water Sharing Agreement which mandated Haryana to release 613 million gallons of water per day to Delhi. Haryana is run by the BJP Government and they have reneged on this Agreement. They are releasing 100 million gallons of less water per day, as a result of which 28 lakh people in Delhi are having to go without water every day. This Government's competitive cooperative federalism seems to be an exercise in how to compete and on how to choke Opposition-run States. ... (Interruptions) भईया, हमको बैठाना आपको बहुत भारी पड़ा। हमको मत बैठाइए। आप पर बहुत भारी पड़ा है। ... (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON (SHRI JAGDAMBIKA PAL): Hon. Member, kindly address the Chair.

SUSHRI MAHUA MOITRA (KRISHNANAGAR): The Government spent the first five years in almost perfecting an elected autocracy, and by the end of 2023, this Government had reached the pinnacle of their arrogance. This parliamentary democracy was replaced by a monstrous super cult -- the cult of the supreme leader, the non-biological leader born of the *paramatma* who stood in this House and proclaimed, 'अब की बार 400 पार और एक अकेला कितनों पर भारी पड़ा'। This was the turning point when the destiny of the Ruling Party changed. Whether in Greek Mythology or whether in Indian mythology, if you act with arrogance towards the Gods, you will be punished. We have thirty-three crore Gods in India. But in our democracy, the most supreme of them is the 'गण देवता' -- the Lord of the People. And they have punished you. You may have formed the

Government again but yours is a pyrrhic victory – a victory which inflicts such a devastating toll on the victor that it is tantamount to a defeat.

In Bengal, the supreme leader started his Vijay Sankalp Yatra on 1st March in the constituency of Arambag. Then he came to Krishnanagar, and then came to Barasat, and then ended the yatra on May 29 in Kolkata. उन्होंने मेरे ऊपर तो विशेष कृपा की और दो-दो बार आए।
(1610/SMN/MM)

The BJP lost all these seats. Hon. Prime Minister did 23 campaign meetings in Bengal and lost in 20 seats. In Maharashtra, the hon. Prime Minister campaigned in 18 seats. The NDA lost in 15 of them. 'एक अकेला, कितनों पर भारी पड़ा'

In Punjab, he campaigned in Hoshiarpur, in Jalandhar, in Patiala and in Gurudaspur, the BJP lost all the four seats. 'एक अकेला, कितनों पर भारी पड़ा'

In Rajasthan, he campaigned in Banswara with the most disgraceful references to Muslims in outright violation of the law. The EC kept quiet. Not only did the BJP lost Banswara by over two lakh votes, the BJP which had won 25/25 in 2019 and won the State Government elections only months ago, came down to 14 seats. 'एक अकेला, कितनों पर भारी पड़ा'

Three States Uttar Pradesh, Maharashtra and Bengal account for 170 seats. That is exactly one-third of India. The BJP won in only 54 of them. 'एक अकेला, कितनों पर भारी पड़ा'

In 2019, the hon. Prime Minister had taunted the now Leader of Opposition by saying that he must have used a microscope to find that one single seat in India where the minority were in majority. Hon. Chairperson, Sir, it is so ironic that today the majority needed no microscope to turn the BJP into a minority. जहां-जहां भी मैजोरिटी है, आप वहीं माईनोरिटी बन गए। आप तो घुस-घुस कर मारने वाले थे, लेकिन जनता ने घुस-घुस कर मार दिया। The Treasury Benches have always claimed that the Opposition lacked in hardwork and in merit. We are all part of a *parivaarwaad*. We are dynasts whereas they are proud to be part of a meritocracy. They are proud to be part of a '*Modi ka parivaar*'. How ironic is it today that 20 Ministers in the Union Cabinet

are dynasts! How ironic is it that the hon. Prime Minister has to take to social media himself to tell people that no, it is not '*Modi ka parivaar*' – it is NDA, the Nitish-Naidu Dependent Alliance.

In January, the hon. Prime Minister consecrated the unfinished Ram Temple in Ayodhya. He said he was tasked with the divine duty of bringing Ram Lalla home. The Ram Mandir was going to ensure that not only would the BJP cross 400 seats but that this Government would last a thousand years. The last time in history that we heard of a thousand year vision was during the Third Reich. This was the second time that we heard of it. But then ultimately, Lord Ram said, "Stop, not in my name." *Ati Darpe hata Lanka*. Too much arrogance, too much pride caused Ravana to lose the Kingdom of Lanka. The BJP lost Ayodhya, Faizabad where the temple is. It lost in Banda, Chitrakoot where Ram meditated. It lost in Shravasti where the son of the hon. Prime Minister's Ex-Secretary said my father has built the temple, campaigned in his name. You lost there. All the seats around Ayodhya, Basti, Sultanpur, Ambedkar Nagar, the BJP lost. 'ये तुम लोगों के नाम जपने में पहले सा आराम नहीं। जबरदस्ती के जय श्री राम में सब कुछ है, पर राम नहीं।'

Today, in India, there are two types of leaders. Those of us who come by the voting machine and then, there are many who come by the washing machine. There are still people who say, wait, wait, you do not know Modi Ji, wait six months and see. The BJP will get 300 members. To them, I say, no, this will not happen this time because every potential turncoat will have to choose between temporary greed or fear and between permanently becoming politically irrelevant. So, you can accept a temporary offer of a Ministry, you can accept a temporary settlement of an existing trumped-up CBI or ED case and you can switch parties but when you go back to the electorate, the electorate will punish you. Most turncoats have been punished by the electorate. Also, this time, INDIA has very large solid block components. The Congress has 100 seats; SP has 37 seats; Trinamool has 29 seats, DMK has 22 seats; NCP and UBTA has 17 seats. So, this is not a rag tag bunch of Members that you can lure

away. This is a solid block. So, yes, it is a question of time but the question is not whether they will get 300 seats. The question is when people will join us and we will cross 272 seats.

(1615/SM/YSH)

The ruling party's politics has always been along the lines of religious hate and ethnic divisiveness. But even if at the height of their power when they got 303 seats, one out of every two Hindus had not voted for BJP. This time, even in their core Hindi heartland, their core voters deserted them.

Over 250 of them called the Muslims in India as infiltrators and terrorists in the land of their birth. But they waited silently, patiently and bided their time and in one voice during the election in every State, they stood up and told the Government and I am quoting the poet, Shri Puneet Sharma:

“हिन्दुस्तान से मेरा सीधा रिश्ता है, तुम कौन हो बे, तुम कौन हो बे,
क्यों बतलाऊ तुमको, कितना गहरा है।”

The Dalits to whom the BJP paid lip service too for so many years realised that even the talk of 400 seats meant that Baba Saheb Ambedkar's Constitution was in danger and they deserted this Party.

The Marathas whom the BJP coalition had tried so desperately to woo realised that their promises were worth nothing. BJP and its allies lost seven out of eight seats in Marathwada region.

The careers of Jat youth were at risk with the ill-conceived Agniveer Scheme. Their farming livelihoods were also threatened. Their female wrestlers were manhandled and the Jats expressed their anger at the ballot box. Ultimately, BJP's policy was of exclusion, not inclusion. You wanted to exclude everybody and that was your undoing. You did not want Muslims; you trampled on Dalits; you ignored farmers; you ignored Jats; you marginalised Kashmiris. But they consolidated their voice during this election pan-India and today, they do not need you. That is the message they have given you during this election.

“ये देश ही अपना हासिल है, जहां राम प्रसाद भी बिस्मिल है।
मिट्टी को कैसे बाटोगे, सबका ही खून तो शामिल है।”

That is what they said. You cannot divide us; you cannot do it anymore.

This new India, this new frame of reference is going to be very hard for a lot of interest groups. Perhaps, the first casualty is the legacy Media, the Godi Media was its own worst victim. The brown-nosing TV anchors and online trolls lied, spread fake information and amplified the Government's propaganda. These so-called psephologists who actually have printing contract from the Government of India were on TV 24x7 acting like the election was a done deal, there was no need for voting and the BJP have already won the election.

Media mughals organised conclaves where they prostrated themselves before the 'Vishwaguru'. Anchors used staged interviews and set-up scripts. In short, the Media had lost all credibility. So, when you asked the people during surveys as to which way they voted, they did not trust you and they did not tell you the truth, which is why you got it wrong.

Shri Raj Kamal Jha, Chief Editor of *The Indian Express* remarked that some Media owners were so comfortable on their knees that it hurts to stand up. We say to them, "Please stay the way you are." There is a new generation of journalists in India today with spine, with integrity and with courage. You have done your best to silence them with fake cases and censorship. But they have survived and they will thrive in the digital space.

I will also touch upon another pillar of our democracy, the judiciary. Two days ago, hon. Chief Justice of India while in a visit to Kolkata remarked that the judges are not deities, they are here to dispense justice with compassion. Just as one cannot be partly pregnant, you are either are or you are not. Justice and democracy – these two must be absolute. They cannot partly be in effect.

The retirement age for High Court Judges is 62 and the retirement age for Supreme Court Judges is 65. This has unfortunately contributed to High Court Judges kowtowing to the Supreme Court Collegium and to the Government for a last-minute elevation to be able to serve for three more years and then qualify for further sinecures such as the head of Lokpal, head of National Human Rights Commission, Chairmen of various tribunals. It has come to such a state that Opposition leaders framed in politically-motivated cases are denied bail and justice. It is simply because Judges are even

scared to touch their case for fear of offending the Government. Today, I say that the poorest people of India, who have perhaps the most to lose from offending the Government in power, have shown the spine and risen to the occasion. Your Lords and Ladyships heed thy inner voice, have a spine and rise to the occasion.

Seven months ago, on 8th December, 2023, this House was transformed into a *Kurusabha* presided over by a blind *Dhritarashtra* where Dushasan darbaris made every attempt to disrobe Draupadi.

(1620/RP/RAJ)

The Ethics Committee that voted 6:4 to recommend my expulsion on the 9th of November had 10 Members including one Chairperson. Out of five Lok Sabha Members from the BJP, four have not returned to this House. The Chairman, a BJP Member, has also not returned. The Congress turncoat from Punjab, who had voted against, has also not returned. The BJP lady MP from Maharashtra who started the debate in the House on behalf of the BJP has also lost. Much like Lord Krishna protected Draupadi, the people of Krishnanagar have protected me. In the last year, a lot of people looked at me and said: "Oh, Mahua, you must have lost a lot. You lost your membership. You lost your house." By the way, I also lost my uterus due to a surgery but you know what I gained, I gained what Rahul ji said: "The freedom from fear." I do not fear you. I will see the end of you. We will see the end of you. Your ED, CBI, income tax department, trolls, media, and your ... (*Expunged as ordered by the Chair*) nobody can scare us. The people of India are patient. They will wait patiently for this Government to fall and I hope that whoever writes the next speech for the hon. President of India will give her the respect and honour due by not filling it with falsity. This Government has dishonoured the Office of the President by giving her a script that is full of ... (*Expunged as ordered by the Chair*)

We wait and the people of India wait for the restoration of her honour and for the honour of her august Office. It is in this hope that I bow my head to the holiest of our books in its 75th year of adoption. Hail the Constitution – Jai Samvidhan.

Thank you.

(ends)

1622 hours

SHRI RAJA A. (NILGIRIS): Mr. Chairman, Sir, on behalf of myself as well my party DMK, it is my duty to express my thanks to Her Excellency the President for her speech that has been delivered in the Parliament. I must thank the President not for the veracity and content of the speech but for her tolerance and patience to accept the contents of the documents that have been approved by the Cabinet headed by Mr. Narendra Modi.

Sir, whatever be the veracity of the document that has been submitted before the House after the Address delivered by the President, it has been defeated as a judicial and democratic process. The Address claims as if the Government is enjoying the majority third time. I do not know about the mathematics that was taught to them and gave them the courage to claim in the House, that too through the President, that by having a numerical strength of 240 they are enjoying the majority third time.

Sir, on the contrary to the numerical strength that has been allotted to them, this Government wanted to say again through the President that the majoritarian rule in terms of religion, headed by Prime Minister Modi, has to be permitted. That is the prayer impliedly done in this House by the President's Address. I am not able to understand the utterances of the Prime Minister. In the same House, the Prime Minister claimed that BJP will reach 370 seats and with alliance it will reach to 400 seats. Now, the number has tumbled down to 240 seats. The promise that has been made by the Prime Minister has not been fulfilled by the people of India. Being fully aware that the number is tumbled down and the promise has been negated by the people of India, how can the Prime Minister have the moral and political courage to say this through the President of India that the Government is enjoying majority? That itself is bogus on the part of this Government.

Sir, I am coming the point which relates to the Election Commission of India. People have seen the Emergency. What is the difference between the Emergency and the Modi's rule?

(1625/NKL/KN)

I can clearly say, yes there were violations for which the then Prime Minister, Shrimati Indira Gandhi regretted many times. Even an explicit apology has been made by the leader. That is the leadership. Yes, there was a police excess and freedom of the Press was curtailed. People were arrested under only one provision in the Constitution, in the name of Maintenance of Internal Security Act. Yes, the excess that had been done by the Congress Government had been admitted and regretted later by Indira Gandhi, the same Prime Minister, and she came to power again. ... (*Interruptions*) So, the apology that had been tendered by the then Prime Minister had been accepted by people, and again, people elevated her to the Prime Minister's Office. ... (*Interruptions*) Yes, they got 300 plus seats.

Now, the problem is this. Again, I would salute my beloved brother, the Leader of Opposition, Rahul ji. This Government wanted to do anything, not exclusive through their mouth but either through the President of India or unfortunately, through the Speaker's Chair. That is the problem.

HON. CHAIRPERSON (SHRI JAGDAMBIKA PAL): Mr. Raja, you are a very senior Member. I think, you should not speak anything attributing the Chair.

SHRI RAJA A. (NILGIRIS): Sir, I am not attributing the Chair. I am saying that this Government is trying to say something through the Chair. That is all. ... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: No, you can criticise the policies of the Government.

... (*Interruptions*)

SHRI RAJA A. (NILGIRIS): Sir, what happened in MISA? There is a totalitarian, authoritarian Government which did not pay attention to the Fundamental Rights as enshrined in the Constitution. That is a simple, arrogant, authoritarian demolition in the democracy. You cannot equate that MISA or Emergency with this Government because this Government is doing complete naked fascism. What is meant by fascism? Any

discrepancy, any lawlessness or any violation can happen universally without caste, without race, without religion. Whereas, this Government targeted minorities, non-Hindus, tribals, Adivasis and Dalits in the name of majoritarian religion. ... *(Interruptions)* This is racism; this is fascism. So, the only thing is that Emergency, violations, authoritarian rule can be rectified and repealed later and the loss can be compensated. She took it for granted. It was done by Indira Gandhi, but she came to power. If they take it for granted, the Modi Government will not come to power because the reparable loss is not there. The loss is irreparable to the nation. ... *(Interruptions)* That is the difference. ... *(Interruptions)* Please do not interrupt. ... *(Interruptions)*

Sir, before starting my speech, I am proud to say that I have come from a land which is known for Dravidian ideology. The ideology was proposed and propounded by Thanthai Periyar, which was later protected by the late Chief Ministers, Arignar Anna and Dr. Kalaignar Karunanidhi. It is still being patronised by the present Chief Minister, Dr. M.K. Stalin. The Dravidian ideology in Tamil Nadu rightly rejected the fascism of BJP in the past elections. ... *(Interruptions)* My sister, Mahua said that wherever Modi went, the seats were lost. You can count some seats because in some of the places, the BJP won. But our case is nothing like that. He came to our State eight times but he got zero seats. What does it mean? Whatever be the celebrations, whatever be the assurances, whatever be the long promises that have been made through this Parliament, they are not acceptable to the people of Tamil Nadu. It has happened not once but twice.

(1630/VR/VB)

Sir, I am asking the Treasury Benches to please learn what the Dravidian ideology is. Why is your ideology being rejected? ...*(Interruptions)*

HON. CHAIRPERSON (SHRI JAGDAMBIKA PAL): Please address the Chair.

....*(Interruptions)*

HON. CHAIRPERSON: Hon. Member, please be seated.

....(*Interruptions*)

SHRI RAJA A. (NILGIRIS): Sir, when I am extending my thankfulness to my party and its leader, and the people of Tamil Nadu for the decision that has been rendered, I wish to state that I am equally grateful to the people of Uttar Pradesh, Rajasthan, Punjab and Haryana. I am saying it because they wanted to divide north and south. But I think it is a good and positive sign which started from Uttar Pradesh, Rajasthan, Punjab and Haryana, and now there will be no more division between north and south. Politically, we are going to be united, and ultimately the Constitution is going to be protected at least in the near future. So, to that extent, I express my thanks to the people of Uttar Pradesh.

Sir, I have read the President's Address that has been delivered by the hon. President. The President's Address stands on two folds. One is, they wanted to create an artificial trust which they think the people are having upon Modi and the Government.

And, the second thing, which is strange to me, and which they are claiming to the world, is that the Constitution is not a mere document for internal administration. It is a new thing. The Constitution is not for mere internal administration because the Constitution mentions about the Supreme Court; it mentions about the Parliament; it mentions about the Assembly; it mentions about the Election Commission of India; it mentions about the Public Service Commission. These are all for the internal administration. The President's Address is very clear. I am surprised. The Constitution is not only for mere administration, but also it should be converted to bring in public consciousness and to uphold the sovereignty of this country. I really salute the President for this. But the only thing is this. Are you competent to say that, by virtue of your past activities? That is the problem.

Sir, the ...(*Not recorded*) of India officially said in the Speakers' Conference that he cannot accept the basic structure of the Constitution. What is the basic structure of the Constitution? The basic structure has

been contemplated in the Preamble of the Constitution of India. It says, "We, the people of India having solemnly resolved to constitute India into a sovereign, socialist, secular, and democratic republic, which covers the fundamental rights, which covers the minorities' rights, which covers judicial activism, which covers judicial supremacy." Any law which is going to be passed by the Parliament can be struck down by the Supreme Court. That is the basic structure.*(Interruptions)*

Sir, he was officially speaking there.*(Interruptions)* I am not dragging the ...*(Not recorded)*.*(Interruptions)*

HON. CHAIRPERSON: I think you should not mention the name of the ...*(Not recorded)*.

....*(Interruptions)*

HON. CHAIRPERSON: Whatever you want to speak, you should first submit its proof in the House. Otherwise, you cannot mention the name.

....*(Interruptions)*

SHRI RAJA A. (NILGIRIS): Sir, that is the irony that has been put forth by the second most important person.*(Interruptions)*

HON. CHAIRPERSON: Mr. Raja, please conclude your speech. Your time is over.

....*(Interruptions)*

SHRI RAJA A.(NILGIRIS): Sir, there is a lot of interruption.*(Interruptions)* Sir, I am having 45 minutes and I will finish my speech within the allotted time.*(Interruptions)*

HON. CHAIRPERSON: The time allotted to your party is 51 minutes.

SHRI RAJA A. (NILGIRIS): Sir, I am the only speaker from my party.*(Interruptions)*

Sir, before going into the merit of the speech, I want to say two things on behalf of my State of Tamil Nadu. The one vital issue is with regard to NEET. My brother, the Leader of Opposition, clearly set out the facts and the consequences in terms of what is happening through NEET in this country.*(Interruptions)* I want to say one thing. When reservation for the OBCs and the Scheduled Castes was brought in the Parliament

during the tenure of Pt. Nehru, a heated discussion took place in terms of how we can compromise on merit. What will be the efficiency of the Government if persons coming through reservations will be accommodated in the Services?

(1635/SAN/PC)

Then, Gandhi said, 'Yes, we want an efficient management and service. At the same time, the Government should not be inhuman.' Inefficiency is not the only problem; an inhuman Government should not be there just because we are giving the reservation. Even that is being defeated.

Now, coming to the NEET, the Government opened three windows – merit quota, management quota and payment quota. A person, who has got 720 marks, is getting a merit-seat. That is fine. A person, who is getting 680 marks, is going for management quota and has to pay Rs. 7, 10 or 15 lakh. Again, there is an exclusive management or NRI quota under which a person is paying Rs. 25 lakh if, at all, he is getting 225 marks. Despite scoring 225 marks, he will get a seat. Is it not humiliation? I am sitting with 650 marks and I am not able to pay the money because my parents are poor whereas a child of my colleague sitting nearby, maybe from a forward community or a lower community, may get it even after scoring 225 marks. Notwithstanding the community, the merit is being compromised because of our system. Only because of this, we lost lives of more than 20 students.

Sir, we passed a Resolution in the Assembly and we enacted a law in the Assembly. The Ministers are here. I would request them to hear me. Tamil Nadu Assembly passed a Resolution. Thereafter, we also enacted a law. We sent both of them to the Government of India. It is still pending there. They are saying that Tamil Nadu is separate, and people are claiming separatism. They are not honouring the political will that has been reflected in the Assembly which represents more than eight crore people through 234 MLAs. It is not being recognised by them. They are treating it

as a dustbin or toilet paper! What does it mean? That is why, people are teaching them a lesson and they are losing 40 out of 40 seats.

Sir, there is one more important thing. Of course, it is not mentioned in the President's Address. It is the caste-based census. Since Rahul ji vividly expressed all these things about NEET, now I want to come to the caste-based census. Sir, they are claiming Hinduism. Yes, we are all Hindus. The difference is: which Hindus you are. I am a Hindu according to law and Constitution. Since I am not a Muslim, since I am not a Christian, since I am not a Buddhist and since I am not a Parsi, I am a Hindu. The law says that I am a Hindu. If they really worry about the Hindus and integration of Hinduism, they must have caste-based census. Sir, I may be permitted to take five minutes more because I want to celebrate our religion provided you give equal opportunity to everybody and that is all.

We are not against the God, if you say love is the God, if you say fraternity is the God and if you say humanity is the God. We want to see it happening. Even we are ready to accept Modi as a Godman provided, he is having such a qualification. The problem is that since he is not having such a qualification, we cannot believe it. Sir, what is a caste-based census? Dr. Ambedkar rightly said and I quote:

“Hindu religion is nothing, but an assortment of castes.”

Sir, division of labour is universal, and it is there in the entire world. I cannot stitch my own clothes. Cotton is cultivated somewhere else by a farmer. Then, it comes to a textile mill in the form of a spindle and is made into a piece of cloth. Thereafter, it is given to a tailor who stitches it. So, in order to enable Raja to wear a white shirt, so many people are working in the field and so many people are working at many other places. This is division of labour. This is distribution of labour. But what has been done in our religion is division of labourers by birth. If your father is a scavenger, you keep doing it after your father, after your forefather and so on. I cannot come out of it. If your father is a carpenter, you keep doing it by virtue of birth. So, a wrong has been inculcated in our religion, rightly or wrongly. According to Periyar and according to Ambedkar, the division of labour

was misinterpreted as the division of labourers. That should be removed. They want to maintain the division of labourers. That is why, they brought Vishwakarma Scheme. What is Vishwakarma Scheme? After completing 12th standard, if I am born in the family of a carpenter, you want to give me three lakh rupees and not want me to go to a college but pursue the profession of a carpenter. They want to maintain the same caste system in order to keep the Hindu religion for their own political convenience. That is not acceptable to us.

(1640/SNT/CS)

I am telling the truth. That is why I am telling you, right or wrong, for 2,000 years it has been inculcated in our minds by way of division that caste system is there. ... (*Interruptions*)

I belong to the Scheduled Caste community according to law. In my family, all castes came into existence. Still, I am being branded as *dalit*. Who were my forefathers? My forefathers used to go to Srirangam because they did not have any money, because of poverty, because of innocence, because of illiteracy. My forefathers went to Srirangam because of poverty and illiteracy. The grandson of the forefathers is today standing before the Parliament, sitting with Rahul Gandhi and opposing Modi. My daughter is studying in London in a famous university. Who did it? All these things have been done by Periyar, Ambedkar, Anna, Dr. Kalaignar, Dravidian ideology. We want to have a Dravidian ideology. Please make it universal for your convenience.

What is the problem with religion? What did the doctrine of division of labour prevent? The first thing is, education was prevented. Do not read. That is your *Manusmriti*. Then do not get property. I cannot own the property. Then, there is enslavement of women. These are all the things contemplated in religion. It has to be removed. That is why, the caste-based census is very essential if you really want to have an egalitarian society which the founding fathers wanted to see.

Coming to the President's Address, what type of trust are they talking about? The document says: "We want to establish more trust".

Before talking about trust, what about the past? In the erstwhile Government, in the Happiness Index, our place was 136 out of 200. In the Hunger Index, our place was 107 out of 122. The calculation of GDP, according to the international standard, is not even 4.4 per cent or five per cent but the Government is claiming nine per cent. When we are disputing that, you are saying that no, the standard of calculation is not admissible to us or acceptable to us.

Coming to the White Paper, it was full of completely confused graphics which did not talk about diesel price, petrol price, gas price, poverty, unemployment ratio. So, silently, wilfully, wantonly, and surreptitiously in a stealthily manner, you want to suppress poverty ratio, petrol, diesel and gas prices, everything, and you wanted to show some graphics and say this is our White Paper. How can you cheat the people?

The Modi Government reduced the corporate tax from 33 per cent to 20 per cent for the corporates. I am told by the economists that even one per cent reduction may run to Rs. 50,000 crore. Who is looting the money? During the course of election, suddenly Adani became your enemy, Ambani became your enemy. People are totally confused. Why have you got 240 seats? It is because of the confusion that you have got 240 seats.

I charge you. How many PSUs were sold? Nehru ji invented PSUs not for profit alone. Nehru ji wanted to accommodate Backward Classes and Scheduled Castes as employees, those who are educated and graduated from the universities in the PSUs. Now, what about Air India, LIC, banks, and other PSUs? You sold them saying that profit is not there. If it is privatised, how will the Scheduled Castes, OBCs, and the minorities will get the job? The social angle of the PSUs is not at all taken into consideration by this Government wilfully because you wanted to have a Hindu *raj* with elite people.

Sir, I want to again quote Amartya Sen. Somebody mentioned in the last Session that two people were selling India and two people were buying India. I do not want to mention the names. This is the Government of Modi. Amartya Sen said: "Even the silence, which is being kept by the

Modi Government, cannot meet the graveyard.” What does it mean? They want to create some trust. What type of trust?

I want to say another thing. It is very strange for the political stature of the Prime Minister. When he was hoisting the flag at the Red Fort last year, he said we want to address 100 years of slavery.

(1645/AK/IND)

I am totally confused. Gandhi ji, Patel ji, Nehru ji, Ambedkar ji and even Syama Prasad Mookerjee ji -- who is from Hindu Mahasabha -- have all said about 200 years of slavery of British. British came here for business, trade and commerce, and they enslaved us. That is slavery whereas Mughal came here, they settled here and they ruled here. English people ruled from Viceroy Council sitting in England. The Queen was in England. The ICS Officers were sent from England to here, and the Governor-Generals were deputed here from England. So, the rule, which was upheld as slavery, is nothing but a foreign rule of which the switch was in England whereas Mughal Emperors came. ... (*Interruptions*) Of course, Aryans also came here and the blood is mixed with us. ... (*Interruptions*) If you are saying that Mughal is an alien, then in our Hindu society, are Aryans also alien? ... (*Interruptions*) Hence, Ambedkar clearly said that if at all a person or a race is entitled to claim his land, it is only Aryans. ... (*Interruptions*) The speech delivered by the Prime Minister of India says this for the first time ... (*Interruptions*)

Sir, I entered this Parliament when I was 31. ... (*Interruptions*) I was in Delhi in spite of a small break. ... (*Interruptions*) I have heard all the Prime Ministers' speeches delivered on the day of Independence. None of the Prime Ministers expressed displeasure over the Opposition. ... (*Interruptions*) He had asked what was happening in India. It is corruption, nepotism and appeasement. I think that nobody has any doubt about nepotism. How many people are sitting over there who are sons and grand-sons? I do not know how many people are going to occupy it. ... (*Interruptions*) Fortunately, I have to salute the Prime Minister as he is having no issues. ... (*Interruptions*)

Let us leave nepotism. What about our charge on corruption? There have been occasions when corruption charges have been levelled against a Government and the Chief Ministers. I was a Minister and had to face corruption charges. The Parliament was not permitted to function for 40 days with regard to 2G case. I was not permitted to speak in the Parliament. ... *(Interruptions)* I made an application. ... *(Interruptions)* Whoever it may be, truth is truth. ... *(Interruptions)* It is not Rahul Gandhi. ... *(Interruptions)*

HON. CHAIRPERSON (SHRI JAGDAMBIKA PAL): Mr. Raja, he should not disturb. Mr. Maran, kindly be seated.

... *(Interruptions)*... *(Not recorded)*

SHRI RAJA A. (NILGIRIS): Sir, it is a good question. ... *(Interruptions)* The Member, who had been tried in the case involving Rs. 1,76,000 crore is not the product of Rahul. ... *(Interruptions)* He is the product of ... *(Not recorded)*, now your ... *(Not recorded)*. ... *(Interruptions)* He is occupying a Constitutional post. ... *(Interruptions)* How dare you say this? ... *(Interruptions)* Am I not entitled to say that you conspired? ... *(Interruptions)* Am I not entitled to say that you did a conspiracy to oust the UPA Government? ... *(Interruptions)*

HON. CHAIRPERSON: Mr. Raja, you are mentioning a name. ... *(Interruptions)* He was representing a Constitutional body. It is not part of the Government. It is a Constitutional body.

... *(Interruptions)*

SHRI RAJA A. (NILGIRIS): No, Sir. He is telling about Rahul Gandhi. ... *(Interruptions)*

HON. CHAIRPERSON: Mr. Raja, now you should conclude now.

... *(Interruptions)*

HON. CHAIRPERSON: Mr. Raja, you should not mention the names.

... *(Interruptions)*

HON. CHAIRPERSON: Mr. Raja, I will not allow it.

... *(Interruptions)*

HON. CHAIRPERSON: Mr. Raja, whatever you want to say, you should do it by addressing the Chair.

... *(Interruptions)*

HON. CHAIRPERSON: I think you should not mention his name and you should not directly speak to him.

... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: Mr. Raja, please conclude now.

... (*Interruptions*)

SHRI RAJA A. (NILGIRIS): Yes, Sir. ... (*Interruptions*) I am much obliged. ... (*Interruptions*)

Sir, I will conclude in another 5-10 minutes because a lot of interruptions were there. ... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: No, it is too much.

... (*Interruptions*)

SHRI RAJA A. (NILGIRIS): Sir, what can I do if there were interruptions? ... (*Interruptions*)

(1650/UB/RV)

He accused us of corruption when he was hoisting the flag. You took Adani to various countries. Hindenburg Report says that he is a fraud. We were wearing the black straps for 15 days. We wanted a reply from the hon. Prime Minister. The hon. Prime Minister had no spine to reply to us. What does it mean? Are you not accepting corruption?

Again, the BBC issued clippings accusing PM Modi directly that the genocide was done by him. They stopped it. They blocked YouTube. They are not able to give any reply to Parliament. They are not able to face the people. They do not have the courage to come to Parliament and reply whether it is corruption or other charges.

Let us come to the electoral bonds. How many days did the Supreme Court spend to get the details after the judicial scrutiny? Is it not a scam on your part? If you are open minded and if you are free from corruption, the Government should disclose everything on the first day. The Chief Justice of India is almost weeping about what the Government is doing. That itself says that the core corrupt Government is this Government. Whatever is the allegation, the only answer is silence, silence, silence and keeping mum. I have not seen this type of Government.

Coming to the Constitution, the Constitution has a secular nature. What type of venomous words have been uttered by the hon. Prime Minister like “the Muslims are infiltrators, and those having a large number of children are going to eat the property and *mangalsutra*. What type of hatred is being spread by you?

The hon. Prime Minister was surprised. He went to the old Parliament House. Suddenly, he took the Constitution and almost kissed it. You want to obliterate the Constitution. You have no faith in Constitution. You want to change the Constitution. ... (*Interruptions*)

I can recall that on 12th December, 1947, when the Objective Resolution was brought into the Constituent Assembly, Lord Simon, who toured the entire India made heavy accusations against the Constituent Assembly that this Assembly has high caste Hindus, it cannot deliberate on the issues of Scheduled Castes and Scheduled Tribes and OBC and minorities. Who protested it? Nehru? No! Ambedkar? No! It was Shri Syama Prasad Mukherjee representing Hindu Mahasabha who stood and said, “Mr. Simon, you are an alien, you came from Britain. We are one India. We may be having higher castes or lower castes. In the course of time, we believe that we have to remove it. We want to feel that we are all Indians. Do not teach lessons. This is the statement given in the Constituent Assembly. Your forefathers who invented RSS, Jan Sangh and Mahasabha were keen at that time when the Constitution was enacted. But who are the descendants? You are neither aware of your ancestors nor about the Constitutional values. Now, you want to bury it.

Mahua ji put it correctly. You are depending upon Chandrababu Naidu ji. You are depending upon Nitish Kumar ji. As long as this dependency is working, you can rule the country. But your dependency should not be on the two political parties or two individuals alone. You can rule but if you really want to win the hearts of the people, you need to depend on the Constitution which says “equality, liberty and fraternity”.

With these words, I conclude.

Thank you!

(ends)

(1655/SRG/GG)

1655 hours

SHRI LAVU SRI KRISHNA DEVARAYALU (NARASARAOPET): Sir, thank you for giving me this opportunity to speak on the Motion of Thanks on the President's Address.

Let me start off by congratulating our Indian team which has won the T20 World Cup after 17 long years. It has brought joy to every household in this country. I also want to congratulate my colleague MPs who have gone through the grind of election 2024 and have come out here victorious. With you, as a custodian of this House, we will definitely work towards fulfilling the aspirations of the people of this country. I also want to congratulate the hon. Prime Minister, Modi Ji, for being elected for the third term as the Leader of this House.

Sir, to best define Modi Ji, I need to take the words of Chandrababu Naidu Garu and his observation which he made three months back. In a private conversation, he said that he had spent almost 45 long years in politics. In those 45 years, he has seen lots of leaders in this country. There were a lot of leaders who had great visions; there are a lot of leaders who have great administrative skills; there were a lot of leaders who had great mass following, but what Chandrababu Naidu Garu said is that he has seen three of these qualities in Modi Ji. That itself says what Prime Minister Modi is all about. Not just Naidu Ji, but everyone in this country has seen these three qualities in hon. Prime Minister Modi Ji. That is why, I think, in the election 2024, they pressed the EVMs for the continuation of reforms; they pressed the EVMs for the continuation of development that he has initiated; they pressed the EVMs for the fulfilment of the aspirations of the youth of this country. There is so much of negativity that is being talked about for the last couple of hours, but I do not want to go into that. There are some great things that are happening in this country. We are living in a country which is one of the fastest growing economies. GDP has been doubled from USD 2 trillion to USD 4 trillion in the last 10 years. In the last 10 years, the *per capita* income has nearly doubled. In the last 10 years, exports grew from USD 300 billion to almost USD 765 billion. In the last 10 years, our FDI has

gone up from USD 36 billion to USD 83.5 billion. Even in infrastructure, we have made great strides. Our country is home to the second largest road networks and the third largest aviation market right now. We should be really proud of this achievement.

Also, we have empowered women by giving almost Rs. 30 crore MUDRA loans to the women entrepreneurs in the last 10 years. More than 1,25,000 start-ups have emerged in India in the last 10 years. Also, we should be very proud that India is now home to the largest number of unicorns in the world. Not just reforms, not just economy, not just infrastructure, but welfare measures have also been taken in the last 10 years. 25 crore people have been lifted out of poverty; 4.2 crore houses were built; and 3 crore more houses have been sanctioned recently. 11.5 lakh households were provided with safe drinking water through Jal Jeevan Mission. These are the things that we should be really proud of.

We have passed some important legislations in the last 10 years in this House. We have implemented GST which was very much needed because we had a really cumbersome taxation process across the States. We have brought in new legislations like banning triple talaq, Women's Reservation Bill to empower the women. We have also brought in new criminal laws; we have abrogated Article 370 which freed Jammu and Kashmir.

These are some of the achievements happened in the last 10 years which we should be really proud of. But the hon. Prime Minister, Modi Ji and NDA are not going to sit on these achievements. Definitely, we need to set new targets for ourselves and also overcome new challenges to achieve these targets. We need to give more push for the rural infrastructure. We need to invest in rural education; we need to invest in the rural healthcare; and also, we need to invest in the rural digital infrastructure. We need to do more to double the farmers' income rather than just thinking about it. We need to take on unemployment and create more jobs for the youths of this country.

(1700/RCP/MY)

We also need to bring more vigour in the manufacturing sector. PLI Scheme is a good start, but we need to remember that our MSMEs are working with the highest interest rates in the world, highest power charges and difficult labour laws. Our MSMEs are working with one of the costliest logistics anywhere in the world. So, I think we need to sit together. Not just the Treasury Benches but also the Opposition need to sit together and actually try to come up with the solution and come up with a policy so that our MSMEs are much more competitive across the world.

Also, the Government under the hon. Prime Minister Modi ji needs to address these issues to build a strong, robust India so that India will become Viksit Bharat. TDP as NDA partner supports you in this endeavour all through for the next five years. The people of Andhra Pradesh want to work with you. The people of Andhra Pradesh have shown it in the recent election results also. Out of 175 Assembly seats that we have contested, NDA has won almost 164 seats in Andhra. In the 25 Parliament seats that NDA has contested, NDA has won 21 Parliament seats. That is a success rate of more than 90 per cent in Andhra Pradesh. Also, 56 per cent vote share has been given to NDA.

1701 hours

(Shri Raja A. *in the Chair*)

These are the achievements; these are the electoral results that have happened in the recent elections. Now the election process is over. I would request the hon. Prime Minister and other Cabinet Ministers to extend a helping hand in reconstruction, rebuilding of Andhra Pradesh. I have used the words 'reconstruction, rebuilding' which are very strong words because we are faced with two issues. The first issue is this. You all know that we have been talking about this for the last five years and my senior colleagues have been talking about this for the last 10 years; it is about the revenue deficit that Andhra Pradesh is facing for the last 10 years. We are struggling with this. So, I request the Finance Ministry to actually release the revenue deficit, whatever we are facing. The gap amount was supposed to be released almost seven to eight years back. We expect them to release it.

Also, the second problem that we are actually facing is with respect to the debt that we are facing which is to the tune of Rs.13.5 lakh crore. If the debt is

taken to actually add infrastructure, it is not a problem. But the problem is that in Andhra Pradesh, mainly in the last five years, this debt has been taken and no new infrastructure has been added to the State of Andhra Pradesh. That is what is the problem we are facing right now. So, I expect the hon. Prime Minister and also the Ministers who are sitting here to actually address this problem. ... *(Interruptions)* We want the Jal Shakti Minister to actually look into the Polavaram Project. ... *(Interruptions)* We want to talk about something positive also. Let us have patience. Do not spend too much time talking about negativity. ... *(Interruptions)*

HON. CHAIRPERSON (SHRI RAJA A.): Hon. Member, please address the Chair.

SHRI LAVU SRIKRISHNA DEVARAYALU (NARASARAOPET): Sir, they are happy talking about negative stuff. Let me talk about some positive stuff.

HON. CHAIRPERSON: They may be happy but the Chair is not happy, you understand.

... *(Interruptions)*

SHRI LAVU SRIKRISHNA DEVARAYALU (NARASARAOPET): What is your vote share? Your vote share is 0.7 per cent or something like that. So, be careful about that. ... *(Interruptions)*

HON. CHAIRPERSON: Hon. Member, please address the Chair.

... *(Interruptions)*

HON. CHAIRPERSON: No cross talks.

... *(Interruptions)*

SHRI LAVU SRIKRISHNA DEVARAYALU (NARASARAOPET): I request the Jal Shakti Ministry to actually look at the national project that is Polavaram. It has been lying in limbo for the last five years. No progress has been made. I thank the Jal Shakti Ministry for sending a new team so that they can inspect and assess the situation on ground. But we want it to be expedited because this is a project that can give irrigation water to almost 4.3 lakh hectares of land in the State and provide drinking water to almost 28.5 lakh houses also. Also, 960 MW of hydel power can be created through this. This is a national project that is lying in limbo for the last five years. We want this project to be expedited.

We want to request the Housing and Urban Affairs Ministry to actually look at our capital Amaravati. Sir, 33,000 acres of land has been given by the farmers

free of cost. They have not taken even a single rupee expecting that the capital will be built as soon as possible. We would expect funds to be given from the Housing and Urban Affairs Ministry so that the work regarding building this capital in Andhra Pradesh will be completed as soon as possible. This is because Andhra Pradesh was bifurcated almost 10 years back but still we are running a State without a capital.

(1705/PS/CP)

Now, I am coming to the industrial corridor project that has been promised from Chennai to Vishakhapatnam, which connects Vishakhapatnam Port, Kakinada Port and also the new and upcoming Machilipatnam and Krishnapatnam Ports. All these ports will be connected. This will actually give a fillip to the term 'Look East'. If the construction of this corridor can be completed, we can actually bring in investments, we can actually bring in new industries to this area, and we can actually get connected with the East Asian countries as well. So, we expect the Ministry and the Treasury Benches to look into it.

Regarding the national highway projects that have been sanctioned to Andhra Pradesh, there is a ceiling that has been put for Andhra Pradesh. The ceiling has been put for 2024-25 at Rs. 4700 crore. We want this ceiling to be lifted so that more funds can be given to Andhra Pradesh. In my constituency itself, in the last four or five years, you have sanctioned projects worth Rs. 2000 crore. So, if you put a ceiling of Rs. 4,700 crore for the whole State, then when can you expect this highway project to be completed? Therefore, we want this ceiling to be lifted.

The hon. Minister of Education is also present here. There are a number of Central Universities and Institutes which have been promised and given to Andhra Pradesh. But most of these Central Universities and Institutions, except for AIIMS, are working from temporary buildings. So, we expect these buildings to be completed, and these campuses to be built, so that these can function in the original campuses. Also, a Tribal University and Regional Institute of Education have been promised to Andhra Pradesh. DPRs have been getting ready for the last four-five years. But nothing is moving forward. We expect the Education Minister to look into this matter. ... (*Interruptions*) So, we want the hon. Education Minister to actually move this matter forward.

Now, I come to the greenfield crude oil refinery and petrochemical complex that has been promised to be set up at Kakinada. We want that the setting up of the same be expedited so that more investments come in and more employment is generated in the region. ... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON (SHRI RAJA A.): Hon. Member, you are in the Government.

SHRI LAVU SRIKRISHNA DEVARAYALU (NARASARAOPET): Sir, I am just concluding.

HON. CHAIRPERSON: You are in the Government. You can meet the Ministers.

SHRI LAVU SRIKRISHNA DEVARAYALU (NARASARAOPET): Sir, there are a lot of things to say. I have thirty minutes.

HON. CHAIRPERSON: You can get it done.

SHRI LAVU SRIKRISHNA DEVARAYALU (NARASARAOPET): Finally, there are many railway projects that have been sanctioned to Andhra Pradesh. But the main problem with the same is that they are asking for the State's contribution for the land acquisition. You know that we are a revenue-deficit State. So, we request you to actually not put us on par with the States like Maharashtra which are revenue-surplus. Please consider us special and make sure that the railway projects go forward.

With these comments, observations, and submissions, I conclude my speech in support of the Motion moved by Shri Anurag Singh Thakur ji.

Thank you very much.

(ends)

1708 बजे

श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह (मुंगेर) : सभापति महोदय, अनुराग ठाकुर जी द्वारा महामहिम राष्ट्रपति के अभिभाषण पर जो धन्यवाद का प्रस्ताव पेश हुआ है, मैं उसके समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। पिछले 10 वर्षों में इस देश के आदरणीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जो काम हुआ है, उसका दर्पण महामहिम राष्ट्रपति महोदय के अभिभाषण में है। अभी आने वाले बजट में, जब अगले सत्र में इस देश के लिए बजट पेश होगा, तो उस समय 5 वर्षों के कार्यक्रम के साथ परफॉर्म, रिफॉर्म और ट्रांसफॉर्म का पूरा संकलन और विस्तृत ब्यौरा पेश किया जाएगा।

महोदय, प्रधान मंत्री जी का तीसरा कार्यकाल प्रारम्भ हुआ, इस देश की जनता ने तीसरे कार्यकाल के लिए उनको मत दिया और पूर्ण समर्थन के साथ सरकार बनाने का बहुमत दिया। पूरे चुनाव के दौरान क्या प्रचार हो रहा था? पूरे चुनाव के दौरान जो अभियान था, उसे देखिए। खासकर विरोधी दल के नेता का आज जो भाषण था और उनके चुनाव प्रचार का जो भाषण था, अगर दोनों को मिलाकर देखिएगा, तो लगेगा कि आज भी राष्ट्रपति के अभिभाषण पर नहीं, वे चुनाव के प्रचार में, पब्लिक मीटिंग में भाषण दे रहे हैं। उन्होंने इस तरह का दुष्प्रचार, संवैधानिक संस्थाओं पर हमला किया और आज भी वे संवैधानिक संस्थाओं पर हमला कर रहे थे। ... (व्यवधान) आज भी लोक सभा के अध्यक्ष की संस्था पर हमला कर रहे थे और उस समय भी संवैधानिक संस्थाओं पर उन्होंने हमला किया।

(1710/NK/SMN)

लेकिन जनता ने उसको रिजेक्ट कर दिया। जनता ने सबका विश्वास और सबका विकास का जो मूलमंत्र था, उसको स्वीकार किया और पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का जनादेश दिया। लेकिन क्या कीजिएगा, आज भी वह बोल रहे थे, हम एक बात बताना चाहते हैं, देश की जनता ने तीसरे कार्यकाल के लिए मोदी जी को समर्थन दिया है। उसका स्पष्ट संदेश है, भ्रष्टाचार पर जो आपने हमला किया है, उसको जारी रखिए और इस देश से भ्रष्टाचारियों को समाप्त करने का काम कीजिए, इसके लिए इस देश की जनता ने जनादेश दिया है।

अर्थव्यवस्था में सुधार के जो कार्यक्रम आपने चलाये हैं, उन कार्यक्रमों को चलाए रखिए और देश की अर्थव्यवस्था को दुरुस्त कीजिए। इसके लिए देश की जनता ने मोदी जी को तीसरे कार्यकाल के लिए अपना बहुमत दिया है। मोदी जी गरीबों की सेवा करने के लिए जो कार्यक्रम चलाते रहे, उस कार्यक्रम पर देश की जनता ने मुहर लगाया। इनको रिजेक्ट किया, इनको अस्वीकार किया। मोदी जी को तीसरा कार्यकाल मिला है। विकसित राष्ट्र बनाने का मोदी जी का संकल्प है, उस पर आगे बढ़ने के लिए देश की जनता ने मोदी जी को तीसरे कार्यकाल के लिए अपनी मुहर लगाकर स्वीकृति दी है।

सभापति महोदय, इस देश में वर्ष 1971 में एक चुनाव हुआ था। उस समय देश में कांग्रेस पार्टी का नारा था-गरीबी हटाओ, देश बचाओ। जनता ने भरोसा कर लिया, जनता ने इन पर भरोसा किया और वर्ष 1971 में इनको पूर्ण बहुमत दिया। लेकिन 3 साल के बाद वर्ष 1974 में इस देश में लोक नायक जय प्रकाश नारायण के नेतृत्व में आजाद भारत का सबसे बड़ा जन आंदोलन हुआ क्योंकि इन्होंने जनता से किए गए वायदे को नहीं निभाया। जब वर्ष 1974 में जन आंदोलन चरम पर

पहुंचा और सुप्रीम कोर्ट ने रायबरेली से श्रीमती इंदिरा गांधी के चुनाव को अवैध घोषित कर दिया तो रातों रात देश में इमर्जेंसी लागू हो गयी। हम सब उठाकर जेल में बंद कर दिए गए। मुझको याद है, मैंने आपातकाल लागू होते हुए देखा, आपातकाल लागू होने के बाद क्या हुआ? सारी संवैधानिक संस्थाओं और देश की जनता के फंडामेंटल राइट्स बंद कर दिये गये। किसी को बोलने का हक नहीं था, किसी को चिल्लाने का हक नहीं था, किसी को एक शब्द बोलने का हक नहीं था। प्रेस की आजादी पर प्रतिबंध लगा दिया गया। हम सब लोगों को उठाकर जेल में बंद कर दिया गया। मैं भी जेल में रहा हूँ, जेल में उठाकर बंद कर दिया गया।

जब इस सदन में पहले दिन का सत्र था तो संविधान की किताब लेकर कांग्रेस पार्टी के लोग आ रहे थे। आज नेता विपक्ष बोल रहे थे, संविधान की जय हो। जिस व्यक्ति और जिस पार्टी ने इस देश के संविधान की धज्जियां उड़ाई हों, जिस पार्टी ने इस देश के संविधान को चकनाचूर किया हो, जिस पार्टी ने इस देश के संविधान को कलंकित किया हो, उसको संविधान लेकर सदन में आने का क्या हक है, संविधान की बात करने का क्या हक है? उनको कोई हक नहीं है, संविधान के बारे में चर्चा करने का कोई हक नहीं है। सारी जिन्दगी कांग्रेस पार्टी ने संवैधानिक संस्थाओं और संविधान को समाप्त करने का काम किया है, पूरी इमर्जेंसी इसकी गवाह है।

(1715/SK/SM)

यह सत्य है और सत्य सुनने की आदत डालिए। ... (व्यवधान) सत्य जानिए, यह सच्चाई है। इस देश का इतिहास जब भी लिखा जाएगा तो आपात काल को कलंकित करने वाला काला अध्याय संविधान में लिखा जाएगा। ... (व्यवधान) आप तो बहुत चर्चा कर रहे थे। ... (व्यवधान) आप मत बोलिए। ... (व्यवधान) आपकी पार्टी की नेता भी वहीं थीं, इमर्जेंसी के समर्थन में थीं। ... (व्यवधान) ममता बनर्जी भी कांग्रेस पार्टी में थीं और इमर्जेंसी का समर्थन कर रही थीं। ... (व्यवधान) आप मत बोलिए, सौगत राय साहब, हम लोग भुगते हैं, हम लोगों ने पीड़ा सही है। ... (व्यवधान) हम लोगों को दर्द मालूम है। ... (व्यवधान) आप भी चले जाइए, बंगाल में बन जाएंगे। ... (व्यवधान) चिंता मत करिए। अभी तो खाली कानून की किताब लेकर खड़े हो जाते हैं, इसलिए टिकट देकर लोकसभा का मैम्बर बनाया जा रहा है। ... (व्यवधान) आप खाली संविधान पढ़ते रहिए, संविधान दिखाते रहिए। ... (व्यवधान) आप लोगों का संविधान से कोई लेना देना नहीं है और न ही संविधान से कोई मतलब है। ... (व्यवधान)

माननीय सभापति जी, इस सदन में और भी कई पार्टियां हैं, वे लोग भी संविधान की प्रति साथ में लेकर आए। डीएमके पार्टी और समाजवादी पार्टी है, खैर समाजवादी पार्टी और डीएमके पार्टी को इस सदन में संविधान लेकर आने का हक है। मुझे याद है कि जब इमर्जेंसी लागू हुई तब तमिलनाडु में श्री करुणानिधि की सरकार थी और उस समय इस कांग्रेस पार्टी ने करुणानिधि जी की सरकार को बर्खास्त कर दिया और सबको उठाकर जेल में बंद करने का काम किया। ... (व्यवधान) लेकिन आज डीएमके के लोगों की, समाजवादी पार्टी के लोगों की मजबूरी है कि कांग्रेस पार्टी के साथ संविधान को लेकर चलें। ... (व्यवधान) घूमिए, जरूर साथ रहिए, लेकिन संविधान को ध्वस्त करने वाली पार्टी का समर्थन मत कीजिए, हम आपसे यह आग्रह करना चाहते हैं।

माननीय सभापति जी, हम देश की बात कर रहे हैं। ... (व्यवधान) आपके नेता तो मंच वाला भाषण दे रहे थे, पोलिटिकल भाषण कर रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे पब्लिक मीटिंग में बोल रहे हों। ... (व्यवधान) इस देश में जॉर्ज फर्नांडीस एक ऐसे नेता थे जिनके रोम-रोम में देशभक्ति भरी हुई थी। ... (व्यवधान) इन लोगों ने इमर्जेसी के दौरान जार्ज फर्नांडिस को कलंकित, प्रताड़ित और अपमानित करने का काम किया और ये संविधान की बात कर रहे हैं, संविधान की रक्षा की बात कर रहे हैं। ... (व्यवधान) इससे हमें बड़ा आश्चर्य हो रहा है। आप इसलिए संविधान की बात तो मत करिए। खास करके नेता विरोधी दल के परिवार को संविधान की बात करने का क्या हक है? नेता विरोधी दल का परिवार संविधान विरोधी है। इस देश के इतिहास में काले अध्याय के रूप में आपके परिवार का इतिहास लिखा जाएगा। ... (व्यवधान)

माननीय सभापति जी, इन्होंने पूरे चुनाव प्रचार के दौरान इस देश की चुनाव प्रक्रिया पर प्रश्न चिह्न खड़ा किया। ये घूम-घूमकर प्रचार करते रहे थे, ऐसा लग रहा था कि देश में चुनाव निष्पक्ष हो ही नहीं रहा है। इन लोगों ने पूरी दुनिया में देश को कलंकित करने का काम किया। ये चुनाव आयोग और ईवीएम मशीन को चुनौती देने के लिए बीच-बीच में सुप्रीम कोर्ट जाते रहे। अगर ईवीएम खराब है तो सौगत राय जी, ममता दीदी की सरकार बंगाल में कैसे बन गई? कर्नाटक में आपकी सरकार कैसे बन गई? तेलंगाना में आपकी सरकार कैसे बन गई? जब मिल जाए तो बड़ा आनंद होता है और जब हारने की बारी आती है तो ऐसे शो करते हैं कि जैसे निष्पक्ष चुनाव नहीं हो रहा है, बेईमानी से जीत रहे हैं। देश की जनता कभी आप पर भरोसा नहीं करेगी। बैलेट पेपर से चुनाव होता था, हमने देखा था कि एक-एक बॉक्स से बैलेट पेपर निकलता था, जिस पर किसी वोटर का दस्तखत नहीं होता था और उसी की गिनती होती थी।

(1720/KDS/RP)

यही प्रक्रिया आप चलाते रहे और सत्ता का आनंद लेते रहे। आप देश के संविधान की धज्जियां उड़ाते रहे, वही आप आज भी चाहते हैं। नरेंद्र मोदी जी की सरकार इसको कभी स्वीकार नहीं करेगी। इस देश की जनता का भरोसा नरेंद्र मोदी जी पर है। अतः आप इसकी चिंता मत कीजिए। इसके साथ-साथ आपको याद है, आपने देखा भी था, अभी कोई स्पीकर बोल भी रहे थे। आप मोदी जी पर आरोप लगाते हैं कि वह संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं। वह कौन-से संविधान की धज्जियां उड़ा रहे हैं? तीसरे कार्यकाल में, जिस दिन एनडीए की बैठक थी, उस दिन मोदी जी जब संविधान सभा के सेंट्रल हॉल में आए, तो सबसे पहले उन्होंने देश के संविधान का नमन किया। जिस व्यक्ति ने देश के संविधान का नमन करके अपने नेतृत्व में इस देश की बागडोर संभाली हो, उससे संविधान को खतरा नहीं है। संविधान को आपसे खतरा है, कांग्रेस पार्टी से खतरा है। कांग्रेस पार्टी संविधान विरोधी रही है और रहेगी।

महोदय, प्रधान मंत्री जी ने कई योजनाएं चलाईं। पीएम किसान निधि योजना और आज जो विकास की दर है, अर्थव्यवस्था में जहां हम पहले 11वें नंबर पर थे, आज 10 सालों में हम 5वें नंबर पर आ गए। आदरणीय प्रधान मंत्री मोदी जी का लक्ष्य है, संकल्प है, उन्होंने घोषणा की है कि अगले 5 वर्षों में तीसरे स्थान पर पहुंचाएंगे।... (व्यवधान) मैं सब बता रहा हूँ। आप लोगों को बता दिया है।

आपका वही चरित्र है। अभी आप उनके साथ घूमिए। नेता जी की आत्मा ऊपर से रो रही होगी। ... (व्यवधान) इस दुनिया की विकास दर में अकेले भारत का योगदान 15 प्रतिशत है। यह मोदी जी की सरकार की उपलब्धि है, आपकी सरकार की उपलब्धि नहीं है। इसके अलावा आज यहां प्रह्लाद जोशी जी बैठे हैं। वह रिन्यूएबल एनर्जी संबंधी मंत्रालय देख रहे हैं। आने वाले समय में इस देश को अगर ऊर्जा व बिजली के लिए आत्मनिर्भर होना होगा, तो रिन्यूएबल एनर्जी ही एकमात्र स्रोत है। थर्मल एनर्जी से आपकी जरूरतें तत्काल पूरी हो सकती हैं, लेकिन लॉग रन के लिए वह उचित नहीं है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना प्रधान मंत्री जी ने चलाई है, उससे इस देश की बिजली का उत्पादन सोलर प्लेट के माध्यम से बढ़ेगा और जब बढ़ेगा तो देश बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होगा। थर्मल पावर पर आपकी निर्भरता घटेगी और आप अपने घरों में बिजली का उत्पादन करके बिजली उत्पादन आगे बढ़ा सकते हैं। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत प्रधान मंत्री जी का गरीबों के प्रति संकल्प है, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दे ही रहे हैं, पीएम किसान सम्मान निधि के तहत लगभग 20 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा किसानों को दिया है। इस कार्यकाल की शुरुआत के साथ भी प्रधान मंत्री जी ने 20 हजार करोड़ रुपया जारी करके लोगों के घरों तक पीएम किसान सम्मान निधि पहुंचाने का काम किया है। पहला फैसला मोदी जी की सरकार ने किया कि 3 करोड़ लोगों के घरों का निर्माण कराया जाएगा। यह बहुत बड़ा निर्णय है। यह संकल्प शक्ति का प्रतीक है। मोदी जी ने इस देश की जनता से जो वायदा किया है, उसे पूरा करने के प्रति उनका जो संकल्प है, वह उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति को दर्शाता है। इसलिए हम महामहिम राष्ट्रपति के अभिभाषण का समर्थन करते हैं और कांग्रेस पार्टी को संविधान विरोधी घोषित करते हैं।

(1725/MK/NKL)

इनको याद है। ... (व्यवधान) वर्ष 1984 में दिल्ली में जो दंगा हुआ था, हजारों की संख्या में कांग्रेसियों ने सड़क पर घूम-घूम कर सिखों की हत्या करने का काम किया था और ये लोकतंत्र और संविधान की बात करते हैं। ... (व्यवधान) इनको कोई हक नहीं है। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद
(इति)

1726 बजे

श्री अरविंद गणपत सावंत (मुम्बई दक्षिण) : माननीय सभापति महोदय, महामहिम राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए आपने मुझे समय दिया, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं शुरू में यह कहना चाहता हूँ ... (व्यवधान)

सर, आज मुझे एक बात अच्छी लगी। महात्मा गांधी जी का एक वाक्य है- 'Spiritualise the Politics'. Today, I heard the speech of the Leader of Opposition which was spiritualising the politics today. I really appreciate his speech and the way he spoke about spiritualism of politics today. But somehow, it is the other way in the country right now. आपने भी उसके बारे में भाषण में कहा है। जब मैं महामहिम राष्ट्रपति महोदय के अभिभाषण पर अपना विचार व्यक्त करने के लिए खड़ा हूँ तो मैं थोड़ा-सा अपने अंतर मन में सोच रहा था कि सही में चुनाव कैसे हुआ? जो गिरावट हमारे प्रचार में आई थी, उसको देखकर मुझे सदमा लगता था, दुःख होता था। खासकर, जब आदरणीय प्रधानमंत्री जी के पद पर रहे हुए व्यक्ति के विचार प्रकट होते थे तो बुरा लगता था। हम कहां जा रहे हैं? हम इस देश को लेकर कहां जा रहे हैं? ... (व्यवधान) ललन जी, मैं वही बता रहा हूँ। अभी आप सुनिए।

Hon. Chairperson Sir, when we formed the INDIA, he was there in the INDIA. He was one of the members of the INDIA but today, he is speaking the other way. ... (Interruptions) Anyway, I just wanted to recollect my memory. He was also present in the INDIA meetings held in Mumbai. ... (Interruptions) चुनाव के दरम्यान जो कुछ हुआ, उससे हमें बहुत बुरा लगा। इन्होंने पूरे देश में नफरत फैलाने की कोशिश की। इन्होंने ध्रुवीकरण करना चाहा और वह ध्रुवीकरण धर्म के विषय पर हो रहा था। हम भी हिन्दू हैं। हमें हिन्दू होने पर गर्व है। लेकिन, इसका मतलब यह नहीं है कि हम दूसरों से घृणा करें। ये घृणा फैलाकर दीवारें खड़ी कर रहे थे और दीवारें खड़ी करने के लिए जिस भाषा का प्रयोग हो रहा था, वह इतना गिरा हुआ था कि हमें बहुत दर्द हो रहा था। देश के प्रधानमंत्री जी मंगलसूत्र की बात करते हैं। देश के प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि जिसके पास ज्यादा लोग हैं, वे तुम्हारा मंगलसूत्र छीनकर ले जाएंगे। हमारी पार्टी को भी नकली कहा। हमारे आदरणीय उद्धव जी ठाकरे साहब पर भी लांछन लगाए, लेकिन हमारे उद्धव जी ठाकरे साहब डटकर खड़े रहे। शरद पवार साहब, कांग्रेस के राहुल गांधी जी और सोनिया गांधी जी, इन सबने मिलकर इंडिया गठबंधन बनाया। सभापति जी, आप भी उसमें हैं। हमें बहुत खुशी है। हम संविधान की सुरक्षा के लिए खड़े हुए हैं। हम जनतंत्र की सुरक्षा के लिए खड़े हैं। हम उसकी बात करते हैं। आदरणीय स्पीकर साहब ने भाषण दिया तो मुझे बहुत दर्द हुआ कि इतना अच्छा माहौल पैदा हुआ था, आदरणीय राहुल गांधी जी विपक्ष के नेता बनकर वहां आए। उनको लेकर साथ में आदरणीय प्रधानमंत्री जी को लेकर माननीय अध्यक्ष जी को वहां विराजमान कर दिया। उसके बाद भाषण करते समय वे वर्ष 1975 में क्या हुआ था, उसके बारे में बताने लगे। आप 50-55 साल के जख्म को खोलते हैं, खरोंचते हैं तो खून निकल आता है। हम करना क्या चाहते हैं? हम क्या बताना चाहते हैं? महामहिम राष्ट्रपति जी, आदरणीय महिला हैं, वे हमारी

बहन हैं, उनके भाषण में भी यह विषय आया तो मुझे बहुत ठेस पहुंची। जब हम कहते हैं कि संविधान खतरे में है तो यही बात है कि क्यों आप पुराने जख्मों को खरोचकर खून निकाल रहे हैं?

(1730/SJN/VR)

हम अपेक्षा करते हैं कि हम कुछ अच्छे विचारों के साथ आगे चलें। हम आगे चलने के बजाय अलग चल रहे हैं। जब भी मैं सोचता हूँ, जैसे करप्शन की बात आती है। Are you really against corruption? I wanted an answer from the hon. Prime Minister. The way you have formed the Government in Maharashtra, are you really against corruption?(Interruptions) The charges have been made.(Interruptions) किसने आरोप लगाए? आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने भोपाल की एक सभा में आरोप लगाए थे। आज हमारे महाराष्ट्र के जो वित्त मंत्री हैं, उनके ऊपर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा कि 75,000 करोड़ रुपये का घोटाला हुआ, आरोप लगाया, आठ दिनों के अंदर वही शख्स इनकी पार्टी में चला गया। पार्टी में ले लिया और पार्टी के साथ कई विधायक भी गए। बाद में उनको राज्य का वित्त मंत्री बनाया गया। Are you really against corruption?(Interruptions)

महोदय, मैं कुछ और बातें भी बताना चाहता हूँ। शिवसेना पार्टी से एक गुट टूटकर चला गया, फूटकर गया, भाग गया, भगोड़े थे, चले गए। मैंने परसों भी यही बात कही थी कि ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) है। मुझे यह कहने में बुरा लगता है। चाहे ईडी हो, सीबीआई हो, इन्कम टैक्स हो, ये सारी संस्थाएं ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) हो गई हैं। जब इन्होंने 146 सांसदों को सस्पेंड किया था, उस समय कानून पास कर दिया था। क्या कानून पास किया था? इलेक्शन कमिश्नर को चुनने के लिए एक समिति बनती थी। उस समिति में आदरणीय प्रधानमंत्री होते हैं। उसमें और कौन होगा? उस समिति में इस देश के उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश थे। The Chief Justice of India was there in the Committee. इन्होंने एक नया लॉ पास किया और उसमें से भारत के मुख्य न्यायाधीश को ही निकाल दिया। इन्होंने और क्या किया?

The Prime Minister will be there, and another Minister will be there. Who is that Minister who will be nominated by the Prime Minister? इन्होंने यह नामित नहीं किया कि कौन-सा मंत्री होगा। प्रधानमंत्री जी जिसको नियुक्त करेंगे, वह मंत्री होगा और विपक्ष का एक सदस्य होगा। तब क्या होगा? कौन आएगा? Who will be the Election Commissioner? Is it judicious? We are fighting for it in the Supreme Court. आज भी हमें न्याय नहीं मिल रहा है। Justice delayed is justice denied.

I request the hon. Supreme Court though this House to kindly look into this issue. The sanctity of the democracy has to be maintained. अगर उसकी पवित्रता बनाए रखनी है, तो ज्यूडिशियरी भी ऐसी होनी चाहिए। वह तो चंडीगढ़ का मामला था, वह आइने के सामने आ गया, इसलिए बच गया। नहीं तो, चंडीगढ़ का मेयर भी चला जाता। ये लोग कम नहीं हैं। इसलिए मैं कहता हूँ कि जो ये संस्थाएं बनी हैं, महामहिम राष्ट्रपति जी, आपको भी कान खींचने का

अधिकार है, लेकिन आपने कान नहीं खींचा। जितनी भी चीजें गलत होती हैं, लेकिन आप कुछ नहीं बोलती हैं। मैंने अनुभव किया है, इसलिए मैं बोल रहा हूँ।

महोदय, अभी इतने सारे विषय हैं, चाहे महंगाई हो या मणिपुर हो। मैं मणिपुर में छः दिनों तक रहा था। For six days I was there in Manipur. I witnessed it. वहां मैतेई और कुकी समुदाय में झगड़ा चल रहा है। मैंने उसी दिन एक चैनल पर कहा था कि the State is divided. But the hon. Prime Minister is silent. “मौनं सर्वार्थ साधनम्”। क्या यह मौन देश के लिए अच्छा है? बहुत दर्द होता है। अगर आपने वीडियो क्लिप देखी होगी, तो वहां सिर्फ दंगा नहीं हुआ था, वहां जिस तरह से हमारी बहन के साथ अत्याचार हुए हैं, वे देश को कलंकित करने वाले अत्याचार हैं। यह इस देश के लिए लांछन है। सत्ता पक्ष से कोई आवाज नहीं आई, इसलिए बुरा लगता है।

सभापति महोदय, मैं एक और बात कहना चाहता हूँ। चाहे इलेक्शन कमीशन हो, चुनाव में एक और बात हुई थी। Mr. Chairman, have you noticed it? Two things happened there. माननीय प्रधानमंत्री जी और माननीय गृह मंत्री जी ने कुछ कहा था। आपको एग्जिट पोल याद है, 400 पार। दोनों ने कहा था कि मार्केट में इन्वेस्ट करो, आप 4 तारीख को चौक जाओगे, बड़ा प्रॉफिट होगा। पहले तो लोग बैंकों में पैसा रखते थे। आजकल बेचारे रिटायर्ड होते हैं, तो सोचते हैं कि म्यूचुअल फंड्स या कुछ शेयर्स में इन्वेस्टमेंट करेंगे। The common man is also there in the market right now.

(1735/SPS/SAN)

इनके 400 पार कहने के बाद हमारे देश में एक ही इंसान है, जिसने पहला नारा लगाया, वह उद्धव ठाकरे साहब ने लगाया। उन्होंने कहा 400 पार नहीं, अब की बार भाजपा ... (*Expunged as ordered by the Chair*)। वह नारा लगाने वाले उद्धव ठाकरे जी थे। इसके बाद लोगों ने पैसे इन्वेस्ट कर दिए। चार तारीख को 400 पार वाले 240 पर आए और मार्केट गिर गया। एक दिन में 30 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। हम सेबी के पास गए थे। हमारे साथ तृणमूल कांग्रेस के नेता थे। हम उनके साथ में गए थे। मैंने सेबी को कहा कि इसकी इन्क्वायरी होनी चाहिए। आज भी उसकी बात नहीं हो रही है। ये 30 लाख करोड़ रुपये किसके गए, किनके कहने पर गए। ये आदरणीय प्रधान मंत्री जी, आदरणीय गृह मंत्री जी के कहने पर गए। इन्होंने कहा पैसा इन्वेस्ट कीजिए। इसमें 30 लाख करोड़ का घोटाला हुआ, घपला हुआ, नुकसान हुआ। इसका जिम्मेदार कौन है, कोई जिम्मेदारी नहीं है?

सर, इसी तरह से और भी बातें हैं। पहला महत्वपूर्ण मुद्दा है। हमारे पास बुजुर्ग हैं। मैं महामहिम राष्ट्रपति से अपेक्षा करता था। वे जब इमरजेंसी पर बोलीं... (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON (SHRI RAJA A.): Now, you wind up your speech. You can take one minute.

SHRI ARVIND GANPAT SAWANT (MUMBAI SOUTH): Then, she spoke about the emergency. I do not know how old she was at that time. But then, she spoke about it. जब बुजुर्गों की बात आती है तो बुजुर्गों की पेंशन के बारे में भाषण में कहीं उल्लेख नहीं है,

बेरोजगारी के बारे में कहीं उल्लेख नहीं है। बेरोजगार तड़प रहा है। PSUs are being sold out. बेरोजगार रास्ते में तड़प रहा है। हमारे यहां हाल में पुलिस की भर्ती थी। उस पुलिस की भर्ती में दो जवान युवाओं की दौड़ने की बाद मृत्यु हो गई। किसान आज भी हमारे यहां आत्महत्या कर रहा है। हम पीएसयूज के बारे में बात करना चाहते हैं। इनकी नीतियों की वजह से ... (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: Please wind up. You are having one more speaker from your Party. You have already exhausted the time.

SHRI ARVIND GANPAT SAWANT (MUMBAI SOUTH): Sir, I have got it. That is the reason I am concluding. I will conclude in one minute. That is why, I am not talking about the farmers. मैंने किसानों पर बात नहीं है। मैं एक ही बात करना चाहता हूं। जैसे, बुजुर्गों की बात की, बुजुर्गों की पेंशन की बात की, बेरोजगारी की बात करता हूं। रिक्रूटमेंट कैसे होता है? अभी नीट का विषय आया है, सारी परीक्षाओं के विषय आए हैं। क्या आपने कभी स्टाफ सेलेक्शन के बारे में सोचा है? मेरे यहां मुंबई में इनकम टैक्स में 1200 तृतीय श्रेणी की वैकेंसीज निकलीं। उनका स्टाफ सेलेक्शन कमीशन से रिजल्ट आ गया। उस पर डाउट है। उन 1200 वैकेंसीज में से महाराष्ट्र में से सिर्फ तीन लोग पास हुए। इसकी भी बहुत गहरी जांच करनी चाहिए। जो लोग कैजुअल लीव की ऐप्लीकेशन नहीं लिख सकते हैं, वे वहां पर बाबू बनकर आए हैं। ऐसी स्थिति है। इसलिए मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि पुरानी बातें निकाल-निकालकर, इतिहास, भूगोल तथा क्या-क्या निकाल-निकालकर देश को विघटित करने, विभाजनकारी विचारों को लेकर आगे चल रहे हैं। मेरी आप सबसे प्रार्थना है और खासकर सत्तापक्ष से प्रार्थना है कि :-

“छोड़ो कल की बातें, कल की बात पुरानी,
नए दौर में लिखेंगे हम मिलकर नई कहानी,
हम हिंदुस्तानी, हम हिंदुस्तानी।”

(इति)

1738 बजे

डॉ. अमोल रामसिंग कोल्हे (शिरूर) : सभापति महोदय, धन्यवाद। मैं महामहिम राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने के लिए अपनी पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस शरद चन्द्र पवार पार्टी की तरफ से खड़ा हूँ, जिस पार्टी को चिल्ला-चिल्लाकर हम ओरिजनल हैं, यह कहने की नौबत नहीं आती, क्योंकि महाराष्ट्र की जनता ने फैसला कर दिया है कि कौन असली है और कौन नकली है।

राष्ट्रपति जी ने जिन उपलब्धियों का उल्लेख किया है, उनके लिए मैं सरकार का अभिनन्दन करता हूँ, लेकिन कुछ बुनियादी सवाल हैं। पांचवें नंबर की हमारी अर्थव्यवस्था है, यह गौरवशाली बात है, लेकिन देश यह भी जानना चाहता है कि देश पर कर्जा कितना है, देश पर बोरोइंग कितनी है और देश के सकल उत्पाद के यह बोरोइंग कितनी फिसदी है? यह ऋण कब तक और कैसे चुकाया जाएगा? हमारे मराठी में कहावत है कि -

*There is a saying in Marathi language which means you cannot celebrate festivals by taking loans all the time.

महामहिम राष्ट्रपति जी ने दूसरी बात कही कि 80 करोड़ देशवासियों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है, तो पांचवीं अर्थव्यवस्था के लिए क्या यह घोषणा हुई है? दूसरा सवाल यह खड़ा होता है कि बावजूद इसके हंगर इंडेक्स में भारत का स्थान 125 देशों में 111वां है, जो पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश और श्रीलंका से भी नीचे है। क्या यह उपलब्धि है? अगला सवाल यह बनता है कि जो पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था है, वह अपने ईमानदार टैक्सपेयर्स को क्या दे रही है?

(1740/MM/SNT)

इन टैक्सपेयर्स को अपने बच्चों की शिक्षा के लिए प्राइवेट स्कूल्स में भेजना पड़ता है। उनको अपने हेल्थ के लिए हेल्थ इंश्योरेंस करवाना पड़ता है। नौबत तो यहां तक है कि नॉर्मल मिडिल क्लास आदमी जब बाइक खरीदने जाता है तो उसको 28 परसेंट जीएसटी देना पड़ता है। लेकिन, इस देश में अगर कोई हेलिकॉप्टर खरीदना चाहता है तो उसको सिर्फ पांच प्रतिशत जीएसटी देना पड़ता है। क्या यह कोई उपलब्धि है? क्या यह हर देशवासी के लिए कोई अर्थव्यवस्था है? यह सबसे बड़ी बात है। इसीलिए यह सवाल बनता है कि हमारी अर्थव्यवस्था क्या सही में सुदृढ़ है या यह सिर्फ सूजन है, जिसे सुदृढ़ता बताया जा रहा है।

महामहिम राष्ट्रपति जी ने अपने अभिभाषण में ग्रामीण अर्थव्यवस्था और डेयरी का उल्लेख किया। लेकिन दुर्भाग्यवश, माननीय मंत्री महोदय यहां बैठे हैं, उसी दिन मिल्क पाउडर पर इम्पोर्ट ड्यूटी माफ करके मिल्क पाउडर के आयात का निर्णय लिया गया। ... (व्यवधान)

वाणिज्य और उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल) : यह एकदम गलत बता रहे हैं। ... (व्यवधान) इनकी जानकारी के लिए और पूरे सदन की जानकारी के लिए मैं बताना चाहता हूँ कि शरद पवार जी जब कृषि मंत्री थे तो उस समय उन्होंने टीआरक्यू दिया था। एक समय दस हजार टन था। ... (व्यवधान) बाद में 25 हजार टन का और उस समय मिल्क पाउडर इम्पोर्ट हुआ। ... (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON (SHRI RAJA A.): He is not yielding.

... (Interruptions)

HON. CHAIRPERSON: Hon. Minister, your time will come.

*Original in Marathi

... (Interruptions)

HON. CHAIRPERSON: Next Member is from your Party.

... (Interruptions)

HON. CHAIRPERSON: Hon. Minister, Please wait. Immediately, your Member is going to speak next. It can be debated at that time.

... (Interruptions)

HON. CHAIRPERSON: You carry on. Nothing will go on record.

... (Interruptions) ... (Not recorded)

डॉ. अमोल रामसिंग कोल्हे (शिरूर) : सर, मैं माननीय मंत्री महोदय के संज्ञान में यह बात लाना चाहूंगा कि देश में मिनरल वॉटर की बोतल 20 रुपये में मिलती है और हमारा किसान अपना दूध 22 या 24 रुपये में बेचता है।... (व्यवधान) क्या यह किसान को समृद्ध करने का निर्णय है? ... (व्यवधान) सर, मिनरल वॉटर की बोतल 20 रुपये में बिकती है और हमारा किसान, जो अपने पशुओं को पालता है, उसको 22 या 24 रुपये प्रति किलो पर दूध बेचना पड़ता है। क्या यह किसान के साथ न्याय हो रहा है? इसका जवाब किसान चाहता है।

सर, महामहिम राष्ट्रपति जी ने किसान सम्मान निधि की भी बात की है। लेकिन, किसान का असली सम्मान तो तब होगा जब कृषि के औजारों पर जो 12 परसेंट जीएसटी लगता है, उसको हटाया जाए, पेस्टिसाइड्स और फर्टिलाइजर्स की कीमतों पर नियंत्रण लाया जाए और कृषि उत्पाद के लिए सुनिश्चित और परमानेंट आयात-निर्यात धोरण लाया जाए। हाल ही में हमने देखा, पिछले साल हमने देखा कि जब प्याज की डिमांड थी, मिडल ईस्ट में डिमांड थी, यूरोप में डिमांड थी तब प्याज के निर्यात पर पाबंदी लगाकर पाकिस्तान के प्याज उत्पादक किसानों का भला इसी सरकार ने किया है। यह प्याज उत्पादक किसान कभी नहीं भूल सकता है।

दूसरा, मैं किसानों से जुड़े एक अहम मुद्दे पर, जो किसानों से जुड़ा हुआ है और मेरे चुनाव क्षेत्र से भी संबंधित है, उस पर मैं ध्यान आकर्षित कराना चाहूंगा। वह इश्यू लेपर्ड का है। मेरे चुनाव क्षेत्र के जुन्नर वन विभाग के क्षेत्र में 700 लेपर्ड्स का निवास है। वहां आए दिन किसी न किसी पर हमला होता है। जब एक बाप अपने तीन साल के लहलुहान बच्चे को सामने लेकर खड़ा होता है तब इसकी गंभीरता और ज्यादा महसूस होती है। सर, पिछले एक साल में 23 लोगों ने जान गवाई है। मैंने बार-बार माननीय मंत्री जी से लेपर्ड रिप्रोडक्शन कंट्रोल के बारे में दरख्वास्त की है कि इसका सरकार गम्भीरतापूर्वक संज्ञान ले।

महामहिम राष्ट्रपति जी ने इंफ्रास्ट्रक्चर की भी बात की है जो 3 लाख 82 हजार किलोमीटर हाईवे बने हैं, उसके लिए मैं सरकार का अभिनंदन करता हूं। लेकिन जिस रेलवे ट्रांसपोर्ट के लिए वन थर्ड कॉस्ट लगती है और एक ऑयल इम्पोर्टिंग कंट्री के रूप में रेलवे में कितना इजाफा हुआ है, यह हम जानना चाहते हैं। दूसरी बात यह है कि जिन प्रोजेक्ट्स के लिए महाराष्ट्र गवर्नमेंट ने 50 परसेंट कॉस्ट शेयरिंग की अनुमति दी थी, ऐसे तीन प्रोजेक्ट्स हैं – अहमदनगर-बीड-पर्ली, वर्धा-यवतमाल-नांदेड़ और वर्सा-गढ़चिरौली। इनको रेलवे तीन साल में कम्प्लीट करने वाला था। लेकिन 15 साल

बाद भी ये प्रोजेक्ट्स निर्माणाधीन हैं, इनकम्प्लीट हैं। महाराष्ट्र के गोल्डन ट्राइंगल को जोड़ने वाली पुणे-नासिक रेलवे जैसा एक एंबिशियस प्रोजेक्ट, जिस प्रोजेक्ट की फाइल केबिनेट अप्रूवल के लिए पिछले दो साल से पड़ी है। उसको न तो केबिनेट से अप्रूवल मिल पा रहा है और न ही इसकी इम्प्लीमेंटिंग एजेंसी तय हो रही है। साथ ही, दौंड से पुणे तक के लिए जो लोकल की डिमांड है, इस डिमांड की पूर्ति भी अभी तक नहीं की गयी है।

सर, डिफेंस सेक्टर के रिफॉर्म की महामहिम राष्ट्रपति जी के अभिभाषण में बात हुई है। आज ही जब मैं भाषण सुन रहा था तो अंग्रेजों के ज़माने के कानूनों को बदलने की बात हुई।

(1745/YSH/AK)

डिफेंस में रेड जोन का मुद्दा है। पिंपरी चिंचवड में और देश के 13 राज्यों में रेड जोन लागू होता है। यह रेड जोन सन् 1903 के इंडियन डिफेंस एक्ट, अंग्रेजों के जमाने के कानून के तहत 2000 यार्ड पर लागू होता है, लेकिन सन् 1970 में हमने यू.एन के जो स्टेक रेगुलेशन्स अपनाए, जिसको 2005 में अमेंड किया गया था, उन स्टेक रेगुलेशन्स के तहत सिर्फ 200 से 500 मीटर रेड जोन की मर्यादा होनी चाहिए।

प्रो. सौगत राय (दम दम) : रेड जोन क्या है?

डॉ. अमोल रामसिंग कोल्हे (शिरूर) : डिफेंस का जो सेक्टर होता है, उस सेक्टर में निर्माण की अनुमति नहीं दी जाती है और उन घरों को गैर कानूनी करार दिया जाता है। इसलिए मेरी दरखास्त है कि अंग्रेजों के 1905 के इंडियन डिफेंस एक्ट को त्यागकर स्टेक रेगुलेशन्स के तहत 500 मीटर के परे रेड जोन को हटाया जाए और लाखों देशवासियों को राहत दी जाए।

दूसरा, महामहिम राष्ट्रपति जी के अभिभाषण में युवाओं की बात हुई है। लीडर ऑफ अपोजिशन ने नीट का भी मुद्दा उठाया है। यह करोड़ों भारतीय युवाओं के एस्पिरेशन का मुद्दा है। नीट को लेकर बहुत असमंजस है। सब जगहों पर नीट का सिलेबस सी.बी.एस.ई. बोर्ड के तहत है, किंतु जो बच्चे स्टेट बोर्ड के तहत पढ़ाई करते हैं, उनके पास क्लासेस लगाने के अलावा कोई दूसरा ऑप्शन नहीं बचता है और क्लासेस की फीस लाखों में चली जाती है। अभी नीट पेपर लीक के इल्ज़ामों के बाद युवाओं में यह असमंजस है कि क्या री-नीट होगा? अगर री-नीट होता है तो जिन बच्चों ने ईमानदारी से पढ़ाई की, उन बच्चों का क्या होगा? अगर री-नीट और इस फैसले में देरी होती है तो एमबीबीएस का फर्स्ट ईयर का जो सिलेबस है, जिसमें फाउंडेशन होता है। एनाटॉमी, फीजियोलॉजी और बायो केमिस्ट्री का जो एक साल होता है, अगर यह कम कर दिया जाए तो युवा, जो एमबीबीएस एस्पिरेंट्स हैं, उनका यह फाउंडेशन वीक हो जाएगा।

तीसरा, युवाओं को लेकर महाराष्ट्र में एक बहुत अहम मुद्दा मराठा आरक्षण का है। मराठा आरक्षण को लेकर महाराष्ट्र में बहुत बड़ा आक्रोश है। उसी को लेकर ओबीसी के युवाओं में चिंता भी है। इसलिए मेरी सदन के माध्यम से सरकार से दरखास्त है कि जातिगत जनगणना करवाई जाए और किसी के भी आरक्षण को ठेस न पहुंचाते हुए मराठा समाज को भी आरक्षण दिया जाए।

मैं अंत में मराठी में इतना ही कहूंगा कि महामहिम राष्ट्रपति जी ने जलवायु की भी बात की है।

*Sir, Mauli's Palkhis are just set out to reach Alandi. But, the water of Indrayani River is highly contaminated. Crores of rupees have been spent, but the river is still polluted. So, the question arises, where does the money go?. That is to be considered.

सर, साथ ही में आपातकाल की बात हुई, लेकिन वास्तविकता की बात यह है कि सन् 1980 में जेनरल इलेक्शन्स में इसी देश की जनता ने 353 सीट्स देकर इसी कांग्रेस को वापस सत्ता में बैठाया था। मैं यह जानना चाहूंगा कि बार-बार पुराने जख्मों को कुरेदने से क्या हासिल होगा? जब हम डिक्लेयर्ड इमरजेंसी की बात करते हैं तो देश में अनडिक्लेयर्ड इमरजेंसी की भी चर्चा होती है। कुछ सालों पहले शोले नाम से एक मूवी आई थी। उसमें एक डायलॉग था, शायद आपको भी याद होगा कि “दूर किसी दर्रा में जब बच्चा रोता है तो माँ कहती है कि सो जा, वरना गबबर आ जाएगा।”

सर, हालात ऐसे हैं कि जब विपक्ष का कोई नेता सरकार के खिलाफ बोलता है तो उसको बोला जाता है कि चुप हो जा, सरकार के खिलाफ मत बोल, वरना ईडी, सीबीआई या इनकम टैक्स वाले आ जाएंगे। इस अनडिक्लेयर्ड इमरजेंसी का क्या होगा?... (व्यवधान) सर, बस दो मिनट दे दीजिए।

HON. CHAIRPERSON (SHRI RAJA A.): One more speaker is there. Please wind up.

... (Interruptions)

डॉ. अमोल रामसिंग कोल्हे (शिरूर) : नेता तोड़ो, पार्टी तोड़ो, लेकिन विपक्ष मत रहने दो। यह बात होती है। जब लीडर ऑफ अपोजिशन ने डर की बात की तो महाराष्ट्र की भी बात हुई थी। 27 जून को माननीय प्रधान मंत्री जी ने भोपाल में भाषण दिया था, तब उन्होंने जिस पार्टी को नेचुरली करप्ट पार्टी बोला था, जिन पर इल्जाम लगाए थे, उन्हीं हमारे साथियों को लेकर आज महाराष्ट्र में सरकार बनी है, तो सत्ता पक्ष बताए कि उनकी नैतिकता कहां गई?

अंत में मैं देश की जनता का आभार व्यक्त करूंगा कि उन्होंने पूर्ण बहुमत नहीं दिया और यह दिखा दिया कि :-

“तुम भारत कहो या इंडिया, मैं वही हूँ जो अपने कर्म पर विश्वास रखता हूँ। मैं वही हूँ, जो मंदिर, मस्जिद, मंगलसूत्र से ज्यादा देश की एकता को अहमियत देता हूँ। मैं वही हूँ, जो राजतंत्र से ऊपर लोकतंत्र को मानता हूँ, ठेकेदारों से ज्यादा पहरेदारों पर भरोसा करता हूँ। तुम भारत कहो या इंडिया मैं वही हूँ, जो नफरत से ज्यादा मोहब्बत चाहता हूँ, अहंकार से ज्यादा विनम्रता का आदर करता हूँ। अधिकार से ज्यादा जिम्मेदारी निभाता हूँ। मैं वही हूँ, जो संविधान से चला हूँ और संविधान को ही अपने सिर आँखों पर रखता हूँ।”

(इति)

(1750/RAJ/UB)

1750 बजे

श्री धर्मबीर सिंह (भिवानी-महेन्द्रगढ़) : सभापति जी, धन्यवाद। माननीय अनुराग ठाकुर द्वारा माननीय महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा 27 जून को रखे गए अभिभाषण पर जो धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है, मैं उसके पक्ष में कुछ बातें कहना चाहता हूँ।

मैं सबसे पहले बधाई देता हूँ कि इस बार का चुनाव बहुत ज्यादा गर्मी के बावजूद बड़ा शांतिपूर्ण ढंग से हुआ है। शायद, 18वीं लोक सभा ऐसी है, जिसमें किसी प्रकार की ज्यादा शिकायतें नहीं आई हैं। पिछले 10 सालों का कार्यकाल माननीय मोदी जी का था, उससे पहले के भारत को आपने, हमने, सभी ने देखा है कि पिछले 10 सालों में कितना भारी बदलाव आया है। महामहिम राष्ट्रपति जी ने बताया है कि आने वाले पांच सालों में देश को विकसित देश बनाने के लिए हमें कैसे आगे बढ़ना है, उस कार्यक्रम की भी पूरी रूपरेखा तैयार की गई है। मैं माननीय मोदी जी की सरकार को बधाई देता हूँ, जिन्होंने 10 सालों में इतना बदलाव किया है।

अगर हम अलग-अलग सेक्टर्स में देखें, तो 10 साल पहले एक समय था, अगर हम रक्षा के हिसाब से देखें, तो नॉर्थ-ईस्ट से लेकर पाकिस्तान बॉर्डर तक आने-जाने के लिए रास्ते नहीं थे। जब हमारे फौजी भाइयों को वहां जाना पड़ता था, तो चार-चार, पांच-पांच दिन लग जाते थे। आज आप वहां जाकर देखेंगे, तो बॉर्डर के ऊपर फोर लेन सड़क हैं। हमें कारगिल से लेकर नॉर्थ-ईस्ट तक आने-जाने में बहुत ज्यादा दिक्कत नहीं होती है। हमारे ऊपर कहीं चाइना बैठा है, तो कहीं पाकिस्तान बैठा है। इसी प्रकार से डिफेंस के जो हथियार थे, आप फर्स्ट वर्ल्ड वार और सेकेंड वर्ल्ड वार के समय को याद करिए, जो पुरानी ऑर्डिनेंस की फैक्ट्रियां होती थीं, उसके बाद हम लगातार कई सालों तक अपनी फैक्ट्री नहीं लगा पाए। मैं माननीय मोदी जी की सरकार को बधाई देता हूँ, जिन्होंने 'मेक इन इंडिया', 'मेड इन इंडिया' के नाम से अपने हथियार बनाए। जो न केवल अपने देश में काम आए, बल्कि हमने हथियार विदेशों में भी निर्यात किया। केवल रक्षा के मामले में ही नहीं, बल्कि हम इंफ्रास्ट्रक्चर देखें, तो ऐसा समय था कि आने-जाने के लिए रास्ते नहीं थे। चाहे वह नेशनल हाइवे की बात हो। चूंकि हम एनसीआर के रीजन में, यहां से किसी को मुंबई, चेन्नई, लखनऊ या कोलकाता जाना पड़ता था तो दिनों-दिन लग जाते थे। आज जब कई बार हम सड़क पर जाते हैं, कोई आदमी 10 सालों के बाद अपने गांव और शहर में आता है, तो वह भूल जाता है कि वह कहां का रहने वाला था। एक बार जब कोई सड़क पर चढ़ता है, तो वह भूल जाता है कि कहां से उतरना था। हमने ऐसी सड़कों के बारे में विदेशों में सुना था, देश में नहीं देखा था। केवल सड़कों का ही मामला नहीं है, बल्कि हम कनेक्टिविटी में रेल की बात करें, तो अगर हमें रेल के माध्यम से दूसरी जगह जाना पड़ता था, तब दिनों-दिन लग जाते थे। आज हम हैरान हैं। मैं कल ही चंडीगढ़ से आया हूँ। पहले हमें छः घंटे लगते थे, लेकिन हम पौने तीन घंटे में चंडीगढ़ से दिल्ली आ गए हैं। उस ट्रेन की केवल स्पीड ही नहीं बल्कि सीट्स भी देखें तो ऐसा लगता था कि कोई हवाई जहाज की सीट्स हैं। यह मॉडल है। इसी तरह से हवाई जहाज के मामले में देखेंगे, तो पाएंगे कि हर जगह नए एयरपोर्ट्स बने हैं। हमें एयरलाइंस के हवाई सफर की सुविधा सस्ते रेट में मिली है, इस चीज का कोई मुकाबला नहीं है।

अगर हम हेल्थ सेक्टर में देखें, तो एक समय था कि जब कोई बीमार हो जाता था, तो लोग दिल्ली एम्स में आने के लिए, लोक सभा के माननीय सांसद हों या राज्य सभा के माननीय सांसद हों, उनसे चिट्ठियां लिखवाते थे। आज हर स्टेट में मेडिकल कॉलेज और एम्स की संख्या बढ़ाई गई है। आज से पहले हमने इस प्रकार का भारत नहीं देखा था।

इसी प्रकार से अगर आप एग्रीकल्चर सेक्टर देखेंगे, तो हमारा सारा क्षेत्र सूखा था। आज से 10 साल पहले बाजरा बाजार में मात्र आठ सौ रुपए, नौ सौ रुपए क्विंटल बिकता था। आज हम बाजरा ढाई हजार रुपए क्विंटल बेचते हैं।

(1755/KN/SRG)

कभी चावल, गेहूं के रेट बढ़ते होंगे। लेकिन हमारा जो मोटा अनाज था, जिसमें पौष्टिक आहार है, अगर किसी को सुनाई दिया या किसी ने ध्यान दिया, यह पौष्टिक आहार, मोटे अनाज की फसल जो कम पानी से पैदा होती है, यदि उसका रेट बढ़ा तो माननीय मोदी जी के टाइम पर बढ़ा। ... (व्यवधान) मैं वही बात कह रहा हूँ। अगर मोटे अनाज का रेट बढ़ा तो हमारी सरकार के टाइम पर बढ़ा, वरना वही रेट था।

देखिये, सन् 1947 में जब देश आज़ाद हुआ तो देश की आज़ादी के लिए जिन लोगों ने बलिदान दिया, उनकी सोच थी कि जब देश आज़ाद होगा तो हम तेजी से आगे बढ़ेंगे। लेकिन लम्बे अरसे तक हमें जितनी रफ्तार पकड़नी चाहिए थी, वह नहीं पकड़ पाएं। पिछले दस साल से जो रफ्तार तेजी से पकड़ी है, उसी का नतीजा है कि वर्ष 2047 तक आओ हम सब मिलकर हम इस देश को आगे बढ़ाएं। मेरा भी तीसरा टर्म है। यह बड़ी पंचायत है।

सभापति जी, गांव में छोटी पंचायत होती है। गांव के लोग आपको लाइव देखते हैं। जब यहां एक दूसरे पर छींटाकशी या जो ऐसी-ऐसी बातें आती हैं, उसका दुष्प्रभाव नीचे तक पड़ता है। इसलिए आज हमें केवल देश को आगे कैसे बढ़ाना है, उसके बारे में सुझाव देने चाहिए। हम ऐसी-ऐसी बातें पिछले दस साल से देख रहे हैं। आज भी सुबह से शाम तक जो माहौल देखा, राष्ट्रपति जी का जो अभिभाषण था कि हमें देश को आने वाले पांच साल में आगे बढ़ाना है, उस पर चर्चा कम दूसरी बातों में हम ज्यादा उलझ कर रह जाते हैं। उससे कोई फायदा नहीं होना है। हम दुनिया के विकसित देशों की श्रेणी में आना चाहते हैं। आप दस साल पहले का भारत देखिये। उस वक्त टैक्स की कलैक्शन कितनी थी? इसी दस साल में टैक्स कलैक्शन के सुधार के कारण हमारा ढाई गुना ज्यादा बजट बढ़ जाता है। चाहे वह डेवलपमेंट का बजट हो या दूसरा बजट हो। उसी का नतीजा है कि हम हर सेक्टर में किसान को भी फायदा देते हैं। आप पिछले कुछ सालों के आंकड़े देखें कि हम 70 हजार करोड़ से ज्यादा किसान को मुआवजा देते हैं, सब्सिडी देते हैं, सम्मान निधि देते हैं। केवल एक बार पिछली सरकारों ने कभी 72 हजार करोड़ रुपये का कर्जा माफ किया होगा, लेकिन यह तो एक नियम बना दिया कि हर साल इतना ज्यादा पैसा किसान के खाते में जाता है। मैं अपने प्रदेश के बारे में देखता हूँ। हम 12 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा किसान को मुआवजा दे चुके हैं। पहले कभी मुआवजे का नाम नहीं होता था। आज उस किसान को मुआवजा जिस तेजी से जाता है, अगर सभी पार्टियों की सरकारें इसी प्रकार से प्रदेश में दें तो हम आगे बढ़ सकते हैं।

आपको भी याद होगा कि सारी दुनिया कहती है कि पानी के लिए तीसरी लड़ाई होगी। पानी की कमी है। ग्लोबल वार्मिंग है। हमें चाहिए तो यह था कि हम शुरू से ही वर्ष 1947 के बाद इन नदियों को जोड़ते। मैं माननीय मोदी जी की सरकार को बधाई देता हूँ, जिन्होंने 99 प्रोजेक्ट्स तो मंजूर करके चालू भी कर दिए। बहुत सी ऐसी नदियां हैं, जिनको जोड़ने के लिए बड़ी राशि खर्च करने जा रही है। जब बारिश का पानी होता था, हम पहले कभी यह नहीं सुनते थे कि पौंड अथॉरिटी के मार्फत से केन्द्र सरकार प्रदेशों को पैसा देकर उन जोहड़ों का पुनर्निर्माण करे, वाटर बॉडीज को ठीक करें। पिछले तीन-चार साल से जिस प्रकार से माननीय मोदी जी की सरकार ने पानी के बचाव के लिए सारे प्रदेशों को धनराशि दी है कि बारिश का पानी वहीं रोक कर रिचार्ज करिये, ताकि ड्रिप इरिगेशन या स्प्रिंकल सेट के माध्यम से कम पानी से आप ज्यादा फसल पैदा कर सके। केवल यही नहीं, बल्कि ऑर्गेनिक फसल के ऊपर भी भारत सरकार ने अब तेजी से सुधार किया है। आज खाद्यान्न पदार्थ, जिसमें मिलावट ज्यादा हो चुकी थी, उस पर भारत सरकार ने फोकस किया है। हम ऑर्गेनिक फसल के माध्यम से, देशी खाद्य के माध्यम से जब हम ज्यादा से ज्यादा उस अन्न को खाएंगे तो बीमारियां भी कम होंगी।

इसी प्रकार से आप बैंकिंग व्यवस्था को देखिये। जो पब्लिक सेक्टर के बैंक्स थे, वह हमेशा घाटे में रहते थे। आप पिछले दस साल का इतिहास देखिये। बैंकिंग व्यवस्था में सुधार करना भारत सरकार का काम होता है और उस अच्छी मैनेजमेंट की वजह से आज सभी बैंक्स फायदे में हैं, वरना यही बैंक्स एनपीए के माध्यम से या दूसरे माध्यम से हर साल घाटे में रहते थे। इसी प्रकार से सर्विसेज के मैटर में ... (व्यवधान)

(1800/RCP/VB)

HON. CHAIRPERSON (SHRI RAJA A.): Hon. Member please wait. There is an announcement.

Hon. Members, I have a long list of speakers to speak on the President's Address. The time is already six o'clock. If the House agrees, the time can be extended with consensus.

SEVERAL HON. MEMBERS: Yes.

HON. CHAIRPERSON: I think, it is agreed. Time of the House is extended up to 10 p.m.

Please carry on.

श्री धर्मबीर सिंह (भिवानी-महेन्द्रगढ़) : माननीय सभापति जी, देश में सी और डी श्रेणी की नौकरियों के लिए इंटरव्यू सिस्टम होता था, जिसमें सिफारिशी लोग नौकरी में लगते थे। माननीय मोदी जी ने क्लास सी और डी की नौकरियों में इंटरव्यू सिस्टम को खत्म करने का नियम लागू किया ताकि लोग अपनी काबिलियत के हिसाब से नौकरी करेंगे तो कोई गड़बड़ी नहीं होगी।

इसी प्रकार से, इस सरकार ने दस साल के कार्यकाल में पावर सेक्टर में जिस प्रकार का सुधार किया है, उसमें हम सिर्फ कोल और हाइडल प्रोजेक्ट्स पर आधारित थे। लेकिन मुझे याद है,

दस साल पहले जब सोलर पैनल से बिजली बनती थी, तो उसके उत्पादन में बारह-तेरह रुपए प्रति यूनिट का खर्च आता था। वहीं आज बिजली मात्र साढ़े तीन रुपए प्रति यूनिट में तैयार हो जाती है। माननीय मोदी जी आज ऐसा कौन-सा जादू लेकर आए हैं, जिसकी वजह से रेट्स इतने कम हुए और सस्ती बिजली की वजह से हमारा इन्वायरन्मेंट भी ठीक रहता है और हमें बिजली भी सस्ती दाम पर मिल जाती है।

दुनिया में शायद ही कोई इतना बड़ा देश होगा, जो 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज दे दे। विपक्ष वाले कहते थे कि पैसे कहाँ से आएंगे, अनाज कहाँ से आएंगे? वेयरहाउस खाली हो जाएंगे। लेकिन किसानों ने उत्पादन भी बढ़ाया और गरीब लोगों को अपना जीवन जीने के लिए भिखारी भी नहीं बनना पड़ा। इसमें भी अगर किसी का योगदान था, तो माननीय मोदी जी का योगदान था।

आप हेल्थ सेक्टर में देखें, तो जन औषधि केन्द्र खोले गये हैं, जहाँ सस्ती दवाइयाँ मिलती हैं। सस्ती दवाइयाँ मिले, इसके बारे में, हमारे देश में किसी सरकार ने नहीं सोचा। माननीय मोदी जी की सोच थी कि जेनरिक दवाइयों के ज्यादा स्टोर्स खुलेंगे, तो गरीब लोगों को सस्ता इलाज मिलेगा।

27 जून को माननीय राष्ट्रपति जी द्वारा जो अभिभाषण दिया गया, जिसका प्रस्ताव माननीय अनुराग ठाकुर जी ने रखा है, उसका समर्थन करते हुए हाउस के सभी सदस्यों से मेरी प्रार्थना है कि हम लोग हाउस की ऐसी मर्यादा बनाएं, क्योंकि इस हाउस को पूरा देश लाइव देखता है, छोटी-छोटी खाप पंचायतें भी लाइव देखती हैं। वे कई बार इस बात को कहते हैं कि तुम्हारी पार्लियामेंट से तो हमारी पंचायत अच्छी है, जहाँ कभी झगड़े नहीं होते हैं। स्पीकर जो कहता है, हम केवल वही सुनते हैं। इसलिए इस प्रकार का संदेश जरूर दें, पॉजिटिव संदेश दें ताकि एक सकारात्मक सोच के साथ हम इस देश को वर्ष 2047 तक एक विकसित देश की ओर ले जा सकें।

बहुत-बहुत धन्यवाद।

(इति)

**(FOR REST OF THE PROCEEDINGS,
PLEASE SEE THE SUPPLEMENT.)**

1803 बजे

श्री मनीश तिवारी (चंडीगढ़) : माननीय सभापति महोदय, महामहिम राष्ट्रपति जी के अभिभाषण में इस सरकार की पिछले दस वर्षों की जो तथा-कथित उपलब्धियाँ रही हैं, यहाँ उनका बहुत ही विस्तारपूर्वक उल्लेख किया गया है। इसीलिए मुझे मजबूर होकर यह बात कहनी पड़ रही है कि किसी भी सरकार का मूल्यांकन पाँच बिन्दुओं पर होता है- सबसे पहला राष्ट्रीय सुरक्षा, दूसरा आर्थिक विकास, तीसरा संस्थाओं की स्वायत्तता, चौथा अंतर्राष्ट्रीय रिश्ते या कूटनीति और पाँचवाँ साम्प्रदायिक सौहार्द।

यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि इन पाँचों बिन्दुओं पर पिछले दस वर्षों में एनडीए-भाजपा की सरकार पूरी तरह से विफल रही है। अगर मैं यह कहूँ कि आपने इन पाँचों बिन्दुओं के परखच्चे उड़ा दिये हैं, तो शायद वह भी गलत नहीं होगा। लेकिन इस पर विस्तृत विश्लेषण करने से पहले मैं एक महत्वपूर्ण विषय की तरफ इस सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। आज 1 जुलाई, 2024 है।

(1805/PC/PS)

कल रात 12 बजे से इस देश में फौजदारी के कानूनों की एक नई प्रक्रिया लागू की गई है। यह जो प्रक्रिया है, यह सिर्फ नॉर्थ-ब्लॉक में ही क्रियान्वित नहीं की जाएगी। यह प्रक्रिया भारत के उत्तर से लेकर दक्षिण तक और पूरब से लेकर पश्चिम तक जो 17,380 पुलिस थाने हैं, उनमें क्रियान्वित की जाएगी, जिनमें से 9,378 थाने भारत के ग्रामीण इलाकों में हैं। 4,929 थाने भारत के शहरी इलाकों में हैं और 3,072 स्पेशल पुलिस स्टेशंस हैं।

सभापति महोदय, मुझे यह कहते हुए बहुत ही संकोच हो रहा है और यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि यह जो फौजदारी के कानून की प्रक्रिया, जो कल रात से लागू की गई है, यह इस देश में पुलिस राज की नींव रखने का काम करेगी।

मैं यह बात इसलिए कह रहा हूँ कि आपने इस देश में फौजदारी के कानून की दो सामानांतर प्रक्रियाएं बना दी हैं। एक प्रक्रिया है कि 30 जून, 2024 बारह बजे से पहले जो मामले दर्ज किए गए थे, जो अदालतों के सामने हैं, उनके ऊपर पुराने कानूनों के तहत फैसला किया जाएगा और 1 जुलाई, 2024 या 30 जून, 2024 को रात बारह बजकर एक मिनट के बाद जो मामले दर्ज किए गए हैं या दर्ज किए जाएंगे और जो मामले अदालतों के सामने जाएंगे, वह आपने जो नई प्रक्रिया बनाई है, उसके तहत उन पर फैसला होगा।

सभापति महोदय, आप खुद पेशे से वकील हैं। आप इस बात को जानते हैं कि भारत की जो न्यायपालिका है, उसमें 3.4 करोड़ मामले लंबित हैं। उनमें से अधिकतर मामले फौजदारी से जुड़े हुए हैं, क्रिमिनल केसेज़ हैं। यह जो नई प्रक्रिया लागू की गई है, इससे बहुत बड़ा कंप्यूजन, एक बहुत बड़ा संकट भारत की न्याय पालिका में आने वाला है।

इसलिए, मैं यह बहुत विनम्रता से कहना चाहता हूँ कि ये तीनों कानून उस समय पारित किए गए, जब संसद के इस सदन से और जो दूसरा सदन राज्य सभा है, उससे 146 सांसदों को निलंबित किया गया था। इसलिए, ये जो कानून हैं, यह इस सदन की या राज्य सभा की जो

कलेक्टिव-विज़डम है, उस कलेक्टिव-विज़डम को रिफ्लेक्ट नहीं करते हैं। इनमें बहुत बड़ी खामियां हैं।

मैं कुछ खामियों का उल्लेख करना चाहता हूँ, क्योंकि ऐसा नहीं है कि ये कानून सिर्फ बीजेपी शासित राज्यों में ही क्रियान्वित किए जाएंगे। ये कानून पूरे देश में क्रियान्वित किए जाएंगे और इनका नकारात्मक प्रभाव इस देश की 140 करोड़ जनता पर पड़ने वाला है।

1809 बजे

(श्री दिलीप शङ्कीया पीठासीन हुए)

सभापति महोदय, उच्चतम न्यायालय ने फैसला दिया था कि कोई भी अगर पुलिस थाने में जाता है, तो उसकी एफआईआर दर्ज होगी। जो नया कानून आया है, उस बीएनएसएस की धारा 173 (3) के तहत पुलिस को यह फ्लेक्सिबिलिटी दी गई है कि जो ऐसे दंड हैं, जिनमें तीन से लेकर सात साल तक की सजा है, उसमें पुलिस एफआईआर दर्ज करे या न करे, यह उनके विवेक पर छोड़ा गया है।

इसका परिणाम क्या होगा? इसका परिणाम यह होगा कि जो वंचित है, जो शोषित है, जो दबा हुआ है, जो समाज के कमजोर वर्गों से आता है, उसकी पुलिस थानों में एफआईआर दर्ज नहीं होगी। मैं इसके दूसरे प्रावधान पर आता हूँ। इस देश का जो कानून है, जो Criminal Jurisprudence है, वह कहती है 'Bail and No Jail', लेकिन जो कानून आप लेकर आए हैं, जो सरकार लेकर आई है, वह एक चीज बिलकुल सुनिश्चित कर देती है कि जो व्यक्ति गिरफ्तार हो गया, उसकी 60 से लेकर 90 दिन तक जमानत हो ही नहीं सकती।

(1810/CS/SMN)

चाहे वह जो जमानत का ट्रिपल टेस्ट है, उसको क्यों न पास करता हो, क्योंकि जो जाँच अधिकारी है, वह 60 से लेकर 90 दिन तक कभी भी आपकी पुलिस कस्टडी माँग सकता है। आपने सिविल लिबर्टीज के ऊपर इतना बड़ा आक्रमण किया है कि अगर कोई भी व्यक्ति गिरफ्तार हो गया तो 60 से लेकर 90 दिन तक यह तो भूल जाए कि उसकी जमानत भी होगी।

महोदय, इसके साथ-साथ वर्ष 1973 में उच्चतम न्यायालय ने अपने दो फैसलों में यह कहा था कि जो अभियुक्त है, जब उसे अदालत में लाया जाएगा तो उसे हथकड़ी नहीं लगेगी। ऐसा इसलिए क्योंकि जब साम्राज्यवादी सरकार थी, उस समय लोगों को बेइज्जत करने के लिए, जलील करने के लिए उनको हथकड़ियाँ लगाकर अदालतों में लाया जाता था। एक तरफ तो आप यह कह रहे हो कि हम वे साम्राज्यवादी कानून खत्म करना चाहते हैं और दूसरी तरफ आप इन कानूनों के माध्यम से हथकड़ियाँ वापस ले आए हो। बीएनएसएस की जो धारा 43(3) है, उसके तहत आप हथकड़ियाँ वापस ले आए हो। ये किस तरह के कानून आपने इस देश के लिए बनाए हैं? इसके साथ-साथ जो राजद्रोह का कानून है, 124ए आईपीसी, उच्चतम न्यायालय ने उसके ऊपर रोक लगा दी थी। महात्मा गाँधी जी ने यह कहा था कि this is among the prince of the political sections of the IPC और आपने क्या किया, वह राजद्रोह का कानून आप पिछले दरवाजे से फिर वापस लेकर आ गए। एक तरफ तो आपने उच्चतम न्यायालय में जाकर यह कहा कि हम सिडिशन के तहत देश में कोई मामला दर्ज नहीं करेंगे। वह मामला उच्चतम न्यायालय में

लम्बित है और ये नए कानून लाकर फिर राजद्रोह पिछले दरवाजे से आप वापस ले आए। बाकी बिन्दुओं पर भी मुझे वापस आना है। मेरा सदन से यह कहना है कि इन तीनों कानूनों पर तुरन्त रोक लगायी जाए। इन तीनों कानूनों को दोबारा से इस सदन के समक्ष रखा जाए, उन्हें जॉइंट पार्लियामेन्टरी कमेटी को, संयुक्त संसदीय समिति को भेजा जाए, उनकी दोबारा से समीक्षा हो, नहीं तो आज मैं बहुत जिम्मेदारी से यह बात कह रहा हूँ कि जो काम सरकार ने किया है, उससे इस देश में पुलिस राज की नींव रखी जा रही है।

महोदय, अब मैं राष्ट्रीय सुरक्षा पर आता हूँ। यह दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि पिछले 4 वर्षों से चीन हमारी सरजमीं में घुसा हुआ है। यह बात मैं नहीं कह रहा हूँ, सरकार के अपने आधिकारिक, लिखित में जनवरी-2023 में डीजीपी-आईजीपीज की कांफ्रेंस को एक पेपर प्रजेंट किया गया था और उसमें एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह बात कही थी कि काराकोरम पास से लेकर चुमर तक 65 पेट्रोलिंग पॉइंट्स थे, उन 65 पेट्रोलिंग पॉइंट्स में से 26 पेट्रोलिंग पॉइंट्स ऐसे हैं, जहाँ पर भारतीय सुरक्षा कर्मी दल, इंडियन सिक्योरिटी फोर्सेंज नहीं जा पा रही हैं। मैं यह बात आज पहली बार इस सदन में नहीं कह रहा हूँ, जब हम मणिपुर के ऊपर अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए थे, हमारे साथी, हमारे सहयोगी गौरव गोगोई जी ने वह प्रस्ताव रखा था, उस बहस में भी मैंने यह बात कही थी कि सरकार की तरफ से यह स्पष्टीकरण आना चाहिए कि भारत की कितनी सरजमीं के ऊपर चीन ने पिछले 4 वर्षों से कब्जा कर रखा है और यह सरकार वह भारत की सरजमीं कब खाली करवाकर भारत के पास वापस लेकर आएगी। पिछली बार तो सरकार की तरफ से अविश्वास प्रस्ताव में कोई जवाब नहीं आया था। मैं उम्मीद करूँगा कि राष्ट्रपति अभिभाषण के ऊपर हो रही चर्चा में वे इस बारे में बताएं, क्योंकि 4 वर्ष चीन की उस घुसपैठ को हो गए हैं।

(1815/IND/SM)

सरकार की तरफ से यह जवाब आएगा कि भारत की कितनी सरजमीं चीन के कब्जे में है और कब सरकार उसे खाली कराने जाएगी।

सभापति जी, मैं आर्थिक विकास के बारे में बोलूँगा। हमारे कई साथियों ने इस बारे में बहुत विस्तारपूर्वक उल्लेख किया है। यदि इस चुनाव में कोई दो बड़े मुद्दे थे तो महंगाई और बेरोजगारी थी। सरकार कहती है कि हम 81 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रहे हैं। मैं सरकार को याद कराना चाहता हूँ कि वर्ष 2013 में यूपीए सरकार फूड सिक्योरिटी एक्ट लेकर आई थी। उस समय इनका क्या रवैया था, शायद इनके जो साथी उस लोक सभा में रहे हों, उन्हें भली भांति याद होगा। हमें उससे कोई आपत्ति नहीं है। आप 81 करोड़ लोगों को नहीं, बल्कि 140 करोड़ लोगों को यदि निशुल्क अनाज देना चाहते हैं, हमें उससे कोई आपत्ति नहीं है, हम आपका समर्थन करेंगे, लेकिन मैं आपसे पूछना चाहता हूँ कि रोजगार कहां हैं? पिछले दस सालों में आपने भारत के युवाओं से जो वायदे किए थे कि दो करोड़ नौकरियां आप हर साल मुहैया कराएंगे, दस साल में बीस करोड़ नौकरियां बनती हैं, वह बीस करोड़ नौकरियां कहां हैं? भारत का युवा आज यह सवाल पूछ रहा है कि हमारे भविष्य के लिए, हमारे रोजगार के लिए, हमारी तरक्की के लिए, हमारी प्रगति के लिए एनडीए, भाजपा सरकार ने पिछले दस वर्षों में क्या किया है और अगले पांच वर्षों में क्या करने जा

रही है, उसका माननीय राष्ट्रपति के अभिभाषण में एक शब्द का भी उल्लेख नहीं है। इससे यह बात साफ होती है कि यह जो सरकार है, वह बिलकुल विचार वहीन है। It has run out of ideas. इनके पास न ही कोई कार्यक्रम है, न ही कोई नीति है कि किस तरह से देश में रोजगार पैदा होगा।

महोदय, जो तीसरा बिंदू है, वह संस्थाओं की स्वायत्ता के बारे में है। हमारे शिव सेना के साथी ने अपनी बात रखते हुए इस चीज का उल्लेख किया था कि कोई भी लोकतंत्र उतना ही शक्तिशाली होता है, जितनी शक्तिशाली उनकी संस्थाएं होती हैं। पिछले दस सालों में जिन संस्थाओं के ऊपर यह लोकतंत्र खड़ा है, उसे कमजोर करने की पूरी कोशिश की गई है। उसका सबसे बड़ा जीता जागता उदाहरण यह है कि चुनाव आयोग जो भारत के लोकतंत्र का निष्पक्ष आर्बेटर होना चाहिए, जब इलेक्शन कमिश्नर्स का सलेक्शन करते हैं, उसमें आपने न्यायपालिका से एक भी व्यक्ति को नहीं रखा। यह किस तरह की स्वायत्ता है कि प्रधान मंत्री जी रहेंगे, सरकार के मंत्री रहेंगे और न्यायपालिका से कोई व्यक्ति उसमें नहीं रहेगा। भारत में किस तरह से चुनाव आयोग के कमिश्नर्स चुने जाते हैं, उसके ऊपर बहुत बड़ा प्रश्न चिह्न लगता है।

महोदय, चूंकि आपने घंटी बजा दी है और मुझे यह आदत नहीं है कि उसके बाद मैं अपना भाषण जारी रखूं, लेकिन मैं एक-दो बात कहकर अपनी बात समाप्त करूंगा। चौथे बिंदू साम्प्रदायिक सौहार्द का है। पिछले दस वर्षों की जो धूर्वीकरण की नीति एनडीए, भाजपा सरकार की रही है, उसे अंग्रेजी में कहते हैं 'keep the temperature on a slow boiler' उसका जीता जागता प्रमाण यह है जो पिछले एक वर्ष से मणिपुर में हो रहा है। मैं सरकार को आगाह करना चाहता हूं कि इस चुनाव ने एक संदेश भेजा है। एनडीए, भाजपा की अयोध्या में जो हार हुई है, वह एक संदेश है कि भगवान राम की अगर आप याचना कीजिए, वह तो इस देश को मंजूर है लेकिन अगर आप धर्म का इस्तेमाल राजनीतिकरण के लिए करेंगे तो यह इस देश को कतई मंजूर नहीं है और यह बहुत स्पष्ट संदेश इस चुनाव के माध्यम से एनडीए, भाजपा सरकार को भारत के 140 करोड़ लोगों ने दिया है। अंत में, मैं यह कह कर अपनी बात खत्म करता हूं -

“कि वक्त की आंखों ने वे फलक भी देखे हैं

कि लम्हों ने गलती की और सदियों ने सजा पाई है।”

महोदय, दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि एनडीए, भाजपा की सरकार के पिछले दस वर्षों में गलतियां ही गलतियां हुई हैं। धन्यवाद।

(इति)

(1820/RV/RP)

1820 hours

DR. SHRIKANT EKNATH SHINDE (KALYAN) : Hon. Chairman Sir, thank you very much. Our Maharashtra is celebrating Palkhi Utsav and in this celebration the warkaris undertake a barefooted 'Wari' to Pandharpur to seek the blessings of Pandurang. Today, I want to start my first speech of this newly constituted Lok Sabha by uttering the slogan of 'Pundlik Varde Hari Vitthal, Shri Dyandeo Tukaram, Pandharinath Maharaj Ki Jai'.

सभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आज आपने राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में एनडीए के सबसे पुराने सहयोगी शिव सेना की तरफ से मुझे यहां बोलने का मौका दिया।

इस एनडीए में शिव सेना सबसे पुरानी साथी है। जैसे एल.आई.सी. का एक वाक्य है – 'जिन्दगी के साथ भी और जिन्दगी के बाद भी' वैसे ही, बाला साहेब के पहले भी और बाला साहेब के जाने के बाद भी, आज शिव सेना, भारतीय जनता पार्टी के साथ एनडीए में खड़ी है।

महोदय, सबसे पहले मैं देश की जनता को, महाराष्ट्र की जनता को और मेरे कल्याण लोक सभा संसदीय क्षेत्र की जनता को तहे दिल से धन्यवाद अदा करता हूं कि तीसरी बार मुझे इस सदन में मेरे कल्याण लोक सभा संसदीय क्षेत्र की जनता ने चुन कर भेजा है। तीसरी बार फिर से मोदी जी को देश का नेतृत्व सौंपा और मोदी जी को तीसरी बार प्रधान मंत्री बनाया।

मैं प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी को, एनडीए सरकार को तीसरे कार्यकाल के लिए बहुत-बहुत बधाई देता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि पिछले दस सालों में हमने जो काम किया, वे ऐतिहासिक थे। सकारात्मक काम गए दस सालों में हुए। उससे भी अच्छे काम, अच्छी नीतियां आने वाले पाँच सालों में हमारी सरकार माननीय मोदी जी के नेतृत्व में बनाएगी।

इस चुनाव में जनता ने एक मैसेज दिया है। काँग्रेस अकेले लड़े या 'इंडी' अलायंस बनाकर लड़े, उसे बैठना तो विपक्ष में ही है। काँग्रेस, जो आज इतनी खुश है और राहुल जी, जो कल तक यहां थे, आज वहां पहुंच गए हैं... (व्यवधान) राहुल की जगह उधर ही विपक्ष में है... (व्यवधान)

काँग्रेस को ऐसा लग रहा है कि आज वह विपक्ष में नहीं, बल्कि सत्ता में है। उन्हें इतनी खुशी विपक्ष में बैठ कर महसूस हो रही है... (व्यवधान) दस सालों में काँग्रेस सिर्फ 44 सीटों से 99 तक पहुंची है। वह 100 सीटों का आंकड़ा भी पूरा नहीं कर पाई है... (व्यवधान) हम लोग 15 सीटों पर लड़े और 7 सीट्स जीते... (व्यवधान)

महोदय, आज मैं यहां कुछ आँकड़े बताना चाहूंगा कि आपने 285 सीट्स पर चुनाव लड़ा और सिर्फ 99 जीते, मतलब आपकी स्ट्राइक रेट सिर्फ 34 प्रतिशत थी। काँग्रेस के 285 में से 51 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, मध्य प्रदेश, दिल्ली और त्रिपुरा में काँग्रेस अपना खाता भी खोल नहीं पाई... (व्यवधान)

आज विपक्ष के नेता किस विषय पर बात कर रहे थे?... (व्यवधान) इन्होंने अलग-अलग राज्यों में 336 उम्मीदवार खड़े किए। उसमें से इनके सिर्फ 15 उम्मीदवार जीत कर आए, जो 5 प्रतिशत से भी कम है। मुझे लगता है कि आपके आँकड़े तो कम हैं, लेकिन आपकी अकड़ इस वक्त बढ़ गयी है। मुझे लगता है कि इस जश्न के पीछे जो हार की सच्चाई है, उस पर काँग्रेस को थोड़ा आत्मचिंतन करने की जरूरत है।... (व्यवधान)

(1825/GG/NKL)

दस सालों के बाद भी हम लोग यहां पर सत्ता में बैठे हैं और आप लोग विपक्ष में बैठे हैं। लोगों ने आप पर विश्वास नहीं रखा। ... (व्यवधान) लोगों ने मोदी जी की नीतियों पर विश्वास रखा। ... (व्यवधान) लोगों ने मोदी जी पर विश्वास रखा। इसलिए आज हम फिर से तीसरी बार सत्ता में बैठे हैं। ... (व्यवधान) लोगों ने मोदी जी को क्यों चुना? हम सबके लिए यह गर्व की बात है कि भारत में लोकतंत्र का सबसे बड़ा उत्सव शांतिपूर्वक ढंग से पूरा हुआ और तीसरी बार भारत ने प्रधान मंत्री मोदी जी के नेतृत्व को चुना। वर्ष 2024 में दुनिया की आधी आबादी चुनाव प्रक्रिया में भाग ले रही थी। अभी तक 55 देशों में चुनाव हुए हैं और 33 देशों में सरकारें बदल गई हैं। लेकिन हमारे देश ने तीसरी बार सशक्त सरकार, मोदी जी के नेतृत्व में बनाई है। एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि जब विश्व भर में बदलाव की लहर है, तब भारत जैसे डायवर्स और सबसे बड़े लोकतंत्र में स्टेबिलिटी कैसे है? उसका सबसे प्रमुख कारण है कि जनता को हमारी नीतियों पर विश्वास है। हमने यह दिखा दिया है कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि पिछले 75 वर्षों में सबसे ज्यादा मजबूत अभी हुई है। आज हमारा देश किसी पर भी निर्भर नहीं है, बल्कि बाकी देश भारत पर निर्भर हैं। कांग्रेस सरकार की फॉरेन पॉलिसी ने हमारी इंटरनल सिक्योरिटी को कमजोर किया और इसी कारण 26/11 के हमलों का हम कोई जवाब नहीं दे पाए। लेकिन आज वक्त बदल गया है। हमारी सरकार पाकिस्तान को सर्जिकल स्ट्राइक के माध्यम से जवाब देती है। जी-20 के डेक्लेरेशन में विश्व के सबसे शक्तिशाली देशों के साथ कंसेंसस बना कर मोदी जी ने भारत की ताकत पूरे विश्व को दिखा दी। आज साऊदी अरेबिया हो, यूएई हो, बहरीन हो या इजिप्ट हो, ऐसे देश अपना सर्वोच्च नागरिक सम्मान हमारे प्रधान मंत्री जी को देते हैं। जब इस सदन ने आर्टिकल-370 हटाया तब विपक्ष के कुछ साथी और कुछ चुनिंदा देशों को अगर छोड़ें तो पूरे विश्व ने इसका समर्थन किया। जिस भारत को थर्ड वर्ल्ड कंट्री बोलते थे, वह आज थर्ड लार्जस्ट इकोनॉमी बनने के रास्ते पर है। आज विश्व स्तर

पर प्रधान मंत्री जी को सम्मान मिलता है, तो वह 140 करोड़ देशवासियों का सम्मान है, भारत का सम्मान है। यह प्रमाण है, भारत के विश्व गुरु बनने का। कोरोना महामारी के समय 30 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन्स हमने एक्सपोर्ट की और सौ से ज्यादा देशों को उसका फायदा हुआ।

महोदय, यहां पर कुछ आंकड़े मैं प्रस्तुत करना चाहूंगा कि वर्ष 2014 के पहले हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था कैसी थी। वर्ष 2014 तक देश में सिर्फ सात एम्स और 390 मेडिकल कॉलेजेस थे। लेकिन आज 16 नए एम्स और 315 नए मेडिकल कॉलेजेस शुरू हो गए हैं। आज जम्मू-कश्मीर में भी एम्स का निर्माण हो रहा है। दस साल में भारत 11वें नंबर से पांचवे नंबर पर पहुंचा है। स्टार्टअप्स जो आज एक लाख से भी अधिक हैं, वहीं वर्ष 2014 में सिर्फ 350 थे।

महोदय, यहां पर नेशनल सिक्योरिटी की बहुत बात हो रही है। यहां पर अग्निवीर की भी बात हो रही है। मैं मुंबई की बात करना चाहता हूँ, जिसने वर्ष 2008 में आतंकवाद की दहशत देखी और उसमें भी तब की कांग्रेस सरकार के गृह मंत्री कपड़े बदल रहे थे। ऐसी व्यवस्था में वर्ष 2008 में 26/11 जैसा हमला हुआ। जब यह हमला हुआ, तब हमारे पुलिसकर्मियों के पास 303 राइफल थी, जो सैकेंड वर्ल्ड वॉर में यूज हुई थी। उस राइफल के साथ हमारी पुलिस आतंकवादियों का सामना कर रही थी। उनके पास बुलेट प्रूफ जैकेट नहीं थी। आज यहां पर ये लोग अग्निवीर पर बात कर रहे हैं। इनको कोई नैतिक अधिकार नहीं है। वर्ष 2008 में मुंबई में सीरियल बम ब्लास्ट हुए थे, उसके पहले भी सीरियल बम ब्लास्ट हुए थे। लेकिन पिछले 10 सालों में एक भी ऐसा कोई बड़ा शहर नहीं है जहां पर एक भी हमला हुआ हो।

(1830/MY/VR)

हमारी 10 साल की नीति है। ये लोग कह रहे थे कि डरो मत, डरो मत। मुझे लगता है कि हमारे आस-पड़ोस के देश पहले आपसे नहीं डरते थे, इसलिए वे हमारे देश पर आए दिन हमला करते थे। आज हमारे आस-पड़ोस के देश मोदी जी से डरते हैं। विगत दस सालों में हमारे बड़े शहरों में एक भी हमला नहीं हुआ। प्रधानमंत्री जी ने 'आत्मनिर्भर भारत' के लिए आह्वान किया था। मुझे गर्व है कि पिछले एक दशक में हमारे डिफेंस एक्सपोर्ट 18 गुना बढ़ कर 21 हजार करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। हम 85 देशों को एडवांस्ड टोड आर्टिलरी गन सिस्टम और ब्रह्मोस मिसाइल एक्सपोर्ट कर रहे हैं। यह हमारी नीति है।

आज यहां पर सभी लोग कंस्टीट्यूशन के ऊपर बात कर रहे थे। जब ये लोग शपथ ले रहे थे, तब कंस्टीट्यूशन दिखा कर शपथ ले रहे थे। मुझे पूरे चुनाव में एक फेक नैरेटिव देखने को मिला कि संविधान खतरे में है, आरक्षण खत्म हो जाएगा, लोकतंत्र खतरे में है। ऐसा बोलने के बाद आपके कुछ वोट बढ़े हैं, कुछ नंबर जरूर बढ़े हैं, लेकिन मुझे लगता है कि आप इस

फेक नैरेटिव को बार-बार इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। आप एक बार लोगों को भ्रमित कर सकते हैं। बार-बार लोगों को भ्रमित करने का काम आपसे नहीं होगा और लोग भी भ्रमित नहीं होंगे।

यहां पर इंडिया अलाएन्स के सांसदों ने कहा कि अगर भाजपा की सरकार आई तो वह संविधान को फाड़कर फेंक देगी। मैं उनको याद दिलाना चाहूंगा कि यह मनमोहन सिंह जी की सरकार नहीं है कि जहां पर राहुल जी ने ऑर्डिनेंस को फाड़ कर फेंक दिया था। यह हमारी सरकार है। हमारी सरकार संविधान के अनुसार चलने का काम करती है। आप लोग आज डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी के नाम पर राजनीति करते हैं। डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी को दो बार हराने का काम अगर किसी ने किया तो वह कांग्रेस ने किया। नेहरू जी ने डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी के विरोध में प्रचार भी किया था। ... (व्यवधान)

सर, आप मुझे प्रोटेक्शन दीजिए... (व्यवधान) मैं यहां पर एक चिट्ठी के बारे में बताना चाहूंगा, जिसे नेहरू जी ने 27 जून, 1961 को सभी मुख्यमंत्रियों को लिखा था। उसके अंदर लिखा था कि 'I dislike any kind of reservation more particularly in service.' पिछड़े वर्ग को सेकेंड रेट और इनएफिसिएन्ट बोलने वाले नेहरू जी के वंशज आज संविधान और आरक्षण की बात कर रहे हैं। डॉ. बाबा साहब अंबेडकर अगर यहां पर नहीं होते तो नेहरू जी पूरे आरक्षण को खत्म कर चुके होते। आज मुझे पूछना है कि क्या नेहरू जी के राज में भी संविधान खतरे में था? इसका जवाब विपक्ष को देना चाहिए। आज डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी के संविधान पर सही मायने में चलने का काम हमने किया। डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी को भारत रत्न देने का काम कांग्रेस ने नहीं किया। गैर कांग्रेसी वी.पी.सिंह जी की सरकार ने डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी को भारत रत्न दिया। उसी के साथ इंदू मिल में डॉ. बाबा साहब अंबेडकर जी का सबसे बड़ा स्मारक हमारी सरकार बना रही है। लंदन का जो घर है, उसको भी स्मारक के रूप में रूपांतर करने का काम हमारी सरकार ने किया। उसी के साथ ही 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाने का काम भी हमारी सरकार ने किया। पुराने पार्लियामेंट को 'संविधान सदन' नाम देने का काम भी हमारी सरकार ने किया, मोदी जी ने किया।

मुझे लगता है कि सिर्फ संविधान, संविधान चिल्ला कर कुछ बात नहीं होगी, बल्कि संविधान पर चलना भी होगा... (व्यवधान) आप अगले इलेक्शन तक यही बोलते रहिए। यहां कुछ लोगों ने इलेक्शन कमीशन पर उंगली उठायी। मैं इनसे सवाल पूछना चाहता हूँ।

(1835/CP/SAN)

... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) कौन थे? जिस ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) ने हमारे हिंदू हृदय सम्राट बाला साहेब ठाकरे जी के अधिकारों को छीना, वोटिंग का अधिकार 6 सालों के लिए छीना, जो ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में

सम्मिलित नहीं किया गया।) थे, उनको पहले राज्य सभा में लेकर फिर केंद्रीय मंत्री बनाने का काम किसने किया? आज ये संविधान बचाने का काम यहां पर कर रहे हैं।

इनकी जो सरकार आई, जब इनके 400 पार थे, तब इन्होंने क्या किया? 1984 में जब 400 पार थे, तब एक गरीब मुस्लिम महिला, जिसका नाम है शाहबानो, उसको सुप्रीम कोर्ट ने उसका हक दिया था, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के विरोध में जाकर सिर्फ एक विशिष्ट वर्ग के लिए इन्होंने कानून बनाया और मुस्लिम महिलाओं का अधिकार छीनने का काम इन्होंने किया। मुस्लिम महिलाओं को उनका अधिकार देने का काम नरेन्द्र मोदी जी ने ट्रिपल तलाक हटाकर किया। ... (व्यवधान) आप बैठिए। मैं तीसरी बार का सांसद हूं... (व्यवधान) आप समझाने की जुरत मत कीजिए। तीसरी बार चुनकर आया हूं... (व्यवधान) आप बैठिए।

माननीय सभापति (श्री दिलीप शइकीया) : माननीय सदस्य आप बोलिए।

... (व्यवधान)

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे (कल्याण) : राहुल गांधी क्या बात कर रहे थे? ... (व्यवधान)

माननीय सभापति : आप चेयर की ओर देखकर बोलिए। इधर ध्यान मत दीजिए। किसी की बात रिकार्ड में नहीं जाएगी।

... (व्यवधान)...(कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।)

माननीय सभापति : आप अपने समय का ध्यान रखिए।

... (व्यवधान)

माननीय सभापति : आप बैठिए। आपकी बात रिकार्ड में नहीं जा रही है।

... (व्यवधान)

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे (कल्याण) : इस देश में राष्ट्रपति जी का अपमान करने का काम कांग्रेस ने किया। सिख समाज के साथ नरसंहार हुआ, अत्याचार हुआ। किसने यह अत्याचार किया? इसका भी जवाब कांग्रेस को देना पड़ेगा। ... (व्यवधान) आप अब बोलने का काम कीजिए... (व्यवधान)

माननीय सभापति : आप इधर देखकर अपनी बात कहिए।

... (व्यवधान)

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे (कल्याण) : इस बात को दुनिया जानती है। जब ज्ञानी जैलसिंह जी राष्ट्रपति थे, उनको इन्होंने 2 साल तक किसी भी मंत्री से मिलने नहीं

दिया और आज ये यहां संविधान की बात कर रहे हैं। 400 पार इनके पास थे, तब बोफोर्स जैसा घोटाला इन्होंने किया, सेना को कमजोर करने का काम भी कांग्रेस की सरकार ने किया। जब ये 400 पार थे, तब भोपाल गैस त्रासदी में इतने लोग मारे गए और वॉरेन एंडरसन को वीआईपी ट्रीटमेंट देकर चार्टर्ड प्लेन से देश के बाहर भगाने का काम भी कांग्रेस ने किया।

माननीय सभापति : माननीय सदस्य, 1 मिनट में कंक्लूड कीजिए।

DR. SHRIKANT EKNATH SHINDE (KALYAN): Sir, I am the only speaker from my Party.

HON. CHAIRPERSON: Your Party is allotted 13 minutes, but you have already spoken for 17 minutes.

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे (कल्याण) : सर, मेरा पहला भाषण है, आप संरक्षण दीजिए। 400 पार, तो एंडरसन फरार, 400 पार तो संविधान पर वार, 400 पार तो मुस्लिम महिलाओं पर अत्याचार और इनका 400 पार तो सेना में इन्होंने भ्रष्टाचार किया।

मैं महाराष्ट्र की यहां पर बात करूंगा। महाराष्ट्र में आज डबल इंजन की सरकार है। सरकार किस प्रकार विकास के काम कर सकती है, इसके कुछ उदाहरण मैं यहां पर देना चाहूंगा। 701 किलोमीटर का समृद्धि महामार्ग, कोस्टल रोड, अटल सेतु जो देश का सबसे लॉंगेस्ट सी-ब्रिज है, उसे बनाने का काम हमने किया। बुलेट ट्रेन हो, वधावन पोर्ट हो, मराठवाडा रेल कोच फैक्ट्री हो, मुंबई-नागपुर हाई स्पीड कोरीडोर हो, इसके साथ में 350 किलोमीटर की मेट्रो रेल हो, यह रिकार्ड टाइम में पूरा करने का काम केंद्र सरकार की मदद से राज्य सरकार ने माननीय मुख्य मंत्री एकनाथ शिंदे साहब के नेतृत्व में किया।

यहां से कुछ लोग भाग गए। आज कोई यहां पर बैठा नहीं है, ये भी भाग गए। ये जो भगोड़े हैं, हिंदुत्व से दूर भागे, बाला साहब के विचारों से दूर भागे। लोग रोज इनकी पार्टी छोड़कर भाग रहे हैं।

(1840/NK/SNT)

जब लोक सभा का चुनाव हुआ तो असली शिवसेना, नकली शिवसेना, लोगों ने इनको दिखा दिया कौन असली शिवसेना और बाला साहब की शिवसेना जी के साथ खड़ी है। आज इनके सामने हम लोग 13 सीटों में इनके सामने-सामने लड़ें, 13

में से 7 सीटें जीतीं, दो लाख से ज्यादा वोट बाला साहब की शिवसेना को मिली, लोग शिवसेना के साथ और हिन्दुत्व के साथ खड़े हैं। बाला साहब हमेशा कहते थे कि गर्व से कहो हम हिन्दू हैं, आज इनके नेता को भाषण में हिन्दू शब्द यूज करने में शर्म आती है। हिन्दू शब्द इनको इस्तेमाल करने में शर्म आती है। यहां पर विपक्ष के नेता हिन्दूओं को कह रहे थे कि हिन्दू हिंसक है। मैं छत्रपति शिवाजी महाराज की भूमि से आता हूं, छत्रपति शिवाजी महाराज ने हिन्दू स्वराज के लिए और हिन्दू के रक्षण के लिए लड़े।

*Sir, our Chhatrapati Shivaji Maharaj fought to protect Dev, Desh and Dharm. If he had not fought for people's cause, the Maratha empire spread from Attock to Cuttack, would not have been established. You should be proud of it. You play the role of Sambhaji Maharaj, try to adopt his qualities too.

माननीय सभापति (श्री दिलीप शइकीया) : प्लीज आप खत्म कीजिए, समय हो गया है।

डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे (कल्याण): मुंबई 1993 बम ब्लास्ट के कन्विकट इकबाल मूसा जैसे आतंकवादियों को चुनाव प्रचार में उतारा, उनसे प्रचार करवाया ताकि एक विशिष्ट वर्ग और समाज के वोट इनको मिल सके। लेकिन इकबाल मूसा को प्रचार में उतारने के बावजूद हमारे साथ रविंद्र वाइकर जी चुन कर आए। लोग न्याय के साथ खड़े हैं, लोग आतंकवादियों के साथ खड़े नहीं हैं। एक साइड से आलू डालो और दूसरे साइड से सोना निकालो जैसी योजना लाये थे, वैसी योजना मुंबई में लेकर आए कि ईवीएम ओटीपी से खुलता है। एक न्यूजपेपर ने आर्टिकल छापा। एक के मोबाइल में ओटीपी आया, ईवीएम खोलकर अपने प्रत्याशी को यहां पर जीता दिया। फिर उस न्यूज पेपर ने माफी मांगी। न्यूज पेपर के आर्टिकल को ट्वीट करने का काम एलओपी ने किया। मैं उनसे पूछना चाहता हूं जैसे उस न्यूज पेपर वालों ने माफी मांगी, क्या आप भी रविंद्र वाइकर जी से माफी मांगेंगे? आज महाराष्ट्र का इकोनॉमिक सर्वे सामने आया है। लोग फेक नैरेटिव फैला रहे थे कि महाराष्ट्र से एफडीआई बाहर जा रहा है, महाराष्ट्र से बिजनेस बाहर जा रहा है, फैक्ट्री बाहर जा

* Original in Marathi

रही है। इकोनॉमिक सर्वे ने इनके मुंह पर एक तमाचा जोर का लगाया है। इकोनॉमिक सर्वे के अनुसार महाविकास अघाड़ी के शासन में जीएसडीपी 6.76 प्रतिशत था जो आज बढ़कर 9.4 हो गया है। आज निवेश में महाराष्ट्र अक्वल है, हमारे राज्य में 21 हजार रजिस्टर्ड स्टार्ट-अप हैं जिनसे दो लाख से अधिक रोजगार लोगों को मिला है।

(1845/SK/AK)

एफडीआई में महाराष्ट्र नंबर वन है। 22 लाख महिलाओं को शिक्षा नीति से फायदा हुआ है। एमवीए के समय यह आंकड़ा सिर्फ 7.12 लाख था।

माननीय सभापति जी, मैं आपको बहुत धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे बोलने के लिए इतना समय दिया। मैं एक बार फिर से नए सांसदों का अभिनंदन करता हूँ। 281 नए सांसद चुनकर आए हैं, मैं उनको बहुत शुभकामनाएं देता हूँ। धन्यवाद, जय हिंद, जय महाराष्ट्र।

(इति)

1845 hours

SHRIMATI SHAMBHAVI (SAMASTIPUR): Thank you Sir for giving me this time. I want to thank the Lok Janshakti Party for giving me this opportunity.

Sir, I rise to support with immense gratitude and respect for our hon. President of India, for the encouraging and enthralling Address delivered to the Parliament. It is with great pride, I extend my wholehearted support and appreciation for the vision that she has laid out for us.

माननीय सभापति जी, यशस्वी और ओजस्वी प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत लगातार विकास की ओर अग्रसर है। मैं स्कूल और विद्यालय में बापू के विचारों को पढ़ती आई हूँ और आज कहना चाहती हूँ कि अगर बापू के विचारों को सत्य और निष्ठा से अगर कोई आगे लेकर जा रहा है तो वह एनडीए सरकार है। बापू का विचार था कि गरीबों को मुख्यधारा से जोड़ा जाए और एनडीए सरकार बखूबी यह काम कर पा रही है। देश में चार करोड़ से ज्यादा 'पीएम आवास' योजना की स्वीकृति, 12 करोड़ परिवारों में 55 करोड़ व्यक्तियों को 'पीएम आरोग्य' योजना के तहत स्वास्थ्य बीमा मिला है। 25 करोड़ लोगों को मल्टी डाइमेंशनल पावर्टी से बाहर लाया गया है और 80 करोड़ आबादी को पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत लाभ लगातार मिल रहा है। एनडीए सरकार ने बिना घर और जाति पूछे गरीबों का उत्थान किया है और उत्थान के लिए लगातार काम कर रही है।

माननीय सभापति जी, मैं बिहार से आती हूँ, बिहार ने वर्ष 2005 से लगातार एनडीए को बुलंदी और मजबूती दी है। बिहार में एक नेता, नीयत, नेतृत्व और कड़ी निष्ठा से एनडीए ने बिहार को गौरव दिया है और यह विकास का गढ़ रहा है। हमारी पार्टी के नेता श्रद्धेय राम विलास पासवान जी ने बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर जी के पद चिह्नों पर चलकर दलित, शोषित और वंचित वर्गों को आगे बढ़ाया है। आज हम बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर जी की बात कर रहे हैं तो मैं उनका एक क्योट पढ़ना चाहूंगी – "I measure the progress of a community by the degree of progress which women have achieved". सरकार ने वूमन रिजर्वेशन एक्ट द्वारा 33 प्रतिशत आरक्षण देकर संसद में महिलाओं की आवाज को न सिर्फ बुलंदी दी है बल्कि उनके अधिकारों के लिए भी लड़ाई लड़ी है। 'लखपति दीदी' योजना, 'उज्ज्वला' योजना और 'मुद्रा' योजना के तहत लोन देकर महिलाओं की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया गया है।

महोदय, अगर आज हम आर्थिक स्थिति की बात कर रहे हैं तो हमें अर्थव्यवस्था की बात भी करनी चाहिए। अब देश विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और वर्ष 2047 तक विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत देश को विकास का व्यापक स्वरूप मिल रहा है। 'किसान सम्मान निधि'

के तहत किसानों को न्यूनतम राशि मिल रही है, इससे उनकी स्थिति में बढ़ोतरी हो रही है और आत्मनिर्भर सोच से भारत विश्व स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। अगर हम विश्व स्तर की बात करें तो जी-20 के न्यू दिल्ली डिक्लेरेेशन में 100 परसेंट ग्लोबल कंसेंस के साथ भारत आज एक विश्व मित्र के रूप में स्थापित हो रहा है।

ऑनरेबल स्पीकर सर एक युवा हैं और युवाओं का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मैं कहना चाहती हूँ कि एनडीए सरकार में the youth is being equipped with necessary skills and knowledge to face global challenges with initiatives like Skill India, Digital India and Startup India.

(1850/KDS/UB)

I am firmly convinced that with continuous efforts and visionary policies of the NDA Government, Bihar will be an example for the development of the entire nation. I want to reaffirm my commitment and the Lok Jan Shakti Party's commitment to NDA's leadership. मैं अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चिराग पासवान जी को भी धन्यवाद देना चाहूंगी कि आज उनकी वजह से बिहार की महिलाओं और युवाओं को भी आवाज मिल रही है। इस सदन की गरिमा और इतिहास को देखते हुए मैं दो पंक्तियां पढ़ना चाहूंगी-

जो भरा नहीं है भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं।

वह हृदय नहीं है, पत्थर है, जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं।

धन्यवाद।

(इति)

HON. CHAIRPERSON (SHRI DILIP SAIKIA): Thank you Shambhavi ji for your maiden speech.

Dr. G. Thanuja Rani – Not present.

Shri Abhay Kumar Sinha.

1851 बजे

श्री अभय कुमार सिन्हा (औरंगाबाद) : सभापति महोदय, महामहिम राष्ट्रपति महोदय के धन्यवाद प्रस्ताव की चर्चा में आपने मुझे बोलने का समय दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। महोदय ने जो अभिभाषण दिया है, उसमें केवल कागजों पर सरकार का बखान है। धरातल पर असलियत कुछ और ही है। मैं कहना चाहूँगा कि अभिभाषण में भारत को वैश्विक समाधान का देश बताया गया, जबकि यहां युवा बेरोजगारी से जूझ रहे हैं। गरीब, मजदूर सब परेशान हैं। किसान आत्मदाह कर रहे हैं। किसानों की आय दुगुना करने की बात जुमला रही। हर पेपर लीक हो रहा है। हमारे छात्र परेशान हैं। जीएसटी से छोटे किसान, छोटे व्यापारी, मध्यम व्यापारी परेशान हैं। अपने देश की यह विकट समस्या है, इसका समाधान सरकार के माध्यम से हो जाए, तो बहुत अच्छा रहेगा।

महोदय, महामहिम राष्ट्रपति जी के अभिभाषण में बिहार राज्य का कोई जिक्र तक नहीं है, जबकि बिहार की बैसाखी के सहारे यह सरकार चल रही है। कहीं पर कोई जिक्र नहीं है। बिहार में रोजगार का अभाव है, जबकि बिहार में ऐसे संसाधन हैं, जो रोजगार का सृजन कर सकते हैं, लेकिन न तो राज्य सरकार उस पर ध्यान दे रही है और न ही केंद्र सरकार।

महोदय, बेरोजगारी से हमारे युवा परेशान हैं। मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ कि जब बिहार में महागठबंधन की सरकार 17 महीने चली, तो तेजस्वी यादव जी के प्रयास से साढ़े पांच लाख युवाओं को नौकरी देने का काम किया गया। मैं बताना चाहूँगा कि एक दिन में एक साथ दो लाख 23 हजार के करीब युवाओं को नियुक्ति-पत्र बांटने का काम बिहार में हुआ था। मेरा अनुरोध है कि बिहार के हालात को देखते हुए इसे विशेष राज्य का दर्जा देकर आर्थिक पैकेज दिया जाए। हमारे बिहार के माननीय मुख्य मंत्री जी की यह बहुत पुरानी मांग है कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाए। बहुत तरह के अभियान चलाए गए- हस्ताक्षर अभियान, दिल्ली तक मार्च किया गया। मैं आपके माध्यम से जरूर कहना चाहूँगा कि अब किस बात की देर है? अब तो आप सरकार में हैं, आपकी सरकार है और आपकी बदौलत सरकार है, इसलिए अब बिहार को विशेष राज्य का दर्जा मिलने में तनिक भी देर नहीं लगनी चाहिए।

(1855/MK/SRG)

बिहार में सिंचाई के पर्याप्त साधन नहीं हैं। पीने के पानी की घोर किल्लत है। 'नल जल योजना', जो बिहार सरकार और केंद्र सरकार के द्वारा चलाई गई है, वह बिल्कुल जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। हमारे बिहार में पानी का लेवल और कुछ जिले जैसे औरंगाबाद जहां पहाड़ी इलाका है, औरंगाबाद, गया और सासाराम में लेवल करीब 200 से 300 फीट नीचे चला गया है। सरकार द्वारा पीने के पानी के लिए एवं सिंचाई हेतु जल संसाधन की नीति नहीं बनाई गई है। कोई नीति बनाई जानी चाहिए थी।

महोदय, जल है तो जीवन है। अगर सिंचाई होती है, यदि हमारे किसान खुशहाल होंगे तो निश्चित तौर पर हमारा देश खुशहाल होगा। इसलिए, हमारा आपके माध्यम से आग्रह होगा कि जल

संसाधन विभाग सिंचाई के लिए और पेयजल की संकट को दूर करने के लिए एक नीति बनाकर राज्य सरकार में निश्चित तौर पर भेजने का काम करे।

महोदय, बिहार राज्य एक तरफ बाढ़ का प्रकोप झेलता है तो दूसरी तरफ सुखाड़ का प्रकोप झेलता है। अगर दक्षिणी बिहार में बाढ़ पूरी तरह से त्राहि मचाती रहती है, बहुत सारा जान-माल का खतरा होता है, बहुत सारी बर्बादियां होती हैं तो दूसरी तरफ उत्तरी बिहार में सूखाड़ रहता है। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहूंगा कि बाढ़ से जो त्राहिमाम होता है और प्रतिवर्ष कई हजार करोड़ रुपये का नुकसान होता है, उसके लिए राज्य सरकार और केंद्र सरकार को मिलकर एक नीति बनाकर बाढ़ और सुखाड़ का समाधान निश्चित तौर पर निकालने का काम करना चाहिए। ... (व्यवधान)

सर, हमारी पार्टी से दूसरा स्पीकर नहीं है। हमारा आठ मिनट टाइम है।

माननीय सभापति (श्री दिलीप शइकीया) : आपका सात मिनट टाइम हो गया है।

श्री अभय कुमार सिन्हा (औरंगाबाद) : सभापति महोदय, हमारे राज्य में जातीय गणना हुई थी। जब महागठबंधन की सरकार बनी थी तो जातीय गणना कराकर गणना के अनुरूप वहां पर लोगों को आरक्षण देने का काम महागठबंधन की सरकार ने की थी। लेकिन, वहां पर हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट कर-कर के उस आरक्षण को समाप्त कर दिया गया है। सरकार पुनः फिर गई है। हम इस सरकार से आग्रह करेंगे कि देश में जातीय गणना कराकर जातीय गणना के अनुरूप आरक्षण की व्यवस्था करे। देश और बिहार के युवाओं की स्थिति को सुधारने के लिए राष्ट्रीय युवा आयोग का गठन करे। यह हमारा सुझाव है। हमारा एक और आग्रह है, चूंकि हम पहली बार इस सदन में बोल रहे हैं, हम पहली बार जीतकर आए हैं, इसलिए हम आपका संरक्षण चाहेंगे। ये दस वर्ष की बात न करके, इमरजेंसी के नाम पर देश को गुमराह कर रहे हैं। हमें दस वर्ष की आपने जो गारंटी दी थी, उसके बारे में बात करनी चाहिए थी। वर्ष 2014 में आप क्या बोलकर आए थे? आपने दो करोड़ लोगों को रोजगार देने की बात कही थी। 15-15 लाख रुपये हरेक के खाते में देने की बात कही थी। आपने किसान की आय को दुगुना करने की बात कही थी। इन सब बातों पर चर्चा होनी चाहिए। बिहार और देश की जनता को एनडीए से भरोसा निश्चित तौर पर टूटा है। यही कारण है कि देश ने मोदी जी की गारंटी को नकारने का काम किया है और 370 सीट और 400 पार की बात जो एनडीए करती थी, उसे 240 और 300 से नीचे लाकर खड़ा किया है।

आपने मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया, उसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। जय हिन्द, जय बिहार।

(इति)

1854 hours

DR. GUMMA THANUJA RANI (ARAKU): Sir, thank you for granting me the opportunity to participate in the discussion on the Motion of Thanks on the President's Address. This is my maiden speech. So, I would like to request you to grant me some more time.

At the outset, I would like to thank our Party President, Shri Y.S. Jagan Mohan Reddy Garu for granting me the opportunity to contest an election at the relatively young age from the Araku constituency which is a reserved constituency from Andhra Pradesh. I also express my heartfelt gratitude to the people of Araku for reposing their faith in me.

(1900/RCP/SJN)

As an MP from the tribal community, I am also overjoyed to participate in the discussion on the Motion of Thanks on the President's Address.

I would like to congratulate Shri Narendra Modi ji for making efforts to ensure that a person from the tribal community and more especially a woman has been elected to occupy the highest constitutional post in the country.

I wholeheartedly thank the hon. President for highlighting the progress and future aspirations of the Government. I would like to take this very special opportunity to highlight one burning issue with regard to the education and upliftment of the tribal community in the State of Andhra Pradesh.

The Constitutional Bench of the Supreme Court in its judgement dated 22.04.2020 in the case of Chebrolu Leela Prasad Rao and others Vs the State of Andhra Pradesh and others had struck down the famous G.O No.3 of the A.P. Government issued in 2000 as unconstitutional.

The notification had reserved all the posts of teachers in educational institutions of tribal areas of Andhra Pradesh exclusively for the local Scheduled Tribes. The Andhra Pradesh G.O. of 2000 was aimed at promoting education in tribal areas and addressing the problem

of rampant teacher absenteeism. As anyone even slightly acquainted with the problems of tribal areas knows, non-tribal teachers are often reluctant to travel to or live in remote tribal hamlets. Another big problem is language.

Many non-tribals, including other Government officials, have lived for years in tribal areas without feeling the need to learn tribal languages. At the primary level, mutual incomprehension between non-tribal teachers and tribal students hampers the basic education of children. As the Supreme Court has once again dismissed all cases with regard to this G.O No 3 in the Civil Appeal Judgement dated May 19,2023 the legal recourse has ended.

As an MP representing the community and especially after completing my MBBS as well as having given my MD entrance, I realise the value of a good education. Unfortunately, due to the inherent biases in the system, the tribal students do not have access to quality education even now.

For far too long, education in India has been seen by the establishment as a civilising mission designed to make tribals and dalits into mental clones of other communities. Merit is defined merely as efficiency in achieving this goal rather than in terms of success in tapping indigenous ecological knowledge, preserving tribal languages and culture and giving confidence to tribal students by acting as role models. Therefore, having hundred per cent tribal teachers in Scheduled areas is a small step towards reversing this condescending behaviour.

Through You, Sir, I would like to urge the Central Government as well as the State Government of Andhra Pradesh to ensure that good teachers from the community are able to teach the students and the community is not looked down upon as a human zoo and source of enjoyment of primitive culture and for dance performances as mentioned in Paragraph 107 of the Supreme Court Judgement of 2020.

I am a proud member of the ST community and I am proud of our culture and heritage. It is after a lot of efforts and struggle that my people are able to get basic education. As we all know, education is the biggest liberator. I once again urge the Central Government as well as the State Government to take the necessary policy measures at the earliest to ensure that hundred per cent reservation is allowed for teachers from the tribal community for recruitment in the agency areas.

As a Party, we have been demanding Special Category Status for Andhra Pradesh for the last 10 years. Now that the NDA Government requires the support of the TDP to stay in power, this is the opportune time for the Central Government to grant Special Category Status to Andhra Pradesh. However, rather than demanding Special Category Status, over the last five weeks, the ruling party in Andhra Pradesh has sponsored and enabled a brutal wave of organized violence on the leadership, cadre, and sympathizers of the YSR Congress Party.

(1905/PS/MM)

Hon. Chairperson, Sir, the TDP Government has used JCB vehicles to demolish the homes of the supporters of YSRCP, especially those of SCs, STs, and OBCs. They have also demolished the central party office at Tadepalli and 26 other districts.

HON. CHAIRPERSON (SHRI DILIP SAIKIA): Hon. Member, please conclude.

DR. GUMMA THANUJA RANI (ARAKU): Sir, with these words, I conclude. Thank you.

(ends)

HON. CHAIRPERSON: Now, Mr. Amra Ram ji – not present.

Dr. Sambit Patra.

1906 बजे

डॉ. संबित पात्रा (पुरी) : आप सभी को प्रणाम!

पीठासीन महोदय, आपको बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे महामहिम राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने का सुअवसर दिया। आज मैं इस सदन को भी धन्यवाद देना चाहूंगा कि आज पहली जुलाई को, जो कि डॉक्टर्स डे भी है, एक बहुत बड़ी चिकित्सा का काम गुलामी के खिलाफ हुआ है। गुलामी की मानसिकता में हम बचपन से आईपीसी और सीआरपीसी सुना करते थे। अब हम आईपीसी और सीआरपीसी नहीं सुना करेंगे, बल्कि अब हम भारतीय न्याय संहिता सुनेंगे, हम भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता सुनेंगे। स्वाभाविक रूप से यह बहुत बड़ा बदलाव है।

मुझे दुख इस बात का है और मुझे कई बार इस विषय को लेकर कष्ट होता है कि ये बातें सुनने में छोटी-छोटी लगती हों, ये बातें सुनने में शायद महत्वपूर्ण न लगती हों कि आईपीसी और सीआरपीसी था और भारतीय न्याय संहिता हो गया तो क्या बदलाव हो गया? यह एक बहुत बड़ी छलांग है। यह मानसिकता में परिवर्तन है। आप सोच के देखिए कि अंग्रेजों द्वारा बनाए गए कानून को घसीटते हुए हिन्दुस्तान की आजादी के 75 वर्ष हो गए, फिर भी हम उसे घसीटते हुए ले जा रहे हैं। एक नरेन्द्र मोदी जी को बतौर प्रधान मंत्री आना पड़ा यह सोचने के लिए कि *we have to change this mentality; we have to come above this; and we have to in a way end this enslaving mentality of the society of India. I thank the hon. Prime Minister and the hon. Home Minister and I thank each and every one of you for supporting this.*

सभापति महोदय, तीसरी बार मोदी जी की सरकार बनी और हर जगह खुशी का माहौल है। हम भी स्वाभाविक रूप से खुश हैं कि सरकार बनी है। देश की जनता तो खुश है ही कि मोदी जी की सरकार बनी है। विडंबना देखिए कि जिनके बारे में हम सोच रहे थे कि दुखी होंगे कि हमारी सरकार बनी है और उनकी सरकार नहीं बनी है, वे भी खुश हैं। मुझे तो समझ में नहीं आ रहा है कि अगर चहोंदिक दिशा में खुशी का वातावरण है, हम खुश, देश खुश, वे भी खुश तो खतरे में कौन है और भयभीत कौन है? किसी को भयभीत नहीं होना चाहिए। आप तो खुश हैं। आप तो खुशी जाहिर कर रहे हैं। डबल खुशी तो हमारे पास है। हमारे पास खुशी इस बात की भी है कि हमने सरकार बनायी है और खुशी इस बात की भी है कि एलओपी राहुल जी बने हैं। हमें डबल खुशी है। एक राहुल जी नहीं बने हैं, दो-दो राहुल जी बने हैं। राहुल जी ने आज कहा कि मैं एक नहीं हूँ, मैं दो हूँ। जब एक

राहुल से इतने बड़े एसेट की प्राप्ति हुई थी तो आप सोचिए दो राहुल से इस देश को कितना लाभ होगा और मुझे लगता है कि हमारे विपक्ष के साथियों को भी दो राहुल से बहुत ही लाभ होगा। यह अच्छी बात है, क्योंकि राहुल जी एक एसेट हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है। मुझे लगता है कि विपक्ष के मेरे साथी भी इससे सहमत होंगे कि **Rahul ji is an asset. Now, we have double assets.**

बंधुगण, मुझे कष्ट इस बात का होता है कि ये इस विषय से दुखी नहीं हैं कि सरकार उनकी नहीं बनी है, क्योंकि आज राहुल जी ने कहा है कि मैं खुश हूँ। **We are happy and we are contented.** हमें खुशी है कि हम ओपोजिशन में हैं। वे दुखी इस बात से नहीं हैं कि सरकार उनकी नहीं बनी है, वे इस बात से दुखी हैं कि ये डूब क्यों नहीं रहे हैं? इनके 400 पार क्यों नहीं हुए हैं? ये इस बात को लेकर खुशी मना रहे हैं कि इनका 400 पार नहीं हुआ है और इस विषय को लेकर वे दिवाली मना रहे हैं। आप सोच के देखिए कि तीन टर्म से समुद्र के गर्त में पड़े हुए हैं और ऊपर देख रहे हैं कि इनके जहाज में छेद कब होगा और ये कब डूबेंगे? ये खुद तैरने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। मुझे लगता है कि हमें भी ईश्वर से और आज शिव जी से प्रार्थना करनी चाहिए कि अगर राहुल जी प्रसन्न हैं, विपक्ष में रहकर प्रसन्न हैं तो उनकी प्रसन्नता अनंतकाल तक बरकरार रहे।

(1910/YSH/SMN)

सभापति महोदय, मैं पहली बार सांसद बनकर आया हूँ। इससे पहले आप लोगों ने कई बार मुझे टी.वी. पर देखा होगा। मैं एक विषय रखना चाहता हूँ और यह पक्ष या विपक्ष का विषय नहीं है। वर्ष 2010 में जब मैं टी.वी. पर बैठता था और डिबेट्स होती थीं तो उस समय जब इलेक्शन्स डिक्लेयर होते थे तो अमूमन एक विषय उभरकर आता था। चूँकि आज टी.वी. के एंकर्स के बारे में भी बातचीत हुई है तो विषय यह उभरकर आता था कि जातीय समीकरण क्या है? उस फलाने राज्य का चुनाव होने वाला है तो उसका जातीय समीकरण क्या है, वहां का धार्मिक समीकरण क्या है? एम-वाई समीकरण बनता है या नहीं, कितने यादव हैं, कितने मुसलमान हैं, कितना पिछड़ा वर्ग है, कितना अगड़ा वर्ग है? इन समीकरणों से क्या हम सरकार बना पाएंगे? कौन सी पार्टी सरकार बनाएगी?

Today, I can proudly say that this narrative has been forever killed by the hon. Prime Minister Mr. Narendra Modi Ji's narrative of development. For the first time in the Indian polity's history, the narration today is how many toilets have been constructed and how many Awas Yojanas have been sent to the poor people.

पहली बार आज देश में यह चर्चा का विषय बना है कि देश में आज 12 करोड़ शौचालय हैं। देश में आज आवास योजना के माध्यम से 4 करोड़ घर बनाए गए हैं। आज पी.एम. ग्राम सड़क योजना के माध्यम से 7 लाख 45 हजार किलोमीटर सड़क बनी है। जल जीवन मिशन के माध्यम से 13 करोड़ घरों तक टेप वाटर पहुंचाया गया है। चार लाख से अधिक गांव ओपन डेफिकेशन फ्री ग्राम घोषित किए गए हैं। किसान सम्मान निधि में आज लगभग 11 करोड़ 47 लाख किसानों को तीन लाख करोड़ रुपये उनके अकाउंट में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से दिए जा रहे हैं। 23 करोड़ सॉइल हेल्थ कार्ड बनाए गए हैं। उज्ज्वला के माध्यम से साढ़े 9 करोड़ लोगों को गैस कनेक्शन दिया गया है। सबसे बड़ी बात है कि डीबीटी के माध्यम से लगभग 32 लाख करोड़ रुपये लाभार्थियों को दिए जा रहे हैं।

याद कीजिए एक ऐसा समय था, जब तत्कालीन प्रधान मंत्री राजीव गांधी जी कहते थे कि मैं एक रुपया भेजता हूँ तो मात्र 18 पैसे नीचे तक पहुंचते हैं। बाकी बीच में ही समाप्त हो जाते हैं। आज मैं गर्व से कह सकता हूँ कि प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी 100 पैसे पहुंचाते हैं तो 100 के 100 पैसे गरीब तक पहुंचते हैं, उसके अकाउंट तक पहुंचते हैं। उसको कोई बिचौलिया नहीं खा सकता है।

सभापति महोदय, आज डेमोक्रेसी को लेकर बहुत सारी बातें हुई हैं और आज से ही नहीं, जिस दिन से शपथ समारोह चल रहा है, उसी दिन से लोकतंत्र को लेकर, संविधान की प्रतियों को लेकर बहुत बातें हो रही हैं। मैं जगन्नाथ पुरी से आता हूँ और आज मैं यहां गर्व से जय जगन्नाथ कहते हुए कहता हूँ कि लोकतंत्र का जन्म जगन्नाथ धाम में हुआ। मैं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से बताऊँगा कि क्यों हुआ। लोकतंत्र का जन्मदाता जगन्नाथ धाम है। जगन्नाथ मंदिर ने कलिंग के समय लोकतंत्र स्थापित किया। कलिंग, अंग-बंग कलिंग कहा जाता है। कलिंग के नरेश, कलिंग के राजा, कलिंग के सब कुछ भगवान जगन्नाथ हैं। वे तो जगत के नाथ हैं, ब्रह्मांड के नाथ हैं। हम मानते हैं कि हमारे सर्वे सर्वा नारायण स्वयं हैं, जगन्नाथ हैं। वे रत्न सिंहासन पर बैठते हैं। रत्न सिंहासन से कलिंग का आसन वे संभालते हैं। उनका प्रतिनिधि वहां के गजपति महाराज होते हैं। मगर आप सुंदरता देखिए कि लोकतंत्र का जन्म कैसे होता है। राजाधिराज जगन्नाथ महाराज, इस जगत के नाथ जगन्नाथ रत्न सिंहासन को त्याग कर के साल में एक बार रथारूढ़ होते हैं। वे कहते हैं कि मैं गरीबों से मिलने जाऊँगा। उनके घर तक जाऊँगा, जो मेरे पास नहीं आ सकते हैं, उनसे मैं मिलूँगा। यही लोकतंत्र है, यही प्रजातंत्र है।

जब रत्न सिंहासन त्यागकर के जगन्नाथ रथारूढ़ होते हैं, रथ पर आते हैं तो गजपति महाराज, जो कि ओड़िशा के महाराज हैं, वे अपने हाथ में झाड़ू लेकर खुद

जगन्नाथ के आगे झाड़ू चलाते हैं। उस दिन वे सफाई कर्मचारी बन जाते हैं और गर्व के साथ मैं उत्कल पुत्र, ओड़िशा का निवासी कह सकता हूँ कि इसी कारण से ओड़िशा में जाति प्रथा नहीं है। क्योंकि हमारे राजा को झाड़ू पकड़ना पड़ता है। जगन्नाथ के सामने लोकतंत्र चलता है और जगन्नाथ की भूमि में राजा भी झाड़ू मारने के लिए बाध्य है। उसे 'छेरा पहरा' कहते हैं। 7 तारीख को रथ यात्रा है तो आप देखेंगे कि राजा स्वयं झाड़ू मार रहे होंगे और तभी जगन्नाथ आगे बढ़ेंगे।

(1915/RAJ/SM)

यह लोकतंत्र की महिमा है। जब तक सनातन है, तब तक भारतवर्ष में लोकतंत्र रहेगा। जगन्नाथ धाम एक ऐसा धाम है, लोकतंत्र की सीख के लिए, अध्यात्म की सीख के लिए आदिशंकराचार्य से लेकर हम सभी के गुरु गुरु नानक महाराज जी भी वहां पधारे थे। नीलकंठवर्णी जी भी वहां पधारे थे। ऐसे कोई गुरु नहीं, जो वहां नहीं आए और वहां से शिक्षा-दीक्षा लेकर नहीं गए। मैं आज फख्र के साथ कह सकता हूँ। मेरे सभी प्रा जी वहां बैठे हुए हैं। जब वर्ष 1506 में गुरु नानक देव जी जगन्नाथपुरी आए थे और जब वे मंदिर के अंदर भगवान के दर्शन करने के लिए गए थे, तब उस समय आरती चल रही थी। उस भव्य आरती को देखने के पश्चात, अनायास ही गुरु नानक देव जी के मुख से आरता निकला था, जो अपने-आप में आज इतिहास है।

गगन मै थालु रवि चंदु दीपक बने तारिका मंडल जनक मोती
धूपु मलआनलो पवणु चवरो करे सगल बनराइ फूलंत जोती
कैसी आरती होइ
भव खंडना तेरी आरती
कैसी आरती होइ
अनहता सबद वाजंत भेरी
कैसी आरती होइ

गुरु नानक देव जी कह रहे हैं – कैसी तेरी आरती, भव्य आरती है। भव खंडना, भय खंडन करने वाला। आप सोच कर देखिए। आज भय के विषय में बात हो रही है। अनादि काल से इस भय को खंडन करने का काम महादेव ने किया है। इस भय को खंडन करने का काम उस सनातन ने किया है, जिस सनातन को मिटाने के विषय में आज ये

लोग कह रहे थे और अनेक वर्षों से सनातन के विरोध में कह रहे थे। मैं केवल कुछ और शब्द कह कर अपने विषय को शांत करूंगा।

सभापति महोदय, आज मुझे बड़ी तकलीफ हुई कि हिन्दू धर्म को लेकर आज जिस प्रकार से यहां पर विषय रखा गया है, यह अनुचित है। आज यहां राहुल गांधी जी ने सभी के सामने कहा कि हिन्दू धर्म को मानने वाले, जो अपने-आप को हिन्दू कहते हैं, वे हिंसक हैं। मैं गर्व से कहता हूं कि मैं हिन्दू हूं और मैं हिंसक नहीं हूं...(व्यवधान) मैं गर्व से कहता हूं कि मैं हिन्दू हूं और मैं हिंसक नहीं हूं...(व्यवधान) नहीं, आप हिंसा मत करिए...(व्यवधान) मैं हाथ जोड़ कर कहता हूं कि आप हिंसा मत करिए...(व्यवधान) प्लीज, शाब्दिक हिंसा मत करिए...(व्यवधान) सभी लोग शांत होकर बैठिए...(व्यवधान) राहुल जी ने ऑन रिकॉर्ड कहा है कि जो अपने-आप को हिन्दू कहते हैं, वे हिंसक हैं...(व्यवधान) ऑन रिकॉर्ड राहुल जी ने कहा है कि जो अपने-आप को हिन्दू कहते हैं, वे हिंसक हैं...(व्यवधान) मैं यहां पर यह कह दूं कि हिन्दुओं ने कभी हिंसा नहीं की...(व्यवधान)

सर्वे भवन्तु सुखिनः

सर्वे सन्तु निरामया।

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग भवेत्

हमेशा ब्रह्मांड की कल्याण की चिंता हिन्दुओं ने की है। मुझे कष्ट इस बात का भी हुआ है कि डीएमके ने आज पुनः हिन्दुओं पर यहां आघात किया है। राजा साहब ने अपने भाषण में यह कहा कि हिन्दू महिलाओं को एनस्लेव करती है। नहीं, हिन्दू महिलाओं को देवी के रूप में पूजा करती है, उपासना करती है। दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी, विमला, ये हमारी माताएं हैं। हमने कभी एनस्लेव नहीं किया है। ये बहुत गलत है और मुझे लगता है कि राहुल गांधी यह नहीं जानते हैं कि शिव जी त्रिशूल क्यों रखते हैं? राहुल गांधी जी ने कहा कि शिव जी का त्रिशूल नॉन-वायलेंस का त्रिशूल है। ना राहुल जी, हमारे सभी देवी-देवता एक हाथ में शास्त्र रखते हैं और दूसरे हाथ में दंड या शस्त्र भी रखते हैं। यदि शास्त्र का पालन न हो, धर्म का पालन न हो, तो फिर शस्त्र उठा कर दंड देने का संवैधानिक प्रयोजन अनादिकाल से हमारे देवी-देवताओं के पास था। इसलिए भय बिनु प्रीति नहीं हो सकती है। प्रीति करनी होगी, इस देश से करनी होगी। इस देश का जिंदाबाद करना होगा...(व्यवधान) चिल्लाइए मत, वे पीछे बैठे हैं...(व्यवधान) जिन्होंने जय ...

(अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) कहा था...(व्यवधान) मैं बिल्कुल सही कह रहा हूँ...(व्यवधान) आपने यहां शपथ में जय ...(अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) कह दिया...(व्यवधान) मुझे तो डर इस बात का है कि वह दिन भी दूर नहीं, जब आपमें से कोई यहां जय ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) भी कह दे...(व्यवधान) भरोसा नहीं है...(व्यवधान) जय ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) कह सकते हैं, तो आप लोग जय ...(अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।)

भी कह सकते हैं...(व्यवधान) यह धिक्कार का विषय है...(व्यवधान) यदि आप जय...(अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) कह सकते हैं...(व्यवधान) यहां पर जो संवैधानिक प्रक्रियाएं हैं, उनको ताक पर रख कर के आपने जय ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) कहा, कल को जय ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) कैसे नहीं कह सकते हैं, कह सकते हैं...(व्यवधान)

आप लोगों ने कहा कि सेंगोल हटा दीजिए। आप सेंगोल का मतलब समझते हैं। सेंगोल एक तमिल शब्द है, जिसका अर्थ सेम्मई है। सेम्मई का मतलब राइटियसनेस है। यह न्याय का दंड है। यह धर्म का दंड है। धर्म का मतलब हिन्दू, मुस्लिम, सिख या ईसाई नहीं, धर्म मतलब धारयति इति धर्मः, जो न्याय को धारण करता है, वह धर्म है। यह दंड न्याय को धारण करता है। यह कभी न हटेगा, न इसके हटने का कोई स्वप्न देख सकता है। मैं इतना कह कर, पीठासीन को नमन करके धन्यवाद देता हूँ।

(इति)

(1920/KN/RP)

माननीय सभापति (श्री दिलीप शङ्कीया) : श्री अमरिंदर सिंह राजा वारिंग।

... (व्यवधान)

माननीय सभापति : रूडी साहब, प्लीज बैठ जाइये।

श्री राजीव प्रताप रूडी (सारण) : सभापति जी, इनकी मैडन स्पीच है।... (व्यवधान)

सदन की यह परम्परा रही है कि मैडन स्पीच में कोई किसी को डिस्टर्ब नहीं करे। ...

(व्यवधान)

माननीय सभापति : श्री अमरिंदर सिंह राजा वारिंग, आप बोलिये।

1920 hours

*SHRI AMRINDER SINGH RAJA WARRING (LUDHIANA): (Hon'ble Chairman Sir, I want to thank you that you have given me the opportunity to speak in this august House on the Vote of Thanks to the hon. President's Address to both the Houses of Parliament.

Rudy Sir, I hail from the land of Gurus and Saints. It is the land of soldiers and farmers. Before I start the speech. I want to quote the words of our 10th Guru Shri Guru Gobind Singh ji.

“O Lord Almighty, grant me this boon
I should never be shy of doing good deeds
Whenever I go into the battle field to fight
I should fight with conviction and be victorious.”

After quoting these hallowed words spoken by our revered 10th Guru Shri Guru Gobind Singh ji, I am starting my speech today.)

* () Original in Punjabi

सभापति महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूँ। मैंने कहा कि मैं गुरुओं की धरती, जवानों की धरती और किसानों की धरती से आता हूँ। आज हमारे आदरणीय राहुल जी ने जवानों की बात की है। हालांकि विपक्ष ने उसको दोबारा घुमाने का काम किया है। लेकिन राहुल गांधी जी ने एक बात कही कि अग्निवीर को शहीद का दर्जा इस देश में मिलना चाहिए। मैं यह बात इसलिए कह रहा हूँ, क्योंकि कभी-कभी तो मुझे लगता है कि पंजाब को यह हिन्दुस्तान की सरकार भूल गई है। कभी-कभी मुझे यह भी महसूस होता है कि शायद हम हिन्दुस्तान के किसी नक्शे में हैं या नहीं। जिस प्रकार से हमारी सरकार का पंजाब के लोगों की तरफ व्यवहार है, उसके बारे में मैं आपको बताना चाहता हूँ। जब हिन्दुस्तान के प्रधान मंत्री जी लाल किले पर झंडा लहराते हैं तो मैं गर्व से कह सकता हूँ कि उस झंडे को लहराने में पंजाब के हजारों नौजवान लोगों ने अपनी शहादत दी है। यह अवसर इसलिए प्राप्त हुआ है। मैं आपको यह बताना चाहता हूँ।

सभापति जी, मैं अपने किसान भाइयों की बात करना चाहता हूँ। पिछले डेढ़ साल से पंजाब का किसान, देश का किसान, आज बड़ी-बड़ी बातें की गईं, आदरणीय मंत्री महोदय ने कहा कि हमने एमएसपी दी है। क्या एमएसपी आपने दी है? वर्ष 1967 में कांग्रेस की सरकार ने किसान के लिए एमएसपी दी थी। जब देश भूखा मर रहा था, तो पंजाब के लोगों ने, इन किसानों ने, देश के किसानों ने देश के लोगों का पेट भरने का काम किया। आज कोई ऐहसान नहीं कर रहा है कि हम उनको एमएसपी दे रहे हैं।

सभापति जी, किसान एमएसपी की लीगल गारंटी मांगता है। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि पंजाब के 700 किसान शहीद हुए। हमारी एक आदरणीय सांसद ने उन किसानों की मांओं के बारे में यह कहा कि यह तो सौ-सौ रुपये भाड़े पर लाए हुए लोग हैं। मुझे इस बात के लिए शर्म आती है। आज वे किसान दिल्ली के बॉर्डर पर हैं। वे अपनी बात सुनाने के लिए दिल्ली आने चाहते हैं। क्या दिल्ली देश से अलग है। क्या दिल्ली में पंजाब के किसान नहीं आ सकते हैं? हमें हरियाणा के बॉर्डर पर रोक कर हमारे ऊपर गोलियां चलाई जा रही हैं। हमारे हजारों किसान वहां पर इंजर्ड हुए।

(1925/VB/NKL)

लेकिन सरकार की तरफ से कुछ नहीं हुआ। 45-47 डिग्री की गर्मी में बैठा किसान चीख-चीखकर पुकार रहा है कि हमें एमएसपी की लीगल गारंटी दो। हमें दिल्ली जाना है। लेकिन हरियाणा की पुलिस को देश के गृह मंत्री के द्वारा दिया गया आदेश है कि अगर पंजाब का कोई व्यक्ति या किसान दिल्ली की तरफ मूव करेगा, तो उसको गोलियों से मार दिया जाएगा। हमारे साथ ऐसा व्यवहार हो रहा है। ये हालात हैं।

आप कहते हैं कि किसान निधि योजना में आपने कोई बड़ा इंकलाब खड़ा कर दिया। आपने कहा कि इसके तहत 3 लाख 20 हजार करोड़ रुपए दिए गए हैं। मैं पंजाब की बात बताना चाहता हूँ।

आन्दोलन के बाद हमारे साथ किस प्रकार का व्यवहार हुआ? वर्ष 2019-20 में 23 लाख लोगों को किसान निधि योजना का फायदा मिलता था। जब हमने आन्दोलन किया, तो जो तीन काले कानून बने थे, सरकार को उनको सस्पेंड करना पड़ा। उन्हें वापस ले लिया। इन्होंने कहा कि अब इनकी निधि योजना बंद करो। वर्ष 2023-24 में, मैं ऑन रिकॉर्ड बोल रहा हूँ, फ्लोर ऑफ द हाउस पर बोल रहा हूँ, 8 लाख 56 हजार लोगों के नाम किसान सम्मान निधि योजना से काट दिए गए। ये छोटी बात नहीं है। यह कहा गया कि इनके कागज़ इनकम्प्लीट थे, इसलिए इनके खाते काट दिए गए, तो आपने साढ़े 23 लाख लोगों को पहले कैसे दे दिया?

माननीय सभापति साहब, ज्यादा कुछ न कहते हुए मैं एक और बात कहना चाहता हूँ। यह किसानों का हाल है। मैं बताना चाहता हूँ, मैं पेज नम्बर 19 पर पढ़ रहा था कि लोगों को इंसाफ देने के लिए भारतीय न्याय संहिता यानी Indian Penal Code will come into force from the 1st of July.

देश के गृह मंत्री जी ने लॉ एंड ऑर्डर की बात कही कि पंजाब में लॉ एंड ऑर्डर की स्थिति ठीक नहीं है। आज से चार-पाँच महीने पहले, मैं आपसे कहना चाहता हूँ, आप लोगों को जस्टिस देने के लिए यह लॉ लेकर आ रहे हैं। आप कभी पाकिस्तान की बात करते हैं, कभी चाइना की बात करते हैं, कभी कुछ और कहते हैं, लेकिन मैं इस सदन में एक बात कहना चाहता हूँ। माननीय सभापति साहब, हमारा एक साथी था, उसका नाम था सिद्धू मुसेवाला। वह एक कलाकार था। दुनिया में उसका नाम था। चाहे तमिलनाडु हो, महाराष्ट्र हो, केरल हो, चाहे न्यूयॉर्क हो, उसके गाने पर दुनिया झूम उठती थी। मैं यह भी कहना चाहता हूँ कि टाइम्स स्क्वायर, न्यूयॉर्क में हर तीसरे दिन सिद्धू मुसेवाला के गाने बजते हैं। बिलबोर्ड पर दुनिया के सौ गाने आते हैं, उनमें सिद्धू मुसेवाले के गाने हर रोज़ पहले, दूसरे या तीसरे नम्बर पर रहते हैं। उसके साथ क्या हुआ था? मैं आज आपके माध्यम से, आज इस सदन को बताना चाहता हूँ कि उस 28 साल के नौजवान के साथ क्या हुआ था। हम नैशनल सिक्युरिटी की बात करते हैं, आप कहते हैं कि हिन्दुस्तान में परिंदा भी पर नहीं मार सकता। आप कहते हैं कि हम हैं, आप चिन्ता मत कीजिए। लेकिन क्या हुआ, एक 28 साल के नौजवान को दिन-दहाड़े दस गोलियाँ मारकर मार दिया गया। मारा किसने? माननीय सभापति साहब, बहुत से लोग मारे जाते हैं, लेकिन मारा किसने? तिहाड़ जेल में बंद एक गैंगस्टर, जिसका नाम लॉरेंस बिश्रोई है, उसने मारने के बाद जेल

से इंटरव्यू दिया और कहा कि मैंने मारा है, अभी तो सिद्धू मुसेवाला मरा है, अभी उसके बाप को भी मरना होगा। उसने जेल से इंटरव्यू दिया। आप नैशनल सिक्युरिटी की बात करते हैं। सिद्धू मुसेवाला को कब इंसाफ मिलेगा? क्या होगा उस 28 साल के नौजवान की माँ का, जिसका वह एक ही बेटा था। शादी-ब्याह में हमारे सिर पर सेहरा बांधा जाता है, सेहराबंदी होती है। आपके यहाँ भी होती है।

(1930/PC/VR)

डेड बॉडी पर श्री सिद्धू मुसेवाला की मां सेहरा लेकर आई और अपने बेटे की लाश पर, उसके सिर पर सेहरा बांधकर उसकी विदाई की। ये हालात हैं। आप देश के गृह मंत्री हैं, इंसाफ दिलाएं। जेलों में बैठे ऐसे गैंगस्टर को आप निकालकर उस परिवार को इंसाफ दें।

माननीय सभापति (श्री दिलीप शङ्कीया) : अब आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

... (व्यवधान)

श्री अमरिंदर सिंह राजा वारिंग (लुधियाना) : सभापति जी, मैं एक लास्ट बात कहकर अपनी बात एक मिनट में खत्म करूंगा। मेरे पास ये कागज हैं। इनमें पेज नंबर 4 के पॉइंट नंबर 5 पर लिखा है – “Now, my Government is striving to make India the third largest economy in the world.”

” लेकिन इंडिया ऐसा कैसे बनेगा? मैं लुधियाना शहर से आता हूँ, जिसको हिंदुस्तान का ईस्ट मैनचेस्टर कहा जाता है। आज वहाँ इंडस्ट्री के क्या हालात हो गए हैं? वहाँ डाइंग इंडस्ट्री है, साइकिल इंडस्ट्री है। लोग अपना कारोबार छोड़ रहे हैं, अपना धंधा बंद करके लुधियाना छोड़कर चले जा रहे हैं। ये हालात वहाँ कर दिए गए हैं।

मैं एक छोटा सा उदाहरण देना चाहता हूँ। दस सालों में हमें इस सरकार ने कुछ नहीं दिया। लुधियाना पंजाब का सबसे बड़ा शहर है। अगर हिंदुस्तान की सरकार ने लुधियाना को कुछ दिया है, तो कोई व्यक्ति खड़ा होकर यह बता दे कि हमने यह दिया है। मैं कहना चाहता हूँ कि हमारे यहाँ साइकिल इंडस्ट्री है। या तो चाइना में साइकिल बनती हैं, या पंजाब में साइकिल बनती हैं। चाइना में साइकिल की प्रोडक्शन क्या है, यह जानकर आप हैरान हो जाएंगे। आप मेक इन इंडिया की बात करते हैं?

ढाई से तीस करोड़ साइकिल्स की चाइना एक साल में प्रोडक्शन करता है, लेकिन लुधियाना क्या प्रोडक्शन करता है? सिर्फ ढाई करोड़। ऐसा क्यों? इसकी वजह क्या है? हमारी साइकिल 3,500 रुपए की शुरुआत से बिकती है, लेकिन चाइना की साइकिल 300 डॉलर से शुरू होकर दो लाख डॉलर्स तक बिकती है। आप मेक इन इंडिया, मेक इन इंडिया कहते हैं। इसका कारण क्या है? रॉन्ग-पॉलिसीज। जब तक ये

रॉन्ग-पॉलिसीज हैं, तब तक हमारा देश तरक्की नहीं कर सकता। आपकी रॉन्ग-पॉलिसीज की वजह से आज हमारी लुधियाना की इंडस्ट्रीज के ये हालात हो गए हैं। अंत में एक लाइन बोलकर मैं अपनी बात समाप्त करना चाहता हूँ।

सभापति महोदय, हमारे यहां भाईचारा बहुत कायम है। पंजाब के लोग बेशक चाहे किसी पार्टी को वोट दें, आम आदमी पार्टी को लोगों ने वोट दिया, अकाली दल को वोट दिया, कांग्रेस को वोट दिया, बीजेपी वालों को भी वोट दिया, लेकिन कभी आपस का भाईचारा नहीं टूटा। इस बार पहली बार राम जी के नाम पर, भगवान राम के नाम पर, भगवान हमारे भी हैं, भगवान ने बता दिया, अयोध्या से पूरे देश भर में यह संदेश दिया कि राम भगवान बीजेपी के ही नहीं हैं। उन्होंने यह संदेश दिया।

माननीय सभापति : श्री ई. टी. मोहम्मद बशीर।

... (व्यवधान)

श्री अमरिंदर सिंह राजा वारिंग (लुधियाना) : सभापति साहब, मैं एक नारे के साथ अपनी बात खत्म करूंगा। हमारा भाईचारा कायम करें। मैं बीजेपी वालों से हाथ जोड़कर गुजारिश करना चाहता हूँ, देश के प्रधान मंत्री जी से हाथ जोड़कर गुजारिश करना चाहता हूँ, देश के गृह मंत्री जी से गुजारिश करना चाहता हूँ कि मंगलसूत्र की बात न करें, आप कब्रिस्तान की बात न करें। मैं एक नारे के साथ अपनी बात खत्म करूंगा –

मंदिर बांटा, मस्जिद बांटी, बांट दिया भगवान को,
शर्म करो बीजेपी वालों, मत बांटो इस देश के भोले-भाले इंसान को।

(इति)

(1935/SAN/CS)

1935 hours

SHRI E. T. MOHAMMED BASHEER (MALAPPURAM): Hon. Chairperson, Sir, I thank you very much for giving me this opportunity to speak.

Sir, I do not find much logic in this Motion of Thanks on the President's Address. If we look into the content of the speech, we will realise that it is far away from truth and Indian realities. Even if somebody praises this Government, I would like to see it as a painting in the ice-cube. There is no logic in it. There is no reason for congratulating this Government. This Government's reactionary kind of activities have put down this country.

Sir, if we look into the details of the President's speech, we will realise what exactly is missing in it. It is nothing but an introspection. They should have brought an introspection-cum-apologies motion for the political sins they have done to this country and the damage they have made to the greatness of this great nation.

Sir, what exactly are we witnessing in the political horizon after 2024 election? First, there is a diminishing and downward trend for the BJP and the Prime Minister. Second, there is an upward trend and a new dawn for a vibrant Opposition headed by Shri Rahul Gandhi and the Congress. We are proud of it and we give our heartiest congratulations to the people of India for their wishes.

Sir, the BJP had a lot of day dreams which included re-writing the Constitution, bringing the Uniform Civil Code, introduction of CAA, scrapping of minorities' rights, making India a country of Hindus and convert our motherland as the growth-field of RSS ideology and two-third majority in India. What happened? All of their hopes, aspirations and dreams have been shattered in this great nation.

Sir, now I come to the other details. We all know what they did. I said 'sin'. What exactly is the sin they have committed? They played

the communal cards which turned around and rebounded on them. They propagated shamelessly anti-minority and anti-Muslim slogans. To what extent do we have to think about it? They had an ulterior motive to divide Hindus and Muslims and make capital out of it. That was their intention. The lesson they ought to have learnt is that a Government cannot survive by making a particular community as a particular enemy. They have to learn that lesson from the 2024 election. They may dispute it to be so, but at the same time, I tell them to go and see what exactly has happened at different places. Faizabad is a classic example to think loudly. That is the place where Babri Masjid was demolished. In that great place, people have voted against the BJP. What is the message? They do not like it. Even the Hindu brothers were deadly against their misdeeds. That is what happened in the election. Intellectual voters in India had to convey it to them. Irrespective of caste, creed or any other thing, they have declared that they do not allow anybody to perish this country. That was the declaration that the Indian masses have given in this election. We are proud of this nation. We also congratulate this great nation for taking this kind of a decision.

Sir, during the recent election, they told utter lies in respect of Muslims. They propagated that Muslims are the infiltrators. They should apologise for that. They branded a community, which contributed greatly for this nation, like that. They went up to the extent of saying that if INDIA Alliance succeeded, they would grab the properties of others and hand them over to the Muslims.

(1940/SNT/IND)

Similarly, Sir, they also said if the I.N.D.I.A alliance will come into power, they will remove *mangalsutra* and hand it over to somebody else. This kind of a very damaging propaganda that you have propagated against the Muslims. You have even found politics in cricket. That kind of a thing also happened. What I would like to say is

this. You are saying that you can do wonders but I will tell you that you have to apologise for it. Even if you take bath 1,001 times in Ganga, the sin in your body cannot be removed. That is what has happened in this country. Technically speaking, you are in power. But for how many days? Everybody knows that the crown you are wearing is that of thorns. Your present situation will inspire you but you cannot rule this country with this contradiction. It is a temporary kind of a phenomenon you have attained.

Coming to a general point, this morning, Rahul ji explained about NEET. I myself was the Minister for Education in the State of Kerala for seven years. He explained very well. I do not want to repeat it. Today's newspaper mentioned that you are going for re-examination. I will tell you one thing. Complete cancellation of the NEET result is not possible. That is not justifiable. The boys and girls of the State of Kerala had prepared very well and they have achieved this position. If you totally cancel the result, it may create havoc. So, I request you not to do that. You have really spoiled the greatness of this House. You have made a mockery of this House. You have gone degrading our heritage and tradition.

Towards the end, I want to say this. In spite of all these things, what exactly is the mood of the Indian politics now? One thing is there. This country need not have any disappointment. This country does not want to see any further reiteration. That is why, a new dawn in the political horizon of India under the leadership of Rahul Gandhi is coming up to the rescue of this nation. Under this present leadership, we will be able to correct your mistakes. I hope that this country will again regain the glory which we lost.

With these few words, I conclude. Thank you very much.

(ends)

1943 hours

*SHRI GURMEET SINGH MEET HAYER (SANGRUR): Sir, I thank you, hon. Chairman Sir, that you have given me the opportunity to speak on the Vote of Thanks to the Hon. President's Address to both the Houses of Parliament. First of all, I thank the people of Sangrur, who have elected me to represent them in this highest temple of democracy.

Hon. Chairman Sir, I have gone through the Address of the hon. President twice. Not even once was the name of Punjab mentioned in it. Sir, 80 per cent of all the martyrs of freedom struggle hailed from Punjab. When the country was celebrating its Independence on 15th August, 1947, during that time, lakhs of Punjabis were being butchered due to partition of India. Our pilgrimage centres and cultural centres were left back in Pakistan. Our historical monuments were left over there. But, even then, we never complained. At that time, the leaders knew the sacrifices made by Punjab and Punjabis.

(1945/AK/RV)

When Sardar Patel came for attending the Convocation of Punjab University, he thanked the Punjabis for their contribution and sacrifices. He mentioned the trauma and agony suffered by the Punjabis. He saluted the Punjabis. He acknowledged that Punjabis had shed the maximum blood for attaining Independence of the country. He promised that the country would apply balm to the wounds of Punjab. However, no help was provided to Punjab although Patel ji shared our agony. Even after Independence, youths of Punjab continued to attain martyrdom protecting the nation and its integrity.

The Government has started the Agniveer Project. The first martyr of Agniveer Scheme Amritpal Singh hails from Punjab. His family was granted an amount of one crore rupees by Punjab CM Shri Bhagwant Mann. The contribution of Punjabis has been second to none as far as any field is concerned. The hon. President's speech has mentioned that India has become self-reliant in many fields. Let me remind you that the farmers of Punjab had been at the vanguard in ushering in the Green Revolution and thereby making India self-reliant in foodgrains production. India used to import

* Original in Punjabi

foodgrains from powers like the U.S.A. at that time. But, by the dint of their sweat and blood, the farmers of Punjab ensured India's self-sufficiency. But our fields became poisonous due to use of pesticides. The ground-water level of Punjab dipped drastically. This is the price we paid. However, it is a matter of agony that the farmers of Punjab are now being stopped at the borders of Haryana. They are not being allowed to come and protest in Delhi.

Today, our spokesperson said that India will host the 2036 Olympic games. Let me remind you that when the first medal in hockey in India came, it was due to Punjab's player Balbir Singh. Another Punjabi Abhinav Bindra got us our first gold medal in Olympics in individual event. When we have won the 20-20 cricket World Cup, Punjab's young bowler Arshdeep Singh has taken most wickets and played his part in making India win. Whether it is Women's Cricket team led by Harmandeep Kaur or our cricket team going to Zimbabwe which has Shubman Gill, sportspersons from Punjab are at the vanguard. The captain of Men's Football team is also a Punjabi. From the battlefield to the sports arena, Punjabis have contributed a lot for bringing glory to the country.

Sir, we, Punjabis, do not beg for anything. We earn our place by the dint of our sweat and blood. We went to Kutch region of Gujarat and made it fertile. We cut down the forests in 'terai' region of Uttar Pradesh and made it fertile. But, Sir, whenever Punjab suffered, the Central Governments never took care of us. When dark times came in Punjab, Punjab's finances bore the brunt. All our industries migrated to the neighbouring States during those dark times.

When times became better and industries should have come back to Punjab, our neighbouring States were made tax havens. This was a step-motherly treatment meted out to Punjab. So, Sir, I urge upon the Government to give Punjab its due. We have not come with a begging bowl. We want our rights and our dues to be given to us. You make our neighbors tax havens. The Hon. P.M. gives special packages to other States. Our 6000 crores have not been given to us. 1000 crores of NHF and 557 crore rupees of another item have not been given to us. Our rights and other dues must be given to us.

Our wounds are raw and green. Please apply balm to our bruised hearts and tend to the wounds of Punjab. Punjab should also be made a tax haven for at least 10 years so that Punjab can stand again on its feet.

Secondly, Sir, no mention has been made in the hon. President's Speech about the workers and employees of the country. The Centre is making different States fight against one another. The Government must make its stand clear on issues pertaining to employees and workers. I am the son of an employee. Employees get a portion of their salaries deducted in their G.P.F. so that they can utilize it during their old age. Even a brother cannot take over another brother's money. But banks and private companies are ruling the roost here. If someone runs away with the hard-earned savings of employees, who is responsible for that?

HON. CHAIRPERSON: Please conclude.

*SHRI GURMEET SINGH MEET HAYER (SANGRUR): So, justice should be done and the hard-earned savings of employees must be protected. In the end, let me say that the treasury benches are gloating that Shri Arvind Kejriwal ji and Shri Manish Sisodia ji are behind bars. However, they have not been convicted by any court of law. They have been put behind bars due to the Central agencies like the ED and the CBI.

No direct or indirect evidence of any corruption has been proved in these cases. If for five months, an elected representative is put in jail, who is responsible for this? Will the Government apologize? In the cases of Shri Arvind Kejriwal ji and Manish Sisodia ji, not a single rupee worth of corruption charge has been proved. When these leaders of ours will come out of jail unscathed tomorrow, will the Government apologize? We have full faith in judiciary. You have put Shri Manish Sisodia behind bars for two years. You have put hon. Arvind Kejriwal ji, the CM of Delhi in jail. Who will compensate them? In the end, let me say that the Central agencies like the ED and CBI cannot suppress us and instill fear in the people of this country. If you polarize and divide people in this country on religious lines, the country cannot move forward. If you take the people of all religions along with you, only then will the country move forward. If you instill fear in the people and persecute them, your tally of MPs will go even lower than 240. Thank You. (ends)

* Original in Punjabi

(1950/GG/UB)

1952 बजे

श्रीमती जोबा माझी (सिंहभूम) : सभापति महोदय, देश की सबसे बड़ी सभा में यह मेरा प्रथम भाषण है। इस गौरव के लिए मैं देश की जनता को और अपने संसदीय क्षेत्र के मतदाताओं के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। मैं न्याय और विकास के लिए सदैव इनके साथ खड़ी रहूंगी।

सभापति महोदय, सरकार के द्वारा माननीय राष्ट्रपति जी के अभिभाषण के माध्यम से अपनी प्रशंसा की गई है और भविष्य की योजनाओं के सपने दिखाए गए हैं।

सभापति महोदय, अभिभाषण में स्थिर और स्पष्ट बहुमत की सरकार की चर्चा की गई है। तकनीकी तौर पर सदन में सरकार को बहुमत तो प्राप्त है, परंतु जनता की नाराज़गी स्पष्ट रूप से व्यक्त हुई है।

आपके माध्यम से मेरा आग्रह होगा कि सरकार देश के मतदाताओं की भाषा को समझ ले और उनके अनुसार नीतियों और अपने व्यवहार में परिवर्तन लाए। देश की बात करें, न्याय की बात करें। 18वीं लोक सभा के चुनावों की भाषा स्पष्ट है कि स्थिर और स्पष्ट बहुमत की सरकार यह नहीं है।

सभापति महोदय, दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था की बातें अभिभाषण में की गई हैं। हमारी अर्थव्यवस्था वर्ष 2014 में 11वें स्थान से वर्ष 2024 में पांचवें स्थान पर आ चुकी है और लक्ष्य तीसरे स्थान पर लाने का है।

(1955/MY/SRG)

महोदय, मैं झारखंड के कोल्हान क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करती हूँ। यह एक जनजातीय बहुल क्षेत्र है। इन आंकड़ों के बारे में मुझे पता नहीं, परंतु अपने क्षेत्र में आय के साधन, गरीबी, बेरोजगारी और बीमारी को देख कर यही लगता है कि अर्थव्यवस्था का समतामूलक व न्यायपूर्ण बंटवारे पर अभी हमें बहुत कुछ करने की आवश्यकता है।

महोदय, सरकार ने बीते दस वर्षों में चार करोड़ पीएम आवास का वितरण किया है। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहती हूँ कि झारखंड जैसे पिछड़े जनजातीय बहुल राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना तीन वर्षों से नहीं दिया गया है। राज्य सरकार के द्वारा अपने सीमित संसाधन से उस आवास योजना को चलाया जा रहा है। यह राज्य की आवश्यकता से काफी कम है।

महोदय, सरकार के द्वारा मुफ्त राशन, गैस सिलिंडर योजना का दावा अभिभाषण में किया गया है। मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करना

चाहती हूँ कि देश के बहुत बड़े सुदूर जनजातीय क्षेत्रों में इस योजना का लाभ बहनों को नहीं मिला है। इसके लिए सरकार को और प्रयास करने होंगे।

सभापति महोदय, श्रमशक्ति के नाम पर मेरे राज्य झारखंड के श्रमिकों का पलायन और शोषण अनवरत जारी है। गरीब अपने अधिकारों से अनभिज्ञ हैं। दूसरे प्रदेशों में जाकर काम करने वाले श्रमिकों की अनवरत छंटनी, बेरोजगारी और बीमारी से जब तक हम नहीं बचा पाएंगे, उनके सम्मान की बात करना बेईमानी होगा। इसी तरह से युवाओं के भविष्य के साथ सरकार की विश्वसनीयता खतरे में है। नीट पेपर लीक की जांच जिस प्रकार से की जा रही है, उससे युवाओं का सरकार पर से भरोसा लगातार उठता जा रहा है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार को अगाह करना चाहती हूँ कि युवा देश के भविष्य है और उनकी ऊर्जा का हमें सही इस्तेमाल करना होगा, तभी देश का विकास होगा।

महोदय, मैं ज्यादा न कहते हुए एक और बात बताना चाहती हूँ कि झारखंड एक ऐसा प्रदेश है, जहां पर खनिज संपदा 42 प्रतिशत से ज्यादा है। उस राज्य से कई राज्यों को विकास के कार्य से जोड़ा जाता है, लेकिन झारखंड राज्य के जनजातीय लोगों का हम ठीक से विकास नहीं कर पाए हैं।

मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करना चाहती हूँ कि झारखंड जैसे आदिवासी बहुल राज्य को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाए और वहां पर संपूर्ण विकास हो। झारखंडियों के एक पहचान के लिए मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करती हूँ कि आदिवासियों की पहचान सरना कोड को लागू किया जाए, ताकि आदिवासी अपना एक पहचान बना सकें। मैं इन्हीं चंद शब्दों के साथ अपनी बात समाप्त करती हूँ।

महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करती हूँ और अपनी बातों को विराम देती हूँ।

(इति)

1959 बजे

डॉ. हेमंत विष्णु सवरा (पालघर) : धन्यवाद, सभापति महोदय। मैं राष्ट्रपति जी के अभिभाषण के अभिनंदन पर दो शब्द कहना चाहता हूँ। पहले तो मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ कि आपने मुझे अपनी बात कहने का मौका दिया।

महोदय, इसके साथ ही मैं इस सदन और अपनी भारतीय जनता पार्टी को भी धन्यवाद देना चाहता हूँ। जिस क्षेत्र से मैं आता हूँ, वह जनजातीय क्षेत्र है। यह महाराष्ट्र का पालघर क्षेत्र है। जनता ने जिस कार्य के लिए मुझे यहां चुनकर भेजा है, उसके लिए मैं उनको भी धन्यवाद देना चाहता हूँ।

(2000/CP/RCP)

सभापति महोदय, एक गीत है - सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा, हम बुलबुलें हैं इसकी, यह गुलिसतां हमारा। पहले तो हम सिर्फ यह गीत गुनगुनाते थे, लेकिन बीते दस सालों में हमारी सरकार ने गरीब, युवक, महिला, किसान, इन सभी को मद्देनजर रखते हुए, सभी का विकास करते हुए काम किया है। हमारे माननीय पंथ प्रधान नरेन्द्र मोदी जी पूरे जिस तरह से संसार में घूमते हैं और जिस तरह का मान, प्रतिष्ठा उनको मिलती है, तो हम गर्व के साथ कह सकते हैं कि सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा।

हमारी सरकार रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के संकल्प के साथ फ्यूचरस्टिक सरकार है। दुनिया की ग्रोथ में करीब 15 पर्सेंट योगदान देकर हमारी इकोनामी पांचवीं इकोनामी बनी है और तीसरी इकोनामी बनने जा रही है। मैनुफैक्चरिंग, सर्विसेज, एग्रीकल्चर को महत्व दिया जा रहा है और स्किल डेवलपमेंट हो रहा है। पीएम स्वनिधि और पीएम विश्वकर्मा जैसी काफी सारी योजनाएं महत्वपूर्ण साबित हुई हैं। हम जानते हैं कि सेमीकंडक्टर हो, सोलर हो, इलेक्ट्रिकल व्हीकल्स हों, इलेक्ट्रिक गुड्स हों, ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरीज, आई टी से लेकर टूरिज्म, सभी क्षेत्रों में भारत अब लीडर बनता जा रहा है। इन सभी क्षेत्रों में रोजगार और स्वयं रोजगार के मौके बन रहे हैं।

हम देख रहे हैं कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था में बदलाव आ रहा है। किसानों को आत्मनिर्भर बनने का मौका हमारी सरकार दे रही है। कृषि आधारित उद्योग, डेयरी और फिशरीज का विस्तार किया जा रहा है, ऑर्गेनिक उत्पादन बढ़ रहे हैं। हम जानते हैं कि आर्गेनिक उत्पादन अभी काफी महत्वपूर्ण बन रहा है और ग्रामीण इलाकों में अगर इसको बढ़ावा दिया जाए तो आमदनी के साथ-साथ वह हेल्दी भी हो सकता है। बीते दस सालों में पीएम ग्रामीण सड़क योजना के तहत 3 लाख 80 हजार किलोमीटर सड़कें बनाई गई हैं। हमारे पालघर क्षेत्र में अहमदाबाद-मुंबई हाईवे है, उसका काम तेजी से हो रहा है। हाई स्पीड रेलवे का इको सिस्टम से निर्माण हो रहा है और उसके साथ बुलेट ट्रेन कोरीडोर भी बन रहा है। ये सब नए रोजगार और स्वयं रोजगार उपलब्ध करा रहे हैं। मेक इन इंडिया की तरह स्किल इंडिया रहेगा, जिसके माध्यम से भी रोजगार और स्वयं रोजगार बनते जा रहे हैं।

रेल मंत्रालय की ओर से, मुंबई से विरार, विरार से डहाणू नए रेल के मार्ग बनाए जा रहे हैं। मैं पालघरवासियों की तरफ से बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ कि पालघर अमृत भारत के तहत विकसित हो रहा है। महिला सशक्तीकरण का नया युग देश में बीते दस सालों में बनता जा रहा है।

महिलाओं की आर्थिक सामर्थ्य बढ़ती जा रही है। हम देख रहे हैं कि जो चार करोड़ आवास पीएम आवास योजना के अंतर्गत बनाए गए हैं, उनमें ज्यादातर आवास महिलाओं के नाम पर बने हैं। 3 करोड़ और आवास बनने जा रहे हैं। 1 करोड़ लखपति दीदी बनी हैं, तो 2 करोड़ और लखपति दीदी बनने जा रही हैं। मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ कि ग्रामीण इलाकों में जैसे बचतगट रहते हैं, उन बचतगटों को लखपति बनाने का काम हमारी सरकार कर रही है। सुकन्या समृद्धि योजना के माध्यम से बेटियों को बढ़ावा मिल रहा है, इसके लिए मैं सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूँ।

पीएम सूर्य घर सोलर पैनल बनाए जा रहे हैं, इसके तहत 78 हजार रुपये की मदद दी जा रही है। ये काफी घरों पर लग चुके हैं और काफी घरों के बिजली के बिल जीरो होते जा रहे हैं। 10 वर्षों में हम देख रहे हैं कि करीब 25 करोड़ भारतीय गरीबी से बाहर आ गए हैं। उनमें काफी आदिवासी हैं, अनुसूचित जाति के हैं, पिछड़े वर्गों के हैं और सभी वर्गों के लोग शामिल हैं।

(2005/NK/PS)

आदिवासी और जनजाति के लोगों को ज्यादा फायदा हुआ है। पीएम जनमन योजना है, उसमें करीब 24 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है और यह आदिवासियों के उत्थान का माध्यम बन रही है। कोरोना काल में फ्री राशन हुआ, आज करीब 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन अभी भी मिल रहा है और 2029 तक मिलते रहने वाला है। इसका सबसे ज्यादा फायदा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों को हो रहा है। हम जानते हैं कि आयुष्मान भारत योजना 55 करोड़ लोगों को मिल चुका है। जन औषधि केन्द्र में 25 हजार जन औषधि बन चुके हैं। इन दोनों को अगर मिला दिया जाए तो खर्च काफी कम हो रहा है। ग्रामीण इलाकों में अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों के लिए यह काफी मायने रख रहा है। हम जानते हैं कि सरकार विकास के साथ-साथ विरासत को भी बढ़ावा देती जा रही है। भगवान बिरसा मुंडा का जन्मदिवस जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का काम किया है इसलिए मैं सरकार को धन्यवाद देता हूँ। अगले वर्ष 150वीं जयंती धूमधाम से मनाया जाएगी, यह भी मैं जानता हूँ।

रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती इस साल मनाई जा रही है। मैं पालघर संसदीय क्षेत्र से चुन कर आया हूँ। यह आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। आदरणीय राष्ट्रपति जी आदिवासी समाज से आती हैं, यह पूरे आदिवासी समाज के लिए अत्यंत गौरव का विषय है। पूरा आदिवासी समाज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का आभारी है जिनके कारण आदिवासी समाज से भारतवर्ष को प्रथम आदिवासी राष्ट्रपति मिला, यह पूरे भारतवर्ष के लिए गर्व की बात है।

माननीय राष्ट्रपति महोदया पूरे सदन और संपूर्ण भारतवर्ष को अपना मार्गदर्शन प्रदान कर रही हैं। भारतवर्ष आदिवासी समाज और भारत के जन-जन की ओर से मैं धन्यवाद व्यक्त करता हूँ और अभिनंदन व्यक्त करता हूँ। माननीय प्रधानमंत्री जी ने कहा कि यही समय है, सही समय है, इसीलिए हम सभी माननीय प्रधानमंत्री जी की संकल्पना को लेकर बढ़ रहे हैं ताकि विकसित भारत 2043 तक की संकल्पना साकार हो सके।

माननीय राष्ट्रपति महोदया के मार्गदर्शन के मार्ग पर हम आवश्यक रूप से आगे बढ़ रहे हैं, आदिवासी भाई-बहनों के लिए जो भी प्रयास हमें करने पड़ेंगे, उसे हम करेंगे। हमारी सरकार सबका

साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के सिद्धांत पर काम रही है। माननीय राष्ट्रपति महोदया जी के अभिभाषण के माध्यम से हमारा मार्गदर्शन करने के लिए मैं बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ। महाराष्ट्र की परंपरा रही है कि वारकरी संत आलंडी से पंढरपुर तक जाते हैं, जो अभी मौली की पालकी चल चुकी है। संत तुकाराम के भजन गाते-गाते पंढरपुर की तरफ चल चुके हैं। सभी वारकरी संतों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूँ। संत तुकाराम का एक अभंग दोहराता हूँ, मैं अपनी बात खत्म करूंगा।

*We, the followers of Lord Vishnu, follow the Bhagwat Dharm. We the followers of Pandurang, never believe in discrimination and always support equality. We strongly believe in public welfare without any hatred and malice.

Saint Tukaram says that happiness and sorrow are parts of our life and we should try to remain unaffected in all the situations.

संत तुकाराम जी ने जो विचार रखा, उस विचार पर हमारी सरकार काम रही है, विकास के साथ काम कर रही है। मैं पंत प्रधान माननीय नरेन्द्र मोदी जी का बहुत-बहुत धन्यवाद व्यक्त करता हूँ। राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर अभिनंदन करने का जो मुझे मौका मिला है इसलिए मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ, जय हिन्द, जय महाराष्ट्र।

(इति)

(2010/SK/SMN)

2010

श्री मियां अलताफ अहमद (अनन्तनाग-राजौरी) : सर, मैं आपका बहुत मशकूर हूँ कि आपने मुझे बोलने के लिए टाइम दिया। मैं जम्मू-कश्मीर से हूँ और हिंदुस्तान की सड़ ने एड्रेस पढ़ा। इसमें सबसे ज्यादा अचीवमेंट्स बताई गई है, वह जम्मू-कश्मीर के बारे में बताई गई हैं। लेकिन साथ में यह नहीं बताया कि पिछले दस सालों से जम्मू-कश्मीर में कोई इलैक्शन नहीं हुआ। हर एक इलैक्टेड जमहूरी-निज़ाम में एक मुंतख़िब हुकूमत होती है, मैं असैम्बली इलैक्शन की बात कह रहा हूँ कि असैम्बली इलैक्शन वर्ष 2014 के बाद नहीं हुए, वर्ष 2017-18 में असैम्बली भी डिज़ाल्व कर दी थी इसलिए हम आज तक असैम्बली के बग़ैर हैं। इसमें इसका जिक्र नहीं किया और इसके साथ-साथ इसका जिक्र भी नहीं किया क्योंकि जम्मू-कश्मीर पर कितना बड़ा जुल्म किया गया है, यहां एक फुलफ़्लेज रियासत थी, उसे तकसीम किया गया और दो यूटीज़ बनाई गईं और आज तक इस पॉर्लियामेंट की हिस्ट्री में ऐसा कभी नहीं हुआ कि एक स्टेट को तोड़कर यूटी बनाई जाए। हमेशा ऐसा ही हुआ है कि यूटीज़ को स्टेट बनाया गया है। मैं आज हाउस के सामने एक बात रखना चाहता हूँ कि यह बहुत बड़ी नाइंसाफी जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के लोगों के साथ हुई है और जनता ने इस फैसले को कबूल नहीं किया है। हम चाहते हैं कि हमारे जो हुकूब छीने गए हैं, उनको वापस किया जाए, फ़ौरन इलैक्शन कराए जाएं और हमारी स्टेटहुड वापस की जाए। यहां के लोग एक जमहूरी अमल के न होने से, मुंतख़िब नुमाइंदा न होने की वजह से बहुत ज्यादा सफर कर रहे हैं।

मैं आपको बताना चाहता हूँ कि जम्मू-कश्मीर में हाइड्रो इलैक्ट्रिक के लिए बहुत पोटेंशियल है। यहां इतना पोटेंशियल है कि अगर हमें पावर प्रोजेक्ट्स दे दिए जाएं और सरकार यहां से डेवलपमेंट के लिए पैसा न भी दे तो भी हम डेवलपमेंट कर सकते हैं। यह बदकिस्मती की बात है कि जब यहां गवर्नर रूल हुआ, एलजी का राज आया तो हमारे पावर प्रोजेक्ट्स, जिसे स्टेट डेवलपमेंट कार्पोरेशन बना रही थी, एनएचपीसी को दे दिए गए। आज हालत यह है कि इतना पोटेंशियल होने के बावजूद पावर नहीं मिल रही है और जो मिल रही है वह भी आसमान को छूने वाली कीमतों पर मिल रही है। हमारे साथ इतनी बड़ी नाइंसाफी हो रही है। पावर प्रोजेक्ट, जिनसे हमारा पुराना मुतालबा है, कम से कम हाइड्रो प्रोजेक्ट वापस कीजिए, लेकिन इस बारे में कुछ भी नहीं कहा गया है। ऑनरेबल प्राइम मिनिस्टर ने दो बार अपनी तकरीरों में जिक्र किया कि हम दिल और दिल्ली की दूरियां कम करेंगे, लेकिन ग्राउंड पर ऐसी कोई चीज नहीं दिख रही जिससे लगे कि ये दूरियां कम हो रही हों, बल्कि इन दूरियों में इज़ाफा हुआ है।

भाषण में मेट्रो का जिक्र किया गया, लेकिन जम्मू-कश्मीर के दो बड़े शहरों के लिए मेट्रो के बारे में कुछ नहीं कहा गया। ये दो बड़े शहर हैं। श्रीनगर में लाखों की तादाद में टूरिस्ट आते हैं और जम्मू में भी बहुत ज्यादा यात्री आते हैं, लेकिन इन दोनों शहरों के बारे में अभिभाषण में कुछ भी नहीं कहा गया। यहां जो खुतबा पढ़ा गया, उसमें ट्राइबल्स के बारे में बात कही गई। मुझ से पहले दो मैम्बर्स ने कहा कि बहुत ज्यादा चर्चा की जाती है, बहुत ज्यादा प्रोपेगेंडा किया जाता है कि ट्राइबल्स को बहुत कुछ मिल रहा है, इनके लिए बहुत फैसिलिटीज़ हैं, बहुत कन्सेशन्स हैं, लेकिन इसका नतीजा

हो रहा है कि लोग समझते हैं कि शायद नवासियत, हुकूमत की सारी कन्सेशन्स, नौकरियां और पैसा इन लोगों को दिया जा रहा है लेकिन आप देखेंगे कि ग्राउंड लैवल पर इन लोगों को कुछ नहीं मिलता है।

(2015/KDS/SM)

जिन चीजों के बारे में ऐलानात किए जा रहे हैं, वे ग्राउंड पर इम्प्लीमेंट नहीं होते। मेरी दरखास्त है कि ट्राइबल के मिनिस्टर, ट्राइबल के इलेक्टेड एमपीज के साथ बैठें, उनसे पूछें, उनसे पूछकर अपने प्लान बनाएं और यह देखें कि पैसा जो यहां से जा रहा है, जिसके बारे में तजिकरा हो रहा है, क्या वह उन लोगों के पास पहुंचता है? जम्मू-कश्मीर में मीडिया के थ्रू काफी प्रोपोगेंडा किया जा रहा है कि हम बहुत-कुछ इन लोगों के लिए कर रहे हैं, लेकिन वहां ग्राउंड पर ऐसी कोई चीज होती हुई नहीं दिखती, जिससे यह कहा जाए कि पिछले 5 सालों में इनकी बेहतरी के लिए वहां पर कुछ हुआ है। जम्मू-कश्मीर में बेरोजगारी अपने उरूज़ पर है। पिछले 10 सालों से रिक्रूटमेंट का प्रॉसेस तकरीबन रुक गया है। लोग पीएचडी, इंजीनियरिंग, एमए, बीए करके ओवर एज हो रहे हैं, लेकिन बदकिस्मती की बात है कि कभी वहां पेपर लीक हो जाते हैं, कभी पोस्ट्स रेफर की जाती हैं, फिर पोस्ट्स विड्रा हो जाती हैं, फिर रेफर की जाती हैं। एक सेंसिटिव स्टेट में बेरोजगारी बहुत बढ़ गई है। हमारी सियासत के साथ-साथ पूरे मुल्क में बेरोजगारी इस समय अपने उरूज़ पर है। सबसे बड़ा मसला इस मुल्क और खासतौर पर हमारे जम्मू-कश्मीर के सामने जो पेश है, वह बेरोजगारी का मामला है। उसको एड्रेस करने के लिए कोई रोडमैप नहीं दिखाया गया है। महंगाई आज अपने उरूज़ पर है। चाहे गैस की बात हो, पेट्रोल की बात हो, खाद की बात हो, सब्जी की बात हो, चीनी की बात हो, हर चीज रोज के रोज महंगी होती जा रही है, ऊपर से जीएसटी ने लोगों की कमर तोड़कर रख दी है। इन चीजों के बारे में इस एड्रेस में जो मेन इश्यूज थे, जो लोग इस वक्त सफर कर रहे हैं, उनके बारे में कुछ भी नहीं कहा गया है। उनको किस तरह एड्रेस किया जाएगा, गरीब के लिए कुछ भी नहीं कहा गया है कि उसके मुश्किलात कैसे हल किए जाएंगे। जम्मू-कश्मीर में कई हजार मुलाजिम कई वर्षों से कैजुअल, डेलीवेजेज हैं। वे सड़कों पर हैं। अब उनको सड़कों पर भी आने नहीं दिया जाता। उनके मुश्किलात को एड्रेस करने के लिए कोई भी कार्रवाई नहीं हो रही है। सरकार भी वहां नहीं है और लोगों के मसलों के लिए भी वहां कुछ नहीं किया जा रहा है। न हमारे सियासी मामले में कोई पेश-रफ्त हो रही है, न हमारे दूसरे मामले में कोई पेश-रफ्त हो रही है, इसलिए मैं पूरे हाउस से यह कहना चाहता हूं कि जम्मू-कश्मीर के बारे में जो कुछ यहां कहा गया, उससे प्रैक्टिकली बिल्कुल डिफरेंट पोजीशन है। हम जम्मू-कश्मीर के लोग सफर कर रहे हैं। पूरे देश से यहां मेंबर्स इलेक्ट होकर आए हैं, उन्हें इस मामले में गौर और फिक्र करनी चाहिए और अपनी आवाज यहां पर बुलंद करनी चाहिए। खासतौर पर मैं इंडिया अलायंस के लोगों को, जिनका हम हिस्सा हैं, उनको इस मामले में आवाज बुलंद करनी चाहिए। आज अपोजीशन के लीडर ने एक लाइन में वहां का जिक्र तो किया, लेकिन मैं चाहता हूं कि जम्मू-कश्मीर के बारे में जिक्र अपोजीशन की तरफ से होता रहे। बहुत-बहुत शुक्रिया।

(इति)

माननीय सभापति(श्री जगदम्बिका पाल) : श्री दीपेन्द्र हुड्डा जी।

2019 बजे

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा (रोहतक) : महोदय, राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर चर्चा हेतु मौका देने के लिए धन्यवाद। जब इस सदन में राष्ट्रपति जी ने अपना अभिभाषण शुरू किया, तो उसे हम लोग गहरी रुचि से सुनना चाह रहे थे, क्योंकि सरकार का क्या दृष्टिकोण है, क्या सोच है, काफी-कुछ उसके माध्यम से देश के सामने रखा जाता। मगर जब धीरे-धीरे वह आगे बढ़ीं, तो हमें यह समझ नहीं आया कि यह अभिभाषण वर्ष 2024 में बनी भाजपा सरकार का है या यह अभिभाषण वर्ष 1977 में बनी जनता पार्टी की मोरारजी सरकार का है या वर्ष 2014 में बनी प्रथम मोदी सरकार का है, क्योंकि जब इमरजेंसी पर इतना बड़ा उल्लेख किया गया, तो उसका क्या संदर्भ है, समझने में समय लगेगा। (2020/MK/RP)

उसके बाद इतना लंबा उल्लेख किया। ऐसा लगता था कि नई-नई इमरजेंसी के बाद इलेक्शन हुआ है और जनता पार्टी की सरकार वर्ष 1977 में बनी है। शायद वह अंश वहां से लिया गया हो। उसके बाद प्रचंड बहुमत बताया, पूर्ण बहुमत बताया गया और बहुत से ऐसे वायदों को दोहराया गया जो वर्ष 2014 और वर्ष 2019 से सुनते आ रहे हैं। हमें लगा कि शायद वर्ष 2024 के राष्ट्रपति अभिभाषण के कुछ अंश वहां से लिये गये हों, मगर बाद में अहसास हुआ कि शायद मौजूदा सरकार ने, किस सन् की यह सरकार है, वर्ष 2024 की है या वर्ष 1977 की है, वर्ष 2014 की है या वर्ष 2019 की है, इसको समझने में शायद भूल नहीं की। उन्होंने इस जनादेश की भावना को समझने में भूल की, जो पिछले तीन-चार दिन से हमने सरकार की कार्यशैली देखी। यह जो जनादेश है, इस जनादेश के माध्यम से देश के लोगों ने, यह बात सही है और हम स्वीकार करते हैं कि संख्या बल सत्तारूढ़ दल को देने का काम किया है, लेकिन यह भी सत्य है कि इस जनादेश ने नैतिक बल देश के विपक्ष को देने का काम किया है। एक मजबूत विपक्ष को देश के लोगों ने जनादेश देने का काम किया है। देश के लोगों ने अपने वोट से देश के संविधान को बचाने का काम किया, देश के प्रजातंत्र को बचाने का काम किया है और देश के प्रजातंत्र में एक संतुलन लाने का काम किया है। यह नैतिक बल प्रजातंत्र में बहुत करिश्माई है। इस नैतिक बल में इतना करिश्मा है कि आपने देखा होगा कि जब यह जनादेश आया तो उसी रात जो प्रचार तंत्र सरकार के लिए झुका रहता था, रात तक टीवी चैनलों पर बहुत से चैनल्स के एंकर्स माफी मांग रहे थे, बहुत से सेफोलॉजिस्ट रो रहे थे और हाथ जोड़ रहे थे। जब एनडीए की अगले दो-तीन दिन में बैठकें हुईं तो उन बैठकों में किसी के चेहरे पर कहीं खुशी दिखाई नहीं दे रही थी। जब इंडिया गठबंधन की बैठकें हो रही थीं तो सभी एक दूसरे के गले मिल रहे थे। हर किसी के चेहरे पर चमक थी और मिठाइयां बांटी जा रही थीं। यह नैतिक बल का करिश्मा है। देश के लोगों ने एक मजबूत विपक्ष दिया है और आपके बहुमत को छीनकर आपके अहंकार को चोट मारने का काम देश के लोगों ने किया है। जिस तानाशाही और अहंकारी कार्यशैली से आप चल रहे थे, उसको देश के लोगों ने अस्वीकार किया है और बहुमत छीनकर उस अहंकार को तोड़ा है। यह वही अहंकार है, जिस अहंकार को हमने देखा कि जब किसान आंदोलन में तीन कृषि कानून देश के इतने बड़े वर्ग के लिए आपने बिना संसद में लाए ऑर्डिनेंस से पास कर दिया। उसके बाद वह वर्ग उठ खड़ा

हुआ। दिल्ली के चारों तरफ एक साल से ज्यादा वह किसान वर्ग बैठा रहा। 750 शव इन धरनों से वापस पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के गाँव में उन किसानों के गए, लेकिन सरकार की तरफ से सहानुभूति के दो शब्द भी व्यक्त नहीं हुए। यह वह अहंकार का चेहरा था, जिसको देश के लोगों ने देखा। यह वह चेहरा था, जिसमें उस आंदोलन में और उस आंदोलन के दौरान एक जीप के माध्यम से किसान कुचले गए। जिस कैबिनेट मंत्री की वह जीप थी, उनको आपने दोबारा टिकट देने का काम किया। यह उस अहंकार को तोड़ने का स्वरूप था। जो जनादेश हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश और उस लखीमपुर खीरी में भी भाजपा के उस उम्मीदवार को हराकर इंडिया गठबंधन को जिताने का काम लोगों ने किया। जिनको आपने टिकट दी, जिनकी गाड़ी के नीचे किसान कुचले गए, वह अहंकार का स्वरूप था। एक उदाहरण हमने देखा जब हमारी बेटियां अपने लिए न्याय मांग रही थीं। ओलम्पिक विजेता खिलाड़ी बेटियां, ओलम्पिक विजेता पहलवान बेटियां, हरियाणा की बेटियां अपने लिए न्याय मांग रही थीं। वह हरियाणा, जहां कुरुक्षेत्र हुआ, जहां महाकुरुक्षेत्र में महाभारत का युद्ध हुआ, हमारे देश की महिला की इज्जत के लिए महाभारत जैसा युद्ध हुआ। यह देश के वे संस्कार हैं। वहां की बेटियां अपने लिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर न्याय मांग रही थीं, लेकिन उनको घसीटा जा रहा था। यह अहंकार का रूप है, जिन्होंने घसीटने के लिए मुख्य आरोपी, जो सांसद थे, उन पर मुकदमा सरकार ने दर्ज नहीं किया बल्कि सुप्रीम कोर्ट के कहने पर दर्ज करवाया गया। उनके बेटे को उत्तर प्रदेश में चुनाव में उतारा गया। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और पंजाब के लोगों ने उस अहंकार को तोड़ने का काम किया। ... (व्यवधान) हरियाणा की जो बेटियां हैं, जिस प्रदेश से वे आती हैं, मुझे उन पर गर्व है। आज देश में सबसे ज्यादा विपक्ष की अगर मत प्रतिशत कहीं आई है तो छोटे से प्रदेश हरियाणा के अंदर आई है।

(2025/SJN/NKL)

लोगों ने उस अहंकार को अस्वीकार करने का काम किया है। यह वह अहंकार ही था कि एक दिन में 146 सांसदों अर्थात् संपूर्ण विपक्ष को निलंबित करने का काम हुआ था। यह वह अहंकार था, तो देश के लोगों ने उस अहंकार को अस्वीकार करके 'इंडिया' गठबंधन के सांसदों की संख्या को बढ़ाकर 234 किया एवं आपसे बहुमत छीनकर और उनको यहां पर भेजकर संतुलन बनाने का काम किया है। इस अहंकार को तोड़ने का काम किया है।

माननीय सभापति (श्री जगदम्बिका पाल) : दीपेन्द्र जी, वह फैसला सरकार का नहीं था। वह फैसला अध्यक्ष पीठ का था।

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा (रोहतक) : महोदय, यह वह अहंकार ही था, जिसकी वजह से हर वर्ग को पिछले कुछ वर्षों में अपने हितों की रक्षा करने के लिए सड़क पर आना पड़ा। सरकार ने हर वर्ग की अनसुनी की और हर बार सरकार कहीं न कहीं अत्याचारियों के साथ खड़ी दिखाई दी। चाहे हाथरस की बात हो, लखीमपुर खीरी की बात हो, महिला पहलवानों की बात हो, सरकार पीड़ितों के साथ नहीं, बल्कि अत्याचारियों के साथ खड़ी दिखाई दी। यह वह अहंकार ही था, इसलिए हर वर्ग को सड़क पर उतरना पड़ा... (व्यवधान)

हमने हरियाणा में देखा कि लोगों ने इनकी अहंकार की राजनीति को अस्वीकार करने का काम किया है। इनकी अहंकार की नीति के साथ ही साथ, लोगों ने इनकी बनाम की राजनीति को भी अस्वीकार करने का काम किया है। एक देशवासी को दूसरे देशवासी के आमने-सामने खड़ा करने की नीति को लोगों ने अस्वीकार करने का काम किया है। कभी नारे दिए जा रहे थे कि उत्तर बनाम दक्षिण। मैं उत्तर बनाम दक्षिण की बात करने वालों को बताना चाहता हूँ कि अगर पूरे देश के 28 प्रदेशों में 'इंडिया' गठबंधन का सबसे ज्यादा मत प्रतिशत 47.6 कहीं आया है, तो दिल्ली के तीन तरफ बसे हुए हरियाणा के अंदर आया है, उत्तर-भारत में आया है। उत्तर बनाम दक्षिण, बनाम की राजनीति, कहीं धर्म को आधार मानकर बनाम, एक धर्म बनाम दूसरा धर्म, कहीं जाति को आधार बनाकर बनाम की राजनीति। उत्तर प्रदेश में धर्म के आधार पर बनाम की राजनीति एवं ध्रुवीकरण की राजनीति को लोगों ने अस्वीकार किया है। हरियाणा में जाति को सहारा बनाकर ध्रुवीकरण करने की राजनीति को अस्वीकार करने का काम लोगों ने किया है।

महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि हमारे हरियाणा में 90 विधान सभाएं हैं। सभी 90 विधान सभाओं में कांग्रेस पार्टी के मत प्रतिशत में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है और भाजपा के मत प्रतिशत में जबरदस्त गिरावट आई है। चाहे वह विधान सभा क्षेत्र हरियाणा के किसी भौगोलिक क्षेत्र में है या किसी जातीय समीकरण में है। ये दर्शाता है कि उत्तर बनाम दक्षिण की राजनीति, एक धर्म बनाम दूसरा धर्म, एक जाति बनाम दूसरी जाति, इस बनाम की राजनीति को लोगों ने अस्वीकार किया है। इस वोट की चोट से लोगों ने उनका अहंकार भी तोड़ा है, बनाम की राजनीति को भी अस्वीकार किया है और लोगों ने संविधान की भी रक्षा करने का काम किया है। लोगों ने संविधान को बचाने का काम किया है।

हमने देखा है कि इनकी सरकार में किस तरीके से बाबासाहेब के संविधान पर लगातार प्रहार किए जा रहे हैं। संवैधानिक संस्थाओं पर वार किए जा रहे हैं। आपने देखा है कि पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी पर किस तरीके से वार और प्रहार किए जा रहे हैं। हमने भी देखा है कि किस तरीके से संविधान के अंतर्गत जिन समाजों और वर्गों के अधिकार सुरक्षित होते हैं, उन वर्गों के अधिकारों पर चोट पहुंचाई जा रही है। हमने देखा है कि किस तरीके से सरकारी नौकरियां समाप्त की जा रही हैं। चाहे केन्द्र सरकार की बात हो या प्रदेश सरकारों की बात हो, हरियाणा के अंदर दो लाख सरकारी पद समाप्त कर दिए गए हैं। जिनको नौकरी दी भी जा रही है, कौशल निगम के माध्यम से कच्ची नौकरियां दी जा रही हैं, बिना आरक्षण, बिना पेंशन इत्यादि। इस तरीके से केन्द्र सरकार में भी सरकारी नौकरियां समाप्त करके एससी और ओबीसी समाज के जो अधिकार संविधान के अंदर दिए गए हैं, उनको बैकडोर से छीनने का काम ये सरकार कर रही थी। आगे भी संविधान को कुचलने के नारे दिए जा रहे थे, लोगों ने उन नारों को भी अस्वीकार किया है।

आप 400 पार का नारा दे रहे थे। आप बाबासाहेब के संविधान को खंडित करने की बातें कर रहे थे। आपसे बहुमत छीन लिया और आपकी अल्पमत की सरकार बनवाकर संविधान को बचाने का काम किया है। इसीलिए जब यहां पर जय संविधान बोला गया, मैं भी यह बताना चाहता हूँ कि मैं उस समय क्यों खड़ा हुआ था, क्योंकि बाबासाहेब के संविधान से मेरा एक भावनात्मक संबंध है। जब

यह संविधान बना था, जिस संविधान के आधार पर देश चलता है, यह संसद चलती है, इसी संसद के परिसर में जब बाबासाहेब के नेतृत्व में संविधान बना था, तो मेरे स्वर्गीय दादा चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा जी भी उस संविधान सभा के सदस्य थे। जब संविधान की मूल प्रति पर दस्तखत किए गए, तो बाबासाहेब के साथ-साथ पंडित जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल, मौलाना आज़ाद और चौधरी रणबीर सिंह हुड्डा जी के भी दस्तखत संविधान की मूल प्रति पर अंकित थे।

(2030/MM/VR)

जब यहां पर जय संविधान बोला गया तब सत्ता पक्ष की तरफ से उस पर टीका-टिप्पणी की गयी। यह कहना मैं अपना कर्तव्य समझता हूं कि इस पर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए थी। उसके बाद सत्ता पक्ष की तरफ से जो कहा गया, सही कहा गया या गलत कहा गया, इसका फैसला मैं देशवासियों पर छोड़ता हूं। मैं इस देश के महान सदन की पीठ और आसन पर छोड़ता हूं। लोगों ने संविधान की रक्षा की, आप लोगों का अहंकार तोड़ा। आपकी बनाम की राजनीति को नकारने का काम किया।

स्पीकर सर, मैं अभिभाषण को पढ़ रहा था। यह समझ में आ गया कि भूल तिथि में नहीं है, जनादेश को समझने में सरकार द्वारा भूल है। फिर मैंने अभिभाषण को आगे पढ़ा और उसमें मैं देख रहा था कि पिछले दस साल के कुछ नारे थे, कुछ वायदे थे, उनका कहीं कोई जिक्र नहीं आया है। मैं समझता हूं कि आपके माध्यम से मैं याद दिला देता हूं। यह कहा गया था कि दो करोड़ रोजगार देंगे, लेकिन आज हम देख रहे हैं कि पिछले 45 सालों में बेरोजगारी का रिकॉर्ड आज इस सरकार ने बनाने का काम किया है। लेकिन अभिभाषण में बेरोजगारी शब्द का एक बार भी प्रयोग नहीं किया गया, जैसे कि बेरोजगारी की समस्या ही न हो। आज 45 साल में देश में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है तो देश के हरियाणा में सबसे ज्यादा बेरोजगारी है। शायद, इसीलिए देश में विपक्ष को सबसे ज्यादा मत-प्रतिशत इस चुनाव में हरियाणा में मिला है।

पिछले सत्र में जब मैंने सवाल पूछा था कि कौन से प्रदेश में कितनी बेरोजगारी है तो आपकी सरकार ने जवाब दिया था कि सबसे ज्यादा बेरोजगारी हरियाणा प्रदेश में है। आज हरियाणा प्रदेश के नौजवान को आपने बेरोजगारी की गर्त में डाल दिया है। उसका भविष्य अंधकारमय कर दिया है। आज हरियाणा नशे में आगे बढ़ गया है। हरियाणा में अपराध अनियंत्रित हो गया है। अंडर एज शूटर गैंग बन गए हैं और इस गैंग में हरियाणा के नौजवान दिखायी दे रहे हैं। विदेशों की तरफ पलायन हो रहा है। आपने डंकी पिक्चर के बारे में सुना होगा। हरियाणा का नौजवान देश की सीमा पर लड़ने की बात करता था, आज वह जान हथेली पर रखकर, अपना घर छोड़कर पनामा के जंगलों से होते हुए अमेरिका की सीमा लांघकर जब अमेरिका में मजदूरी करने के लिए प्रवेश करता है तो उसके घर में दिवाली मनायी जाती है, पटाखे छूटते हैं। आप अमृतकाल की बात कर रहे हैं। यह कैसा अमृतकाल है कि हमारे देश के नौजवानों को विदेश में जाना पड़ रहा है। हरियाणा का वह नौजवान जो दुश्मन से लड़ने की बात करता था, आज वह यूक्रेन युद्ध में लड़ने की बात कर रहा है। मैं पूछना चाहता हूं कि यह कैसा अमृतकाल है? अभी नीट की बात की जा रही थी। मैं आपकी जानकारी में यह भी लाना चाहता हूं कि हरियाणा में देश में सबसे ज्यादा बेरोजगारी का रिकॉर्ड ही नहीं बना है, बल्कि सबसे

ज्यादा पेपर लीक और सबसे ज्यादा भर्ती घोटाले पिछले दस वर्षों में कहीं हुए हैं तो हरियाणा में ही हुए हैं। आज पेपर लीक के माध्यम से करोड़ों नौजवानों के भविष्य को अंधकारमय कर रहे हैं। बेरोजगारी का अभिभाषण में एक बार भी जिक्र नहीं हुआ। इस अभिभाषण में एक बार भी भ्रष्टाचार और काले धन का जिक्र नहीं किया गया।

माननीय सभापति (श्री जगदम्बिका पाल) : कृपया कनक्लूड करें।

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा (रोहतक) : यह वही नारा था कि 'काला धन लाएंगे, सबके बांटे 15 लाख आएंगे।' काला धन नहीं आया और न ही काले धन के बारे में कुछ नहीं कहा गया। अब लोग कह रहे हैं कि असली नारा यह था कि 'काला धन विदेश से नहीं लाएंगे, काले धन वालों को बीजेपी जॉइन करवाएंगे, रातों-रात उनका काला धन सफेद करवाएंगे, वॉशिंग मशीन बनाएंगे।' अगर भ्रष्टाचार पर इनका रिकॉर्ड ठीक होता तो इन्होंने क्यों नहीं वोट मांगी और क्यों नहीं अभिभाषण में भ्रष्टाचार और काले धन का जिक्र किया?... (व्यवधान)

माननीय सभापति : आप कनक्लूड कीजिए।

... (व्यवधान)

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा (रोहतक) : महोदय, इन्हें वोट मांगनी चाहिए थी कि हमने कोरोना का टीका लगाने वाली कम्पनी से भी चंदा लिया है। इस बात पर भी इन्हें वोट मांगनी चाहिए थी, तो इनका भ्रष्टाचार का रिकार्ड ठीक होता। मैं याद दिलाना चाहता हूँ कि इनका एक और नारा था 'किसान की आमदनी दोगुनी कराएंगे, स्वामीनाथन रिपोर्ट लागू कराएंगे।' वह तो हमने देख लिया। साढ़े सात सौ किसानों का आपने लहू बहाया है। हमने देख लिया कि कैसे किसान की आमदनी दोगुनी कराई है। उनकी आमदनी दोगुनी नहीं हुई, लेकिन उनकी लागत दोगुनी हो गई। किसान का दुख-दर्द दोगुना हो गया।

(2035/YSH/SAN)

मैं आज सरकार से कहना चाहता हूँ कि कम से कम एमएसपी पर तो आप देश के सामने सच रखिए। आप एमएसपी की लीगल गारंटी कीजिए।

माननीय सभापति (श्री जगदम्बिका पाल) : आपकी पार्टी से काफी सदस्य बोलने वाले हैं। आपको 15 मिनट से ऊपर हो चुके हैं। आप कंक्लूड कीजिए।

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा (रोहतक) : सभापति जी, मैं कंक्लूजन की तरफ बढ़ रहा हूँ। मैं कहना चाहता हूँ कि आप कम से कम एमएसपी पर लीगल गारंटी करने का काम कीजिए। इनका एक और नारा था – वन रैंक वन पेंशन। ये वन रैंक वन पेंशन का नारा तो भूल गए और इन्होंने नारा बदल दिया। इन्होंने वन रैंक वन पेंशन की जगह नो रैंक नो पेंशन, अग्निवीर योजना ले आए। मैं पूछना चाहता हूँ कि यह योजना कहां से आई, क्योंकि न तो यह योजना फौज की मांग थी, न देश के नौजवान की मांग थी, न भाजपा के घोषणा पत्र में अग्निवीर योजना थी तो यह योजना कहां से आई? आज इस योजना पर कहा जा रहा है। राजनाथ सिंह जी ने आज कहा कि हमने कंसल्ट किया था। मैं राजनाथ सिंह जी को याद दिलाना चाहता हूँ... (व्यवधान)

माननीय सभापति : माननीय सदस्य, आपकी पार्टी से 13 सदस्यों को बोलना है।

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा (रोहतक) : सर, मैं कंकलूड कर रहा हूँ। मैं पूछना चाहता हूँ कि जनरल नरवणे ने क्या कहा कि इस योजना ने तीनों सेनाओं को चौंका दिया। आज बोल रहे हैं कि आपने कंसल्ट किया था। फौज की एक इंटरनल रिपोर्ट आई है। यह खबर हर अखबार में प्रकाशित हुई है कि इस योजना की वजह से फौज में आपसी प्रतिद्वंद्वता बन गई। आपस में एक दूसरे के लिए मरने-मिटने का जो जज्बा था, अब आपसी प्रतिद्वंद्वता में बदल गया और फौज के मनोबल में रिकॉर्ड गिरावट आई है। फौज के पास सबसे बड़ा हथियार उसका मनोबल होता है। हमारी देश का मनोबल आपने गिरा दिया। ऐसी योजना आप लेकर आए हैं। देश की फौज पर 75 सालों से सबको गर्व था। सरकार कोई भी रही हो, देश की फौज ने कभी तिरंगे को झुकने नहीं दिया। चाहे सन् 1971 में इंदिरा जी की सरकार हो, जिसने पाकिस्तान के दो टुकड़े करके दुनिया के भूगोल को बदलने का काम किया या सन् 1999 में चाहे आपकी ही सरकार हो। जब वाजपेयी जी प्रधान मंत्री थे तो कारगिल में पाकिस्तान के शीश को झुकाने का काम किया तो इसी फौज ने किया। पक्की भर्ती से नियुक्त इस फौज ने किया।

माननीय सभापति: अब आप कंकलूड कीजिए।

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा (रोहतक) : सर, मैं कंकलूड कर रहा हूँ। आखिर में मैं यह भी कहना चाहता हूँ कि इन्होंने एक और नारा दिया था, वह नारा 5 ट्रिलियन की इकोनॉमी का था। मैं इकोनॉमी पर जरूर कहना चाहूंगा। ऑक्सफेम की रिपोर्ट बताती है कि एक प्रतिशत, जो सबसे अमीर हिंदुस्तानी हैं, उनके पास 60 प्रतिशत की संपत्ति है। 5 ट्रिलियन में से 3 ट्रिलियन इकोनॉमी कहीं अदानी-अंबानी के पास न रह जाए। आज इन्होंने अर्थव्यवस्था की ऐसी परिस्थिति बना दी है। आज ये नारे तो दे रहे हैं, लेकिन 80 करोड़ देशवासियों को अनाज देना अपनी उपलब्धि बता रहे हैं। आप मनरेगा की योजना को कांग्रेस की विफलता का प्रतीक बता रहे थे। आप ये 80 करोड़ देशवासियों को अनाज दे रहे हैं, यह अच्छी बात है, लेकिन मैं बताना चाहता हूँ कि जनादेश क्या है।

जनादेश यह है कि वे 80 करोड़ लोग आपसे कह रहे हैं कि हमें अनाज नहीं चाहिए, हमें स्वाभिमान चाहिए और हमें काम चाहिए। हमें सरकार की रोटी नहीं खानी है, हमें इज्जत की रोटी खानी है। हमें काम चाहिए, हमें रोजगार चाहिए। 80 करोड़ लोग आपको यह बता रहे हैं। मैं कंकलूजन में यही कहना चाहता हूँ कि अर्थव्यवस्था में एक और बात थी। यह कहते थे कि रुपया इतना गिर गया। जब हमारे समय में डॉलर के मुकाबले रुपया 62 हो गया था तो ये कहते थे कि हिन्दुस्तान की इज्जत गिर गई। अब रिकॉर्ड गिरावट आ गई है। रुपया 62 से 84 पहुंच गया है। आपके अनुसार अब तो हिन्दुस्तान की इज्जत में रिकॉर्ड गिरावट आ गई होगी। यह आज अर्थव्यवस्था की स्थिति है।

मैं आखिरी में एक ही बात को कहते हुए अपने भाषण को समाप्त करूंगा। लोगों ने जनादेश अहंकार की कार्यशैली के लिए नहीं दिया, आपकी तानाशाही की कार्यशैली के लिए जनादेश नहीं दिया। सबको साथ रखकर देश को आगे लेकर जाने के लिए लोगों ने जनादेश दिया है और अगर आप इसको अस्वीकार करेंगे तो आज इस जनादेश ने एक मजबूत विपक्ष को जन्म देकर आपके सामने बैठाने का काम किया है, अगर जनादेश को नहीं समझेंगे तो हम अगली बार आपकी जगह मजबूत विकल्प के रूप में आएंगे। यह मैं आपको कहना चाहता हूँ।

(इति)

माननीय सभापति: संसदीय कार्य मंत्री जी।

श्री किरेन रिजिजू : सर, मुझे एक एनाउंसमेंट करना है कि काफी लेट तक हम लोग हाउस को चलाने वाले हैं और माननीय सदस्य काफी मेहनत से अपनी बात को यहां पर रखेंगे और सुनने वाले भी यहां पर हैं इसलिए हमने डिनर की व्यवस्था की है। उसकी जगह के बारे में मैं जानकारी देना चाहता हूँ। माननीय सदस्यों के लिए डाइनिंग रूम फॉर एमपीज़ में भोजन होगा।

माननीय सभापति: क्या ग्राउंड फ्लोर पर है?

श्री किरेन रिजिजू : हाँ सर, एमपीज़ डाइनिंग रूम में है।... (व्यवधान) आप पैसे की चिंता मत कीजिए।

(2040/RAJ/SNT)

आप वहां जाकर आराम से खाइए। हम पैसा दे देंगे। हम इतना कर सकते हैं।

माननीय सभापति (श्री जगदम्बिका पाल) : जब संसदीय कार्य मंत्री जी कह रहे हैं, तो वे ही होस्ट हैं।

श्री किरेन रिजिजू : माननीय एमपीज़ के गेस्ट के लिए डाइनिंग रूम – फोर, जो मीडिया है, उसमें उनके खाने की व्यवस्था है।

स्टाफ कैफेटेरिया में न्यू बिल्डिंग ऑफिशियल्स, जो हम लोगों को सेवा दे रहे हैं, काम कर रहे हैं, सदन चल रहा है, उनके लिए खाने की व्यवस्था है। पार्लियामेंट लाइब्रेरी कैफेटेरिया में सिक्योरिटी पर्सनल्स एंड अदर एलायड एजेंसीज के लिए खाने की व्यवस्था है। I hope everybody has got this thing. Please avail. हम लोग शांति से देर रात तक सदन चलाएंगे।

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा (रोहतक) : सर, एक रिक्वेस्ट है।... (व्यवधान)

माननीय सभापति : आप पहले पूछ लीजिए। जब आप हमसे नहीं पूछेंगे। आप सीधे अपनी बात पूछ लेंगे।

श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा (रोहतक) : सर, मैं आपके माध्यम से पूछना चाहता हूँ। सर, माननीय एमपीज़ के लिए जो कैफेटेरिया है, जैसे सेंट्रल हॉल में टीवी लगे हुए थे, हम लोग उसमें ठीक से कार्यवाही देख लेते थे।

माननीय सभापति : संसदीय कार्यमंत्री जी, इसमें टीवी लगवा दीजिए। आपका सुझाव बिल्कुल ठीक है।

2042 hours

*SHRI S. VENKATESAN (MADURAI): Hon Chairman Sir, Vanakkam. At the outset I thankfully express my love and respect to the people of Tamil Nadu, particularly to the people of Madurai parliamentary constituency for having given a historic mandate against the fascist politics during the 18th Lok Sabha elections. Hon Chairman Sir, Hon. President's Address is not truly reflecting the exact mandate of the parliamentary elections. Particularly this mandate has snatched away the posts of 63 MPs of the ruling party as they have lost the elections. It has shattered the imaginative exit poll results propagated by your corporate friends. To add further, the people have given such a verdict proving your sayings, as that of God's child to have become untrue. Such a good verdict is provided by the people for the 18th Lok Sabha. Most importantly they knew that if majority is given to you, you will snatch away even their voting rights. Having understood this, the people have given this mandate. I wish to remind you of the speech delivered by Hon Prime Minister on the concluding day of the last Session of 17th Lok Sabha. Prime Minister said that after elections the opposition will not have place in this House and they will be forced to sit in the visitors' gallery. But the voters of the country, through their verdict, have made a pride-filled moment possible, by making the Hon Prime Minister to sit for 2 hours and listen to the speech of Hon Leader of Opposition today. The Government had issued orders for stopping the entry of tractors into the NCR of Delhi during the farmer's protests, but today our lovable friend Shri Amra Ram reached Parliament through his tractor and took oath as MP. That speech of Hon Prime Minister was about Ayodhya. But today in the Hon President's Address, even the word Ayodhya has not been uttered once. If the people have not voted for you, you will leave in the lurch, Ayodhya or even God for that matter. This is the one you have proved through this President's Address. We should talk about Ayodhya now. Shri Awadesh Prasad belonging to SC community has been elected as the Member of Parliament from Faizabad constituency which is under General category. BJP has seen temples as entrance points of the polling booth. Infact the temples are not entrances of a polling booth. Temples are the places

*Original in Tamil.

of spirituality and this was proved by the people of Ayodhya in Faizabad constituency. It doesn't end there. My friends, Lord Ram of Ayodhya had put you in trouble by leaving you in distress. In Varanasi, you were made to worry by Lord Kasi Viswanath for the initial three rounds of counting. We humans could not tolerate what you said as the child of God. How will the Gods tolerate such statements? That's why you went to embrace Lord Kasi Viswanath leaving Lord Ram. Now you had gone to embrace Lord Jagannath leaving Lord Kasi Viswanath. Very soon Lord Jagannath will also do the needful to you. Hon Ministers have mentioned here that Hon Prime Minister Shri Modi has once again entered with Sengol, the sceptre inside this House of Parliament. Sengol, the sceptre, crown and king's chair are all symbols of monarchy. We entered this august house only after destroying all these symbols of monarchy. When the monarchy is no more alive where the significance is for this Sengol, the sceptre? You are just wearing the skin of a dead lion and scripting stories saying you to be the King. You are aware of the fact that, every King who held this Sengol had hundreds of women as slaves in his palace. What are you trying to say to the women of this country by placing this Sengol inside this House of Parliament? I wish to say that I am extremely worried. Mahatma Gandhi's statue was installed at the entrance of the Parliament building. Revered leader Dr Ambedkar's statue was located in front of the Parliament building. Now you have shifted Mahatma Gandhi's statue and Dr Ambedkar's statue to the backside entrance of this old Parliament building. But Chanakya, Savarkar and Sengol have occupied the central position in this new Parliament building. I want to say this to those who belong to the ruling party. We took oath by holding the copy of Constitution of India in our hands. Do you know why? We want to hold it high as you want to destroy it. We will remove the thing which you want to hold high in this august House. Sengol has two reasons for its pride. It resembles monarchy. Secondly it also resembles virtue and honesty. I want to ask you what relation you have with honesty. Hon Prime Minister visited Tamil Nadu eight times for campaigning before General Elections in Tamil Nadu. He had all praises for Tamils, Tamil language and Tamil culture. After the polling was over in Tamil Nadu, Prime Minister went to Uttar Pradesh, Bihar and Odisha on an election campaign. What did he say about Tamil Nadu while campaigning in these three States? If you had honesty and virtue in politics you should have told such

vilifying statements in Tamil Nadu. With such a dishonesty, no ruler has ever spoken like you such defaming things about Tamils and Tamil Nadu. You termed minorities as infiltrators. You said that they are ones who give birth to so many children and snatch of our money. We witnessed the Election Commission as a silent spectator at all your sayings and statements. After elections, now the issue of NEET has crept in. People are afraid that the coaching mafias have almost taken control of testing agencies. Hon Minister of Education does not want to talk about this. Hon Railway Minister does not want to talk about railway accidents. Hon Minister of Home Affairs does not want to talk about Manipur issue. But we have seen many atrocities against the minorities taking place after elections. In several places, from writer Arundhati Roy to Arvind Kejriwal, your vengeance against them is trying to stop the legal relief that is due for them. This should be stopped.

HON. CHAIRMAN (SHRI JAGDAMBIKA PAL): Please conclude.

SHRI S. VENKATESAN (MADURAI): Hon Chairman Sir, I am concluding in one minute. Your decline has started from this recently concluded election. You lost 63 MPs when compared to the previous Lok Sabha. People have defeated 63 MPs of your ruling party. Besides, you have started respecting your allies. Hon Prime Minister stood from his seat and displays respect to an ally of NDA which has 12 MPs and this becomes the headline story. Therefore I must say that your decline has started. People will time again prove that the voice of India is the voice of social justice and voice of democracy. Thank you.

(ends)

(2045/KN/AK)

2049 बजे

श्री गणेश सिंह (सतना) : सभापति महोदय, मैं धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में अपनी बात रख रहा हूँ। सबसे पहले मैं राष्ट्रपति जी को धन्यवाद देना चाहूँगा। उन्होंने विजयी सांसदों से कहा कि वे राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ अपना दायित्व निभाएं और 140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं की पूर्ति का माध्यम बने। उन्होंने ऐसी जो अपेक्षा की है, इसके लिए उनका बहुत-बहुत धन्यवाद।

(2050/VB/UB)

सदन के सभी दलों के माननीय सदस्यों से मैं भी अपेक्षा करूँगा कि उन्होंने जो विश्वास व्यक्त किया है, वे अपने कार्यकाल में उसका पालन अवश्य करेंगे।

सबसे पहले, मैं आपके माध्यम से, अपने लोक सभा क्षेत्र सतना के सभी मतदाताओं का, विशेष रूप से मध्य प्रदेश के सभी 29 लोक सभा क्षेत्रों में जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी की प्रचण्ड जीत हुई। वहाँ के मतदाताओं के प्रति बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ, उनको धन्यवाद देता हूँ।

मैं सतना लोक सभा क्षेत्र के मतदाताओं का विशेष आभारी हूँ कि उन्होंने एक छोटे-से परिवार में जन्म लेने वाले, किसान परिवार में जन्म लेने वाले, पिता के साथ हल चलाने का काम करने वाले मुझ जैसे बेटे को लगातार पिछले पाँच बार से सांसद के रूप में यहाँ भेजने का काम किया, इसके लिए मैं उनका विशेष रूप से आभारी हूँ।

जो वर्ष 2024 का चुनाव हुआ, इसमें नीति, नीयत, निष्ठा और निर्णयों पर विश्वास का सबसे बड़ा प्रतिबिम्ब देखने को मिला है। जनता ने पुनः प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी को पिछले कार्यकाल में एक मजबूत और निर्णायक सरकार देने पर जनता ने विश्वास व्यक्त किया है। एनडीए की सरकार ने सुशासन, स्थिरता और निरंतरता पर जो काम किया था, इस बार के चुनाव में उस पर मुहर लगाने का काम किया गया। मोदी जी की ईमानदारी और कड़ी मेहनत पर भी जनता ने विश्वास व्यक्त किया है। देश की सुरक्षा और समृद्धि पर भी जनता ने विश्वास जताया है, सरकार की गारंटी और डिलीवरी पर विश्वास किया गया है। विकसित भारत का जो संकल्प है, उसको पूरा करने के लिए देश की जनता ने जो जनादेश दिया है, निश्चित तौर पर उसका जितना भी आभार व्यक्त किया जाए, वह कम है।

मोदी जी के नेतृत्व में एनडीए विकसित भारत का संकल्प लेकर चुनाव के मैदान में उतरी थी। लेकिन विपक्ष और कांग्रेस की अगुवाई में बना जो गठबंधन है, वह क्या मुद्दे लिये हुए था? वह खटाखट और फटाफट के मुद्दे लिये हुए था। वे इस मुद्दे को लेकर चुनाव मैदान में गये थे। उनका कोई विज़न नहीं था। उन्होंने पूरे देश में ऐसा दुष्प्रचार किया कि संविधान बदल दिया जाएगा, आरक्षण खत्म कर दिया जाएगा, देश में कभी चुनाव नहीं होंगे। आज तक ऐसा दुष्प्रचार किसी भी चुनाव में किसी भी दल की तरफ से नहीं हुआ था, जो इस बार किया गया। यह मालूम था कि इनके पास खोने के लिए कुछ है नहीं, तो दुष्प्रचार करके शायद कुछ हासिल कर लेंगे। शायद इसी वजह से इन लोगों ने ऐसा किया। इनका कोई विज़न नहीं है। आज नेता, प्रतिपक्ष जब अपना भाषण दे रहे थे, तो लग रहा था कि शायद अब कुछ नई जिम्मेदारियों के साथ वे देश को कुछ कहेंगे। लेकिन फिर वही घिसी-

पिटी बातें उन्होंने की। ऐसा लग ही नहीं रहा था कि वे प्रतिपक्ष के नेता की जिम्मेवारी के साथ बोल रहे थे। वे कह रहे थे कि हिन्दू हिंसात्मक है। जिस हिन्दू समाज ने 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की विचार धारा पर काम किया हो, उसको आप हिंसात्मक कह रहे हैं। विश्व का कल्याण हो, इस बात की कामना, कल्पना सिर्फ हिन्दू समाज में है। 'प्राणियों में सद्भावना हो', की बात इसमें है और आप इसको हिंसात्मक कह रहे हैं। यह कहीं-न-कहीं देश के हिन्दुओं का अपमान है। मैं इसकी निन्दा करता हूँ। मैं नेता, प्रतिपक्ष से चाहूँगा कि वे इसके लिए माफी माँगें।

वे भगवान शंकर जी की तस्वीर जिस तरह से दिखा रहे थे, किसी भी भगवान को, किसी भी धर्म के किसी भी ईष्ट के बारे में इस तरह से कभी भी प्रस्तुतिकरण नहीं हुआ, जिस तरह से उन्होंने किया। मैं मानता हूँ कि यह कहीं-न-कहीं गलत है और इसके लिए भी उनको माफी माँगनी चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी दुनिया का सबसे बड़ा राजनीतिक दल है। 11 करोड़ से ज्यादा इसके सदस्य हैं। उस पार्टी के बारे में कहते हैं कि वह पार्टी हिंसा फैला रही है। 'सर्व जन हिताय, सर्व जन सुखाय' का यह दल है, जो पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण तक सभी गांवों में पहुँच चुका हो, जो सबका साथ, सबका विकास की बात करने वाला हो, आज आप उसको हिंसात्मक बोल रहे हैं।

शायद राहुल जी भूल गये कि वर्ष 1975 में जब उनकी दादी जी ने इमरजेंसी लगाया था, उस समय लोकतंत्र को पाँवों तले कुचलने का काम किसने किया था?

(2055/PC/SRG)

वर्ष 1984 में सिखों का सरेआम कत्ल-ए-आम हुआ था। भूल गए आप? आप जेब में संविधान की पुस्तक लेकर यहां शपथ ले रहे हैं। संविधान को सबसे ज्यादा अगर किसी ने कलंकित और अपमानित करने का काम किया है, तो कांग्रेस पार्टी ने किया है।

वर्ष 1950 के बाद 29 राज्यों में 134 बार अगर किसी ने अनुच्छेद 356 का उपयोग किया, तो कांग्रेस ने किया। 50 बारे अकेले इंदिरा जी ने किया। वर्ष 1966 से वर्ष 1977 के बीच 36 बार, वर्ष 1980 से वर्ष 1984 के बीच 15 बार, वर्ष 1992 में छः बार, जिसमें इन लोगों ने चार सरकारें हमारी बीजेपी की शहीद की थीं।

हमारे लोकप्रिय प्रधान मंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी ने देश को एक सफल और ईमानदार सरकार दी है, जिसकी तलाश जनता को वर्षों से थी। इस चुनाव में कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों के गठबंधन ने मोदी जी को रोकने का भरपूर प्रयास किया, लेकिन इसके बावजूद भी देश की जनता ने मोदी जी को फिर से सिंहासन पर बैठा दिया।

देश में आज अनेकों अनैतिक झूठे नारे देकर मतदाताओं को जो भ्रमित करने का काम किया गया है, इस पर भी नेता प्रतिपक्ष को आज अपने भाषण में बोलना चाहिए था। लेकिन ऐसा उन्होंने नहीं किया। फिर एक बार चाय बेचने वाले का बेटा, जो गरीब घर में पैदा हुआ, जिनकी मां पड़ोस के घरों में बर्तन मांजती थीं, उनका बेटा फिर तीसरा बार भारत के प्रधान मंत्री के सिंहासन पर बैठा है। ... (व्यवधान) देश की जनता के लिए उनका कमिटमेंट है। 24 घंटों में से 20 घंटे काम करने वाला, भारत के अंदर आज तक कोई ऐसा प्रधान मंत्री नहीं हुआ, जो उन्होंने स्थापित किया है।

पिछले दस सालों में मोदी जी की सरकार ने अनेकों कीर्तिमान स्थापित किए हैं। कोविड के बाद पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था बिगड़ी थी, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था को उन्होंने मजबूत बनाए रखा। आठ प्रतिशत की विकास दर आज भी है। दुनिया में भारत का बढ़ता हुआ जो सम्मान है, यह विपक्ष को अच्छा नहीं लग रहा है। विश्व में जो आर्थिक योगदान है, उसमें 15 प्रतिशत से अधिक भारत ने दिया है। यह अपने आप में एक रिकॉर्ड है। मजबूत होती हुई अर्थव्यवस्था, 11वें नंबर से हम 5वें नंबर पर आए और अब इस कार्यकाल में तीसरे नंबर पर पहुंचेंगे। हम ऐसी अर्थव्यवस्था को लेकर आगे चल रहे हैं।

देश भर में सड़कों का जाल, फोर-लेन से सिक्स-लेन और बड़ी-बड़ी सुरंगों का निर्माण हुआ। आज नॉर्थ-ईस्ट के क्षेत्र में कोई ऐसा राज्य नहीं है, जहां कनेक्टिविटी मजबूती के साथ न बढ़ाई गई हो। चाहे वह रोड कनेक्टिविटी हो या एयर कनेक्टिविटी हो। यह मोदी जी की सरकार के समय में हुआ है।

रेलवे का आधुनिकीकरण हो रहा है। विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशंस बन रहे हैं। वंदे भारत ट्रेन्स चल रही हैं। आज यह सबसे बड़ा प्रमाण है कि भारत किस तरह से प्रगति कर रहा है। सिंचाई के संसाधन बढ़ रहे हैं। आज 37 किलोमीटर प्रति दिन के हिसाब से हमारे यहां सड़कों का निर्माण हो रहा है। हर घर में 'नल से जल' पहुंचाने की तैयारी में आज देश भर में हम काम कर रहे हैं। हमारी सरकार ने यह नहीं देखा कि किस राज्य में किस पार्टी की सरकार है। हमारी सरकार के किसी भी विभाग के मंत्री ने यह नहीं देखा कि किस सांसद के क्षेत्र में काम हो रहा है। काम होना चाहिए, क्योंकि मोदी जी का वादा है कि देश के अंदर चहुंमुखी विकास हो, समावेशी विकास हो।

प्रत्येक घर में बिजली पहुंचाई जा रही है। अब तो सौर ऊर्जा से बिजली पैदा की जा रही है, जिससे बिना बिजली के बिल आए बिजली का उपयोग गरीब कर सके। नए बंदरगाहों का निर्माण हुआ है। नई शिक्षा नीति आई है। भारत आत्मनिर्भर बन रहा है। इसमें कोई भेदभाव या पक्षपात का कहीं स्थान ही नहीं है।

कांग्रेस के जमाने में हमेशा देखा जाता था कि भेदभाव होता था, पक्षपात होता था, 'एक अनार, सौ बीमार' वाली कहानी होती थी। लेकिन आज 'सबका साथ, सबका विकास' हो रहा है। मोदी सरकार ने कभी यह नहीं देखा कि इसका लाभ लेने वाला कौन है? चाहे वह किसी भी धर्म का हो। इसी तरह दस सालों में गरीब कल्याण की योजनाएं चलाई गईं। भारत के आजाद इतिहास में दस सालों में इतना बड़ा रिकॉर्ड कोई नहीं बना पाया। इतनी बड़ी जनसंख्या में सरकार की योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाना, 80 करोड़ लोगों को आज मुफ्त में अनाज पहुंच रहा है, लगातार पांच सालों तक मिलता रहेगा। अभी राहुल जी कह रहे थे कि मुझे यात्रा में एक महिला मिली, वह कह रही थी कि पति को खाना नहीं मिला, इसलिए पति ने उसे मारा। मैं यह पूछना चाहता हूं कि वह महिला कहां की है? 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में अनाज मिल रहा है, इसके बावजूद भी लोग भूखे हैं?

55 करोड़ लोगों को आयुष्मान कार्ड दिया गया है। भारत के इतिहास में आज तक कभी ऐसा नहीं हुआ। 4.5 करोड़ से ज्यादा लोगों का मुफ्त में इलाज हो चुका है।

(2100/CS/RCP)

माननीय सभापति (श्री जगदम्बिका पाल) : आप बैठे-बैठे मत बोलिए।

श्री गणेश सिंह (सतना) : अब 70 साल से अधिक उम्र वालों को, चाहे वे किसी भी समाज के हों, चाहे किसी भी धर्म के हों, चाहे गरीबी रेखा वाले हों, चाहे अमीरी रेखा वाले हों, सबको मुफ्त में इलाज की सुविधा देने का फैसला मोदी जी ने किया है। 9 करोड़ घरों में रसोई घर पहुँचे हैं। जहाँ पर लकड़ी, कंड़े से खाना पकाने वाली हमारी माताओं/बहनों को आज रसोई गैस मिली है। एक गरीब के घर में जाकर पूछिए तो सही कि उनके अंदर कितने सुख का अनुभव है। उस गैस के माध्यम से उनके बच्चों को सुबह ठीक तरह से परांठे बनकर मिलते हैं और उन्हें लेकर वे स्कूल जा रहे हैं... (व्यवधान) कोई मेहमान घर आ गया तो उसकी खातिरदारी हो रही है। 13 करोड़ घरों में शौचालय बने हैं। मैं कांग्रेस के मित्रों से पूछना चाहता हूँ कि आप लोग 60 बरस तक राज में थे, आपने कभी चिंता नहीं की कि हमारी माँ/बहन/बेटियाँ बाहर शौच के लिए जाने को मजबूर हैं, हम उनके लिए एक छोटा सा शौचालय तो बना दें। अगर इसकी भी चिंता किसी ने की तो वह भी मोदी जी ने की।

रोटी-कपड़ा और मकान का नारा देने वाले, एक भी गरीब का पक्का घर कांग्रेस ने देश में नहीं बनाया। किसी अन्य का बनाते, नहीं बनाते, अपने समर्थक का ही बना देते। उसका भी पक्का घर आपने नहीं बनाया। मोदी जी ने 4 करोड़ पक्के घर बनाये... (व्यवधान) उन्होंने अभी फिर निर्णय ले लिया है, जो 3 करोड़ बचे हैं, उनका भी पक्का घर बना देंगे। आप 18 हजार गाँवों में बिजली नहीं पहुँचा पाये थे। आज माननीय मोदी जी ने 18 हजार गाँवों में बिजली पहुँचायी है। किसान कल्याण योजनाओं में 11 करोड़ किसानों के खातों में अब तक 3.2 लाख करोड़ रुपये डालने का काम किया है। कांग्रेस हमेशा भ्रम फैलाती है। अभी यहाँ पर हमारे पंजाब के कुछ मित्र किसानों की बात कह रहे थे, किसानों की एमएसपी बढ़ाने का काम, एमएसपी देने का काम, रबी में अगर किसी ने किया है तो वह भारतीय जनता पार्टी, एनडीए की सरकार ने किया है, मोदी जी की सरकार ने किया है।

माननीय सभापति : गणेश सिंह जी, आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

श्री गणेश सिंह (सतना) : अब तक 18.5 लाख करोड़ की खरीदी एमएसपी पर हुई है। यह मैं रिकॉर्ड के साथ बोल रहा हूँ। 10 हजार एफपीओ गठित हुए हैं, जिनमें आज 300-300, 400-400 किसान हैं। यह किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए ही तो है। आज देश की कई राज्य सरकारें हैं, हमारी मध्य प्रदेश की सरकार है, जो एफपीओ के साथ मिलकर काम कर रही है, सारी खरीदी का काम उन्हीं को दे रहे हैं। हम उन्हें खाद बिक्री, बीज का भंडारण आदि करने का, तमाम सारी सुविधाएं देने का काम कर रहे हैं। पीएम-जनमन योजना में आदिवासियों को 24 हजार करोड़ रुपये की सहायता पहुँचायी गयी है। 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से मुक्त कराया गया है। दिव्यांगों को मुफ्त में उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। आज तक इन गरीबों के लिए किसी ने नहीं सोचा। ये बेचारे जमीन पर खिचड़ते रहते थे। आज उनको मुफ्त में उपकरण मिले हैं। आज वे खिलाड़ी बनकर पैरा अंतर्राष्ट्रीय गेम्स में जा रहे हैं और वहाँ से मेडल लेकर आ रहे हैं। अगर आज ऐसे गरीब और

असहाय व्यक्तियों को किसी ने जीने की राह दिखाई है तो वह हमारे प्रधानमंत्री माननीय मोदी जी ने दिखायी है। सचमुच इतना बड़ा विश्वास और भरोसा आज तक कभी किसी सरकार के प्रधानमंत्री ने गरीब के बीच में नहीं पैदा किया, जो माननीय मोदी जी ने पैदा किया है। आज 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य है। एक तरफ पूरे देश में स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से गरीब आदमी की आमदनी बढ़ रही है।

महोदय, आज हमारे 10 वर्षों में 7 नए आईआईटीज बने हैं, 16 नए आईआईआईटीज बने हैं, 7 नए आईआईएम्स बने हैं, 15 नए एम्स अस्पताल बने हैं, 315 नए मेडिकल कॉलेजेज बने हैं, 390 विश्वविद्यालय स्थापित किए गए हैं। यह रिकॉर्ड काम 10 सालों में किया गया है। 60 साल में कांग्रेस कुछ नहीं कर पाई और 10 सालों में मोदी जी ने करके दिखा दिया। 103 नए केन्द्रीय विद्यालय बना दिए, 62 नवोदय विद्यालय बना दिए और इसी तरह से 13 हजार, जिनमें 1 करोड़ से अधिक प्रशिक्षण केन्द्र कौशल विकास के बनाए हैं। अब जब नया आईआईटी खुलेगा तो मुझे विश्वास है कि वह मेरे लोक सभा क्षेत्र में खुलेगा। इसका मुझे पूरा विश्वास है। मोदी जी के तीसरे कार्यकाल में विकसित भारत का संकल्प है। अभी ये कह रहे थे कि खटाखट, फटाफट हम नौकरी दे देंगे। कैसे नौकरी दे देंगे, सरकारी नौकरियाँ पूरी तरह से भरी जा रही हैं, लेकिन वे पर्याप्त नहीं हैं, यह हम सब जानते हैं।

(2105/IND/PS)

महोदय, भारत संकल्प योजना के चलते देश के 140 करोड़ लोगों में ऐसे चार महत्वपूर्ण ऐसे लोग रहते हैं जिनमें सबसे पहले गरीब है, दूसरा पढ़ा-लिखा गरीब है, तीसरा हमारे देश का किसान है और चौथी हमारी नारी शक्ति है। इन चारों स्तम्भों को मजबूत करने का जो प्लान मोदी जी ने बनाया है, वर्ष 2014 से उस नींव को मजबूत करने का काम मोदी जी ने किया है और आज उसके परिणाम भी देखने को मिले हैं। वर्ष 2047 आते-आते देश के इन चारों स्तम्भों को मजबूत करके विकसित भारत के सपने को पूरा किया जाएगा। मुझे पूरा विश्वास है कि कांग्रेस पूरी तरह से एक्सपोज हो चुकी है। आज कांग्रेस का विश्वास देश की जनता ने पूरी तरह से समाप्त कर दिया है और इसी तरह से मैं विपक्ष के साथियों से कहता हूँ कि यदि आप कांग्रेस के साथ चले तो आपका भी वही हाल होने वाला है, जो इनका हो रहा है। बहुत-बहुत धन्यवाद।

(इति)

2106 hours

SHRIMATI PRATIMA MONDAL (JAYNAGAR): Hon. Chairperson, Sir, on behalf of the All India Trinamool Congress Party, I rise to speak on the Motion of Thanks on the Presidential Address.

I would like to address all of you and the entire nation by pointing out how Prime Minister Modi ji envisions to rule for the third term. If the oath-taking ceremony is observed closely, you will see that the Members of the Opposition Parties and Members of the Government-forming Parties have been given two separate stages for oath taking. It is absolutely shambolic that even before the start of his third term, he has divided the House. He has no intention of running the Government by cooperating with the weak or respecting the opposition. Wake up dear Indians! These are the signs of a dictator. He will again set out on his mission to brainwash you and divide our country on his patented formula of *M = Mutton, Mughal, Mandir, Masjid, Mangalsutra, Mujra*. Please forgive me if I missed out any.

Hon. Chairperson, Sir, I would like to quote Swami Vivekananda who eloquently said:

“I am proud to belong to a religion which has taught the world both tolerance and universal acceptance. We believe not only in universal tolerance, but we accept all religions as true. I am proud to belong to a nation which has sheltered the persecuted and the refugees of all religions and all nations of the earth.”

This is the beauty of Indian culture.

Regrettably, in recent years, our country has witnessed a troubling division under the leadership of BJP which has chosen to divide our nation along religious lines, tarnishing our standing in the global community. Perhaps, this is the reason why BJP has not secured the magic figure of 272 seats alone in this General Election. And to add insult to injury, BJP lost Ayodhya despite vigorous campaign by heavy-weight leaders like Prime Minister Modi ji and UP Chief Minister Yogi Adityanath ji with their self-made slogan, ‘जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे।’ This proves that Indians cannot be fooled by your divisive and hateful politics based on religion. For these, I thank the people of India who have shown resilience against such divisive politics safeguarding our

constitutional values and democratic ideas amidst challenging times. It is our collective responsibility to ensure that India remains a beacon of tolerance, unity, and progress for all its citizens.

Hon. Chairperson, Sir, during the election campaign, the hon. Minister Shah ji said, 'भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी तो यह गैर संवैधानिक एससी, एसटी और ओबीसी के रिजर्वेशन' को हम समाप्त करेंगे। These comments exposed their true intention, disregarding the fundamental rights to education; to employment; to participate in governing our country, guaranteed by Dr. B.R. Ambedkar, the father of our Constitution. Even the highest constitutional dignitaries like President Shrimati Droupadi Murmu and former President Shri Ram Nath Kovind have faced disrespect being excluded from significant national events. The BJP, only to get the support and vote from the SC/ST communities, offered the President's post first to Shri Ram Nath Kovind and then to Droupadi Murmu ji, but they were not invited to the consecration ceremony of Ram Lala Temple and the inauguration of this Parliament Building.

Hon. Chairperson, Sir, BJP's track record in promoting women empowerment is dismal, with a mere 16 per cent women candidates nominated in the General Elections.

(2110/RV/SMN)

I would like to take the opportunity to mention here that our Chief Minister Mamata Banerjee has nominated 38 per cent women candidates in this general election. Furthermore Sir, their policies and rhetoric have filled hate crimes and atrocities against marginalized communities, including the tragic incidents involving Rohit Vemula, the Una carcasses disposal incidents in Gujarat and the sexual assault of Tribal women in Manipur, Kathua, Hathras and Unnao and the unimaginable bail granted to the criminals in the Bilkis Bano case but what else can we expect from a Government that gives tickets to family members of sexual offenders like ... (*Expunged as ordered by the Chair*) who later turned out to be a murderer of children?

माननीय सभापति (श्री जगदम्बिका पाल) : कृपया नाम न लें। Do not take the name of one who is not a Member of this House. This should be expunged.

SHRIMATI PRATIMA MONDAL (JAYNAGAR): What else can we expect from a Government that nominates a Woman and Child Development Minister who cannot even write 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' in her own mother tongue?

Sir, in the recent election, BJP attempted to instill fear and division by threatening to revoke constitutional protection for SC, ST and OBC communities and implementing discriminatory Acts like CAA and NRC. The outcome of this election has shown that such fear-mongering tactics do not resonate with the electorate which is why you had to form a coalition Government.

Sir, I wish to draw attention to an analogy, a newspaper headline of 16th May, 2021 'Indira Gandhi asking astronaut Rakesh Sharma, how India looked from space' to which he replied 'सारे जहाँ से अच्छा' but today, if someone asks, 'how does India look from the perch Modi ji, perhaps you can recall Gandhari's lament in Kurukshetra, everywhere I look, in all the directions, countless bodies lying in abundance'. I would like to ask the hon. Prime Minister Modi Ji what would you have done if someone had denied you the last rite of your mother and instead asked you to bang utensils.

Sorry, I forgot that you have disregarded your birth mother by claiming yourself to be supernatural. Covid did claim the lives of many but your hands are gushing red too. You might have forgotten about the countless lives lost a few years ago with dead bodies all over India. You might have forgotten about the poor helpless migrants who were unable to return to their home because of your unplanned hasty decision of lockdown but I have not and neither have our people. Although I do not expect anything other than hate politics from you, I hope you will take away some lessons from your defeat in this election and work on real challenges our country is facing in the next five years like increasing poverty, unemployment, insecurity, water scarcity, climate change and so on.

Sir, I would like to conclude by mentioning one thing that it is indeed a strange and unpleasant coincidence that as the nation celebrates Doctors' Day on 1st July, to honour the birth and death anniversary of the renowned Dr. Bidhan Chandra Roy who was the former Chief Minister of Government of West Bengal, we are also witnessing one of the biggest scams in the form of NEET exams which is incidentally the entrance examination to medical studies across the country. The impact of this scam has been so severe that even the NEET exam for admission to post graduate students have been suspended. I would like to request the Government to allow the discussion on NEET and pay true respect to Dr. Bidhan Chandra Roy.

Thank you, Sir.

(ends)

(2115/GG/SM)

2115 बजे

श्री कृष्ण प्रसाद टेन्नेटी (बापतला) : आदरणीय सभापति महोदय जी, आपने मुझे पहली बार संसद में खड़े हो कर बोलने के काबिल समझा, इसके लिए मैं आपका और अपनी पार्टी के अध्यक्ष चन्द्र बाबू नायडू जी का आभारी हूँ, शुक्रगुजार हूँ और शुक्रिया अदा करता हूँ।

Hon. Chairman, Sir, I rise today with a deep sense of gratitude to support the Motion of Thanks on the hon. President's Address, which has eloquently encapsulated hopes and dreams of 1.4 billion Indians.

Sir, as I deliver my maiden speech in this August House, I am compelled to reflect on India's remarkable journey from the challenging times of 1947 to the vibrant present of 2024. In the early days of our Independence, our nation faced immense challenges, economic instability, poverty, illiteracy, and social inequality to name a few. It was the predecessor to this House, the Constituent Assembly and its visionary members who laid the foundation of our democracy by drafting the Constitution of India.

This Constitution has served as a beacon of hope for over a billion citizens, guiding us towards a brighter and more prosperous future. I stand here today as the voice of the Bapatla parliamentary constituency of Andhra Pradesh, worldwide Telugu people and I owe this honour to the enduring legacy of our Constitution and the visionary leadership of Dr. Bhim Rao Ambedkar.

Sir, amid the ebb and flow of political tides in the past six months, the electorate of this nation have bestowed their unwavering trust in electing the NDA government for a third consecutive term. This mandate is a testament to the vision and commitment of the Government and I am fortunate to have personally witnessed some of the reforms of this Government in many years as a public servant, as an IPS officer.

Just before the NDA government took over in 2014, India's GDP growth was below 5 per cent for two consecutive years. We witnessed decreased employment generation, sluggish revenue growth and deep drop of Foreign Direct Investment in our economy. But now, our growth rate has reached 8.4 per cent in the third quarter of the present fiscal year. This growth rate has surpassed all expectations. Even the World Bank and IMF had predicted a growth rate of only 6.2 per cent and 6.8 per cent respectively.

This achievement is particularly remarkable, given the backdrop of three major global economic challenges – the COVID-19 pandemic, the Russia-Ukraine conflict, and the US Federal Reserve's interest rate hikes. As a result, India has ascended to become the world's fifth largest economy. Looking ahead to 2029, it is my sincere hope that with a combination of dedication and strategic planning of this Modi 3.0 Government, India will secure a place among the top three global economies.

Ever since the NDA Government took over in 2014, the Government of India, by putting the development and welfare of the Indian citizen sitting at the last mile as a top priority, ran flagship programmes like the POSHAN Abhiyan and Anaemia Mukh Bharat to reduce deprivations in health, Swachh Bharat Mission and Jal Jeevan Mission to improve sanitation across the country, Pradhan Mantri Ujjwala Yojana to improve cooking fuel deprivation etc. All these initiatives reinforced with initiatives like Saubhagya Yojana, Pradhan Mantri Awas Yojana, Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana, JAM and Samagra Shiksha Abhiyan have led to a significant reduction in multidimensional poverty in India.

As a result, India's Multidimensional Poverty Index has nearly halved from 0.117 to 0.066 between 2015 and 2021, thereby setting India on the path of achieving the Sustainable Development Target 1.2, that is, reducing multidimensional poverty by at least half by much ahead of the stipulated timeline of 2030. Just to give an example of how the multiple interlinked programmes have reduced poverty in India, rural access to piped water in 2019 was at 16.8 per cent only and as on date, 77.3 per cent of rural Households have tap water connections in their homes.

(2120/RP/MY)

Just by providing access to safe and potable water, families have witnessed a decline in sickness which have helped them to earn more income, and also reduce expenditure of medicines, and hospitals.

Talking in absolute numbers, between 2015-16 and 2022-23, a record 24.82 crore people moved out of multidimensional poverty which is a significant decline of over 9.89 per cent. This is what *Vasudhaiva Kutumbakam* is all about. Earlier, we only talked about it, now we are, actually, doing it.

Sir, even now, crores of families are below poverty line, but I am certain that with sustained efforts of Modi 3.0 Government supported by all the Members of this House, we will ensure that no family remains poor by the time the term of this Government or House concludes. To this, I am reminded of one of the poems of our former Prime Minister, Shri Atal Bihari Vajpayee ji:

बाधाएं आती हैं आएं
घिरें प्रलय की घोर घटाएं,
पावों के नीचे अंगारे,
सिर पर बरसें यदि ज्वालाएं,
निज हाथों में हंसते-हंसते,
आग लगाकर जलना होगा,
कदम मिलाकर चलना होगा।

Hon. Chairman, Sir, currently, India stands as the world's most populous nation, with a population exceeding 1.4 billion people. This vast demography presents significant challenges for policymakers, particularly concerning resource allocation, job creation, and overall development. However, beyond these apparent challenges lie a wealth of untapped opportunities. Each Indian, more particularly the youth of this nation, represents a latent force for innovation, creativity and problem-solving. A multi-lingual and skill-rich society like ours presents unique opportunity for India to harness its demographic dividend and march to become an advanced nation. That is why, NDA and Modi 3.0 call it 'Viksit Bharat'.

Hon. Chairman, Sir, ever since the NDA Government came to power in 2014, it has stressed on skill development to remove the disconnect between demand and supply of skilled manpower. The Government of India launched a massive skill development program under the National Skill Development Mission. Since 2015 till 2023, about 1.40 crore Indian candidates have been trained under Skill India Digital. The Government has also ensured that the skill development programmes are engendered. There are provisions for reservation of 30 per cent seats for women in it. There have been exclusive National Skill Training Institutes for Women. Flagship programmes like PM Kaushal Vikas Yojana pays close attention to gender mainstreaming of skills where about 50 per cent of the candidates are women. There are so many things for women.

At this juncture, I would like to inform the House that Shri Nara Chandra Babu Naidu ji has just recently embarked on the Skill Census-2024. When it comes to skill development, a lot has been done yet a lot remains to be done. As policy-

makers of India, it is high time, we move beyond the traditional realms of employment. The era of generalists is being replaced with the era of specialists. With advancements in artificial intelligence, machine learning, and data analytics, new jobs are being created.

HON. CHAIRPERSON: Krishna ji, kindly conclude now.

SHRI KRISHNA PRASAD TENNETI (BAPATLA): Sir, I am concluding.

Therefore, it is high time we cater to creation of possibilities in sectors like electronics and electricals, automotive – especially in the EV sector, fintech, and health- tech, digitization, robotics, and the implementation of artificial intelligence and machine learning along with deep data analytics.

Sir, I hail from the State of Andhra Pradesh. The natives of Andhra have always contributed to the betterment of the nation. Even in its short existence of 10 years since the bifurcation, Andhra Pradesh has emerged as a leader in India's fishing and aquaculture, accounting for almost 41 per cent of total share.

(2125/NKL/CP)

For our State's long-term sustainable development, we seek on-going support from the Government and this august House. We are poised to initiate the multipurpose Polavaram Irrigation Project to enhance irrigation capacity and generate hydro-power, while also delivering clean drinking water to approximately 30 lakh people across 611 villages. However, the project's progress has been halted due to insufficient funding.

HON. CHAIRPERSON (SHRI JAGDAMBIKA PAL): Kindly conclude. Your point is well taken.

SHRI KRISHNA PRASAD TENNETI (BAPATLA): Similarly, Sir, Amravati city is being built into a world class city.

Hon. Chairperson Sir, in the end, by quoting a Shloka from Rigveda, I wish to urge all the Members to join me in thanking hon. President Madam for her Address:

समानो मन्त्रः समितिः समानी समानं मनः सह चित्तमेषाम्।
समानं मन्त्रमाभि मन्त्रये वः समानेन वो हविषा जुहोमि।

It means, if your thoughts, intentions and actions are all synchronised, reaching the objective is not difficult.

Thank you very much for giving me this great opportunity.

(ends)

2126 hours

PROF. VARSHA EKNATH GAIKWAD (MUMBAI NORTH-CENTRAL): Honourable Chairman Sir, today I rise to express my views on President's Address. The people of Maharashtra have proved that they are the true followers of great social reformers like Chhatrapati Shivaji Maharaj, Rajarshi Shahuji Maharaj, Dr. Babasaheb Ambedkar, Krantijyoti Savitribai Phule, Mahatma Jyotiba Phule and they would not tolerate the shifting of loyalty anymore. Even after having misused government machinery and public funds to secure power by hook or by crook, the people of Maharashtra have shattered the dream of BJP to win 400 plus seats in Lok Sabha Elections. So, I am really happy and want to congratulate and thank them.

मैं पहली बार सांसद बनकर, चुनकर आई हूँ, तो मैं अपेक्षा कर रही थी कि महामहिम राष्ट्रपति के अभिभाषण में नीति की बात होगी, दिशा की बात होगी, दशा की बात होगी और आने वाले एक साल का क्या कार्यकाल रहने वाला है, उसकी पूर्व कल्पना हमें उससे मिल जाएगी। मैं अपेक्षा कर रही थी कि महंगाई हो, बेरोजगारी हो, पेपर लीक हो, सामाजिक तनाव हो, महिला सुरक्षा की बात हो, इन सारे मुद्दों के ऊपर इस बार बात होगी।

2127 बजे

(श्री कृष्ण प्रसाद टेन्नेटी पीठासीन हुए)

महोदय, महामहिम राष्ट्रपति जी ने चुनाव आयोग के बारे में जो तारीफ की है, उसके मामले में मैं थोड़ा सा अपना एक्सपीरियंस बताना चाहती हूँ। हम सब संसद के लोगों ने चंडीगढ़ का इलेक्शन देखा ही था कि किस तरह से रिटर्निंग आफिसर काम कर रहा था। महाराष्ट्र की जनता ने तो चुनाव आयोग का काम भोगा भी है। मैं भोगा शब्द इसलिए कहना चाहती हूँ कि जिस तरह से हमारे यहां पर दो पक्ष तोड़े गए, जिस तरह से दोनों पक्षों के चिन्ह बदले गए और उसके बाद इलेक्शन हुआ। हमारी अपेक्षा थी कि चुनाव आयोग पारदर्शिता और निष्पक्ष होकर इलेक्शन कराएगा।

महोदय, मुझे दुर्भाग्यवश कहना पड़ेगा कि मशीन पर एक जैसे चिन्ह नहीं होने चाहिए, यह क्राइटेरिया है। लेकिन, हमने महाराष्ट्र में देखा कि जहां पर तुतारी थी, वहां पर पिपाणी थी, जहां पर मशाल थी, वहां पर आग फेंकने वाली चिमनी थी। इस तरह के काम मशीन पर किए गए। एक-एक कंडीडेट के तीन-तीन नाम, चार-चार नाम, वर्षा गायकवाड़ के सामने दो वर्षा गायकवाड़ आईं। इस तरह से जो इलेक्शन लड़ा गया, मैं नहीं समझती कि यह योगायोग था। यह पूरी तरह से कहीं न कहीं सोची हुई बात थी।

महोदय, इनका 400 पार का नारा था। क्या 400 पार के नारे के लिए यह सब चल रहा था? यह भी कहीं न कहीं हमारे जैसे नए सांसदों के मन में बात उठी। मैं आपके माध्यम से पूछना चाहती हूँ कि 400 पार का नारा क्यों दिया गया? यह इसलिए दिया गया, जैसा आपको पता है कि पिछली बार हमने देखा कि संसद में डेढ़ सौ सांसदों को सस्पेंड किया गया, फिर तीन कानून लाए गए, किसान का कानून लाया गया। 400 पार का नारा किसलिए था? जो हमें समझ में आया, वह इसलिए था कि उसमें संविधान बदलने की बात थी, उसमें आरक्षण रद्द करने की बात थी और उसमें डॉ. बाबा साहब अम्बेडकर के विचारों को कुचलने की बात चल रही थी।

महोदय, यह हम नहीं कह रहे हैं, यह कहीं न कहीं उन्हीं के सांसद के द्वारा आई हुई बात है, जो मैं यहां से रखना चाहती हूँ।

(2130/NK/VR)

मैं देश की जनता और महाराष्ट्र की जनता को धन्यवाद देना चाहूंगी जिन्होंने इनका सपना संपुष्टित किया और 240 सीटें दीं। जो इनका झटका लगा, 240 सीट के बदले 440 वोल्ट का झटका लगा। इनको अपेक्षा नहीं थी कि जनता हमें इतना बड़ा झटका देगी। थोड़ी देर पहले एक सांसद पूछ रहे थे कि आप लोग इतने खुश क्यों हैं? संबित पात्रा जी पूछ रहे थे कि इतने खुश क्यों हैं? हम इसलिए खुश हैं, मैं एक शेर पढ़ना चाहती हूँ

“इतना भी गुमान न कर अपनी जीत पर ये बेखबर
शहर में तेरी जीत से ज्यादा चर्चा मेरा है।”

मैं कहना चाहती हूँ कि हमारी चर्चा इसलिए है कि हम संविधान की बात कर रहे हैं, हम देश के लिए लोकशाही की बात कर रहे हैं, हम लोगों के हित की बात कर रहे हैं। मैं महंगाई के ऊपर कहना चाहती हूँ, मोदी जी का नाम सुनते हैं तो 'म' से महंगाई आनी चाहिए, जब महंगाई की बात आती है तो हमको पता है कि बढ़ती महंगाई महिलाओं और देश के लिए आज सबसे बड़ी समस्या बन गई है। यह कितने अफसोस की बात है, यहां हम महिलाएं बैठी हैं, इस अभिभाषण में महंगाई पर एक शब्द उपस्थित नहीं किया गया है, पूरे भाषण में इसका जिक्र ही नहीं है। आज कमरतोड़ महंगाई है, गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार का आज जीना मुश्किल हो गया है। दाल, टमाटर, आटा, प्याज, दूध सभी के दाम बढ़ गए हैं। आज सभी चीजों के दाम बढ़ गए हैं, कुछ चीजों पर जीएसटी लगाने का काम केन्द्र सरकार की तरफ से हो रहा है। चाहे दही हो, दूध हो, पनीर हो। आज परिवार की बचत 50 वर्षों में सबसे निचले स्तर पर आ गई है। आज परिवार में बचत नहीं हो पा रही है। यह दुर्भाग्य की बात है। चार महीने से फूड इनफ्लेशन 8.5 प्रतिशत से अधिक हो गया है। महंगाई दिन दूनी और रात चौगुनी की तरह बढ़ रही है। इसका एक भी शब्द अभिभाषण में नहीं है, यह मुझे सबसे बुरा लगा। हम लोग महाराष्ट्र की असेम्बली में काम कर रहे थे, आज संसद में काम कर रहे हैं। मणिपुर की बात आती है, हम महिलाएं हैं, हमें बहुत दुख होता है। महिलाओं का नग्न प्रदर्शन निकालना यह किसी भी देश के लिए, किसी भी संस्कृति के लिए, किसी भी स्टेट के लिए बिल्कुल सही नहीं है, लेकिन दुर्भाग्यवश संसद में उसका उल्लेख नहीं हुआ। देश के प्राइम मिनिस्टर वहां नहीं गए, 13 महीने में इसमें 221 लोगों की जानें गईं, 50 हजार से ज्यादा लोग बेघर हो गए। इसके बावजूद इस अभिभाषण में एक शब्द नहीं है। इस अभिभाषण में जो शब्द है, वह उत्तर पूर्व राज्यों की सुरक्षा की बात की गई है। मेरी अपेक्षा थी कि इसमें मणिपुर की महिलाओं और जनता के लिए यहां से एक प्रबोधन जाएगा और उनको विश्वास दिलाया जाएगा कि उनकी सुरक्षा के लिए आने वाले साल में काम किया जाएगा। 'म' से महिला सुरक्षा की बात करते हैं, आज सुबह अध्यक्ष महोदय ने इंडिया टीम की जीत पर एक प्रस्ताव रखा। हम महिलाएं हैं, हम अपेक्षा करते हैं, सामाजिक जीवन और राजनीतिक जीवन में महिला खिलाड़ी कैसे आती हैं, आप जानते हैं? आर्थिक नीति और सांस्कृतिक नीति में जब हम आत हैं तो बहुत संघर्ष करके वहां तक पहुंचते हैं। जब हम यौन पीड़ा की बात कहते हैं, उसके लिए बहुत हिम्मत लगती है। मैं उन सभी लड़कियों से यहां से कहना चाहती हूँ कि हम संसद में उनकी आवाज बनकर यहां से आपसे पूछना चाहती हूँ कि बृजभूषण सिंह के साथ क्या हुआ? कुछ भी नहीं हुआ। मैं इसलिए यह कहना चाहती हूँ संसद को पूरा देश देख रहा है, देश को हमसे अपेक्षा है, आपसे अपेक्षा है, आपकी चेयर से अपेक्षा है, जब मैं संसद भवन में आयी तो मुझे बहुत अच्छा लगा। मुझे

ज्यादा अच्छा लगता कि संसद भवन का उद्घाटन और भूमि पूजन दोनों महामहिम राष्ट्रपति जी द्वारा होता तो मुझे बहुत अच्छा लगता। एक आदिवासी महिला को मान मिल जाता, एक दलित महामहिम राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जी थे, उनको यह सम्मान मिल जाता, श्रीराम जी का मंदिर बना, लेकिन राष्ट्रपति जी को नहीं बुलाया गया। मैं इसके लिए खेद व्यक्त करना चाहती हूँ, इन चीजों के ऊपर ध्यान रखना चाहिए। महामहिम राष्ट्रपति जी का पद इस देश में सर्वोच्च पद है, उनको उसकी गरिमा और सम्मान मिलना चाहिए।

(2135/SK/SAN)

माननीय सभापति जी, मैं 'म' से मुम्बई की रेल व्यवस्था और इसकी सुरक्षा के बारे में बात करना चाहती हूँ जो आजकल राम भरोसे चल रही है। एनसीआरबी के मुताबिक वर्ष 2017 से 2021 तक ट्रेन हादसों में एक लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई। यह मैं नहीं कह रही हूँ, एनसीआरबी की रिपोर्ट कह रही है। मुम्बई देश की आर्थिक राजधानी है। मुम्बई की सबसे बड़ी लाइफलाइन रेलवे है, अगर रेल लड़खड़ा जाती है तो मुम्बई शहर लड़खड़ा जाता है। मुम्बई में हर दिन सात लोगों की जान ट्रेन दुर्घटना में जाती है। आपको इस तरफ ध्यान देना होगा। वर्ष 2023 का आंकड़ा देखें, 2590 लोगों की दुर्घटना में मौत हुई। हाल ही में मुम्बई हाई कोर्ट ने रेलवे को लताड़ा है और कहा है कि आप लोगों को जानवरों की तरह ले जाने का काम करते हैं। मैं अपेक्षा करती हूँ कि सरकार द्वारा मुम्बई की रेल की अवस्था को सुधारने का काम होना चाहिए।

महोदय, मैं एक दिन रेलवे स्टेशन गई, वहां से मुझे ट्रेन पकड़नी थी। मेरी आपके माध्यम से रिक्वेस्ट है कि कभी रेल मंत्री जी वहां जाएं। दूर जाने वाली ट्रेन्स 20 या 30 घंटे लेट होती हैं। वहां लोगों के बैठने की व्यवस्था नहीं है। बच्चों को लेकर औरतें जमीन पर बैठती हैं, दूध लेने के लिए कैंटीन तक नहीं होती है, न कहीं फायर रोकने की व्यवस्था है और न ही कहीं लोग उनकी सपोर्ट के लिए आते हैं। वहां ऐसे ही लोग बैठे रहते हैं क्योंकि उनके पास कोई और व्यवस्था नहीं है। मेरी रिक्वेस्ट है कि आप इस तरफ सरकार का ध्यान दिलाएं। रेलवे का बहुत बड़ा बजट है, हमें जो सुविधाएं चाहिए, उनकी तरफ आप सरकार का ध्यान दिलाएं।

HON. CHAIRPERSON (SHRI KRISHNA PRASAD TENNETI): Madam, kindly conclude.

SHRI VISHALDADA PRAKASHBAPU PATIL (SANGLI): Sir, this is her maiden speech. Let her speak.

प्रो. वर्षा एकनाथ गायकवाड़ (मुम्बई उत्तर-मध्य) : महोदय, मैं बहुत फास्ट बोल रही हूँ ... (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON (SHRI KRISHNA PRASAD TENNETI): Madam, kindly conclude.

SHRI VISHALDADA PRAKASHBAPU PATIL (SANGLI): Sir, this is her maiden speech.

Nobody has to stop. You can go ahead.

प्रो. वर्षा एकनाथ गायकवाड़ (मुम्बई उत्तर-मध्य) : माननीय सभापति जी, मैं महाराष्ट्र और मुम्बई के लिए 'म' से कुछ कहना चाहती हूँ ... (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: Madam, I am sorry. Please stop for one second.

SHRI VISHALDADA PRAKASHBAPU PATIL (SANGLI): Sir, this is her maiden speech. Let her speak. ... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: I object to your remarks that 'nobody can stop.'

SHRI VISHALDADA PRAKASHBAPU PATIL (SANGLI): Sir, of course, you can. I apologize. ... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: Please take back your words.

SHRI VISHALDADA PRAKASHBAPU PATIL (SANGLI): Sir, I take my words back. ... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: Madam, please continue.

प्रो. वर्षा एकनाथ गायकवाड़ (मुम्बई उत्तर-मध्य) : पूरे अभिभाषण में केवल एक ही उल्लेख है और वह है कि बुलेट ट्रेन जो अहमदाबाद से मुम्बई आ रही है, इसके सिवाय मुम्बई और महाराष्ट्र का कहीं कोई जिक्र नहीं है।

माननीय सभापति जी, महाराष्ट्र केंद्र को सबसे बड़ा टैक्स कलैक्शन देता है और इसके बदले हमें क्या मिलता है? अगर महाराष्ट्र से एक रुपया जाता है तो हमें केंद्र से वापस केवल सात पैसे ही आते हैं। यह हमारे ऊपर अन्याय है। मेरी मांग है कि टैक्स डिक्लेशन के बाद महाराष्ट्र का हिस्सा बढ़ाया जाए। मेरी मांग है कि महाराष्ट्र से जो टैक्स जाए, हमें उसका 50 टका मिलना चाहिए क्योंकि यह महाराष्ट्र के विकास के लिए जरूरी है।

माननीय सभापति जी, महाराष्ट्र के किसान बहुत संकट में हैं। वे आसमानी संकटों के साथ जूझ रहे हैं लेकिन क्या उनको केंद्र से मदद मिल रही है? उनको कुछ भी मदद नहीं मिल रही है। अगर हम महाराष्ट्र के किसानों की बात करें तो पहले प्याज के किसानों की बात आती है। अब ऐसी नीतियां बनाई गई हैं कि मुझे दुर्भाग्यवश कहना पड़ रहा है कि एक्सपोर्ट बैन कर दिया गया है। इस कारण लोगों की आमदनी कम हो गई और किसान भी बहुत परेशान हैं। मेरी आपसे विनती है कि जिस तरह तेलंगाना सरकार और जब महाराष्ट्र में महा विकास अगाडी की सरकार थी, ने कर्जा माफ करने का काम किया था, उसी तरह किसानों का कर्जा माफ किया जाए।

अब मैं 'म' से महापुरुषों की बात कहना चाहती हूं और स्मारकों के बारे में कहना चाहती हूं। यहां सम्माननीय सदस्य ने भी कहा, जिसे हम महाराष्ट्र की अस्मिता कहते हैं। ... (व्यवधान)

(2140/KDS/SNT)

महाराष्ट्र के हमारे अराध्य देव, हमारी अस्मिता छत्रपति शिवाजी महाराज के शिव स्मारक की बात हुई थी और देश के प्रधान मंत्री जी ने 24.12.2016 को इसका जलपूजन किया था, लेकिन अभी तक काम शुरू नहीं हुआ। भारत रत्न डॉ. अम्बेडकर जी के स्मारक इन्दु मिल का भूमिपूजन 11 अक्टूबर, 2015 को किया गया था, लेकिन अभी तक उसका केवल 30 टका काम हुआ है।

महोदय, यह हमारे सबसे बड़े अराध्य देव हैं, हमारी अस्मिता हैं, तो यह काम जल्द से जल्द होना चाहिए। यह मेरा निवेदन है। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

(इति)

2140 hours

SHRI KONDA VISHWESHWAR REDDY (CHEVELLA): Respected Chairman, Sir, thank you for the opportunity.

I rise to support the Motion of Thanks to our President, Droupadi Murmu ji. It is customary for the President to address both the Houses to outline the remarkable achievements of our nation under our Government. We should all be proud of this. It is this tradition that the Parliament upholds. Yes, there are shortcomings. There is scope for improvements but that can always wait for debate and discussion later. Let us keep this rich tradition alive. Let us use this opportunity in a dignified way and let our Parliament be known for its discussions, not for its disruptions.

Under the leadership of our Prime Minister, Narendra Modiji, India emerged as the fastest-growing major economy. From tenth place, we moved on to fifth, and well, we are on our way to third. But, Sir, these are numbers for elite economists and maybe us politicians. How do these numbers make a difference to our poor, our rural folks, our farmers, our industry, our small businessmen, our healthcare, and our education? I thank the President for eloquently elaborating on these.

Sir, I would like to start with the small things that our Government did. Under the Swachh Bharat Mission, bathrooms were built for Rs. 12,000. Leaders come and go. Prime Ministers, Chief Ministers, Ministers, Governments come and go. They boast themselves that they did this project, they built that dam but it is the small thing that matters. People build infrastructure but great people change societies and how societies behave. Ten years ago, India took the initiative to be open defecation free. When foreigners used to come, we had to look down in shame.

*Today, we can give credit to our Prime Minister, Shri Narendra Modi for bringing changes in our life. He not only brought infrastructure projects but also enhanced respect and self-respect in our lives. Earlier, we used to say that a person has gone out for nature's call but now we say that a person has gone to the bathroom.

* Original in Telugu

Sir, the word 'bathroom' has now become a Telugu word. They proudly say that I have gone to the bathroom.

Sir, he increased the self-worth, self-dignity of the poor children, not because they do not know but because they did not have access to bathroom. I am very proud of that. Our Government achieved this. During the last 60 years, we had to bow down our heads in shame that such an advance country still had open defecation. Almost, 90 per cent of our State is open defecation free.

Regarding our farmers, just in my State of Telangana, 29 lakh farmers get Rs. 6,000 under PM-Kisan Samman Nidhi. The MGNREG Scheme, of course, was started by the previous UPA Government. We are happy. They did some good things too. But we continued it. What was happening under the MGNREG Scheme? Ten years ago, Rs. 150 per day was given to the labour. Now, they talk about petrol price increase but look at the wage increase under the MGNREGS. There is 100 per cent increase. It is Rs. 300 today.

(2145/AK/MK)

But it is not just Rs. 300. Earlier, for that Rs. 150 they had to pay a bribe of Rs. 50 and get Rs. 100. Now, every penny of that Rs. 300 is going into their account.

*Sir, if we talk about fertilizer subsidy, now we have to spend only Rs. 270 for a bag of urea or DAP.

Today, these crops are growing because of the current being supplied to parts of South. Especially, in Telangana, we do not have canals. Today, India has become almost self-sufficient. Gone are the days of power-cuts. With power sector reforms, operational efficiency and plant load factors of even NTPC, the Government is increasing the plant load factors beyond 90 per cent. It has increased the plant load factors beyond European and American, and because of this, our farmers are getting electricity to pump water.

The banking sector in 2014 was bankrupt. It was in doldrums. Strict discipline was enforced, recognising unrecoverable loans as unrecoverable loans and not hiding them under the NPAs like the previous Governments did.

* Original in Telugu

We called a spade, a spade and wilful defaulters as wilful defaulters. We have seen that the people, who had taken loans from the previous Government, have now fled the country. This again is a false propaganda against us that we have written off loans. We have not written off loans. These are unrepayable and unrecoverable loans given by the previous Government. We had the courage to say that these are unrecoverable, and we wrote them off, and because of this and other reforms the banking sector has turned around.

Today, the banks, especially the public sector banks have turned around. Today, the State Bank of India's profit is bigger than the profit of Reliance Industries. This was something that was unimaginable. But what are they doing with this money? Responsibly they are giving it to those who need it, whether it is a big industry or by way of Mudra loans or Vishwakarma Yojana loans. Shri Raja from the Opposition, who is not present in the House right now, was associating Vishwakarma Yojana with Hindu religion and caste. I think the hon. Member is not aware or not well read on this issue. Even a Muslim or a Christian can become a carpenter, and tomorrow his son can become a goldsmith or anybody who works with his hands. That is the greatness of Vishwakarma Yojana.

It is not just the PSU banks. Ten years ago, if someone wanted to make money in the stock market, they would have invested in WIPRO, Infosys and TCS. Today, in the share market not only the State Bank of India, but also the PSU companies like the NALCO, BHEL, Oil India, ONGC and HP have outperformed all the IT companies and have increased 300 folds.

Regarding North-East, everyone was raising the point. Today, I am proud to say that North-East is connected. Hardly we used to see anyone from North-East in Hyderabad or Delhi or Bombay. There are more than 10,000 youths from North-East from all communities including Nagas, Kukis and Meiteis. We see people from Mizoram and Meghalaya in Hyderabad, Bangalore and Delhi, and they are all Indians. They are connected. They work in India, otherwise North-East was isolated. Today, what never happened in 60 years, whether it is the roads or the bridges or the highways or the airports, happened under this Government.

And the talk is not about development, but about the recent violence in the North-East. In particular, the ethnic violence in Manipur is very painful to all of us.

More than 200 died, but who is the root cause for this? Has the demographic not been changed? Kindly see the polled votes or the registered voters in the recent elections. In some ethnic groups they have increased by 50 per cent in just one term of five years.

(2150/UB/SJN)

Many groups have increased by 75 per cent. How did this happen? Did this ethnic group decide 18 years ago to increase their fertility rate suddenly? No, Sir. We did not have a border in 60 years. There are imports. There is insurgency. They are crossing the borders. That is the only way possible that the electoral rolls would have increased by 50 per cent or 75 per cent. At a time like this, the nation has to come together and avoid petty politics.

It is unfortunate that the Leader of the Opposition went there and accused us. He said that none of the Prime Ministers went there. He has forgotten that in North East, there were riots and there was a blockade. The Indian Airforce was ordered to bomb the area and 2000 people died. We heard about Operation Blue Star in Punjab. The bombing in Mizoram happened much before Operation Blue Star. Who did it? Shame!

Did they forget the fake encounter deaths of almost 2000 people? Did they forget the longest hunger strike by Irom Sharmila? Manipur, according to them, had Golden days. I think they are referring to the Golden Triangle of opium trade and are thinking that those were the golden days of Manipur. Whether Meiteis or the Kukis, they are Indians. They are our people. They are not Chinese. Some leader overseas said that the North East people are like Chinese and our South Indian people are like Africans. To us, all of us are Indians. You do not look like Africans. You look like my South Indian brothers. So, Indian Kukis are not the insurgents. But they want to use them to score brownie points.

Recently, we went through elections; one of the largest elections in any democratic country. Lakhs of polling booths and EVMs were installed. If five or ten polling booths were captured or the EVM malfunctioned, what do we do? We conduct re-elections there. We do not call the whole election farce and say that we will conduct the Lok Sabha re-elections for the entire country. Sir, I am talking about NEET. They want to discuss NEET. NEET is not a systemic failure.

HON. CHAIRPERSON (SHRI KRISHNA PRASAD TENNETI): Please conclude.

SHRI KONDA VISHWESHWAR REDDY (CHEVELLA): In four or five centres, we need to conduct the exam again. The Supreme Court is examining the issue. On the other hand, instead of supporting the process of the court, high court and

the Supreme Court, they are actually adding confusion and playing with the lives of the people.

HON. CHAIRPERSON: Please conclude.

SHRI KONDA VISHWESHWAR REDDY (CHEVELLA): I will just take five more minutes. The High Court ordered that counselling should go on. What are they doing? We are seeing this Ayushi Patel, a fraudster who was supposed to have invented the COVID vaccine. She complained that her OMR sheet was torn and she went to the court. What did the court find? The NTA reproduced the OMR sheet and for that, one of the Congress leaders from the Congress first family supported that lady. Now, it is proven in the court. The fraud is proven. They are only adding fuel to fire. They are supporting Ayushi, the fraudster. We are supporting the Supreme Court and the High Court. Listen to what the Allahabad High Court said in both these cases and see that the counselling is going on.

I do not apparently have much time. Everyone almost dwelled on the subject of spirituality, faith and religion. One thing we should all agree on is that, regardless of whichever faith we have, we should not tolerate intolerance. We should not encourage those faiths which do not respect other faiths. We should not encourage those discussions which say he is a *kafir*, so he should not be respected. We should not respect and encourage those people who say that he is a pagan, so he should not be respected.

(2155/SRG/MM)

So, respect and take respect.

I have so much more to say, but I conclude. My last words again are, 'let us be known as a Parliament which is known for its discussions and not for its disruptions.'

(ends)

2155 hours

SHRI D. M. KATHIR ANAND (VELLORE): Sir, thank you for giving me an opportunity to speak on the Motion of Thanks on the President's Address in this august House.

Sir, I am deeply grateful to our Thalapathy, Shri M.K. Stalin, the Chief Minister of Tamil Nadu, for granting me the opportunity to serve as a Member of Parliament for the second consecutive term in this august House.

To begin with, I would like to say that our Party and myself are not happy about the President's Speech in this august House. There are a lot of things that the President has forgotten or has not addressed in her Speech. One such is the issue of demonetization. The demonetization happened long time back by this Government, but it has affected the economy of the country so bad that it has caused the cash shortage and an economic decline.

There is no indication that the Government is taking any concrete measures to review the Centre-States relations in accordance with the demands of the State Governments and to maintain cooperative federalism. This is an accusation. The President has not addressed this issue. There is no mention of the Union Government's unequal distribution of the taxes to the State Governments in the President's Address, particularly in the non-BJP ruled States such as Tamil Nadu which provides the Union Government with the highest tax revenue. But the Union Government is not heeding to the request of the Tamil Nadu Government where the Tamil Nadu Government had requested nearly Rs. 40,000 crore as a disaster relief but the Government provided only Rs. 276 crore. Like this, the Union Government has never heard Tamil Nadu's plea.

The hon. President's Address does not address the farmers' suicide issue. Over the past decades, the voice of farmers was not heard and the promises remained unfulfilled. The Union Government fails to provide a bare minimum assistance that they anticipated after a long protest. If you

go to any constituency, mainly the women over there get employment in the rural areas. The main job opportunity for them is granted under the MGNREGA Scheme. But slowly the Government has started putting that scheme to a coma stage. The Finance Minister has slowly started cutting down the funds for the MGNREGA Scheme. What happens? Sir, at the end of the day or after a few months or after a few years, the entire scheme is going to be abolished. So, what are the people going to do? You have raised the per day wages, but still the number of people employed or the number of women employed under the MGNREGA Scheme is coming down drastically. The President has not addressed this issue. The Address does not contain any information regarding the Union Government's involvement in the North-East, especially in Manipur. There is not even a single word about the Manipur issue in the President's Address.

Regarding NEET, the reservation for the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and Other Backward Classes is lacking, in my opinion. It has not yet been completely realized. It is a challenge for the students to secure admission in the Central institutions due to the Union Government's implementation of NEET. From day one, when the NEET was implemented, the Tamil Nadu Government or the DMK Government has strongly opposed the imposition of NEET. They said that NEET is not a rightful mechanism, and NEET should be given back to the States or the medical examinations should be given back to the States. They should decide how the admission has to happen. This is the focus that the DMK has been keeping for a long time and we have been stressing this issue again and again, but the Government is quite on it. We have made representation. Our MPs have already made representations. Even in the State Assembly, they have passed the Resolution, but it has not been considered by the Government of India.

(2200/RCP/YSH)

The hon. President neglected to address the issue of price rise. Prices of all the commodities are drastically going up, but the President has not addressed this issue at all. Unemployment of youth is a major problem in this country today. But the Government of India, the President has not addressed this issue at all. Line by line, she addressed this august House saying 'my Government'. When she said my Government, she has to address these issues also.

Regarding toll plazas, when we are talking about price rise, the Government is increasing the toll prices.

HON. CHAIRPERSON (SHRI KRISHNA PRASAD TENNETI): Hon. Members, I have a long list of speakers. If the House agrees, the time for the discussion may be extended by two hours.

SEVERAL HON. MEMBERS: Yes.

HON. CHAIRPERSON: Okay. Please carry on.

SHRI D. M. KATHIR ANAND (VELLORE): Regarding price rise, the NHAI toll prices have been increased by the Government. But the Government is not checking that. Also, when the Government introduced Vande Bharat trains, they said that the trains are going to go at a superfast speed. But now the speed has been reduced because the tracks are not ready. So, the Government has not adequately installed high-speed tracks, but it has forcibly introduced Vande Bharat. Now the speed of the trains has come down.

My father Shri Durai Murugan is the Leader of the House in Tamil Nadu Assembly. For 53 years, he has been a Member of the Legislative Assembly, undefeated. He has contested elections almost 13 times. Today, it is his birthday. So, I would just like to mention that also. In Tamil Nadu, when I stood for elections for the second time, I asked him, "How is it possible for you to win again and again in the same Assembly constituency, Katpadi almost 13 times?" He told me one thing. He said: "My son, if you look at your constituency as just a constituency, you will win or lose. But if you look at a constituency as a temple and treat your

voters as the God, then you will definitely serve the God and you will serve the constituency". Those are the golden words he gave me. We all have come here being elected to serve our constituency. We are all here to ask benefits for our constituency. But I have one request to the Treasury Benches. We are here elected by our people, by various voters. Willingly or unwillingly, the majority has given us mandate. We have come here. We want to do something good for our constituency. We have come here and we are asking the Treasury Benches. We debate here, but we are looking at positive results. But for the last five years, I have served here and so many times knocked the doors of the Treasury Benches but nothing good has happened. Please do not be partial to the ruling BJP. Please treat us equally. We are also representing people.

I would just conclude. Our Chief Minister, Mr. M.K. Stalin came to meet our hon. Prime Minister after having been elected as the Chief Minister of Tamil Nadu. You know what golden words he said? He spoke to the Prime Minister in his office and he said: "Sir, the heat and the dust of the election is over. Now, unconditionally we are offering our hands in the development of this nation." These are the words uttered by our Chief Minister. He said: "We want to develop the nation along with you." But have you also joined us? No. Still, you see Tamil Nadu as an opposition party.

Lastly, we all know about water. When someone gets drowned in water, we all know, by nature it gives you three chances to come up. It will push you up. You can swim, catch any lifeboat and you can cross.

(2205/PS/RAJ)

Now, you are all on the third chance. Treasury Benches, you are on the third chance. Better you serve the nation or you will be evacuated.

Sir, I would like to say one last point. 'Makkal Sevaiye Magesan Sevai' – If you serve the people, you will serve the God. Thank you very much, Sir.

(ends)

2206 hours

SHRI BALASHOWRY VALLABHANENI (MACHILIPATNAM): Hon. Chairperson, Sir, first of all, I would like to congratulate the hon. Prime Minister Shri Narendra Modi ji for creating history by becoming a Prime Minister third time in a row. He is the only one after Pandit Jawaharlal Nehru ji to become the Prime Minister for the third time.

Hon. Chairperson, Sir, the hon. President of India addressed both the Houses of Parliament and I am standing here to support the Motion of Thanks moved by Shri Anurag Singh Thakur.

Hon. Chairperson, Sir, at the outset, it is very important to mention here that as the hon. Prime Minister Modi ji took the charge, the first thing he did is that he sanctioned Rs. 20,000 crore under PM Kisan Scheme. Our Prime Minister has kept our farmers a top priority.

Hon. Chairperson, I wish to bring two to three most important issues to the notice of the House which I believe be taken up for consideration by the Government. As everyone knows, our Government has various schemes to benefit the farmers. Our Central Government is giving a financial support of Rs. 6000 annually to farmers every year under Kisan Samman Nidhi. I am proud to mention here that apart from this, my State Government, under the leadership of Shri Chandrababu Naidu Garu and Deputy Chief Minister Shri Pawan Kalyan Garu, has recently announced a financial support of Rs. 20,000 annually to the farmers. This will definitely support the farmers financially in their cultivation. But here I want to speak about the tenant farmers. I begin by saying that tenant farmers in the country need your utmost attention. They should also get loans at less rate of interest. Otherwise, they will borrow the higher rate of interest, and ultimately, they will not be benefitted. That is why, I am requesting that we have to provide loans to tenant farmers at low interest rates.

Hon. Chairperson, Sir, now, I come to green energy. The hon. President has rightly mentioned about the net zero initiative of the Government. Our visionary hon. Prime Minister has made a daring statement at COP26 and pledged to achieve net zero carbon emission by 2070. As a first step towards green energy, last year, hon. Prime Minister inaugurated a 2G ethanol plant at Panipat. Similarly, he has promoted green energy projects across various

sectors -- whether it is solar, ethanol, green hydrogen, wind, or any other green energy -- by giving a subsidy and required approvals support. As we know, rise in pollution across cities is very concerning, and green energy will play an important role to curb pollution. Green energy projects require huge investments. Therefore, I request the Government to allot more funds and extend financial support at lesser rate of interest to set up more green energy projects across the country and support small entrepreneurs working in this field.

Hon. Chairperson, Sir, with regard to my home State of Andhra Pradesh, I would like to mention two very important issues. The first one is the construction of the capital city of Amravati of Andhra Pradesh, and second one is the Polavaram Project. Today, my colleagues Shri Lavu Srikrishna Devarayalu and Shri Krishna Prasad Garu also mentioned about these important issues in the House. Andhra Pradesh is the only State which does not have a capital city.

(2210/SMN/KN)

I agree that Modi Ji has given Rs. 1500 crore for Amravati but it is not at all sufficient. So, I request the hon. Prime Minister to help the State as per the provisions of the AP Reorganisation Act.

The second issue is very important and it is with regard to Polavaram Project. I would be failing in my duty if I do not mention Polavaram Project. Polavaram project is the lifeline of Andhra Pradesh. From 2004-2019, around 72 per cent of the Polavaram Project is completed. After that, it is totally neglected. Now, Shri Chandra Babu Naidu has become Chief Minister. With the help of Modi Ji, definitely, the Polavaram project is going to be completed within 2-3 years.

Sir, if this Polavaram project is completed, only the additional irrigation facilities like drinking water for people and water for industrial purposes can be given. So, sufficient money should be given to the State Government and money should be released at regular intervals to complete this project.

Sir, I come from Krishna delta region. There is no assured supply of water from Krishna river but Godavari has assured supply of water and Polavaram Project is being constructed on Godavari river. Every year, more than 2000 TMC water from Godavari is going to sea. If Polavaram is

completed, this wastage of water can be utilized for different purposes. It can be taken to Krishna delta. It can be used for drinking water. It can be provided to people and this water can also be provided for irrigation and industrial purposes.

Sir, another issue is with regard to Jal Jeevan Mission. I know that the Government of India has given money for providing drinking water under Jal Jeevan Mission. Since earlier Andhra Pradesh Government did not give the matching grants, all projects got stuck up. Same thing has happened in my Parliamentary constituency. Now, I request the hon. PM and the Minister of Jal Shakti to ensure piped drinking water to the people of Machilipatnam and to the people of Krishna district.

Last thing which is very important is setting up of an oil refinery at Machilipatnam. In my Parliamentary constituency, Machilipatnam port is almost ready. PFC has financed this project. I thank hon. Prime Minister for his support in this project. Strategically, Machilipatnam port is very nearer to the city of Hyderabad and in this connection, I have two requests for kind consideration.

First, many oil companies like BPCL, IOCL are showing their interest for setting up of an oil refinery in Andhra Pradesh but since this Machilipatnam port is ready, I am requesting these PSUs to consider setting up of one refinery. This is definitely a viable project and I appeal to the hon. Prime Minister to set up an oil refinery at Machilipatnam. Sir, AP Reorganisation Act directs the Government to set up a crude oil refinery.

There is a long pending demand of Machilipatnam-Repalle Railway line. Once this Railway line is constructed, the distance between Machilipatnam and Chennai will get shortened by 60 kilometres and it will be helpful for the people. So, I am requesting the hon. Prime Minister to consider this project.

Finally, my State Andhra Pradesh is going through financial crisis. With required support from PM Modi Ji under the leadership of visionary and fourth time Chief Minister of Andhra Pradesh Shri Chandra Babu Naidu Garu and my Party leader and Deputy Chief Minister of Andhra Pradesh Shri Pawan Kalyan Garu, I am confident that Andhra Pradesh will regain its lost glory and emerge as the fastest developing State in the country.

With these words, I once again support the Motion of Thanks on the President's Address.

Thank you, Sir.

(ends)

(2215/VB/SM)

2215 बजे

डॉ. राजकुमार सांगवान (बागपत) : माननीय सभापति महोदय, राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर धन्यवाद के प्रस्ताव पर मुझे बोलने का अवसर देने के लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ।

महामहिम राष्ट्रपति जी के मन में बड़ी आशाएं हैं कि 18वीं लोक सभा के सभी सम्मानित सदस्य लोकतांत्रिक परम्पराओं को आगे लेकर जाएंगे। मैं महामहिम राष्ट्रपति जी को पूर्ण विश्वास दिलाता हूँ कि एनडीए की स्थिर सरकार अपनी जिम्मेदारी मजबूती से निभाएगी। आकांक्षी भारत आज अस्थिरता नहीं चाहता, वह एक स्थिर सरकार चाहता है। भारत के लोगों ने एक स्थिर सरकार के लिए मतदान किया है। भारत की स्थिर सरकार ने वैश्विक संबंधों को और सशक्त बनाया है।

इस नयी संसद की पहली बैठक में महिलाओं के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम पास हुआ था। मैं इसका सम्मान करता हूँ, इसका स्वागत करता हूँ। मोदी जी हमेशा महिला सशक्तिकरण के पक्षधर रहे हैं। यशस्वी प्रधानमंत्री जी की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, सशक्त कौशलयुक्त बनाने के लिए 'लखपति दीदी' योजना भी इसका प्रमाण है, जिसमें स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को ब्याज मुक्त वित्तीय सहायता दी जाएगी।

मैं देश की जनता का इस स्नेह के लिए नमन और आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार पर तीसरी बार भरोसा जताया है। यशस्वी प्रधानमंत्री जी के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेते ही उन्होंने अपने पहले हस्ताक्षर से पीएम- किसान सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी की, जिससे करोड़ों को फायदा हुआ।

माननीय सभापति जी, मैं खुद पश्चिमी उत्तर प्रदेश से आता हूँ। यहाँ के लोगों के जीवन निर्वाह का मुख्य जरिया किसानी ही है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री जी फसल बीमा किसान क्रेडिट कार्ड जैसी योजनाएं लाकर किसानों की आय दोगुना करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में किसानों को हमेशा संरक्षण मिलता रहा है और यह आगे भी मिलता रहेगा। इसका सारा श्रेय माननीय प्रधानमंत्री जी को जाता है।

जैविक खेती आज की प्राथमिकता है। मोदी जी के नेतृत्व में सरकार जैविक खेती को बढ़ावा दे रही है। हमारी सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना यूपी डिफेंस कॉरिडोर से रक्षा के क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। रक्षा उत्पादों का भारत में निर्माण होने से

‘मेक इन इंडिया’ को बढ़ावा मिलेगा। इन गलियारों के माध्यम से क्षेत्रीय उद्योगों का विकास होगा और नये रोजगार के अवसर पैदा होंगे। एनडीए सरकार ने हमेशा ‘सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास’ के सिद्धांत पर देश में निरंतर विकास के काम किये हैं।

माननीय प्रधानमंत्री जी के मजबूत नेतृत्व और संकल्प के तहत भारत अब दुनिया की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। मुझे आशा ही नहीं, बल्कि पूर्ण विश्वास है कि माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं। भारतीय रेलवे दुनिया का सबसे बड़ा नेटवर्क बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। सड़क एवं परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी जी ने देश में सड़कों का जो जाल बिछाया है, वह सराहनीय है। मेरे लोक सभा क्षेत्र से भी एक राष्ट्रीय राजमार्ग दिल्ली के अक्षरधाम से शुरू होकर देहरादून जा रहा है।

आज देश स्वर्णिम दिशा में आगे बढ़ रहा है। देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या भी बढ़ी है, जिससे गांव के और किसानों के बच्चों को भी मेडिकल की पढ़ाई करने का अवसर मिला है।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने आयुष्मान भारत योजना के तहत करोड़ों लोगों को फायदा और गंभीर बीमारियों से लड़ने के लिए उनको पाँच लाख रुपए का हेल्थ कवर दिया है। आयुष्मान कार्ड के द्वारा देश में करोड़ों लोग लाभान्वित हुए हैं।

400 वर्षों से हिन्दू आस्था का केन्द्र भगवान श्री राम के मन्दिर का निर्माण कार्य रुका हुआ था, जो माननीय प्रधानमंत्री जी की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण ही संभव हुआ है।

महोदय, इसमें कोई संदेह नहीं कि हमारी एनडीए सरकार समान, समावेशी और सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है। यह बोलने में मुझे कतई हर्ज नहीं है कि मोदी जी का दस साल का कार्यकाल इस शताब्दी का स्वर्ण युग है। वर्ष 2024 का यह जनादेश इस बात को मजबूती दे रहा है कि देश की जनता को सिर्फ और सिर्फ एनडीए पर भरोसा है। मैं भारत के प्रधानमंत्री जी को लगातार तीसरी बार ऐतिहासिक रूप से शपथ लेने के लिए बधाई देता हूँ।

मैं माननीय राष्ट्रपति जी के अभिभाषण के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ।

धन्यवाद।

(इति)

(2220/PC/RP)

2220 बजे

श्री इमरान मसूद (सहारनपुर) : माननीय सभापति महोदय, महामहिम राष्ट्रपति महोदया के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर आपने मुझे बोलने की अनुमति दी, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ।

महामहिम राष्ट्रपति महोदया ने अपने संबोधन में स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण विषय पर मात्र 10-15 सैकेंड्स के अंदर अपनी बात समाप्त कर दी। 55 करोड़ भारतीयों को आयुष्मान योजना में पात्रता दी गई। 25 हजार जन औषधि केन्द्र खोले जा रहे हैं और दस वर्ष से ऊपर के नागरिकों को भी प्रधान मंत्री आरोग्य योजना में पात्र बनाने का निर्णय लिया गया।

मान्यवर, इसके साथ ही एक और बात है, जो बार-बार कही जा रही है। वह बात यह है कि जिस परिवार के अंदर छः यूनिट होंगी, केवल उनका ही आयुष्मान कार्ड बनेगा। एक तरफ जनसंख्या नियंत्रण की बात होगी और दूसरी तरफ जिनके ज्यादा बच्चे होंगे, केवल उनका ही आयुष्मान कार्ड बनने का काम होगा। आयुष्मान योजना के अंदर जब आप प्रगति का जश्न मनाते हैं, तो इस चुनौती को भी स्वीकार कीजिए कि इस योजना में लगभग 34 करोड़ कार्ड जारी किए गए, जिनमें से 6 करोड़ 80 लाख लाभार्थियों को उपचार मिला। 55 करोड़ में से अभी भी 20-21 करोड़ लोगों को कार्ड इस योजना के शुरू होने के छः माह के बाद भी देश के अंदर नहीं मिल पाया है।

मान्यवर, एक ही टेलीफोन नंबर के ऊपर लाखों कार्ड बना दिए गए। एक टेलीफोन नंबर के ऊपर 7.5 लाख आयुष्मान कार्ड बना दिए गए। सरकार ने ही यह पकड़ा है, मैंने नहीं पकड़ा है। यह सरकार ने ही बताया है। यह योजना लोगों की भलाई के लिए थी। लोगों की अच्छाई के लिए यह योजना थी, लेकिन इस योजना के अंदर जो खामियां हैं, मैं केवल उनकी तरफ ध्यान दिलाने का काम कर रहा हूँ। आयुष्मान योजना की जिस एसईसीसी डेटा सूची को बिना वेरिफिकेशन और जांच का आधार माना गया, उस सूची में भारी विसंगति है। 100-100 करोड़ रुपए वालों के आयुष्मान कार्ड बन गए, लेकिन अल्पसंख्यकों के, दलितों के, आदिवासियों के और पिछड़ों के, जो गरीब परिवार हैं, उनके कार्ड नहीं बन पाए। मैं यह बात आपसे कहना चाहता हूँ।

मान्यवर, आयुष्मान योजना के ऑडिट में भी कैग ने गंभीर अनियमितताएं पाई थीं। हैल्थ सर्विसेज हमारे देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। जिस देश का नौजवान स्वस्थ होगा, जिस देश का नौजवान स्वस्थ होकर काम करेगा, वही देश तरक्की करेगा। आप स्वास्थ्य के बारे में बात करते हैं कि हमने 315 नए मेडिकल कॉलेज बना दिए, लेकिन उन मेडिकल कॉलेजों के अंदर मानकों के अनुरूप जो उपकरण हैं, उनको उपलब्ध कराने का काम क्या आपने किया? क्या उन मानकों के अनुरूप आपने डॉक्टर उपलब्ध कराने का काम किया?

मान्यवर, मेरे यहां शेख-उल-हिंद मेडिकल कॉलेज बनाया गया। उस मेडिकल कॉलेज को दस साल हो गए, लेकिन आज तक उस मेडिकल कॉलेज का भवन हस्तांतरित नहीं हुआ और जब भवन हस्तांतरित नहीं हुआ, तो अनुरक्षण का पैसा नहीं मिला। दस सालों तक जिस भवन की मेंटिनेंस न हुई हो, तो आप बताइए कि दस सालों में उस भवन की स्थिति क्या हो गई होगी?

मेडिकल कॉलेज बना दिया है, लेकिन मेडिकल कॉलेज के अंदर डॉक्टर्स नहीं हैं। एक भी सुपर स्पेशलिटी विभाग नहीं है। आप कह रहे हैं कि मेडिकल कॉलेज है, लेकिन कोई सुपर स्पेशलिटी नहीं है। जब सुपर स्पेशलिटी नहीं है, तो मरीजों को इलाज के लिए बाहर जाना पड़ेगा।

मान्यवर, मेरा क्षेत्र चारों तरफ से, तीन-चार प्रदेशों से घिरा हुआ क्षेत्र है। मेरे जैसे समृद्ध क्षेत्रों के अंदर भी लगता है, वहां उस सरकारी राजकीय मेडिकल कॉलेज का यह हाल है, तो देश के अंदर क्या हाल होगा? इस तरफ ध्यान देने की जरूरत है। इसी प्रकार से आपने विश्वविद्यालयों के बारे में कहा। मेरे यहां मां शाकुंभरी विश्वविद्यालय खोला गया। चार साल हो गए, लेकिन आज तक वहां शैक्षणिक सत्र पूरी तरह से स्टार्ट नहीं हो पाया है। पूरी बिल्डिंग आज तक नहीं बन पाई है। पूरा पैसा नहीं मिल पाया।

आपके केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पद खाली पड़े हुए हैं। 45 केंद्रीय विश्वविद्यालयों में 30 प्रतिशत से अधिक शिक्षण पद खाली पड़े हुए हैं। एएमयू एक बहुत बड़ा शिक्षण संस्थान है। वहां शिक्षकों का अभाव है। उसका फंड लगातार काटा जा रहा है। किशनगंज के अंदर उसकी जो ब्रांच थी, वह ब्रांच ऑलमोस्ट बंद होने के कगार पर आ गई है।

मान्यवर, इन संस्थाओं से गरीबों के बच्चे पढ़कर निकल रहे हैं। मैं आपका ध्यान इस तरफ जरूर दिलाना चाहूंगा कि जब नीट की परीक्षाएं कैंसिल हो जाएं, जिस प्रकार से बार-बार पर्चे लीक हो जाएं, तो सरकार को इन चीजों के ऊपर ध्यान देने की जरूरत है।

(2225/CS/NKL)

मान्यवर, देश का नौजवान आज परेशान है, चाहे वह अग्निवीर के नाम पर हो, चाहे वह नीट के नाम पर हो, चाहे वह उद्योग-धंधों के नाम पर हो। आप उद्योग-धंधों की बात करते हैं, आप कहते हैं कि हमारी सरकार 5 ट्रिलियन इकोनॉमी की तरफ जा रही है, लेकिन आप यह बताने का काम नहीं करते हैं कि 5 ट्रिलियन इकोनॉमी के लिए 10 परसेंट से अधिक की ग्रोथ रेट चाहिए। आपकी ग्रोथ रेट क्या है?

मान्यवर, मैं आपका ध्यान रोजगार के एक गंभीर विषय की तरफ दिलाना चाहूंगा। राष्ट्रीय सांख्यिकी मंत्रालय, एनएसओ द्वारा असंगठित क्षेत्र में उद्यमों के सालाना सर्वे में जो चौंकाने वाला तथ्य है, वह यह है कि जुलाई 2015 से सितंबर 2023 के बीच भारत में लगभग 18 लाख फैक्ट्रियाँ बंद हुई हैं। जिनमें 54 लाख से अधिक लोगों की नौकरियाँ चली गईं। विनिर्माण क्षेत्र में असंगठित क्षेत्र की फैक्ट्रियों की संख्या में 9.3 प्रतिशत की गिरावट आयी है। ये छोटी-छोटी फैक्ट्रियाँ असंगठित क्षेत्र के उद्यम थे। इन असंगठित क्षेत्र के अंदर कुल 10 करोड़ 96 लाख लोग काम कर रहे हैं। ये सरकार के आंकड़े हैं। मैं यह बात इसलिए कहना चाहता हूँ कि जब आप 5 ट्रिलियन की बात करते हो तो आपको अपना आयात और निर्यात देखना पड़ेगा कि आपकी आयात के ऊपर कितनी निर्भरता हो गई है। देश के अंदर लगातार निर्यात घट रहा है।

मान्यवर, मेरे यहाँ काष्ठ कला उद्योग है। पूरे विश्व के अंदर सहारनपुर का फर्नीचर जाना जाता है। हमारे यहाँ 1500 करोड़ रुपये का कारोबार होता था, लेकिन वह घटकर 800 करोड़ रुपये पर आ गया है। जब घटकर 800 करोड़ रुपये पर मेरे एक अकेले जिले का कारोबार आ रहा

है तो इस देश के अंदर 650 जिले हैं। उन 650 जिलों की क्या स्थिति होगी? मेरे यहाँ दूसरा काम होजरी का चल रहा था। पूरे देश के अंदर होजरी हमारे यहाँ से सप्लाई होती है, लेकिन होजरी उद्योग के लिए हमारे यहाँ किसी प्रकार की कोई सुविधा नहीं है।

HON. CHAIRPERSON (SHRI KRISHNA PRASAD TENNETI): Kindly conclude.

श्री इमरान मसूद (सहारनपुर) : मान्यवर, मेरी मेडन स्पीच है और आपसे अनुरोध है कि मुझे कम से कम 5 मिनट का समय दीजिए।

मान्यवर, अगर हमारे यहाँ टेक्सटाइल और गारमेंट पार्क बनाए जाएंगे, इन उद्योगों में लगभग 2.5 लाख लोग रोजगार में लगे हैं, तो इन लोगों को रोजगार मिलने का काम होगा। ऐसा होने से इनको रोजगार मिलेगा। मैं कहना चाहता हूँ कि आप जो 5 ट्रिलियन का लक्ष्य लेकर चले हैं, जब तक नौजवान को रोजगार नहीं मिलेगा तब तक आप उस लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकते हैं।

मान्यवर, लगातार यह बात कही जाती है कि देश में कड़े कानून बनाए जा रहे हैं, लेकिन भीड़ अनियंत्रित होकर जिस तरह से लोगों को मारने का काम कर रही है, जिसे मॉब लिंगिंग कहते हैं, मेरे जनपद में, मेरे मंडल में, तीन लोगों को छत्तीसगढ़ के अंदर मारा गया। उत्तर प्रदेश के अंदर, अलीगढ़ के अंदर भीड़ तंत्र ने एक व्यक्ति की हत्या की। आगरा के अंदर दो लोगों ने, मेरे दो लोगों ने आत्महत्या की, केवल पुलिस के उत्पीड़न से तंग आकर। फिरोजाबाद के अंदर एक कैदी मारा गया, जिसे पुलिस सही सलामत उठाकर ले गई। जो ये हालात देश के अंदर बन रहे हैं, आप कानून सख्त करने की बात कर रहे हैं, केवल कानून सख्त करने से काम नहीं चलेगा, उसके ऊपर अमल करने से काम चलेगा। इनके ऊपर अमल होना चाहिए।

HON. CHAIRPERSON: Please conclude.

श्री इमरान मसूद (सहारनपुर) : मान्यवर, मैं बस दो मिनट में अपनी बात समाप्त कर देता हूँ।

मान्यवर, मैं आपसे एक बात जरूर कहना चाहूँगा। मेरे क्षेत्र में माँ शाकुम्भरी बहुत बड़ा सिद्धपीठ है। पिछले 8-10 साल से दिल्ली-यमुनोत्री नेशनल हाइवे अधूरी स्थिति के अंदर पड़ा हुआ है। बार-बार बड़ा शोर मचाया जाता है कि सब पूरा हो रहा है, लेकिन आज तक नहीं हुआ। उस सिद्धपीठ तक जाने का रास्ता उस हाइवे से जाता है। अगर इसी योजना के अंदर उसको शामिल कर लिया जाए, हमारे सिद्धपीठ जाने वाले श्रद्धालुओं को सही रास्ता मिल जाए, लाखों लोग वहाँ जाते हैं। मेरे सहारनपुर शहर के अंदर एक एलिगेंटेड हाइवे की आवश्यकता सबसे ज्यादा थी।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहता हूँ कि हम लोग जीतकर आए हैं, लोगों ने बड़ी उम्मीदों के साथ जिताया है और मुझे तो कहा था कि रघुकुल रीत सदा चली आई, प्राण जाये पर वचन न जाये, जिन लोगों ने मुझसे वचन लेकर के जीत का वादा किया था, मेरी भी जिम्मेदारी है, मैं आपसे हाथ जोड़कर विनती करता हूँ, मान्यवर सरकार से कहें कि हमारे क्षेत्र का विकास किया जाए। धन्यवाद।

आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

(इति)

(2230/IND/VR)

2230 बजे

श्री जगदम्बिका पाल (डुमरियागंज) : आदरणीय सभापति जी, मैं आपका अत्यंत आभारी हूँ कि आपने माननीय सदस्य श्री अनुराग ठाकुर सिंह जी के द्वारा महामहिम राष्ट्रपति जी के प्रति सम्मान प्रदर्शित करने के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पर आपने मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया है। मैं सुबह से लगातार राष्ट्रपति जी के अभिभाषण की चर्चा पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों की बातों को सुन रहा हूँ। यह 18वीं लोक सभा का पहला सत्र है। इस पहले सत्र में 381 माननीय सदस्य पहली बार चुनकर आए हैं। मैं सदन के माध्यम से उन्हें बधाई देता हूँ और इस 18वीं लोक सभा में जो मानदंड स्थापित करने की बात है, इसमें इस बात की अपेक्षा रहेगी कि इस सदन में आज वर्ष 2024 में यदि यह वर्ष भारत की लोक सभा के चुनाव का वर्ष रहा है, तो इस परिप्रेक्ष्य में देखें तो दुनिया के 40 डेमोक्रेटिक देशों में चुनाव हो रहा है और 21 देशों में चुनाव हो चुका है। पिछले फ्राइडे को ईरान में राष्ट्रपति का चुनाव था और वहां सबसे बड़ी अल-शूरा काउंसिल है, अयातुल्ला खुमैनी की ख्यादत में और उनका समर्थन हो जाए तो एकतरफा वोट पड़ता है लेकिन 50 प्रतिशत उनके उम्मीदवार को भी जो कट्टरपंथी जलीली थे, उन्हें नहीं मिला। अब दोबारा पांच तारीख को इलेक्शन होगा। आगे फ्रांस में होना है। जहां दुनिया के 40 डेमोक्रेटिक देशों में चुनाव हो रहा है, तमाम कंट्रीज में जो सरकारें थीं, वे आज चेंज हुई हैं और भारत में पूरी दुनिया में रिकार्ड है कि नरेन्द्र मोदी जी ने तीसरी बार जनादेश प्राप्त करके भारत में सरकार बनाने का काम किया है। आज पूरी दुनिया इस बात का लोहा मान रही है। पिछले दिनों कोविड की वैश्विक चुनौती थी, जिस तरह का रिसेशन था, जिस तरह से दुनिया में ठहराव आ गया था, चलती हुई जिंदगियां ठहर गई थीं, ऐसी परिस्थितियों में भी जिस तरह का जनादेश आया, वह बहुत ही सराहनीय है। सुबह से हमारे प्रतिपक्ष के साथी ऐसा कह रहे हैं कि जैसे लगता है कि स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। लगता है कि यह सरकार बिना जनादेश के आई है। चुनाव में दो तरह के गठबंधन होते हैं। एक प्री-पोल एलाएंस होता है और एक पोस्ट-पोल एलाएंस होता है। हमारे जो साथी वर्ष 2004 में थे और वर्ष 2009 में थे, वे यहां बैठे हैं। यदि उस समय का जनादेश देखें तो कांग्रेस को 145 सीटें मिली थीं। उसके बाद कांग्रेस का दूसरे दलों के साथ पोस्ट-पोल एलाएंस हुआ। उन्होंने वर्ष 2004 से 2009 तक सरकार चलाई। आज हमारा प्री-पोल एलाएंस है। हमने चुनाव के बाद कोई गठबंधन नहीं किया है। चुनाव के बाद हमने सरकार बनाने के लिए कोई जोड़-तोड़ नहीं किया है। वर्ष 2024 में जो हमारा बीजेपी और एनडीए का गठबंधन था, उसे देश की जनता ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक 293 सीट दी हैं, जबकि बहुमत के लिए 273 सीटें चाहिए। इस बात को देश के सामने इन्हें स्वीकार करना चाहिए कि आज देश की जनता ने भारतीय जनता पार्टी और एनडीए के गठबंधन को जिस तरह से स्पष्ट बहुमत दिया है, वह इस बात को साबित करता है कि यह 140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करने वाली सरकार है, इसलिए यह जनादेश मिला है।

(2235/RV/SAN)

मान्यवर, यदि आप पिछले 60 वर्षों को देखें तो 60 वर्षों तक इस देश में ऐसी कोई सरकार नहीं आई। गठबंधन की सरकारें चलीं। कभी एक बार जो सरकार आई, वह सरकार दूसरी बार एंटी-इन्कम्बेंसी में बदल गयी। 60 सालों के बाद आज भारत की जनता ने जिस तरह से नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनाया है, यह पूरी दुनिया के लिए एक आश्चर्य है कि भारत की जनता ने इस तरह का स्पष्ट जनादेश दिया है।

आज ये कितनी भी आलोचना कर लें या कुछ भी कह लें, एक दिन प्रधान मंत्री जी जी-20 की बात कह रहे थे या अभी जी-7 के सम्मेलन में गए, जिस तरीके से पूरी दुनिया आज भारत के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी को देख रही है, उसमें आज जो वैश्विक चुनौतियां हैं, जैसे युद्ध की बात कही गयी, उन तमाम युद्ध और तनाव के

माहौल में, उन चुनौतियों के बीच अगर कोई समाधान है तो उस समाधान के रूप में पूरी दुनिया केवल नरेन्द्र मोदी जी की तरफ निगाहें लगा रखी है कि वे ही उनके समाधान के रूप में हैं।

आज मैं कहना चाहता हूँ कि जिस तरीके से चुनावों के बाद यह सरकार बनी है, तो वर्ष 2014 में जब यह सरकार बनी तो उस समय ऐसी परिस्थितियां थीं कि आप याद कीजिए, वर्ष 2014 के चुनावों के पहले इसी सदन में चर्चा होती थी कि पॉलिसी पैरालिसिस हो गया है। काँग्रेस, यूपीए की सरकार रहते हुए ऐसा लगता था कि जैसे पॉलिसी पैरालिसिस हो गया है, लोग यहां से निवेश बाहर ले जाने लगे थे। एक चिंता का विषय था। दुनिया की जो टॉप-5 फ्रैंचाइज इकोनॉमीज थीं, उन टॉप-5 फ्रैंचाइज इकोनॉमीज में भारत की गिनती हो रही थी। दस वर्ष पहले वर्ष 2014 में पूरी दुनिया यह मानती थी कि भारत की इकोनॉमी एक फ्रैंचाइज इकोनॉमी है, एक लचीली इकोनॉमी है या टूटी-फूटी इकोनॉमी है। लेकिन, अगर आज भारत की इकोनॉमी टॉप-5 इकोनॉमी में आई है तो इन दस वर्षों में अगर भारत को टॉप-5 फ्रैंचाइज इकोनॉमी से टॉप-5 इकोनॉमी में पहुंचाने का काम किया है तो वह काम नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व ने किया है, हमारी सरकार ने किया है। यह कैसे हो गया? हमारे साथियों ने जैसा कहा है, आज हम केवल टॉप-5 तक ही रुकने वाले नहीं हैं, वर्ष 2027 तक भारत की इकोनॉमी दुनिया की इकोनॉमी में टॉप-3 पहुंचने वाली है, क्योंकि हमारी सरकार के पास इसके लिए एक स्पष्ट रोडमैप और बाकी सारी चीजें हैं।

वर्ष 2014 के पहले जहां पॉलिसी पैरालिसिस की बात होती थी, तो आज दोनों तरफ से ईज-ऑफ-डूइंग-बिजनेस की बात हो रही है।

आपने देखा कि जब कोरोना की वैश्विक चुनौती थी, जिस समय लोग चीन में सबसे ज्यादा निवेश करने की बात कर रहे थे और जब वहां वुहान से कोरोना की बीमारी फैलने लगी तो चीन से लोगों ने अपने निवेश को निकालना शुरू किया। चीन से निवेश को निकालने के बाद वे यूरोप या दुनिया के किसी दूसरे देशों में नहीं गए, बल्कि एफडीआई के लिए अगर कोई मोस्ट फेवरिट डेस्टिनेशन बना तो वह भारत बना। यह हमारी सरकार की देन है।

जिस तरीके से हमने ईज-ऑफ-डूइंग-बिजनेस को लागू किया। उसमें एक रैंकिंग है। वर्ष 2014 में हम इसमें 143 रैंक पर थे। उसमें हम वर्ष 2019 में 63 रैंक पर आ गए थे। वर्ष 2019 के बाद वह रैंकिंग बंद हो गयी। अब हम उससे भी ऊपर हैं।

कोविड-19 के पहले भी अगर कोई कठिनाई आ जाती थी या पैन्डेमिक आ जाता था, चाहे जापानी इंसेफेलाइटिस हो, एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिन्ड्रोम हो, उस समय हम दुनिया के दूसरे देशों से वैक्सीन मांगते थे।

(2240/GG/SNT)

लेकिन यह पहली बार हुआ है कि जब दुनिया में कोरोना की वैक्सीन कहीं नहीं थी, एक कोरोना ने पूरी दुनिया को अपनी आगोश में ले लिया था और उस समय कोई एक दूसरे की मदद नहीं कर पा रहा था और भारत की जनसंख्या 140 करोड़ होने के कारण ऐसा लगा कि सबसे विषम परिस्थितियों से भारत गुजरेंगा, लेकिन यह नेतृत्व था, यह हमारी सरकार की इच्छाशक्ति थी, उन्होंने वैज्ञानिकों से बात की, उनकी प्रयोगशालाओं में गए और उनको प्रोत्साहित किया। अगर दुनिया के पांच देशों ने कोरोना की वैक्सीन निकाली तो उसमें भारत भी था और एक नहीं हमने दो-दो वैक्सीन निकालने का काम किया। हमने न केवल भारत के अपने लोगों की हिफाजत की, बल्कि दुनिया के डेढ़ सौ मुल्कों को हमने कोविड की वैक्सीन दी। जहां भारत पहले इस तरह की परिस्थितियों में मदद मांगता था, आज वह भारत दुनिया की मदद करने की स्थिति में है। मान्यवर, यह हमारी सरकार की देन है। आज उसी की देन है कि जब लोगों को लगा कि इतनी बड़ी जनसंख्या के लिए जो परिस्थितियां बनीं और उसके कारण ही भारत में दोगुना अधिक एफडीआई आया। उस वैश्विक

चुनौती के बाद 82 बिलियन डॉलर एफडीआई आया, जो अपने आप में पूरी दुनिया के लिए उदाहरण है। दुनिया का कोई भी उद्योगपति हो, देश हो, अपनी पूंजी को कोई तभी इनवेस्ट तभी करेगा, जब उसको लगेगा कि हमारी पूंजी सुरक्षित है और उससे हम लाभ अर्जित करेंगे। अगर आज आप ग्रोथ देखें, वर्ष 2021 से 2024 तक लगभग आठ पर्सेंट ग्रोथ रेट थी। भारत की ग्रोथ को अगर आप इंटरनेशनल ग्रोथ के साथ कम्पेयर करें तो चाइना जो किसी वक्त पर सबसे आगे था, कोरोना की वैश्विक चुनौती से पहले उसकी जीडीपी नौ पर्सेंट थी, आज वह 4.6 पर्सेंट है, यूके की ग्रोथ रेट की बात करें, यूके में किस तरह से इकोनॉमिक इनस्टेबिलिटी है, जिसके कारण तीन-तीन प्रधान मंत्री बदल गए, आज उसकी ग्रोथ रेट 0.6 पर्सेंट है, यूनाइटेड स्टेट की ग्रोथ रेट 1.4 पर्सेंट है, जापान में दो पर्सेंट है, ऑस्ट्रेलिया में 4.3 पर्सेंट है, कनाडा में 3.4 पर्सेंट है। ऐसी परिस्थितियों में, जबकि पूरे ग्लोबल एवरेज में 2.7 पर्सेंट है, तो आज भारत दुनिया में सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था में से एक है। यह भी हमारी सरकार की देन है, नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व की देन है। यह ऐसे ही नहीं हुआ है। एक क्लियर-कट रोड मैप है। आपने देखा कि चुनाव चल रहा था, चुनाव के परिणाम की चिंता नहीं थी, लेकिन प्रधान मंत्री जी अपनी कैबिनेट के साथ, विभागों के सभी सचिवों के साथ सरकार के चुनाव के परिणाम आने के बाद अगले सौ दिनों का क्या रोडमैप होगा, उस रोड मैप की तैयारी कर रहे थे। मैं कहना चाहता हूँ कि आज यह जो हमारी ग्रोथ रेट बढ़ रही है, उसके पीछे क्या कारण है? उसका कारण, हमारी एक्टिव पॉलिसी मेकिंग है। शायद पीएलआई का जिक्र हमने बहुत बार किया है। अगर आप देखेंगे कि हमारी सरकार जो प्रोडक्शन लिंकड इंसेंटिव स्कीम ले कर आई है, आज यह उसी की देन है। जिस तरह से हम कहते हैं कि दो ही एक्सपेंडीचर तो होते हैं, एक रेवन्यु एक्सपेंडीचर और दूसरा कैपिटल एक्सपेंडीचर। रेवन्यु एक्सपेंडीचर में जो हम डे टू डे का खर्चा करते हैं, इस्टेब्लिशमेंट पर खर्चा है, सैलरी पर खर्चा है, नॉन-प्लान पर खर्चा है, लेकिन अगर कैपिटल एक्सपेंडीचर बढ़ता है तो उससे इन्फ्रास्ट्रक्चर भी बढ़ता है, उससे स्थायी परिसंपत्तियां भी अर्जित होती हैं, उससे रोजगार भी बढ़ता है। यह मैं नहीं कह रहा हूँ। जिस तरह से वर्ष 2014 में कैपिटल एक्सपेंडीचर पर, मतलब रोड्स पर, रेलवे पर, एयरलाइंस पर, हाइवेज पर, वॉटरवेज पर, वर्ष 2014 में यूपीए की सरकार ने 2.48 लाख करोड़ रुपये कैपिटल एक्सपेंडीचर पर खर्च किया था।

(2245/MY/AK)

आज वर्ष 2024 में 2.48 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर हम 11.11 लाख करोड़ रुपये कैपिटल एक्सपेंडीचर पर खर्च कर रहे हैं। आज हमारे साथियों ने तमाम चीजें कहा है। हम देश में एयरलाइंस की रूट बढ़ा रहे हैं, मेट्रोज बढ़ा रहे हैं, वंदे भारत बढ़ा रहे हैं, आज यह उसी की देन है। जिस तरह से हम एक्सपोर्ट कर रहे हैं, आज भारत किस लेवल पर एक्सपोर्ट कर रहा है, वर्ष 2014 में हम 314 बिलियन डॉलर का एक्सपोर्ट कर रहे थे और आज वर्ष 2024 में करीब ढाई गुना 854.80 बिलियन डॉलर का एक्सपोर्ट कर रहे हैं। इसी का कारण है कि आज भारत का जो कंटीब्यूशन है, वह पूरी दुनिया की ग्रोथ में भारत का अकेले 15 प्रतिशत है। यह केवल सत्ता पक्ष के लिए संतोष का विषय नहीं है, बल्कि यह प्रतिपक्ष के लिए भी खुशी का विषय होना चाहिए। पूरे देश के लिए सम्मान होना चाहिए कि आज पूरी दुनिया में भारत 15 परसेंट पर पहुंचा है।

अगर हम वर्ष 2014 से 2024 की इकोनॉमी की तुलना करें तो जैसा मैंने कहा कि ग्रोथ रेट आज 8.4 परसेंट है। India experienced significant growth with a peak of 8.4 per cent in 2024. यह एक्सपेक्टेड थी। आज देश में फाइव ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी की बात हो रही है। वर्ष 2014 में जहां 2.04 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी थी, आज वह 3.7 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी हो चुकी है। Hence, India is now the fifth largest economy by the nominal growth of GDP. निश्चित तौर पर हमारी सरकार की जो 5 ट्रिलियन डॉलर का संकल्प है, उसे हम पूरा करेंगे। हम विकसित भारत के एजेंडे को लेकर ही चुनाव लड़े हैं और उस पर देश ने जनादेश दिया है। हम वर्ष 2047 तक दुनिया का सबसे बड़ा सुपर पावर बनेंगे। मैं इस

सदन में यह बात कह रहा हूँ। हम लोग सदन में रहे या नहीं रहे, लेकिन भारत इस बात का गवाह रहेगा, भारत इस बात का साक्षी रहेगा।

महोदय, पर-कैपिटा इनकम कितनी बढ़ी है? आज वर्ष 2014 में पर-कैपिटा इनकम 1555 डॉलर पर-एनम थी। आज 2612 डॉलर पर-कैपिटा इनकम है। It reflects a rise in per capita income over the decade. हमने किस तरीके से पर-कैपिटा इनकम को भी डबल किया है। अभी इंप्लेशन की बात हो रही है। इसी सदन में सुषमा स्वराज जी थी, और लोग भी थें, वर्ष 2004 से वर्ष 2014 तक इंप्लेशन डबल डिजिट थी। उस पर गाने बनते थे - महंगाई डायन खाए जात है। जहां यह डबल डिजिट में रहता था, आज इंप्लेशन को जिस तरह से कर्व किया है, अब वह सिंगल डिजिट में 4.67 परसेंट में हुआ है।

इसी तरीके से हमने पोवर्टी रेट में भी बदलाव किया है।... (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON (SHRI KRISHNA PRASAD TENNETI): Kindly conclude now. Next speaker is Shri Rajesh Ranjan.

... (Interruptions)

SHRI JAGDAMBIKA PAL (DOMARIYAGANJ): I think we have seven hours' time for my Party. Kindly give me some more time to speak. ... (Interruptions) पोवर्टी रेट में भी 29.17 परसेंट था। इस तरीके से आज वह पोवर्टी रेट घट कर 11.28 परसेंट हुआ है। इसी तरीके से मैं कहना चाहता हूँ कि महिलाओं की बहुत बात की गई कि उनके लिए क्या किया गया। जिस दिन से प्रधानमंत्री मोदी जी बने हैं, उन्होंने वुमेन एम्पॉवरमेंट की बात की और उसको वास्तविकता के धरातल पर उतारने का काम किया। इंपेंटी में लड़कियाँ ऑफिसर नहीं बनती थी। उनके लिए इंपेंटी और आर्मी में ऑफिसर के लिए रास्ता खोला। यहां तक की वह फाइटर पायलट नहीं बनती थी। उनको फाइटर पायलट बनाने के लिए भी हमारी सरकार ने काम किया है। आज वह वहीं नहीं रुके हैं, आने वाले दिनों में नारी वंदन अधिनियम के माध्यम से वर्ष 2029 में जब यह सदन बैठेगा तो यह इतिहास पूरी दुनिया में होगी। हमारे पार्लियामेंट व असेम्बली में इनका एवरेज 28 परसेंट है, लेकिन यहां 33 परसेंट होगा।

(2250/CP/UB)

सेल्फ हेल्प ग्रुप में 10 करोड़ महिलाओं को 10 वर्षों में जोड़ा गया है।

आज प्रधान मंत्री को पूरी दुनिया स्वीकार कर रही है। पेरिस का एग्रीमेंट भूल रहे हैं। वर्ष 2015 में जब 'कॉप 21' हो रहा था, तो 'कॉप 21' में पूरी दुनिया के सामने क्लाइमेट चेंजेज, ग्लोबल वार्मिंग की बात हो रही थी, तो डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, यह विकसित देशों का काम है सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल में, जीरो नेट कार्बन एमिशन में पूरी दुनिया की जिम्मेदारी है, विकासशील देशों की जिम्मेदारी है। उस समय डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हम क्यों खर्च करें? उस समय डोनाल्ड ट्रंप 'कॉप 21' के बाद 20वें पेरिस एग्रीमेंट पर विद्वेष कर गए तो उस समय पूरी दुनिया में क्लाइमेट चेंजेज, ग्लोबल वार्मिंग के लिए किसी ने बढ़कर लीड लिया तो भारत के यशस्वी प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने लिया। इसके बाद जब ग्लासगो में 'कॉप 26' की कान्फ्रेंस हुई तो वर्ष 2021 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की देन थी कि फिर अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन उस ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंजेज के साथ जुड़े हैं। ... (व्यवधान)

सर, मैं जल्दी कंक्लूड कर रहा हूँ। विधि-विधान से अगर राम मंदिर में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा हुई तो मंदिर का उद्घाटन कह रहे हैं, ये सनातन की बात करते हैं, धर्म की बात करते हैं। ये नहीं समझ रहे हैं कि मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को कह रहे हैं कि मंदिर का उद्घाटन हुआ। ... (व्यवधान) इसमें अयोध्या के ही नहीं, पूरे देश के साधु-संत थे।... (व्यवधान) 4 लाख लोग रोज अयोध्या जा रहे हैं। ... (व्यवधान)

(इति)

2252 बजे

श्री राजेश रंजन (पूर्णिमा) : सभापति महोदय, यह देश वसुधैव कुटुम्बकम् का है, सर्व धर्म समभाव का है और सार्वभौमिकता का एक नैसर्गिक दर्शन है। आत्मनो मोक्षार्थम् जगत हिताय च, संपूर्ण विश्व का और मानव का कल्याण और खुद के मोक्ष की कल्पना हमारे अराध्य गुरु शिव ने इसी पंक्ति से अपने जीवन दर्शन की शुरुआत की थी। यह जो देश है, अध्यात्मिकता पर है। यह कंप्लीट किसी धर्म या किसी मजहब पर आधारित देश नहीं है। यह मानवीय मूल्यों के लिए जाना जाता है, संत की यदि बात करूंगा तो रामकृष्ण परमहंस, विवेकानंद, कबीर, वाल्मीकि, संत रविदास, हम संत उनको कहेंगे।

सभापति महोदय, मैं अपनी बात जाति जनगणना से शुरू करूंगा। जब हमारी सरकार थी तो उसने जाति जनगणना का निर्णय लिया। बिहार में जब जाति जनगणना की शुरुआत हुई, ललन बाबू अभी सदन में नहीं हैं, नहीं तो मैं उनको सुनाता। उस सर्वे में सामने आया कि 98 प्रतिशत लोगों के पास लैपटॉप और कंप्यूटर नहीं है, 96 प्रतिशत लोगों के पास व्हीकल नहीं है और जो व्हीकल है, वह ईएमआई पर है। लगभग 86.2 प्रतिशत लोगों के पास एक बीघा से नीचे जमीन है, कट्टे में है, धूर में हैं। 9.2 प्रतिशत लोग हैं, जिनके पास कुछ भी जमीन नहीं है। लगभग 78.7 प्रतिशत लोग हैं, जिनके पास फूस का घर है, टीन का घर है, भीत का घर है, उनके पास पक्के मकान नहीं हैं, न रोजगार है, न नौकरी है, न खेत है। मजदूरी 280 रुपये है और वह भी 20 दिनों से ज्यादा नहीं। कोरोना के समय, मनमोहन सिंह जी के द्वारा लाया हुआ जो मजदूरी एक्ट था, उसको खत्म करके मजदूर की ताकत को कमजोर किया गया। 400 रुपये प्रतिदिन मजदूरी के लिए बहस पहले भी हो चुकी थी।

(2255/NK/SRG)

आप मनरेगा छोड़ दीजिए, मनरेगा का बजट घटा दिया गया। मेरा सवाल सीधा था, प्रधानमंत्री जी यशस्वी हैं, वर्ल्ड इनको फॉलो करता है तो फिर कांग्रेस चलीसा, नेहरू-इंदिरा चालीसा बंद कीजिए न, अपने प्रति ईमानदार बनिए न। प्रधानमंत्री जी और बीजेपी को राम पर भरोसा नहीं रहा, बीजेपी वालों को प्रधानमंत्री जी पर भरोसा नहीं रहा, इन लोगों ने गठबंधन की राजनीति की, जब गठबंधन की राजनीति पर भी भरोसा नहीं रहा तो प्रधानमंत्री जी ने जेवर, भैंस, बैल, से लेकर मुजरा तक की बात पूरे चुनाव में की। एक बार भी हिन्दुस्तान के संविधान की, हिन्दुस्तान के गरीबों की, वर्ल्ड के

सबसे ज्यादा गरीब देश, जिसकी पर कैपिटा इनकम छह हजार रुपये है, 87 प्रतिशत लोगों की आय पर कैपिटा छह हजार रुपये है।

महंगाई का कारण है, उसमें दलित, आदिवासी, अत्यंत पिछड़ा जो समाज के सबसे कमजोर तबके के लोग हैं। मैं आपको बता दूँ, उनके थाली में 160 रुपये वाला दाल नहीं है, 120 रुपये वाली सब्जी नहीं है, प्रधानमंत्री जी यदि इतने सशक्त हैं तो मैं यह जरूर जानना चाहूंगा कि 84 करोड़ लोगों को 5 किलो अरवा चावल आज भी टैक्स के पैसे से क्यों देना पड़ रहा है?

माननीय सभापति (श्री कृष्ण प्रसाद टेन्नेटी): कन्क्लूड कीजिए।

श्री राजेश रंजन (पूर्णिमा): सभापति महोदय, मुझे बोलने दीजिए, मेरी रिक्वेस्ट है। जाति जनगणना होनी चाहिए, पूरे देश में आपकी डबल इंजन की सरकार है, आप ओबीसी से नफरत मत कीजिए, दलितों से आप दूर मत होइए।

मेरा रिक्वेस्ट बिहार को विशेष राज्य का दर्जा के लिए है। आपने पहली बार गांधी मैदान में कहा था, आरा की सभा में भी कहा था कि हम बिहार को अपना बनाएंगे, बिहार मेरा है। बिहार को हर परिस्थिति में विशेष राज्य का दर्जा देंगे और विशेष पैकेज देंगे। मिथिला, कोशी, सीमांचल और मगध में हाई डैम बने, मक्का और मकान पर आधारित किसान के लिए, उस इलाके से बाढ़ की मुक्ति के लिए, उस इलाके के इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए, लेकिन अभी तक उस पर कोई चर्चा नहीं हुई। आंगनबाड़ी की बहनों की स्थिति आप देखिए, आप ममता की स्थिति देखिए।

माननीय सभापति : आप कन्क्लूड कीजिए।

श्री राजेश रंजन (पूर्णिमा) : सभापति महोदय, हमको तीन मिनट दीजिए, ममता, रसोइया, ... (व्यवधान) फिर बोलने से क्या फायदा होगा। मेरा रिक्वेस्ट क्या है

माननीय सभापति: आप अपनी रिक्वेस्ट बताइए।

श्री राजेश रंजन (पूर्णिमा) : सभापति महोदय, दलित और आदिवासी ओडीएफ नहीं है, आप चलकर जांच कर लीजिए। नल जल योजना लगभग बर्बाद हो चुका है। स्मार्ट मीटर बिजली, वन नेशन वन एजुकेशन, वन नेशन वन हेल्थ, वन नेशन वन टैक्स, ... (व्यवधान) हमारी बात तो पूरी हो जाए, सहारा इंडिया के वर्कर्स, सहारा इंडिया के ग्राहक का पैसा नहीं मिल रहा है।

(इति)

(2300/RCP/SK)

2300 hours

SHRI N. K. PREMACHANDRAN (KOLLAM): Sir, by virtue of Article 87 of the Constitution of India, it is the responsibility of Her Excellency the President of India to make an Address to the Joint Sitting of the Parliament. We are thankful to the hon. President of India for coming to this House and addressing the Joint Session. But we are having strong reservations about the content of the speech which is around 51 minutes speech, 30 paragraphs.

As I rightly pointed out, this is a newly constituted House, the 18th Lok Sabha. This is the first Presidential Address in the 18th Lok Sabha. It is quite unfortunate to say that the Presidential Address is totally disappointing because the cardinal, essential, very important, serious concerns and the most important political issues such as irregularities in the premier competitive examinations and also the sky rocketing prices due to inflation, uncontrolled growth of unemployment, economic inequality, attacks on minorities and dalits, social justice: all these very important political, genuine public issues have not been addressed in the Presidential Address. It is the first Presidential Address of the 18th Lok Sabha and so we had expected a lot. It is quite unfortunate to say that it is totally disappointing.

What is the purpose of the Presidential Address to the Joint Sitting of the Parliament? It is to declare the programmes and policies of the Government to be pursued in the coming years. But if we examine the 51 minutes' speech consisting of 30 paragraphs, it is merely a political statement of the Government regarding the so-called achievements of the Government during the last 10 years. Today morning, I have already moved 10 amendments to the motion moved by Anurag Singh Thakur ji. So, I may be permitted to elaborate on these 10 amendments because I would not get time at the time of passing the motion. So, I may be given a little bit time because I have already moved 10 amendments.

This is a new Government according to me. Technically, it is a new Government. Though the Prime Minister and the Cabinet Ministers, all are one and the same, there are no major changes, but still in a new Lok Sabha, technically it is a new Government. That is why we were thinking – we have expected a lot from the President – that the innovative, new programmes of the new Government will be spelt out in the Presidential Address. But unfortunately, we did not find anything so as to have any innovative, new programmes or policies which are going to be implemented or pursued by this Government for the coming five years. So, we can describe it as an old wine in a new bottle. Nothing has been changed.

Coming to the contents of the speech, in para 3 of the Address, the President has said: “The people of India have full faith that only my Government can fulfil their aspirations. Therefore, this election of 2024 has been an election of trust in policy, intention, dedication and decisions.” Once again, I would like to say that this is factually totally incorrect to say. This is because the present Government led by Shri Narendra Modi ji is a minority Government or it is a Government which is being supported by Janata Dal (United) and TDP. It is not an NDA Government. It can be described as N square DA Government because it is Naidu-Nitish Depending Alliance. This is N square DA alliance Government. This was not the position in the 17th Lok Sabha. What was the people’s mandate? The people’s mandate was against the Prime Minister and also the BJP. The people of the country rejected the slogan “400 paar”.

I still remember that during his last reply to the discussion on the Motion of Thanks on the President’s Address, the Prime Minister openly said in the House that our Government will come back with “400 paar” majority, that is 400 plus seats. The people have rejected the claim and the demand of the Prime minister of 400 plus seats. Also, in the 16th Lok Sabha and the 17th Lok Sabha, BJP had absolute majority, and now it has come down to 240.

(2305/PS/KDS)

What is it indicating? It is indicating that the people have lost the confidence in a Government led by BJP and the Government led by Prime Minister Shri Narendra Modi ji. It is a clear verdict against the BJP and Prime Minister. That is the real indication manifested by the people of India in the 2024 Elections.

Sir, the BJP has got 240 seats. How does this Government get these seats? When the INDIA Front led by the Congress and Shri Rahul Gandhi politicised the election campaign, we raised the issues of unemployment, price rise, social justice, attack against minorities and *Dalits*. Those were the genuine issues raised by Shri Rahul Gandhi during Bharat Jodo Yatra and Bharat Jodo Nyay Yatra. But what was the focus of the election campaign of the BJP? The BJP was trying to divide the people of the country, socially dividing the country on the basis of communal lines. For getting a third straight term, the Government has communalised the entire political campaign. The anti-Muslim rhetoric used on the campaign damaged the global reputation of the country. The political statement of the hon. Prime Minister of the largest democracy in the world was astonishing to all. He indulged in the most vicious form of hate speech such as, calling Muslims as infiltrators with large families; and accusing the Indian National Congress that if Congress comes to power, they will redistribute the wealth to Muslims including gold and ornaments of others. Further, the hon. Prime Minister went on to say that the Congress will choose the Indian Cricket Team on the basis of religion. This was the statement made by the hon. Prime Minister during the election. That is why, the then Prime Minister of the country, Dr. Manmohan Singh has described it as, and I quote:

“Modi ji is the first Prime Minister to lower the dignity of public discourse and thereby lower the gravity of the Office of the Prime Minister.”

That was Dr. Manmohan Singh ji.

HON. CHAIRPERSON (SHRI KRISHNA PRASAD TENNETI): Sir, kindly conclude.

SHRI N. K. PREMACHANDRAN (KOLLAM): Sir, please give me two minutes. I will conclude.

Since it is a minority Government with the support of the allied partners, the Government is not going to complete the time of office of five years. Further, this is an ED and CBI sponsored Government. During the post-Independent India, no Government misused the Central investigating agencies like this. The Government is always talking about the fight against corruption. We have seen the experience in Maharashtra. What has happened in Maharashtra? Now, the Chief Minister of the State, and also the people of Maharashtra, have given a bitter reply to the BJP.

The last point which I would like to make is regarding the parliamentary democracy. Para 29 of the speech of the hon. President calls upon us about the smooth functioning of the Parliament. Sir, the whole Opposition is ready and willing to cooperate with the Government to have a smooth functioning of the Parliament and thereby strengthening our system of governance. Definitely, we will cooperate with the Government but the Government has to take the initiative in having smooth functioning of the Parliament for which the Opposition has to be taken into confidence. In the last ten years, the Opposition was not taken into confidence. Major legislations -- Indian Penal Code, Criminal Procedure Code, Indian Evidence Bill, and Data Protection Bill -- were passed in the absence of the Opposition. So, I would like to urge upon the Government to take the Opposition into confidence. Let us have a smooth functioning of the Parliament. And also, the constitutional values have to be protected for which the Parliament has the supremacy. The Parliament should be independent. That is to be maintained.

Also, I urge upon the Government to learn the lessons from the people. The people of India are not going to allow to drastically change the Constitution. It will not be allowed by the people of India.

With these words, I conclude. Thank you very much. (ends)

2309 hours

श्री हनुमान बेनीवाल (नागौर) : सभापति महोदय, सबसे पहले तो मैं आपको धन्यवाद दूंगा कि राष्ट्रपति महोदय के अभिभाषण पर आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। पक्ष-विपक्ष के बहुत-से विद्वान सदस्यों ने अपनी बात रखी और हमारे लिए सबसे खुशी की बात यह है कि आज से लोक सभा सुचारू रूप से चालू हो गई है। जब पार्लियामेंट चलती है, तब देश की जनता, देश का नौजवान, किसान व तमाम वर्ग यह उम्मीद करता है कि लोक सभा चलेगी और हमारे मुद्दे वहां उठाए जाएंगे, जो सरकार का ध्यान आकर्षित करेंगे और उनका समाधान होगा।

महोदय, राष्ट्रपति जी के अभिभाषण में हमने देखा कि स्कूली बच्चों को जिस तरह से कहानी सुनाया करते थे, उसी तरह इसमें मुझे कोई विजन नजर नहीं आ रहा है।

(2310/MK/SMN)

बस इस अभिभाषण के पक्ष में कसीदे पढ़े जा रहे थे। मेरे हिसाब से दो बार आप सत्ता के अंदर रहे और दो बार सत्ता में रहने के बाद तीसरी बार जब आपको आधा-अधूरा जनादेश मिला, उसके बावजूद इस तरह का अभिभाषण है। होना तो यह चाहिए था कि आप इस अभिभाषण के अंदर, आपके कई हारे हुए माननीय सांसद, जो चुनाव हार गए हैं, उन्होंने यह कहा था कि हम अग्निपथ योजना की वजह से चुनाव हारे हैं। राजस्थान के अंदर भी तीन भारतीय जनता पार्टी के हारे हुए उम्मीदवारों ने यह बात कही थी।

सभापति महोदय, अग्निपथ जो योजना है ... (व्यवधान) आप मेरी बात सुनिए। कृषि मंत्री जी आप पहले पूरा पता कर लीजिए। अग्निपथ योजना है और अग्निवीर जो उसके अंदर जाते हैं, उनको कहते हैं। ये जो अग्निपथ योजना लेकर आए हैं, उसका विरोध हमने पहले दिन से किया था। ... (व्यवधान) ऑल पार्टी मीटिंग हुई, लोक सभा क्षेत्र जोधपुर में दो लाख जवानों की रैली की। देश का नौजवान कहीं न कहीं यह महसूस कर रहा है कि सेना के अंदर जो पहले सम्मान मिलता था, हमारे गाँव के गाँव, जब सेना के अंदर कोई जाता था तो गाँव के अंदर बड़े धूम-धड़ाके से उसका स्वागत होता था कि मेरा बेटा सेना के अंदर गया है। पंजाब से हमारे सामने माननीय मंत्री बिट्टू जी यहां बैठे हैं। चुरु के भी एमपी हैं। सेना के अंदर जाने का मतलब केवल रोजगार नहीं है, बल्कि वह गौरवान्वित महसूस करता है कि मैं सेना के अंदर गया। उसके पिताजी गाँव की चौपाल पर कहते हैं कि मेरा बेटा सेना के अंदर गया है। ये बड़ी-बड़ी शहादत वर्ष 1962, 1965 और कारगिल की लड़ाइयों में हमारे नौजवानों ने दी हैं। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और जितनी अलग-अलग रेजिमेंट्स हमारी सेना के अंदर बनी हुई हैं, उन रेजिमेंट्स का एक अलग नारा होता है और वह रेजिमेंट्स कई तरह से लड़ाई लड़ती हैं। लेकिन, इस अग्निपथ योजना के अंदर जिन अग्निवीर की भर्ती की गई है, उसमें अग्निवीर को शहीद का दर्जा नहीं दिया जाता है। अगर अग्निवीर लड़ते हुए शहीद हो जाता है तो सरकार उसको शहीद नहीं मानती है। जैसे रक्षा मंत्री जी कहते हैं कि एक करोड़ रुपये दे रहे हैं तो एक करोड़ रुपये कोई मायने नहीं रखता। लोग वहां लड़ने के लिए 20 हजार फीट ऊंची पहाड़ियों पर जाते हैं। हमारी थल सेना सेना को वर्ल्ड के अंदर सबसे मजबूत इंडियन सेना के रूप में माना गया है। इसलिए, मेरी यह मांग रहेगी कि जो अग्निपथ योजना है, इसको खत्म करके पूर्व की भांति सेना भर्ती रैलियां इस देश के अंदर कराई जाएं, जिससे सेना का सम्मान लौटे और किसान का बेटा भी सेना के अंदर जाना चाहे। हमारे यहां अग्निवीर सेना भर्ती रैलियों में नहीं गये। लोगों ने इसको बहिष्कार कर दिया। चुरु के अंदर, सीकर के अंदर, हरियाणा के अंदर लोगों ने इसका बहिष्कार कर दिया। यहां हमारे आर्मी के एमपी साहब बैठे हैं। हम चाहते हैं कि भारत का सम्मान बढ़े हो सकता है, आप लोगों

से चूक हो गई हो। किसान आंदोलन में भी आपसे चूक हो गई थी। आपने माना नहीं। 700 किसानों ने शहादत दी, उसके बाद आपने बिल वापस लिये थे। यह भी बड़ी चूक है। अगर आप चाहते हैं कि हरियाणा और महाराष्ट्र आपके हाथ से नहीं जाए तो आप समय रहते संभल जाइए। अबकी बार आप 240 पर आए हैं। अगली बार जब पांच साल बाद चुनाव होंगे तो 130-135 पर आ जाएंगे। आप धीरे-धीरे घट रहे हैं। आपने 400 पार का नारा दिया था। आप नहीं पहुंच पाए। राजस्थान के दो माननीय मंत्री जी बैठे हैं। मुझे पिछली बार कह रहे थे कि आप हमारी वजह से आ गए। मैं तो फिर वापस आ गया तथा साथ में 10-12 और आए हैं। आपके 3-4 लोग मार्जिन पर रहे थे।

माननीय सभापति (श्री कृष्ण प्रसाद टेन्नेटी) : अब आप अपनी बात समाप्त कीजिए।

श्री हनुमान बेनीवाल (नागौर) : सभापति महोदय, मुझे एक मिनट दे दीजिए। मेरी सरकार से मांग है कि अग्निवीर योजना को समाप्त किया जाए। ... (व्यवधान) आप एक मिनट रुक जाइए। मुवी अलग है। आप इस योजना को पहले पढ़ लीजिए। आप लोग मोदी जी के नारे लगाने के सिवाय कुछ नहीं करते हैं। मोदी जी, मोदी जी करते रहते हैं। ... (व्यवधान)

माननीय सभापति : अब आप कन्क्लूड कीजिए।

श्री हनुमान बेनीवाल (नागौर) : सभापति महोदय, आप मुझे एक मिनट दे दीजिए। पूर्व में सेना भर्ती के लिए रैलियां होती थीं, उसमें थल सेवा, वायु सेना और नेवी, इन तीनों के अंदर फिजिकल होने के बाद बच्चों को ज्वाइनिंग लेटर दिया गया था, लेकिन आप उनकी भी भर्ती नहीं कर रहे हैं। उनकी भर्ती की जाए।

सभापति महोदय, मेरी यह मांग रहेगी कि अग्निवीर योजना को समाप्त किया जाए। सेना के सम्मान के लिए पूरा देश चिंतित है। इनके अंदर भी इस बात को लेकर निश्चित रूप से हलचल है। इस बार इनको वोट की चोट लगी है। ... (व्यवधान)

महोदय, मुझे दो मिनट बोलने दीजिए। मुझे दो मिनट में बात समाप्त करने दीजिए। आपने सबको दो-दो मिनट दिये हैं। अब मैं सिर्फ महत्वपूर्ण टॉपिक पर बात करूंगा... (व्यवधान)

(2315/SJN/SM)

माननीय सभापति (श्री कृष्ण प्रसाद टेन्नेटी) : आप महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात करिए, लेकिन अपना भाषण कन्क्लूड कीजिए।

श्री हनुमान बेनीवाल (नागौर) : महोदय, मैं समाचार पत्रों में असंगठित उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण व निरीक्षण सैंपल सर्वे के आंकड़ों को पढ़ रहा था। विगत 7 सालों में 18,00,000 उद्योग बंद हो गए और 54,00,000 लोगों को अपनी नौकरियां खोनी पड़ीं। नोटबंदी, जीएसटी तथा कोरोना महामारी इसका प्रमुख कारण है, लेकिन महामहिम राष्ट्रपति जी के अभिभाषण में इस बात का कोई जिक्र नहीं था।

सभापति महोदय, युवा आत्महत्या कर रहा है। नशे की बढ़ती प्रवृत्ति देश के लिए चिंता का विषय है। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान में सिंथेटिक नशा, एडीएमए, एलएसडी पर कैसे रोकथाम लगाई जाए, यह हम सबके लिए चिंता का विषय है। सबको इस पर विचार करना चाहिए। अभी 'नीट' की बात हुई। मैं भी चाहता हूँ कि 'नीट' पर एक दिन की चर्चा होनी चाहिए। यह हम सबकी मांग है। हमारी मांग तो यह भी है कि मंत्री जी इस्तीफा दें... (व्यवधान)

(इति)

2316 बजे

श्री सुदामा प्रसाद (आरा) : माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे महामहिम राष्ट्रपति जी के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने का मौका दिया, उसके लिए आपका आभार। मैं अपनी पार्टी के महासचिव कॉमरेड दीपांकर भट्टाचार्य और भोजपुर की महान जनता का भी आभार व्यक्त करता हूँ, क्योंकि उन्होंने मुझे लोकतंत्र के इस सबसे बड़े मंदिर में चुनकर भेजा है।

महोदय, मैं राष्ट्रपति जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के खिलाफ बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। सब लोग जानते हैं कि इस देश में खेती घाटे में जा रही है। बढ़ती महंगाई और लागत सामग्रियों के कारण खेती में किसानों को घाटा हो रहा है और जिन भू-धारी किसानों या भू-स्वामियों के पास रोजगार का दूसरा विकल्प है, वे खेती नहीं करना चाहते हैं। वे अपनी खेती बटाई पर दे रहे हैं, मनी पर दे रहे हैं, पट्टे पर दे रहे हैं। घाटे की खेती का भार देश के बटाईदार किसानों ने अपने कंधों पर उठा रखा है, लेकिन उन्हें किसान नहीं समझा जाता है। हजारों-करोड़ रुपयों का जो कृषि बजट है, उनको पहचान पत्र के अभाव में उसका लाभ नहीं मिल रहा है।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से यह गुजारिश करूंगा कि जॉब कार्ड की तर्ज पर बटाईदार किसानों को पहचान पत्र दें, ताकि उन्हें भी कृषि की हर सुविधा मिले और देश के लिए खेती करने में उनका उत्साह बढ़े।

दूसरा, हम लोग देख रहे हैं कि नोटबंदी, जीएसटी और कोरोना काल में तीन-तीन बार लॉकडाउन लगा था। अभी ऑनलाइन व्यापार आ गया है, इससे देश के जो खुदरा व्यापारी हैं, चाहे वे फुटपाथी दुकानदार हों, छोटे-मझोले व्यवसायी हों, सबका व्यापार पटरी से उतर गया है। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह मांग करूंगा कि देश के खुदरा व्यापारियों के सामरिक विकास के लिए देश में व्यवसायी आयोग का गठन किया जाए।

तीसरा, अभी त्वरित न्याय और अपराध नियंत्रण के नाम पर जो तीन नए फौजदारी कानून बनाए गए हैं, मैं समझता हूँ कि देश के संविधान में भारत के नागरिकों को अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार दिया गया है, ये उसका सीधे-सीधे उल्लंघन है। ये उल्लंघन ही नहीं है, बल्कि एक तरह से देश को पुलिस राज में तब्दील करने का षडयंत्र है। यह कहा जाए कि पुलिस को अस्थायी तौर पर संस्थागत रूप से आपातकाल लगाने की छूट दी गई है। अब कोई धरना प्रदर्शन करेगा, भूख हड़ताल करेगा, तो उसको भी अपराध की श्रेणी में रखा गया है और अपराधियों की तरह उनको भी सजा मिलेगी।

मैं समझता हूँ कि अब थानेदारों के विवेक पर इस बात को छोड़ दिया गया है कि वे एफआईआर करेंगे या नहीं करेंगे। थानों में पहले डिटेन्शन की अवधि 15 दिन थी, उसको बढ़ाकर 60 से 90 दिन कर दिया गया है। मैं समझता हूँ कि इस तरह से आप आरोपी को प्रताड़ित करके कुछ भी उगलवा सकते हैं। इसलिए इस कानून को फिर से सदन के पटल पर रखा जाए और उस पर पुनर्विचार हो एवं जो जरूरी राय या सुझाव आएँ, उसके आधार पर इसको आगे बढ़ाया जाए।

हमारे यहां खेती सोन नहर के आधार पर होती है। जिले के दक्षिणी इलाके में सोन नहरे हैं, जो करीब 150 साल पुरानी हो गई हैं। उन नहरों का पक्कीकरण करवाया जाए। बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश सरकारों के बीच सोन नदी में 'कदवन जलाशय परियोजना' अटकी हुई है। उसके लिए सरकार पहल करके उस 'कदवन जलाशय परियोजना' को पूरा कराए। मेरे जिले के उत्तरी इलाके में गंगा नदी है। गंगा नदी के किनारे जो गांव बसे हैं, वहां हमेशा कटाव होता है।

(2320/MM/RP)

उस कटाव की रोकथाम के लिए ठोकर बांध का निर्माण किया जाए। भयानक आग लग जाती है तो पंचायत लेवल पर फायर ब्रिगेड गाड़ियों का इंतजाम किया जाए। मैं आपके माध्यम से सरकार से यह मांग करता हूँ। सहारा इंडिया में गरीबों का भारी पैसा फंसा हुआ है। लोग अपने बच्चों के भविष्य के लिए, शादी-ब्याह के लिए और हमारे माननीय गृह मंत्री जी ने भी आश्वासन दिया था कि हम पैसा वापस दिलवाएंगे। सहारा इंडिया में जिन निवेशकों का पैसा फंसा हुआ है, उसको वापस दिलवाया जाए। गरीब बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

(इति)

2321 hours

DR. RICKY A. J. SYNGKON (SHILLONG): Thank you so much, Mr. Chairman, Sir, for allowing me to take part in this Motion of Thanks on the President's Address.

I stand here with a great joy. I thank you on behalf of each and every soul of Shillong Parliamentary Constituency that has supported me and enabled me to stand in this great House and speak at the last hour of the day.

Mr. Chairman, I just want to remind myself, to remind the Members of this 18th Lok Sabha, and also the rest of people of this country that nothing is impossible. I belong to a party which we have started just less than three years ago. It is a party which fought the elections without money. Our party fought the elections against corruption. It is a party which stands for clean politics, good governance, honesty, and for the protection of the rights of the indigenous people.

I uphold the Constitution of this great nation to ensure secularism, pluralism, and federalism as these are the important tenets of our great nation. King Solomon the Great said that a nation without a vision will perish. I was very delighted to hear the words like 'futuristic' and 'vision' in the Address made by the hon. President. I was waiting to know about the Government's future plan or vision in the President's Address. As a first time MP, I was listening patiently as to where the Government will take the nation but unfortunately, I did not get much except the achievements of the Government in the past. I wish that the Government will be more explicit in its endeavour.

Mr. Chairman, while mentioning the lasting peace in the North-East as spelt out in the Presidential Address, I would like to remind the Government of the day and also the Governments of the past led by the Congress Party that our people, my people, especially, those people who are living along the border areas of Assam and Bangladesh, do not feel safe at all till today. They feel very threatened. The lands have been taken away from them. They have lost their livelihood because of the failure of

successive Governments to settle the dispute for many, many years. We talk about the development of the nation. But that development is dependent on the development of these States. That is what our hon. Prime Minister said. How can we talk of development when people till this very moment are yearning for peace?

I would, therefore, like to urge the Governments to kindly take up this matter seriously. I wish and hope that the Prime Minister himself will take the lead and put an end to this long-pending issue in the interest of our great nation in general and in the interest of my people, especially those who are living along the border areas.

(2325/NKL/YSH)

Mr. Chairman, there is a saying that 'Small is Beautiful'. I am proud to stand here to represent the most beautiful people living in the eastern part of this great nation called the Khasis. Also, I come from one of the most beautiful places on Earth.

Mr. Chairman, I urge and call upon the Government and also the Members of this August House to play a role in enriching and promoting the culture of my people. When we talk about culture, language is one of the important elements. For many years, we have been demanding for the inclusion of Khasi language in the Eighth Schedule. While I was sitting here from day one, hearing our friends speaking their own languages, I hope that one day, very soon, you will also get to hear the language that I speak, that is, the Khasi language. I hope, the Government and also the Members in the Opposition would support the inclusion of the Khasi language in the Eighth Schedule.

HON. CHAIRPERSON (SHRI KRISHNA PRASAD TENNETI): Kindly conclude.

DR. RICKY A. J. SYNGKON (SHILLONG): Sir, the Government talks about development. Let me remind this House that Shillong or rather Meghalaya is one of the famous tourist destinations. When my friends, while talking outside in the corridor, ask me where I come from, I say that I come from Shillong. They say, 'Oh, Shillong is a very beautiful place.' I hope, the

Members who have never visited Shillong or Meghalaya for that matter would one day make it a point to visit Meghalaya. But the sad part is that Meghalaya is now almost 52 years old. Unfortunately, till today, we have an airport where big planes cannot land. Even though, the fact remains that Shillong or rather Meghalaya has so much potential for tourism.

HON. CHAIRPERSON: Thank you, Sir. Please conclude.

DR. RICKY A. J. SYNGKON (SHILLONG): Sir, please let me finish. This is my maiden speech. I will just take up a few more points.

Sir, I just hope that the Government and the Ministry concerned would help the State to ensure that large planes could land on this airport.

Finally, Sir, we have been talking a lot about the leakage in exams. I would like to draw the attention of the Members of this august House to another important issue which I feel that we, as Members, should seriously look at. That deals with designing a policy like CUET or NEET for our youth. What I want to say here is that before we come up with such policy, I think, it is very important to ensure the adequacy of test centres.

Sir, I am a teacher. It pains me when I come across students where they have to put a stop to their career for the simple fact that they have to travel to far-off places because there are no test centres at their places. I hope, the Government, while coming up with such a policy keeps this in mind to set up centres at every block which would be a great asset to the State and also to the nation as a whole.

(2330/VR/RAJ)

Sir, last but not least, let me just end up with this quote. I call upon the hon. Members of this august House, as the hon. President said, let us rise up and build; let us rise up above party-politics; let us rise up above caste, religion and creed; and let us build this nation. If we want to see a developed India, I would request each and every Member to rise up and build this great nation.

(ends)

2331 hours

*SHRI B. MANICKAM TAGORE (VIRUDHUNAGAR): (Hon Chairman Sir, Vanakkam. I am happy that Lok Sabha is sitting late till midnight and doing its business. I thank Hon Leader of Opposition for taking part in this Discussion on President's Address. I also extend my thanks to the people of Virudhunagar parliamentary constituency for having elected me third time to this august House. I also thank the people of Tamil Nadu who have defeated these religious forces. Hon. President's Address is disappointing. There is no mention about Government's Schemes. It is clearly evident from this Address that they have neither concerned about the people of this country nor brought any scheme for their welfare. In 2024, while replying to the Motion of Thanks to the Hon. President's Address, Hon Prime Minister spoke with arrogance in this House.)

'*Abki baar 400 paar*' was a slogan given by this Government. Out of those 303 friends who supported this slogan, only 111 have come back to this House.(*Interruptions*) Therefore, people of the country were very clear, and so they voted against arrogance. Whoever supported that slogan – *abki baar 400 paar* – have all been sent out of this Parliament. New friends have come to the Parliament and there is a sea-change in the composition of the House.(*Interruptions*) Even among the Ministers of the last Government, 22 Ministers have lost the elections. Therefore, this election has been a historic event that teaches us that you cannot be arrogant to the people of India.

(Politics of hatred, politics of religion, politics of Adani, politics of Ambani have all failed. They have lost their majority. BJP got only 240 seats and unable to get simple majority mark of 272 seats. BJP has been a failure in this election. Shri Modi has formed the government by getting the support of their allies. Nobody knows for how long will it last? Adani has been elevated to 2nd place from 602nd place in the list of rich persons. This is only considered to be 'Vikas' or development. More than 80 crore people are still dependant on ration shops for food grains. In India there are 80 crore people still managing with a meagre income of Rs 100 per day. This Modi government is for the rich and not for the poor. With the money of the rich persons, they are purchasing newspapers and TV channels. These media organisations are then made to sing in praise of him and Shri Modi enjoys it. RSS cadre is facing failures. Those who betrayed Tamil people will definitely face failure. Social justice should prevail. There should be enumeration of caste-based census. The reservation of OBC, SC and ST should together be raised from 50 per cent to 75 per cent. This will be the true social justice. There is no importance given by this Government to Tamils that is due for them. You cannot betray Tamils by just keeping Sengol, the sceptre in this House. BJD which was a friend of BJP has no MP in Lok Sabha. AIADMK even has no MP in Lok Sabha. YSR Congress led by Shri Jaganmohan Reddy is having only 4 MPs now. Those allies who are in the fold of BJP now, believing it as a saviour, such as JD (U) and TDP will also face such a situation in future. INDIA alliance will protect India. Religious forces will be defeated. Let us protect and uphold social justice. I oppose the motion moved in favour of the Hon President's Address. Thank you.)

(ends)

* () Original in Tamil

(2335/KN/SAN)

2335 बजे

श्री सुधीर गुप्ता (मन्दसौर) : सभापति जी, रात 11 बजकर 35 मिनट पर आपने मुझे भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी के अभिभाषण के समर्थन में बोलने के लिए अवसर दिया है, उसके लिए मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ।

मैं अभिभूत हूँ कि भारत की एक लोकतांत्रिक व्यवस्था का सम्मान करते हुए 64 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने लोकतंत्र की मजबूती हेतु मतदान किया है। देश भी खुश है कि कश्मीर घाटी में लोकतंत्र की मजबूती का कई दशकों का रिकॉर्ड टूटा है। मैं माननीय मोदी जी के शब्दों में ही कहूँगा कि—

अपने मन में एक लक्ष्य लिए
मंजिल अपनी प्रत्यक्ष लिए
हम तोड़ रहे हैं जंजीरें
हम बदल रहे हैं तस्वीरें
ये नवयुग है नव भारत है
खुद लिखेंगे अपनी तकदीरें
हम निकल पड़े हैं प्रण करके
अपना तन-मन अर्पण करके
जिद है एक सूर्य उगाना है
अम्बर से ऊंचा जाना है
एक भारत नया बनाना है
एक भारत नया बनाना है।

ये 10 वर्ष सेवा, सुशासन, ईमानदारी, गरीब कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य और समृद्धि का नया दौर है या यूँ कहे कि ये भारत का स्वर्णिम काल है, ये भारत का गोल्डन एरा है। कहां से गिनें— गरीबी हटाओं का नारा कांग्रेस का, मनोज कुमार फंसे और पिक्चर बनाई— रोटी, कपड़ा और मकाना नारा झूठा रहा। चार करोड़ मकान तो मोदी जी की सरकार ने दिए। 83 करोड़ लोगों के लिए रोटी का प्रबंधन, घर-घर राशन मोदी सरकार ने पहुंचाया, कांग्रेसियों ने सिर्फ नारा लगाया।

वर्ष 1950 में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने नारा लगाया— संविधान लागू होने के दस वर्ष के भीतर अनिवार्य, निःशुल्क और गुणवत्ता वाली शिक्षा दे दी जाएगी। मगर दुर्भाग्यवश भूल गए। वर्ष 1984 में राजीव गांधी जी ने फिर दोहराया कि 21वीं सदी के पहले शिक्षा की गुणवत्ता लाकर बताएंगे। मगर दुर्भाग्य हो न सका। वर्ष 2001 में अटल विहारी वाजपेयी के कार्यकाल में सर्वशिक्षा अभियान आया। शिक्षा सब के लिए उपयागी बने और सुधार मोदी युग में आया।

मेडिकल एजुकेशन से लेकर आईटीआई तक या स्थानीय भाषाओं को उपयोगी बनाने के प्रयोग से लेकर नालंदा विश्वविद्यालय तक शिक्षा की गुणवत्ता का एक महान अभियान चला। अगर

स्वास्थ्य की बात करें तो आप देश में पल्स पोलियो अभियान 40 साल तक ला न सके। अगर पल्स पोलियो अभियान आया तो अटल विहारी वाजपेयी की सरकार में आया। अगर कोरोना वैक्सीनेशन जैसा महान काम हुआ तो मोदी युग में हुआ। आप कुछ कर न सके।

आयुष्मान भारत से 6 करोड़ 50 लाख लोगों को 81 हजार 979 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष लाभ हुआ है। आप एम्स जैसी संस्थाओं की डींग हांकते रहे कि हम एम्स लेकर आए। लेकिन जब हमने फैंक्ट चैक किया तो भारत में पहला एम्स राजकुमारी अमृत कौर के निजी फंड से बना था। जब मोदी युग आया तब तक सात एम्स बन चुके थे। सात में से छः एम्स का भूमि पूजन माननीय अटल विहारी वाजपेयी के हाथों हुआ। आपके हाथों एक रायबरेली एम्स का उद्घाटन हुआ, मगर आप वह बना न सके। यह दुर्भाग्य था, वह भी वर्ष 2017 में मोदी युग में आकर बना है। आप कहां की बात करेंगे? आपने देश को जो इकोनॉमी दी थी, हमारे आते समय वर्ष 2014 में 13 लाख 90 हजार करोड़ रुपये का कुल रेवेन्यू था। अगर हम पिछले साल का बजट देखें तो 47 लाख 50 हजार करोड़ रुपये का विशाल बजट था।

विश्व की 11वीं से 5वीं अर्थव्यवस्था और अब तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की तैयारी में है। आप चिल्लाते रहे। हमने विदेशी मुद्रा भंडार, फोरेक्स को 650 करोड़ रुपये तक पहुंचाया। आप सोने को गिरवी रखकर पैसा उगाकर ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) के लिए लाए थे। मगर आज भारत के बैंकों के पास 8 लाख 22 हजार किलो सोना है। शायद आपका इरादा फिर से ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) का हो सकता है, क्योंकि इमर्जेंसी के वक्त आमेर के किले से निकला सोना कहां गया, इटली या स्विट्जरलैंड, किसी को पता नहीं है।

(2340/VB/SNT)

रेलवे का विकास, इंफ्रास्ट्रक्चर, रोड्स, एयर कनेक्टिविटी, इरिगेशन, पर्यटन, उद्योग या डिजिटल भारत एवं चाँद पर कदम रखने के काम से लेकर गरीब कल्याण तक मोदी युग के सफलता की कहानी है। आप तो आन्दोलनों और देश को दंगों में, देश को जातिवाद का जहर पिलाकर उलझाने में लगे रहे। किसान आन्दोलन का प्रयोग राहुल गांधी ने भारत में सबसे पहले मेरे संसदीय क्षेत्र में आकर किया था। मारे गये थे किसान। लेकिन जब वे आन्दोलन करने आये तो न तो किसानों ने आपका साथ दिया, न देवों ने। मेरे यहाँ पड़ोस में, राजस्थान में एक धर्म स्थान है, जहाँ लाखों की संख्या में मधुमक्खियाँ निवास करती हैं, जब राहुल गांधी मेरे संसदीय क्षेत्र में प्रवेश कर रहे थे, तो लाखों मधुमक्खियों ने उनका पीछा किया और उन्हें इलाका छोड़कर भागना पड़ा। वे पटरी-पटरी भागे। भगवान भी आपके इस दुष्कर्म को पहचानते हैं।

हम जानते हैं कि आप घोटालों के लिए प्रसिद्ध संस्थान हो। कोयला ब्लॉक आवंटन से लेकर खेल घोटाले तक और जम्मू-कश्मीर में क्रिकेट एसोसिएशन के घोटाले के लिए आप प्रसिद्धि प्राप्त हो। जब माननीय अध्यक्ष जी जब क्रिकेट की विजय पर धन्यवाद दे रहे थे, तो मैं समझता हूँ कि भूले-बिसरे एकाध कांग्रेसी बेंचों से क्लैपिंग हुई थी। आपके चेहरे मुरझा गये थे क्योंकि भारत आपके कार्यकाल में नहीं जीता है। यह मौका ईश्वर आपको देना नहीं चाहते। आप तो टू-जी घोटाले में लगे

रहें, आपके साथी शारदा चिट फण्ड में लगे रहें, आपके साथी नौकरी के बदले भूमि खा जाने में लगे रहें, आपके साथी टॉटी ले जाने की स्कीम में लगे रहें और आपका एक साथी अभी दिल्ली में 360 झीलें बनाने में उलझा हुआ है। वे अन्ना हजारे को उलझाकर यहाँ आ गये। शायद आपके इरादे नेक नहीं हैं।

माननीय सभापति जी, मैंने राष्ट्रपति जी के अभिभाषण को सुना। उन्होंने जो कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि आप 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ दायित्व निभाएंगे और 140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षापूर्ति का माध्यम बनेंगे।

उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि लोकतांत्रिक परम्पराओं को अपने कौशल से नई ऊँचाई देने में सफल होंगे। माननीय सभापति जी, मैं राष्ट्रपति जी द्वारा कहे हुए दो शब्दों को संज्ञान में लाना चाहता हूँ। वे हैं- 'राष्ट्र प्रथम' और 'लोकतांत्रिक परम्परा'। ये दो बातें हैं। इन दोनों में देश कहाँ पर खड़ा है और इसे कौन कहाँ ले गया, यह विचार का विषय है। चूंकि ज्ञान बघारने के लिए, जैसा कि आज अपॉजिशन लीडर ने ज्ञान बघारा, तो मैंने भी सोचा कि मैं देखूँ कि ज्ञान आता कहाँ से है। ज्ञान के प्रकार हैं- ज्ञान आता है अध्ययन से, ज्ञान आता है चिन्तन से, ज्ञान आता है मनन से, ज्ञान आता है विचार से, ज्ञान आता है तर्क से, ज्ञान आता है स्मृति से, ज्ञान आता है कल्पना से। मगर कुछ ज्ञान ऐसे भी आते हैं, जो कहीं से उठाकर आ जाते हैं। इस ज्ञान को देने के लिए कोई टीचर भी अवेलेबल रहते हैं। जैसे ज्ञान ट्रांसफर हुआ इटली से, तो वह तो मदर साइड से आ गया, ज्ञान ट्रांसफर हुआ पाकिस्तान से, तो वह ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) ले आए, ज्ञान ट्रांसफर हुआ चाइना से, वह खुद उठा ले आए, ज्ञान ट्रांसफर हुआ स्कॉटलैंड से, वह ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) की मदर साइड से आ गया, ज्ञान ट्रांसफर हुआ फिलीस्तीन से, वह उनके भाई ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) ले आए, ज्ञान ट्रांसफर हुआ ओसामा से, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया से या जाकिर नाईक से, वह ... (अध्यक्षपीठ के आदेशानुसार कार्यवाही-वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।) उठा ले आए। यह जोरदार है।

हम बचपन में कहानी सुनते थे- शेर की खाल पहनकर रोज कहता था- मैं शेर हूँ, मैं शेर हूँ, एक दिन शेरों के समूह में आए, तो फंस गये। संविधान की पुस्तक लेकर रोज चलते हो बाजार में, मैं संविधान रक्षक हूँ, मैं संविधान रक्षक हूँ, तंगदिल तुम क्या रक्षा करोगे संविधान की? मगर आज जैसे ही संसद में आए, तो फंस गये, घिर गये, झूठ पकड़ा गया। अब तो अध्यक्ष जी ने भी जवाब मांगने का मन बना लिया।

जिसके किरदार पर शैतान भी शर्मिंदा हो,
वे आए हैं यहाँ करने नसीहत हमको।

माननीय राष्ट्रपति महोदय जी ने 'राष्ट्र प्रथम' कहा। मैं भी सोच रहा था 'राष्ट्र प्रथम' है, लेकिन एक भाई के लिए फिलिस्तीन प्रथम है। वे बैठते हैं 'इंडी' गठबंधन के साथ।

(2345/PC/AK)

वे इंडिया गठबंधन के साथ बैठते हैं। इंडिया गठबंधन के लिए मुस्लिम लीग, वे पीछे से ही पीछे लगे हुए हैं। ... (व्यवधान) मैं तीसरी बार सदन में आया हूँ, मुस्लिम लीग का आशीर्वाद पीछे से ही मिलता रहता है। राष्ट्र प्रथम है। एक को चुनाव लड़ाया, जो कहता था 'भारत तेरे टुकड़े होंगे, इंशा-अल्लाह, इंशा अल्लाह'। कांग्रेस का महासचिव है, मनोज तिवारी जी ने हरा दिया, यह है राष्ट्र प्रथम। ... (व्यवधान)

SHRI SALENG A. SANGMA (TURA): Sir, I am on a point of order. ...

(Interruptions)

माननीय सभापति (श्री कृष्ण प्रसाद टेन्नेटी) : सुधीर जी, अब आप कंकलूड कीजिए।

... (व्यवधान)

श्री सुधीर गुप्ता (मन्दसौर) : पाकिस्तान को इज्जत दे भारत, उसके पास परमाणु बम है, पाकिस्तान बम मार देगा। ... (व्यवधान) अरे, पाकिस्तान 2024 में बम मार देगा। ... (व्यवधान) पाकिस्तान से भारत व मोदी की बुराई करो। ... (व्यवधान) राष्ट्र प्रथम। ... (व्यवधान) 2015 में ... (Expunged as ordered by the Chair) ने आतंकवादी ओसामा को ओसामा जी के नाम से संबोधित किया। ... (व्यवधान) राष्ट्र प्रथम। ... 10 जुलाई, 2017 की रात चीनी दूतावास में क्यों गए? बताओ, राष्ट्र प्रथम? ... (व्यवधान) शायद नाना, अरे सॉरी, नाना तो नेहरू जी नहीं हो सकते। ... (व्यवधान) यह बड़ा कंप्यूजन है। ... (व्यवधान)

माननीय सभापति: माननीय सदस्य, आप अपना पॉइंट ऑफ ऑर्डर बताइए।

... (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: Hon. Member, under what rule are you raising a point of order?

... (Interruptions)

SHRI SALENG A. SANGMA (TURA): Sir, I am on a point of order under Rule 376. ... (Interruptions)

श्री सुधीर गुप्ता (मन्दसौर) : राहुल के नाना, सॉरी, नाम पता नहीं। ... (व्यवधान) राजीव गांधी के नाना, नाम पता नहीं। ... (व्यवधान) नेहरू नाना हैं, जिन्होंने मानसरोवर तक का हिस्सा चीन को दे दिया। ... (व्यवधान) शायद वह लेने रात को गए होंगे। ... (व्यवधान) लोकतांत्रिक परंपराओं को नई ऊंचाई दें। ... (व्यवधान) शेर की खाला ... (व्यवधान) अधीर रंजन चौधरी जी को कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे जी ने शायद इसलिए हराने की योजना

बनाई कि अधीर रंजन चौधरी जी अगर आ गए, तो उनसे कम योग्य राहुल गांधी को विपक्ष का नेता नहीं बनाया जा सकता है। ... (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: Thank you, Shri Sudheer Gupta.

... (Interruptions)

श्री सुधीर गुप्ता (मन्दसौर) : सर, मैं एक मिनट में कंकलूड कर रहा हूँ। ... (व्यवधान) समस्त प्रांतीय कांग्रेस कमेटियों की इच्छाओं के बावजूद मतदान ... (व्यवधान) सर, मैं एक सैकेंड में कंकलूड कर रहा हूँ। ... (व्यवधान) सरदार पटेल को रिप्लेस किया, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को बनने नहीं दिया। ... (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: Before I ask Dr. Akoijam to speak, Mr. Saleng has raised a point of order. Hon. Member, please mention your point of order.

... (Interruptions)

SHRI SALENG A. SANGMA (TURA): Sir, if he is reading it out, then he can place it on the Table of the House. ... (Interruptions) We do not have time for it. ... (Interruptions) आप उनको इसे टेबल पर रखने के लिए बोलिए वे पेपर से रीड कर रहे हैं। ... (Interruptions)

HON. CHAIRPERSON: Shri Sudheer Gupta, please sit down.

... (Interruptions)

श्री सुधीर गुप्ता (मन्दसौर) : कांग्रेस ने अंबेडकर जी को चुनाव हराया और अंबेडकर जी के खिलाफ चुनाव में जिसको खड़ा किया, उन्हें आपने पदम् श्री अवॉर्ड दिया है। ... (व्यवधान) मैं एक आखिरी बात बोलकर अपनी बात समाप्त कर रहा हूँ। ... (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: Dr. Akoijam, you can start speaking.

... (Interruptions)

श्री सुधीर गुप्ता (मन्दसौर) : सर, आज इन्होंने मेरी व्यक्तिगत भावना को ठेस पहुंचाई है। ... (व्यवधान) इन्होंने कहा है कि सभी हिंदू हिंसक होते हैं। ... (व्यवधान) सर, मैं आग्रह करना चाहता हूँ कि इन्होंने हिंदू के बारे में कहा है, अर्थात् ये हिंदू नहीं हैं। ... (व्यवधान) सर, ये हिंदू नहीं हैं। ... (व्यवधान)

(इति)

माननीय सभापति: सुधीर गुप्ता जी, आप बैठ जाइए।

... (व्यवधान)

HON. CHAIRPERSON: I am calling Dr. Akoijam to start speaking.

... (Interruptions)

2349 hours

DR. ANGOMCHA BIMOL AKOIJAM (INNER MANIPUR): Mr. Chairperson Sir, thank you for this time. ... (*Interruptions*) As I get up to speak on the troublesome moment in the history of India -- that has never happened -- called the tragedy of Manipur, which is sought to be silenced by the Government. ... (*Interruptions*) It is an irony that such an important matter, which is sought to be silenced gets an opportunity as the midnight hour approaches. This reminds me of the fact that for people in my home State, the time is two hours ahead of Delhi.

(2350/UB/CS)

We have been dancing to the tune of Delhi and the time that is supposed to be approaching is twelve at the moment.

People like Jahnu Barua and others have demanded for years that North East should have a separate time zone because only then we will be able to live with dignity and a sense of well-being. The kind of priority that I can sense is this moment that I get a chance to speak.

Mr. Chairman, I am drawing your attention to the absence of Manipur in the President's Address. This is not a simple absence. This is a reminder of a Rashtra Chetna which excludes people. You must realise that more than 60,000 people have been languishing in relief camps in a wretched condition for the last one year. I was associated with a research project. We have interviewed more than 1,500 survivors of partition of 1947. You are witnessing the same thing that people are living in a wretched condition. I cannot even mention that here. Sir, 60,000 people getting homeless is not a joke. 200 plus people died and there has been a civil war like situation where people are armed to the teeth and roaming around, fighting each other, defending their villages; and the Indian State has been a mute spectator to this tragedy for one year. I must remind this House that each and every square centimetre of Manipur is covered by the Central Armed Forces. It is one of the most militarised areas in this country where you have more armed policemen than the civil police besides the Armed Forces of the

Centre. Despite this, how is it that 60,000 people were rendered homeless, and villages and houses were destroyed? Yet, our Prime Minister remained mute. He did not utter even a word. The President's Address does not even have a mention of that. I say that this silence is not normal. It is a reminder of the fact which many scholars have said that there is a continuity between colonial and the post-colonial period.

Today, we are observing a day where we are enacting new criminal laws seemingly discarding the colonial heritage but as Ashish Nandy says that colonialism is a state of mind and it is a psychological phenomenon. It is an outlook, the way you look at the people, the way you look at the world. The fact is that this continuity is shown by neglecting the tragedy of a State which is the 19th State of the Union, and it is amazing to see that I get an opportunity as the midnight hour approaches to register this anguish and hurt of the denial that this country has meted out to its own citizens in the State of Manipur. I must ask this question to the House. Is this silence communicating to the people of North East and Manipur in particular, that we do not matter in the Indian States' scheme of things?

Major Laishram Jyotin, who was awarded Ashok Chakra, while grappling with suicide bomber was a Manipuri. He was awarded Ashok Chakra. You are dishonouring his own State. Major Ngangom Joy Dutta was awarded Vir Chakra while fighting for this country and doing his duty as part of the peacekeeping force in Sri Lanka in 1987. You are dishonouring this man. You are dishonouring the lives of the youths who hold the tricolour on international platforms. To people like Mary Kom, Sarita Kunjarani, and Mirabai Chanu, you are saying that they do not matter in this country and their State does not matter in this country. You are also saying that people like Ratan Thiyam, the icon of the culture of this country, and Aribam Shyam Sarma do not matter in this country. ... (*Interruptions*) If you have an iota of concern for the State, there would not have been silence in this House or no mention in the President's Address. This must be registered.

HON. CHAIRPERSON (SHRI KRISHNA PRASAD TENNETI): Please raise your point of order.

... (*Interruptions*)

DR. ANGOMCHA BIMOL AKOIJAM (INNER MANIPUR): This must be registered. If you wanted to doubt the nationality and nationalism of the people of that State, you must realise that these people have fought for the country. These people have made sacrifices for this country. Please remember this.

(2355/SRG/IND)

डॉ. निशिकान्त दुबे (गोड्डा) : सभापति जी, यह गलत बात है। मेरा प्वाइंट ऑफ आर्डर है... (व्यवधान) माननीय सदस्य ने मैरीकॉम का नाम लिया है कि हम मैरीकॉम को इज्जत नहीं दे रहे हैं... (व्यवधान) यह क्या बात है? मैरीकॉम को हमने मैम्बर ऑफ पार्लियामेंट बनाया, भारतीय जनता पार्टी ने मैम्बर ऑफ पार्लियामेंट बनाया... (व्यवधान) कैसे हमने मणिपुर को इज्जत नहीं दी है? मणिपुर को स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी दी है। मेरे मामा को मणिपुर में गोली लगी। वे सीआरपीएफ के डीआईजी थे... (व्यवधान) इन्हें शहीद का मतलब नहीं पता है। वर्ष 1956 में पहला एएफएसपीए मणिपुर में लगा और 1956 से आज तक ... (व्यवधान) कांग्रेस के कारण मणिपुर की यह स्थिति है।

DR. ANGOMCHA BIMOL AKOIJAM (INNER MANIPUR): You excluded Manipur. ... (*Interruptions*) Can you negate it? ... (*Interruptions*) We are talking about the inclusion of the North-East's history after 75 years. That is a classic exclusion. India was an anthropological subject, not a historical subject in the eyes of the colonial forces. ... (*Interruptions*) Today, the North-East remains outside of the history of the Indian history textbooks. That is why, you treat them as others. That is the silence, and the silence on the Manipur tragedy is not unique. It is the reflection of this general continuity of the post-colonial era. ... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON (SHRI KRISHNA PRASAD TENNETI): Sir, you have made your point.

... (*Interruptions*)

DR. ANGOMCHA BIMOL AKOIJAM (INNER MANIPUR): It is sad to see that the Nationalist Party like the BJP will feel comfortable with this silence on the Manipur tragedy. ... (*Interruptions*) Keep your hands on your heart and think about the 60,000 people who are languishing in

relief camps. ... (*Interruptions*) Think of those mothers, those widows and then you talk about nationalism. ... (*Interruptions*)

HON. CHAIRPERSON: He made his point.

... (*Interruptions*)

DR. ANGOMCHA BIMOL AKOIJAM (INNER MANIPUR): Only then we will understand what this tragedy means. ... (*Interruptions*) Mr. Chairman, the hurt, the anger has thrown a nobody like me to be part of this temple of democracy by defeating the BJP Cabinet Minister. Think about the pain! If you hear anxiety and pain in my voice, please go back and see those things. ... (*Interruptions*) 60,000 people are languishing in relief camps. ... (*Interruptions*) Do not talk about Partition till you win that. ... (*Interruptions*) I will keep quiet the moment the Prime Minister opens his mouth and a nationalist Party says that Manipur is part of India and we care for the people of that State. ... (*Interruptions*) Only then I will accept what is nationalism in our country. ... (*Interruptions*)

With these words, I conclude my speech.

(ends)

2358 hours

HON. CHAIRPERSON: I thank the House. The House stands adjourned to meet on Tuesday, the 2nd July, 2024 at 11 AM.

*The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Tuesday,
July 2, 2024/Ashadha 11, 1946 (Saka)*